राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 7 अंक 308

मूल्य ₹8.00 नई दिल्ली, मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024

www.jagran.com

पृष्ठ 14

देश के बाहर भी काम करती है मोदी की गारंटी >>7

महिला शक्ति को बनाया आनलाइन व्यवसाय में दक्ष

पानीपत : डिजिटली युग की महत्ता को प्रिया ने पहले स्वयं समझा और व्यवसाय स्थापित किया। इसके बाद युवाओं को राह दिखाने के साथ तीन हजार से अधिक महिलाओं को फोन पर ही आनलाइन व्यवसाय के टिप्स दिए। • पेज-7

संपादकीय

चुनाव बाद की तैयारी में मोदी : प्रधानमंत्री मोदी के लिए चार सौ पार का नारा महज चुनावी नारा नहीं, बल्कि अपने वादों को पूरा करने की एक जरूरत है। **संदीप घोष** का आकलन।

जमीनी हकीकत में बदलाव की चाहत : प्रलोभन देकर वोट बटोरने की कुप्रथा अंततः नुकसान ही करती है। इससे बचने की जरूरत है। **गिरीश्वर मिश्र** का आलेख। • पेज-8

विमर्श

भ्रामक विज्ञापनों के प्रति सजगता का मामला : इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की प्रतिबद्धता आजकल भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने की है। परंतु सीमित सजगता से कुछ नए सवाल भी पैदा होते हैं, जिसे दर्शा रहे, **कौशल किशोर**।

नेतृत्व के प्रति संतुष्टि का भाव : राष्ट्राध्यक्ष यदि दृढ़ निर्णय लेने वाला हो तो अधिकांश जनता उसे पसंद करती है। भारत के मामले में अभी ऐसा देखने में आ रहा है, जो देश में लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि भाव को दर्शाता है। **राजेंद्र प्रसाद शर्मा** का आलेख। • पेज-9

आइपीएल

आज का मैच

कोलकाता नाइटराइडर्स vs राजस्थान रायल्स

शाम 7:30 बजे | स्थान : कोलकाता

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो सिनेमा

सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

रामलला के चरणों में है शाश्वत सुख

ईश्वर पर करें विश्वास • पेज-13

विश्वास.News

अरुण गोविल का अधूरा वीडियो प्रसारित

विश्वास न्यूज की पड़ताल • पेज-13

महासमर 2024

द्रविड़ धारा की राजनीति को नहीं मिल रही जगह पेज>>3

कोई कितना जोर लगा ले, मणिपुर को टूटने नहीं देंगे : शाह पेज>>4

मैं भी राजनीति में आने का इच्छुक हूं... सही समय पर लूंगा निर्णय : वाड्रा पेज>>5

वोट बैंक के लिए कांग्रेस ने ठुकराया प्राण प्रतिष्ठा का आमंत्रण : मोदी

रामनवमी से पहले साधा निशाना, बोले– सनातन विरोधी द्रमुक से गठबंधन की है कौन–सी मजबूरी

- कहा, चुनावी बांड पर झूठ फैला रहा विपक्ष, बाद में पछताएंगे लोग
- ईडी में दर्ज किए गए सिर्फ तीन प्रतिशत मामले राजनेताओं के विरुद्ध

नई दिल्ली, एएनआइ : रामनवमी से ठीक पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि कांग्रेस ने वोट बैंक को साधने के लिए अयोध्या में नवनिर्मित मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण ठुकराया था। उन्होंने एएनआइ के साथ विशेष साक्षात्कार में सनातन से लेकर चुनावी बांड और ईडी की कार्रवाई पर सवाल उठाने वाले विपक्ष के आरोपों पर भी हमला बोला। उन्होंने कांग्रेस से यह सवाल भी किया कि ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने सनातन धर्म के विरुद्ध घृणा और जहर उगलने वाली द्रमुक के साथ गठबंधन किया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि राम मंदिर मुद्दे का समाधान देश के बंटवारे के वक्त किया जा सकता था, उसके बाद अदालत में मामला निपट सकता था, लेकिन इस मुद्दे का वोट बैंक के तुष्टीकरण के लिए राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया। कांग्रेस को गर्व होना चाहिए था कि मंदिर के लिए संघर्ष करने वालों ने उसके सभी पापों को भुलाकर आमंत्रित किया था, लेकिन वोट बैंक ने उसे असहाय बना दिया और उसने आमंत्रण ठुकरा दिया। मोदी ने कहा कि जब संविधान बनाया गया था तो उसके हर पेज की पेंटिंग सनातन की परंपरा से जुड़ी हुई थी। उस संविधान में सनातन सरकार का अंग था। आज अगर कोई सनातन को अपशब्द कहने की हिम्मत करता है और आप उसके साथ राजनीति करते हैं तो यह देश के लिए चिंता का विषय है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा रद्द की गई चुनावी बांड योजना के बारे में उन्होंने कहा कि विपक्ष इस बारे झूठ फैला रहा है। इस योजना को सफलता की एक कहानी के रूप में देखा जाना चाहिए क्योंकि इसी के कारण पता चला कि पार्टियों को किसने चंदा दिया। हमने कभी नहीं कहा कि निर्णय लेने में कोई खामी नहीं थी। इसमें भी सुधार की काफी गुंजाइश थी। लेकिन अब देश को पूरी तरह चुनावों में कालेधन के दौर में धकेल दिया गया है। जब भी इस संबंध में ईमानदारी से सोचा जाएगा तो हर कोई पछताएगा। मोदी ने कहा कि जांच एजेंसियों द्वारा कार्रवाई के बाद जिन 16 कंपनियों ने चंदा दिया था, उस चंदे में से सिर्फ 37 प्रतिशत भाजपा को और 63 प्रतिशत भाजपा के विरोधी दलों को मिला था। जब चुनावी बांड योजना से संबंधित विधेयक को संसद में पारित किया गया था तो आज इस पर टिप्पणी करने वाले कुछ लोगों ने इसका समर्थन किया था। उन्होंने 1,000 और 2,000 रुपये के नोटों को बंद करने के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि चुनावों के दौरान बड़ी मात्रा में इन नोटों को ले जाया गया था। सरकार ने यह कदम इसलिए उठाया ताकि कालाधन खत्म हो।

भाजपा सरकार द्वारा जेले भेज जाने के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ईडी द्वारा दर्ज तीन प्रतिशत केस ही राजनेताओं के खिलाफ हैं और 97 प्रतिशत मामले उन लोगों या कंपनियों के विरुद्ध हैं जिनका राजनीति से कोई लेना–देना नहीं है। ईमानदार व्यक्ति को कोई डर नहीं है, लेकिन भ्रष्टाचार में शामिल लोगों को अपने पाप का डर है। चुनाव में समान अवसरों के अभाव के विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि विपक्ष सिर्फ अपनी आसन्न हार के बहाने तलाश रहा है। एक कहावत है, 'नाच न जाने, आंगन टेढ़ा।' इस संबंध में कोई भी कानून मेरी सरकार ने नहीं बनाया है।

नई दिल्ली में एएनआइ के साथ विशेष साक्षात्कार में प्रश्नों के उत्तर देते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। एएनआइ

हमारी पंरपरा है, 'प्राण जाए पर वचन न जाए' : मोदी

नई दिल्ली : जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के आरोपों पर विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए पीएम मोदी ने कहा है कि यह याद रखा जाना चाहिए कि हमारे यहां 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की परंपरा रही है। लिहाजा नेताओं को दिए गए बयानों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा, 'मैं जो कहता हूं, वह मेरी जिम्मेदारी है और मैंने इसकी गारंटी दी है। मैं उसके लिए प्रतिबद्ध भी हूं और उसका दायित्व लेता हूं।' (पेज-4)

सुप्रीम कोर्ट से भी केजरीवाल को फिलहाल राहत नहीं

दिल्ली आबकारी घोटाला

- गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर ईडी को नोटिस जारी
- मामले पर शुक्रवार को सुनवाई की केजरीवाल की मांग नहीं की स्वीकार

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने के लिए सुप्रीम कोर्ट से फौरी राहत की उम्मीद लगाए बैठे दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में मनी लांड्रिंग के आरोपित मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सोमवार को निराशा हाथ लगी। सुप्रीम कोर्ट ने गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली केजरीवाल की याचिका पर ईडी को नोटिस तो जारी किया, लेकिन चुनाव प्रचार में हिस्सा लेने की दुहाई देते हुए मामले पर इसी शुक्रवार को सुनवाई कर लेने की उनकी मांग नहीं मानी। कोर्ट ने मामले को 29 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए लगाने का आदेश दिया। इससे साफ है कि इस मामले में 28 अप्रैल तक तो केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिलने वाली। केजरीवाल इस समय न्यायिक हिरासत में हैं और जमानत याचिका दाखिल कर जमानत मांगने का विकल्प उनके पास खुला है।

सोमवार को उपरोक्त आदेश जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस दीपांकर दत्ता की पीठ ने केजरीवाल की दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के बाद दिए। दिल्ली हाई कोर्ट ने नौ अप्रैल को उनकी याचिका खारिज कर दी थी और गिरफ्तारी को वैध ठहराया था। सोमवार को जब मामला सुनवाई पर आया तो केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी सुप्रीम कोर्ट से कुछ अंतरिम राहत या फिर मामले पर जल्द सुनवाई की तारीख चाहते थे, लेकिन कोर्ट ने ऐसा नहीं किया और याचिका पर विचार का मन बनाते हुए नोटिस जारी किया। कोर्ट ने कहा कि ईडी 24 अप्रैल तक अपना जवाब दाखिल करे और उसके बाद 26 अप्रैल तक याचिकाकर्ता प्रत्युत्तर दाखिल कर सकता है। मामले को 29 अप्रैल से शुरू होने वाले सप्ताह में सुनवाई पर लगाया जाए। कोर्ट ने सिंघवी को साफ किया कि वह इससे नजदीक की तारीख नहीं दे सकता। जब सिंघवी ने मामले को असामान्य बताते हुए बहस करनी चाही तो कोर्ट ने उनसे कहा कि वह अभी नोटिस जारी कर रहा है, सिंघवी अपनी दलीलें बाद के लिए बचाकर रखें। पीठ ने कहा कि उन्हें मामले के तथ्य मालूम हैं और उन्होंने इस केस की फाइल अच्छे से पढ़ी है।

अरविंद केजरीवाल (फाइल)। आर्काइव

कुछ ऐसा तथ्य बताना चाहते हैं जो अदालत के अंतरात्मा को झकझोर देंगे : सिंघवी पेज>>2

गोवा चुनाव में आप का फंड मैनेज करने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली : ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के फंड का कथित तौर पर प्रबंधन किया था। सूत्रों ने बताया कि चनप्रीत सिंह को मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 12 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। इसके अगले दिन विशेष अदालत ने उन्हें 18 अप्रैल तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया। (पेज-2)

चुनावी बांड दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना : राहुल

वायनाड (केरल) : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चुनावी बांड को दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना बताया और कहा कि इसके पीछे पीएम नरेन्द्र मोदी मास्टरमाइंड हैं। राहुल की यह टिप्पणी पीएम द्वारा विपक्षी दलों पर चुनावी बांड योजना पर झूठ फैलाने का आरोप लगाने के बाद आई। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा को बांड के रूप में धन मिलने के तुरंत बाद उन दानदाताओं को बड़े कांट्रेक्ट दिए गए। (पेज-5)

न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिशों पर पूर्व जजों ने लिखा पत्र

- सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 21 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने सीजेआइ से की शिकायत
- कहा–अनुचित दबावों से बचाएं, न्यायिक प्रणाली में जनविश्वास कम करने का प्रयास

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के 21 सेवानिवृत्त जजों ने भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआइ) को पत्र लिखकर कुछ गुटों द्वारा न्यायपालिका पर दबाव बनाने पर चिंता जताई है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि कुछ गुट सोचे–समझे दबाव, गलत सूचना और सार्वजनिक अपमान के माध्यम से न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। ये आलोचक संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित हैं और न्यायिक प्रणाली में जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। न्यायपालिका को अनुचित दबावों से बचाने की आवश्यकता है।

सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज दीपक वर्मा, कृष्ण मुरारी, दिनेश महेश्वरी और एमआर शाह सहित हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त जजों की ओर से सीजेआइ को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि उनके संज्ञान में आया है कि कुछ तत्व संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ से प्रेरित होकर हमारी न्यायिक प्रणाली में जनता का भरोसा कम करने का प्रयास कर रहे हैं। इस तरह की कार्रवाइयां न केवल हमारी न्यायपालिका की पवित्रता का अनादर करती हैं बल्कि न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांत के लिए भी सीधी चुनौती हैं, जिन्हें कानून के संरक्षक के रूप में बनाए रखने की जजों ने शपथ ली है। न्यायपालिका की प्रतिष्ठा को खराब करने के उद्देश्य से आधारहीन सिद्धांतों के प्रचार से लेकर न्यायिक परिणामों को पक्ष में प्रभावित करने के लिए प्रत्यक्ष और गुप्त प्रयास शामिल हैं।

पत्र में पूर्व जजों ने कहा कि वे विशेष रूप से गलत सूचना की रणनीति व न्यायपालिका के खिलाफ जनता की भावनाओं को भड़काने के बारे में चिंतित हैं। ये चीजें न केवल अनैतिक हैं बल्कि हमारे लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के लिए भी हानिकारक हैं। विचारों से मेल खाते फैसलों की चुनिंदा रूप से प्रशंसा और बेमेल की आलोचना की प्रथा न्यायिक समीक्षा और कानून के शासन के सार को कमजोर करती है।

निष्पक्षता का जतन। प्रतीकात्मक

न्यायपालिका को भाजपा से खतरा : कांग्रेस

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि भारत के प्रधान न्यायधीश को लिखे गए सेवानिवृत्त जजों के पत्र के जरिये प्रधानमंत्री के उस अभियान का पता चलता है, जिसमें हाल के महीनों में न्यायपालिका को डराने और धमकाने के प्रयास किए गए हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक प्रेस कांफ्रेंस में आरोप लगाया कि न्यायपालिका की आजादी को सबसे बड़ा खतरा भाजपा से है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एमआर शाह का नाम लिए बगैर कहा कि इस सूची में एक नाम देखकर आप समझ जाएंगे कि इस पूरे मामले का उद्देश्य, पृष्ठभूमि और मालिक कौन है।

हर दिन ड्रग्स, नकदी और आभूषण समेत 100 करोड़ की औसतन जब्ती कर रहा चुनाव आयोग

- चुनाव प्रक्रिया शुरू होने के बाद से अब तक देशभर से 4650 करोड़ की जब्ती
- इनमें दो हजार करोड़ से अधिक की कीमत का अकेले ड्रग्स ही शामिल, 400 करोड़ की नकदी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान 19 अप्रैल को है, हालांकि इससे पहले ही चुनाव में धनबल के इस्तेमाल की कोशिशें शुरू हो गई हैं। एक मार्च से 13 अप्रैल के बीच देश में अवैध तरीके से एक स्थान से दूसरे स्थान लाई जा रही या फिर संग्रह करके रखी गई कुल 4650 करोड़ की नकदी व सामग्री चुनाव आयोग ने जब्त की है यानी हर दिन औसतन करीब 100 करोड़ की जब्ती। इनमें अकेले दो हजार करोड़ से अधिक की कीमत का ड्रग्स शामिल है। इसके अलावा करीब चार सौ करोड़ की नकदी, 489 करोड़ की शराब, 562 करोड़ के सोने–चांदी के आभूषण और 1,142 करोड़ के उपहार भी जब्त किए गए हैं। यह लोकसभा चुनावों के अब तक के इतिहास में सबसे बड़ी जब्ती है।

चुनाव में मतदाताओं को नकदी, शराब, ड्रग्स और उपहारों के जरिये लुभाने के बढ़ते चलन को देखते हुए आयोग पहले से अवैध रूप से इन चीजों के परिवहन और जमाखोरी पर नजर रखता है।

आयोग के मुताबिक 2019 के चुनाव से पहले भी 3,475 करोड़ की सामग्रियों को जब्त किया गया था, जो इस बार उससे अधिक हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनाव की घोषणा के समय जिन 4-एम चुनौतियों का जिक्र किया था, उनमें धनबल से निपटने की चुनौती भी थी।

प्रतीकात्मक

इन राज्यों से जब्त हुई सबसे अधिक नकदी और अन्य चीजें

राज्य	जब्ती (करोड़ रुपये में)
राजस्थान	778
गुजरात	605
तमिलनाडु	460
महाराष्ट्र	431
पंजाब	311
कर्नाटक	281
दिल्ली	236
पश्चिम बंगाल	219
बिहार	155
उत्तर प्रदेश	145

बोर्ड में फेल छात्रों की नहीं रुकेगी पढ़ाई, फिर मिलेगा दाखिला

नई दिल्ली : 10वीं और 12वीं में फेल होने वाले छात्रों से स्कूल अब किनारा नहीं कर सकेंगे। न ही उन्हें नियमित छात्र के रूप में दाखिला देने से मना कर पाएंगे। शिक्षा मंत्रालय ने 10वीं और 12वीं में फेल होने वाले छात्रों की पढ़ाई जारी रखने के लिए पहल तेज की है। (पेज-7)

ईरान में रोके गए अपने नागरिकों से जल्द मिलेंगे भारतीय अधिकारी

नई दिल्ली : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान से बात की थी और सोमवार सुबह ईरान ने बताया कि उसकी तरफ से पकड़े गए पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज में कार्यरत 17 भारतीयों से भारतीय अधिकारी जल्द मिल सकेंगे। (पेज-7)

अच्छी खबर

इस बार सामान्य से बेहतर रहेगा मानसून

दीर्घावधि औसत की 106 प्रतिशत वर्षा की संभावना, अगस्त–सितंबर में बन सकती है ला नीना की स्थिति

- उत्तर–पश्चिम, पूर्व व पूर्वोत्तर के कुछ हिस्सों को छोड़कर ज्यादातर क्षेत्रों में होगी अच्छी वर्षा

नई दिल्ली, प्रेट्र : इस वर्ष मानसून मौसम के दौरान पूरे देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है। पिछले वर्ष अनियमित मौसम से प्रभावित देश के किसानों और नीति निर्धारकों के लिए यह खबर राहत भरी है। मौसम विभाग (आइएमडी) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने सोमवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि पूरे देश में दक्षिण–पश्चिम मानसून के तहत एक जून से 30 सितंबर के बीच दीर्घावधि औसत (87 सेंटीमीटर) की 106 प्रतिशत वर्षा होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि विभाग अपने पूर्वानुमान में अल नीनो, ला नीना, हिंद महासागर, द्विध्रुवीय स्थितियों और उत्तरी गोलार्ध में बर्फीले आवरण संबंधी स्थिति के प्रभाव पर विचार करता है और यह सभी स्थितियां इस बार भारत में अच्छे मानसून के अनुकूल हैं। महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिम, पूर्व और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों को छोड़कर देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य से ज्यादा वर्षा होने की काफी संभावना है। हालांकि पूर्वानुमान में मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और बंगाल के कई हिस्सों में मानसूनी वर्षा के बारे में कोई स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, 50 वर्ष के औसत 87 सेंटीमीटर की 96 से 104 प्रतिशत वर्षा को सामान्य माना जाता है। जबकि दीर्घावधि औसत की 90 प्रतिशत से कम वर्षा को 'कम' माना जाता है। 90 से 95 प्रतिशत को सामान्य से कम, 105 से 110 प्रतिशत को सामान्य से अधिक वर्षा माना जाता है।

महापात्र ने बताया कि 1951 से 2023 की अवधि के आंकड़े बताते हैं कि अल नीनो की बाद बनी ला नीना की सभी नौ स्थितियों में भारत में मानसूनी मौसम के दौरान सामान्य से अधिक वर्षा हुई। ला नीना वाले 22 में से 20 वर्षों में देश में सामान्य से अधिक या सामान्य मानसूनी वर्षा हुई। उन्होंने बताया कि वर्तमान में अल नीनो की स्थिति बनी हुई है। लेकिन अगस्त–सितंबर में ला नीना की स्थिति विकसित होने की संभावना है। मध्य प्रशांत महासागर में सतही जल के गर्म होने को अल नीनो स्थिति कहते हैं जो भारत में कमजोर मानसूनी हवाओं और शुष्क स्थितियों से जुड़ी है। ला नीना स्थिति अल नीनो के विपरीत होती है और यह देश में सामान्य से अधिक वर्षा का प्रमुख कारक है।

सकारात्मक परिस्थितियां बनने का अनुमान। प्रतीकात्मक

****

204 रहा सोमवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ)। इस गुणवत्ता वाली हवा को 'खराब' श्रेणी की मानी जाती है। हवा की गति बढ़ने के चलते अगले दो दिनों में इसमें सुधार आने की संभावना है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
मंगलवार 16 अप्रैल, 2024

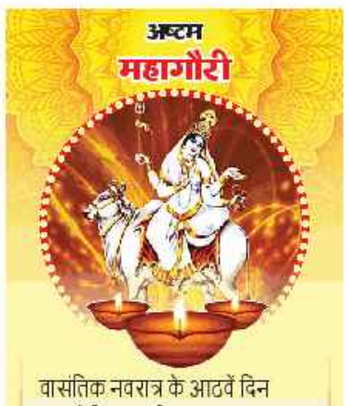

वासंतिक नवरात्र के आठवें दिन महागौरी का दर्शन-पूजन, उपासना की जाती है। मां भगवती का यह शक्ति विग्रह भक्तों को अमोघ फल देता है। भविष्य में पाप-संताप, निर्धनता, दीनता और दुख उसके पास नहीं आते। साधक अक्षय पुण्यों का अधिकारी हो जाता है। उसे अलौकिक सिद्धियों की प्राप्ति होती है। मां के इस रूप की स्तुति से मनुष्य की प्रवृत्ति सत की ओर प्रेरित होती है, असत का विनाश होता है। महागौरी का अतिसौंदर्यवान, शांत, करुणामयी स्वरूप भौतिक जगत में प्रगति का आशीर्वाद देता है। भक्त की सभी मनोकामनाएं पूरी करता है। कंद, फूल, चंद्र अथवा श्वेत शंख जैसे निर्मल गौर वर्ण वाली महागौरी के वस्त्राभूषण और वाहन वृषभ भी हिम के समान गौर रंग वाले हैं। इनकी चार भुजाएं हैं। एक हाथ अभय मुद्रा में तथा दूसरे हाथ में त्रिशूल है। तीसरे हाथ में डमरू और चौथा वर मुद्रा में है। पार्वती रूप में मां भगवती ने जब भगवान शिव को पति रूप में प्राप्त करने के लिए कठिन तपस्या की, तब उनकी देह क्षीण और वर्ण काला पड़ गया। जब भगवान शिव ने अपनी जटा से निकलती पवित्र गंगा की धारा उन पर डाली तो वे गौर वर्ण की हो गईं। उनका नाम महागौरी पड़ा। मां के इस रूप का ध्यान कर नारियल का भोग लगाने से सुख-समृद्धि प्राप्त होती है।

बीजमंत्र : *ॐ श्री क्लीं ही वरदायै नमः*

-प्रो. विनय कुमार पांडेय
पूर्व अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी

अगले हफ्ते से मंत्रियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे सीएम

आप नेता संदीप पाठक ने कहा, जेल में हर हफ्ते दो-दो मंत्रियों से मुख्यमंत्री करेंगे मुलाकात

मंत्री सीएम को अपने विभागों का लेखाजोखा देंगे और दिशानिर्देश लेंगे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी ने सोमवार को एक बार फिर सीएम अरविंद केजरीवाल के इस्तीफा देने के सवाल पर विराम लगा दिया। पंजाब के सीएम भगवंत मान के साथ जेल में अरविंद केजरीवाल से मिलने के बाद आप के राष्ट्रीय संगठन महासचिव डा. संदीप पाठक ने यह स्पष्ट करते हुए कहा कि सरकार तो जेल से चल रही है। सीएम केजरीवाल अगले हफ्ते से दो-दो मंत्रियों को जेल में बुलाकर उनके विभागों की समीक्षा करेंगे कि काम ठीक से चल रहा है या नहीं। साथ ही मंत्रियों को काम से संबंधित दिशानिर्देश भी देंगे। वहीं, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि जेल में केजरीवाल से आतंकियों जैसा व्यवहार हो रहा है।

डा. पाठक ने कहा कि मंत्रियों के साथ बैठक करने को लेकर जो भी कानूनी प्रक्रिया होगी, उसके तहत ही कार्य किए जाएंगे। जेल में भी केजरीवाल को अपनी नहीं चिंता नहीं, बल्कि जनता की चिंता है। जब हमने उनका हाल पूछा तो वो बोले कि मेरी चिंता मत करो, मैं संघर्ष के लिए तैयार हूं। पाठक ने कहा कि सोमवार को मुझे और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को तिहाड़ जेल में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से 30 मिनट की मुलाकात का समय मिला। जैसे ही सीएम भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल को देखा तो वो बहुत ज्यादा भावुक हो गए। वो कुछ बोल ही नहीं पाए, उनकी आवाज रुक गई और आंखों से आंसू टपकने लगे। इसके बाद जब बातचीत शुरू हुई तो हमने उनके स्वास्थ्य बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि यह बताओ कि दिल्ली की जनता कैसी है, जनता क्या कह रही है? बिजली, पानी मुफ्त मिल रहा है न? कहीं पावर कट तो नहीं लग रहा, स्कूल सही तरीके से चल रहे हैं न, अस्पताल और मोहल्ला क्लीनिक में दवाइयां मुफ्त मिल रही हैं न?

केजरीवाल से अकेले न मिलने देने पर नाराज दिखे भगवंत मान

पंजाब के सीएम भगवंत मान यह मानकर चल रहे थे कि उन्हें जेल में बने किसी एक कमरे में केजरीवाल से अकेले में मिलने दिया जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं होने पर जेल प्रशासन पर उनका गुस्सा फूटा। उन्होंने मीडिया से केजरीवाल के स्वास्थ्य के बारे में कहा, 'ठीक है...कौन सा कोई...उधर दूसरी तरफ बैठा रखे थे। पहले कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी चिदंबरम से जेल में मिलने आती थीं, तो मुलाकात एक कमरे में होती थी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल भी यहां (जेल) मिलने आते थे, तो उन्हें एक कमरे में अकेले में बात करने दी जाती थी।

नई दिल्ली में सोमवार को आम आदमी पार्टी संयोजक एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मिलने तिहाड़ जेल पहुंचे पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान। प्रेट

अदालत ने 23 तक बढ़ाई मुख्यमंत्री केजरीवाल की न्यायिक हिरासत

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : दिल्ली के आबकारी घोटाले में राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने सोमवार को मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी है। अदालत के पूर्व आदेश के तहत न्यायिक हिरासत समाप्त होने पर ईडी ने केजरीवाल को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया। जांच एजेंसी की तरफ से पेश हुए अधिवक्ता जोहेब हुसैन ने यह कहते हुए केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 14 दिन बढ़ाने की मांग की कि जांच महत्वपूर्ण चरण में है और केजरीवाल को रिहा करने से जांच प्रभावित हो सकती है।

जांच एजेंसी के अनुरोध पर न्यायाधीश ने यह देखते हुए केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 23 अप्रैल तक बढ़ा दी कि बीआरएस नेता के. कविता सहित मामले में कुछ सह-आरोपितों की न्यायिक हिरासत उसी तारीख को समाप्त हो रही है। इसके साथ ही अदालत ने निर्देश दिया कि 23 अप्रैल को भी केजरीवाल को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से पेश किया जाए। ईडी ने आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित अरविंद केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। ईडी का आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण और दक्षिण समूह के शराब व्यापारियों को लाभ देने के लिए इसमें बदलाव करने में केजरीवाल की अहम भूमिका थी। एजेंसी ने केजरीवाल को पूरे घोटाले का मुख्य साजिशकर्ता बताते हुए कहा था कि केजरीवाल ने नीति में लाभ देने के बदले शराब कारोबारियों से रिश्वत की मांग की थी। 10 दिन की रिमांड में पूछताछ के बाद ईडी ने अदालत को सूचित किया था कि केजरीवाल पूछताछ के दौरान जांच एजेंसी को गुमराह कर रहे थे। यह भी कहा था कि केजरीवाल अत्यधिक प्रभावशाली हैं और अगर उन्हें रिहा किया जाता है तो वह गवाहों को प्रभावित करने के साथ ही सुबूतों के साथ छेड़छाड़ कर सकते हैं।

कुछ ऐसा तथ्य बताना चाहते हैं जो अदालत के अंतरात्मा को झकझोर देंगे : सिंघवी

प्रथम पृष्ठ से आगे

सिंघवी ने कहा कि वह सिर्फ इतना चाहते हैं कि कोर्ट या तो अंतरिम राहत दे या फिर सुनवाई की तारीख बहुत नजदीक की लगाए। उन्होंने कहा कि वह कुछ तथ्य बताना चाहते हैं जो अदालत के अंतरात्मा को झकझोर देंगे। उन्होंने कहा कि इस मामले में आठ आरोप पत्र दाखिल हो चुके हैं और उनमें से किसी में भी केजरीवाल का नाम नहीं है। सिंघवी ने कहा कि इस मामले की कहानी सितंबर, 2022 से शुरू होती है और केजरीवाल को मार्च, 2024 में गिरफ्तार किया गया। इस दौरान 15 बयान दर्ज किए गए जिनमें नौ बयान एक व्यक्ति के एवं छह बयान अन्य द्वारा दिए गए थे और उनमें से किसी में भी केजरीवाल का नाम नहीं था। सिर्फ एक बयान सकारात्मक है। सिंघवी ने गिरफ्तारी की टाइमिंग पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव की घोषणा और आचार संहिता लागू होने के बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया ताकि वह चुनाव प्रचार में हिस्सा न ले पाएं। पहले दौर का चुनाव 19 अप्रैल को है इसलिए उनकी मांग है कि नजदीक की तारीख लगाई जाए। इसी शुक्रवार सुनवाई की जाए। उन्होंने कहा कि सभी जगह बहुत सारी चुनिंदा लीक से हर किसी पर गलत प्रभाव पड़ रहा है। इस पर जस्टिस खन्ना ने कहा, 'मुझे चुनिंदा लीक की जानकारी नहीं है।'

पीएम के नाम चंदा जुटाने के आरोपित पर प्राथमिकी रद करने से इन्कार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- आरोपित ने पीएम की तस्वीर के साथ यूट्यूब व राष्ट्रीय समाचार चैनलों पर दिया था विज्ञापन
- आरोपित को इस वर्ष फरवरी में गिरफ्तार किया गया था और कुछ दिनों बाद जमानत दे दी गई थी

दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर धर्मार्थ ट्रस्ट चलाने पर एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी को रद करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति अमित महाजन ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि आरोपित पवन पांडे के खिलाफ विशिष्ट आरोप थे कि उसने अपने एनजीओ- मोदी चैरिटेबल ट्रस्ट के लिए दान इकट्ठा करते समय पीएम के उपनाम और तस्वीर का इस्तेमाल किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि आरोपित ने प्रधानमंत्री के नाम पर एक एनजीओ चलाकर जनता को धोखा दिया। यह भी कहा कि उनका उपनाम पांडे किसी भी तरह से उपनाम मोदी से जुड़ा नहीं है।

एकल न्यायाधीश ने कहा कि आरोपित ने बेईमानी से लोगों को दान के रूप में संपत्ति देने के लिए प्रेरित किया था, इसलिए प्राथमिकी में संज्ञेय अपराध दर्ज हुआ। आरोपित की ओर से प्रधानमंत्री की तस्वीर के साथ विज्ञापन यूट्यूब और अन्य राष्ट्रीय समाचार चैनलों पर प्रसारित किए गए हैं। पुलिस के पास आरोपों की जांच करने का वैधानिक अधिकार और कर्तव्य है। जांच शुरुआती चरण में है और अदालत को सीआरपीसी की धारा 482 के तहत शक्ति का प्रयोग करते हुए जांच को विफल नहीं करना चाहिए। जब आरोपों से संज्ञेय अपराध का पता चलता है, तो मामले पर गुण-दोष के आधार पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है।

आरोपित के खिलाफ बीते वर्ष गृह मंत्रालय की शिकायत पर दिल्ली पुलिस ने मामला दर्ज किया था कि वह एक राष्ट्रीय समाचार चैनल पर प्रसारित विज्ञापन में पीएम मोदी की तस्वीर का इस्तेमाल कर रहा था। आरोपित को वर्ष फरवरी में गिरफ्तार किया गया था और कुछ दिनों बाद जमानत मिल गई थी।

हमेशा के लिए अवैध लाभ कमाने को लेकर बनाई गई थी आबकारी नीति : ईडी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: ईडी ने आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपित पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका का विरोध किया। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा के समक्ष ईडी ने बताया कि दिल्ली सरकार की 2021-22 के लिए अब समाप्त की गई आबकारी नीति हमेशा के लिए अवैध लाभ उत्पन्न करने के लिए बनाई गई थी। ईडी ने कहा कि यह नीति न केवल उस अवधि के लिए थी, जिसके लिए इसे लागू किया जाना था, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों के लिए भी थी। जांच एजेंसी द्वारा शुरू की गई जांच के कारण नीति को वापस ले लिया गया था। ईडी ने तर्क दिया कि विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट में बदलाव का कोई कारण नहीं था जिसमें कहा गया था कि थोक व्यापार सरकार को दिया जाना चाहिए। ईडी ने कहा कि जिस दिन एलजी वीके सक्सेना ने घोटाले के बारे में सीबीआइ में शिकायत दर्ज कराई, उसी दिन सिसोदिया ने अपना मोबाइल फोन बदल लिया। अब इस मामले की सुनवाई 20 अप्रैल को होगी।

गोवा विधानसभा चुनाव में आप का फंड मैनेज करने का आरोपित गिरफ्तार

- दिल्ली आबकारी घोटाले में ईडी ने चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया
- एजेंसी की ओर से इस मामले में की गई यह 17वीं गिरफ्तारी

नई दिल्ली, प्रेट : ईडी ने दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में चनप्रीत सिंह को गिरफ्तार किया है, जिन्होंने गोवा विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी के फंड का कथित तौर पर प्रबंधन किया था। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि चनप्रीत सिंह को मनी लांड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत 12 अप्रैल को हिरासत में लिया गया था। इसके अगले दिन उन्हें विशेष अदालत के सामने पेश किया गया। विशेष अदालत ने उनको 18 अप्रैल तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया है।

ईडी द्वारा इस मामले में यह 17वीं गिरफ्तारी है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में पिछले महीने गिरफ्तार किया गया था और वह फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद हैं। इसके अलावा दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, बीआरएस नेता के कविता और कई शराब व्यापारियों समेत अन्य लोगों को इस मामले में ईडी गिरफ्तार कर चुकी है।

चनप्रीत सिंह को पहले इसी मामले में सीबीआइ ने भी गिरफ्तार किया था। मनी लांड्रिंग का यह मामला सीबीआइ की प्राथमिकी पर आधारित है। ईडी ने पूर्व में अदालत को सूचित किया था कि चनप्रीत सिंह ने 2022 के गोवा विधानसभा चुनाव के दौरान आप के प्रचार अभियान के लिए नकद भुगतान का प्रबंधन किया था।

ईडी ने यह आरोप भी लगाया था कि साउथ ग्रुप ने आम आदमी पार्टी को दिल्ली शराब बाजार में प्रमुख स्थान हासिल करने के लिए 100 करोड़ रुपये की रिश्वत दी थी। इनमें से 45 करोड़ रुपये का इस्तेमाल आप ने गोवा चुनाव के दौरान किया था।

के. कविता को कोर्ट ने 23 तक न्यायिक हिरासत में भेजा

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में अदालत ने बीआरएस नेता के. कविता को 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआइ ने कविता की तीन दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद सोमवार को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया और उनकी न्यायिक हिरासत की मांग की। सीबीआइ ने कहा कि जांच बहुत महत्वपूर्ण चरण में है और कुछ महत्वपूर्ण गवाहों से पूछताछ की जानी बाकी है। साथ ही कुछ दस्तावेज व डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए जाने बाकी हैं। कविता के वकील ने कहा कि जांच एजेंसी का आधार उनके मुवक्किल को हिरासत में रखने के लिए पर्याप्त नहीं है क्योंकि एजेंसी को अब उनसे हिरासत में पूछताछ की आवश्यकता नहीं है।

आज का मौसम

आंशिक तौर पर बादल छाए रहेंगे। 25 से 35 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाएं चलेंगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
16 अप्रैल	35.0	21.0
17 अप्रैल	35.0	21.0
नोएडा		
16 अप्रैल	36.0	22.0
17 अप्रैल	35.0	22.0
गुरुग्राम		
16 अप्रैल	34.0	23.0
17 अप्रैल	35.0	22.0

डिग्री सेल्सियस में

डीओवी ने सीएम के पूर्व पीए पर कार्रवाई के लिए कहा

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) द्वारा सीएम के निजी सचिव की सेवा समाप्त करने के आदेश पर रोक लगाने से इन्कार किए जाने पर दिल्ली सरकार के सतर्कता निदेशालय (डीओवी) ने सरकार के सामान्य प्रशासन विभाग से कार्रवाई के लिए कहा है।

सतर्कता निदेशालय के विशेष सचिव बाइबीबीजे राजशेखर ने इस बारे में पत्र जारी किया है। सीएम के पूर्व निजी सचिव को गत 10 अप्रैल को उनकी सेवाएं समाप्त करने का आदेश जारी किया गया था, जिसमें पूर्व निजी सचिव विभव कुमार के खिलाफ लंबित 2007 के एक मामले का हवाला दिया था। उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप लगाया गया था। सतर्कता विभाग के आदेश को उन्होंने कैट में चुनौती दी थी। यह मामला 15 अप्रैल को कैट के समक्ष सुनवाई के लिए आया था। अदालत ने मामले को 29 अप्रैल, 2024 को सुनवाई के लिए पोस्ट किया है।

लाल किला के पास लूटपाट का विरोध करने पर कैब चालक की हत्या

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

मृतक कैब चालक। सौ. स्वजन

लाल किला के पास वारदात बाद रात में घटना स्थल पर जांच करती पुलिस और फारेंसिक टीम।

हाई सिक्योरिटी जोन लाल किले के पास चौराहे पर लूटपाट का विरोध करने पर हमलावरों ने चाकू से वार करने के बाद गोली मारकर कैब चालक की हत्या कर दी, जबकि पास ही खड़े रेड लाइट पर भीख मांगने वाले 15 साल के भिखारी के पैर में भी एक गोली जा लगी। घायल भिखारी का एलएनजेपी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक कैब चालक की पहचान गली नंबर-34 जाकिर नगर निवासी मोहम्मद शाकिब के रूप में हुई है, जबकि भिखारी की पहचान पलवल, हरियाणा निवासी लवकुश के तौर पर हुई है। आरोपितों ने कैब और ई-रिक्शा की टक्कर का फायदा उठाते हुए पहले कैब चालक को पीटा, फिर उसे लूटने की कोशिश की। विरोध करने पर उसे मार डाला। पुलिस को मौके से चार से पांच खाली कारतूस मिले हैं, पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फारेंसिक टीम ने रात में ही घटनास्थल पर पहुंचकर जांच की।

रविवार रात ओला व उबर दोनों में अपनी कार चलाने वाला शाकिब सवारी छोड़कर घर लौट रहा था। रात करीब 12 बजे शाकिब अपनी वैगनआर लेकर अंगूरी बाग लाल किला की रेड लाइट के पास पहुंचा, यहां पर एक ई-रिक्शा चालक यूटर्न ले रहा था। ऐसे में दोनों की टक्कर हो गई और ई-रिक्शा पलट गया। दोनों में विवाद होने लगा। इतने में वहां स्कूटी पर एक व्यक्ति, एक महिला व बच्चे के साथ पहुंचा। दो लड़के वहां फुटपाथ पर खड़े थे, जो पीछे से आटो से आए थे। तीनों ने शाकिब के साथ करीब 15 मिनट तक मारपीट की। शाकिब भी विरोध में हाथ-पैर मार रहा था। एक ने शाकिब का मोबाइल छीन लिया और मौके से भागने लगे। आरोपित ने आवाज लगाकर अपने साथियों को वापस बुलाया। एक आरोपित ने शाकिब को पेट में चाकू मार दिया और दूसरे पिस्टल से शाकिब के पेट में दो गोलियां मारीं।

रेड लाइन पर अब रफ्तार भर रहीं है आठ कोच की सभी मेट्रो ट्रेनें

रणविजय सिंह ● जागरण

- कारिडोर की 39 में से 37 मेट्रो आठ कोच की ट्रेन में हो चुकी हैं तब्दील
- छह कोच की इन मेट्रो को आठ कोच में तब्दील करने में लगे डेढ़ वर्ष

रेड लाइन मेट्रो ट्रेन। प्रतीकात्मक

नई दिल्ली : ब्लू व यलो लाइन की तरह दिल्ली मेट्रो के सबसे पुराने कारिडोर रेड लाइन पर मेट्रो की कम फ्रिक्वेंसी अभी भी समस्या बनी हुई है। हालांकि कारिडोर पर आठ कोच की मेट्रो ट्रेनें रफ्तार भर रही हैं। रेड लाइन दिल्ली मेट्रो के व्यस्त कारिडोर में शुमार है। लेकिन पहले इस कारिडोर पर छह कोच की मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होता था। इस वजह से इस कारिडोर की मेट्रो में यात्रियों की अधिक होती थी।

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) ने ब्लू, यलो व रेड लाइन के लिए वर्ष 2018 में 120 कोच खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी। अप्रैल 2021 तक ये सभी कोच दिल्ली पहुंच गए थे। यलो व ब्लू लाइन दिल्ली मेट्रो की सबसे व्यस्त कारिडोर है। इसलिए सबसे पहले ब्लू लाइन पर चलने वाली छह कोच की नौ मेट्रो व यलो लाइन की 24 मेट्रो में दो-दो अतिरिक्त कोच जोड़े गए। इसके बाद 34.55 किलोमीटर लंबी रेड लाइन की मेट्रो को नवंबर 2022 में आठ कोच में तब्दील करने का काम शुरू हुआ। रेड लाइन पर 39 मेट्रो ट्रेनों का परिचालन होता है। पिछले वर्ष जून तक इस करिडोर की 14 मेट्रो ट्रेनें आठ कोच में तब्दील हो पाई थीं। इसके बाद पिछले करीब नौ माह में इस कारिडोर की 23 अतिरिक्त मेट्रो ट्रेनों में दो-दो कोच जोड़े गए हैं। इसलिए इस कारिडोर की अब 37 मेट्रो आठ कोच में तब्दील हो गई हैं। इन 37 मेट्रो ट्रेनों में कुल 74 नए कोच जोड़े गए हैं। मेट्रो के एक कोच में करीब 50 यात्रियों के बैठने के लिए सीट होती है।

विधायक अमानतुल्लाह की अग्रिम जमानत याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

नई दिल्ली, प्रेट: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को आप विधायक अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत की याचिका को खारिज कर दिया है। दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष रहते हुए अनियमितताओं के चलते मनी लांड्रिंग के एक मामले में उन्हें जांच एजेंसी ईडी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया गया है।

जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की खंडपीठ ने आप नेता अमानतुल्लाह खान से कहा कि वह ईडी के समक्ष आगामी 18 अप्रैल को सुबह 11 बजे पेश हो जाएं। खंडपीठ ने ईडी की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सालिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा कि आप अमानतुल्लाह को तभी गिरफ्तार करें जब कुछ ठोस मिले और अगर कुछ ठोस नहीं मिले तो उन्हें गिरफ्तार नहीं करें। आपको पीएमएलए की धारा 19 के तहत प्रक्रिया का पालन करना होगा।

उल्लेखनीय है कि अमानतुल्ला खान के खिलाफ मनी लांड्रिंग का यह मामला सीबीआइ की एफआइआर और दिल्ली पुलिस की तीन शिकायतों के आधार पर ईडी ने दर्ज किया है।

समाधान की तलाश

दिल्ली के रहने वाले 230 छात्रों ने डीएमसी में किया आवेदन, इंटर्नशिप के लिए 60 सीटें ही उपलब्ध, डीएमसी ने एनएमसी को पत्र लिखकर अस्पतालों में इंटर्नशिप के प्रविधान करने की सिफारिश की

विदेश में मेडिकल पढ़े, अब इंटर्नशिप का संकट

राज्य ब्यूरो, जागरण ● नई दिल्ली

प्रतीकात्मक

विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करने वाले छात्रों के सामने इंटर्नशिप का संकट बना हुआ है। इसका कारण है कि दिल्ली के मेडिकल कालेजों में उपलब्ध सीट की तुलना में विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करके आए दिल्ली के रहने वाले करीब चार गुना अधिक छात्रों ने इंटर्नशिप के लिए दिल्ली मेडिकल काउंसिल (डीएमसी) में आवेदन किया है। सभी छात्रों इंटर्नशिप मिल पाना मुश्किल है। इससे छात्र परेशान हैं। डीएमसी ने राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) को पत्र लिखकर इस समस्या की तरफ ध्यान आकर्षित कराया है और पिछले वर्ष की तरह दिल्ली के गैर शैक्षणिक अस्पतालों में इंटर्नशिप दिए जाने की सिफारिश की है, ताकि सभी छात्रों को इंटर्नशिप मिल सके।

डीएमसी ने पत्र में लिखा कि नेशनल बोर्ड आफ एग्जामिनेशन (एनबीई) ने विदेश से मेडिकल कोर्स करके आए छात्रों की परीक्षा का परिणाम फरवरी में घोषित किया था। परीक्षा पास करने वाले करीब एक हजार छात्र दिल्ली में इंटर्नशिप करना चाहते हैं। डीएमसी में विदेश से मेडिकल की पढ़ाई करके आए दिल्ली निवासी 230 छात्रों ने इंटर्नशिप के लिए आवेदन दिया है। इन छात्रों ने आवेदन के साथ दिल्ली का आधार कार्ड या पासपोर्ट संलग्न किया है। डीएमसी के रजिस्ट्रार डा. गिरीश त्यागी ने दिल्ली के मेडिकल कालेजों ने विदेश से मेडिकल पढ़े छात्रों के इंटर्नशिप के लिए 60 सीटें उपलब्ध होने की जानकारी दी है। मौलाना आजाद मेडिकल कालेज (एमएएमसी) व आरएमएल अस्पताल ने उपलब्ध सीटों की जानकारी डीएमसी को नहीं भेजी है। डा. गिरीश त्यागी ने कहा कि एमएएमसी और आरएमएल के मेडिकल कालेज को पांच-छह बार पत्र भेजा जा चुका है, लेकिन इन दोनों संस्थानों ने उपलब्ध सीटों की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रीय राजधानी के मेडिकल कालेजों में उपलब्ध सीटों की तुलना में आवेदन अधिक आने से दिल्ली के सभी छात्रों को ही इंटर्नशिप के लिए सीटें उपलब्ध कराना मुश्किल है।

उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष भी ऐसी समस्या आई थी, तब एनएमसी ने दिल्ली के गैर शैक्षणिक सरकारी व निजी क्षेत्र के आधा दर्जन अस्पतालों में इन छात्रों के लिए एक वर्ष इंटर्नशिप की स्वीकृति दी थी। इससे करीब 400 छात्रों को इंटर्नशिप का मौका मिल गया था। मौजूदा सत्र के छात्रों के लिए यह आदेश प्रभावी नहीं है। मौजूदा स्थिति के मद्देनजर इस बार भी गैर शैक्षणिक अस्पतालों में इंटर्नशिप का प्रविधान किया जाना चाहिए।

****

भारद्वाज के ओएसडी पर 60 करोड़ के घोटाले का आरोप

राज्य ब्यूरो, जागरण, नई दिल्ली : स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज के ओएसडी आर एन दास पर 60 करोड़ के घोटाले का आरोप लगा है। आरोप है कि कोरोना महामारी के दौरान उन्होंने महंगे दामों पर पीपीई किट, दस्ताने, मास्क आदि खरीदे थे। सतर्कता निदेशालय ने इस मामले में कथित अनियमितताओं के संबंध में ओएसडी को कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

अधिकारियों ने बताया कि 2021 में कोविड महामारी के दौरान लगभग 60 करोड़ रुपये की आरएटी किट खरीदी गईं, जिसमें घपला किया गया है। सतर्कता निदेशालय ने दास को कारण बताओ नोटिस प्राप्त होने के सात दिनों के भीतर अपना स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है।

सतर्कता निदेशालय का दावा है कि जिस समय घपला किया गया, उस समय दास स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का ओएसडी था, जबकि दिल्ली सरकार ने इसका खंडन किया है।

कह कर रहेंगे — माधव जोशी

350 मतदाता एक ही परिवार में हैं असम में। दिवंगत रान बहादुर थापा का ये परिवार पहले चरण में 19 अप्रैल को सोनितपुर लोकसभा सीट के लिए मताधिकार का उपयोग करेगा।

द्रविड़ धारा की राजनीति को नहीं मिल रही जगह

दक्षिण का दंगल
कन्याकुमारी

संजय मिश्र ● जागरण

कन्याकुमारी: तमिलनाडु की राजनीति में भले ही क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व पांच दशक से भी अधिक समय से कायम है, पर कन्याकुमारी संसदीय क्षेत्र में भाजपा-कांग्रेस ने इनको उभरने नहीं दिया। इस बार भी द्रविड़ धारा के दलों के लिए गुंजाइश नहीं है। मुकाबला भाजपा-कांग्रेस के बीच ही है। द्रविड़ धारा की राजनीति करने वाली पार्टियां सहयोगी की भूमिका से आगे दिखाई नहीं दे रही हैं। प्रदेश में कन्याकुमारी जैसी दो-चार सीटें ही ऐसी हैं, जहां दोनों राष्ट्रीय दलों को चुनावी विमर्श के अभियान को संचालित करने के लिए क्षेत्रीय दलों की बैशाखी की जरूरत नहीं है। धार्मिक-सामाजिक ध्रुवीकरण को भी चुनाव परिणाम की दिशा तय करने में अहम माना जा रहा है।

कन्याकुमारी का राजनीतिक इतिहास समृद्ध है, क्योंकि मशहूर स्वतंत्रता सेनानी व कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे के कामराज ने कभी इसका प्रतिनिधित्व किया था। 2009 से पहले इस सीट का नाम नागर कोयल था। इस ऐतिहासिक क्षेत्र में द्रविड़ पार्टियों की गुंजाइश का रास्ता रोकने को लेकर दोनों राष्ट्रीय दल सचेत हैं। जोखिम लेने से भी बच रहे हैं। तमिलनाडु के पूर्व सीएम करुणानिधि की यह टिप्पणी द्रविड़ दलों की कन्याकुमारी में संघर्ष करते रहने की स्थिति बयान करती है, जिसमें उन्होंने कहा था कि तिरूनलवेली तक ही उनकी सीमा है। कन्याकुमारी उनके लिए हमेशा समस्या रही है। तिरूनलवेली पड़ोसी जिला है। वहां भी मुकाबला कांग्रेस-भाजपा के बीच ही है। कन्याकुमारी में भाजपा ने लगातार 10वीं बार पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री पोन राधाकृष्णनन को तो कांग्रेस ने पांच बार से लोस में प्रतिनिधित्व कर रहे वसंत परिवार के विजय वसंत को मैदान में उतारा है। वसंत के पिता एच वसंत कुमार पांच बार लगातार कांग्रेस से सांसद रहे थे। उनके निधन के बाद 2021 में हुए उपचुनाव में पार्टी ने विजय को टिकट दिया और वह जीत गए। दक्षिण में भाजपा के लिए मुश्किल दुर्ग रहे तमिलनाडु में इस बार सेंध लगाने के लिए पार्टी ने ताकत झोंक रखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रचार की शुरुआत कन्याकुमारी से ही की। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की कन्याकुमारी से कश्मीर की चर्चित भारत जोड़ो यात्रा की शुरुआत यहीं से हुई थी।

भाजपा ने अपने बुजुर्ग नेता राधाकृष्णनन को चुनाव मैदान में उतारा है। दावा किया जा रहा कि इससे भाजपा के स्थानीय नेताओं का एक वर्ग नए लोगों की अनदेखी से असहज है। हालांकि, राधाकृष्णनन की साफ-सुथरी मिलनसार छवि ऐसे असंतोष पर भारी है। संसदीय क्षेत्र के मुख्य शहर नागरकोयल के भाजपा समर्थक व युवा वेलुपत कहते हैं कि सरल होते हुए भी, वह यहां इसाई समुदाय के प्रभाव को तगड़ी चुनौती देते हैं। ऐसे में उनसे बेहतर प्रत्याशी नहीं हो सकता। वास्तविकता यह भी है कि कन्याकुमारी में भाजपा का प्रभाव होने की बड़ी वजह यहां लंबे समय से जारी धार्मिक ध्रुवीकरण है, लेकिन यहां मामला हिंदू-मुस्लिम का नहीं बल्कि ईसाई-हिंदू का है। क्षेत्र में करीब 50 प्रतिशत हिंदू हैं तो इसाई 46 प्रतिशत। मुस्लिम चार प्रतिशत हैं। 1970 की शुरुआत में हिंदू-इसाई समुदाय के बीच दंगों के बाद चुनाव में धार्मिक गोलबंदी राजनीति को प्रभावित करती रही है।

- कन्याकुमारी में कांग्रेस-भाजपा के बीच ही सीधा मुकाबला
- द्रमुक-अन्नाद्रमुक सहयोगी की भूमिका से नहीं बढ़ पाए आगे

कन्याकुमारी, जहां फहराया गया था 75 फीट का राष्ट्रीय ध्वज। ● जागरण

भाजपा और कांग्रेस दोनों के प्रत्याशी नाडर हिंदू समुदाय से

दिलचस्प है कि भाजपा के राधाकृष्णनन और कांग्रेस प्रत्याशी विजय वसंत दोनों ही नाडर हिंदू समुदाय से हैं, लेकिन दोनों गोलबंदी में अपने-अपने हिसाब से फायदा देखते हैं। ईसाई भी नाडर वर्ग से ही हैं। कन्याकुमारी में समुद्री पत्थरों की वस्तुएं बेचते कनप्पन जैसे कई स्थानीय लोगों ने माना कि गोलबंदी तो रहती है, पर वसंत और राधाकृष्णनन दोनों अच्छे हैं। ऐसे में कांग्रेस प्रत्याशी को भी नाडर हिंदुओं का वोट मिलेगा। हालांकि, ईसाई वर्ग की गोलबंदी राधाकृष्णनन के लिए चुनौती है, जिसकी झलक कन्याकुमारी शहर के मुख्य सड़क पर मुस्लिम स्ट्रीट की एक चाय दुकान पर जुटे दर्जनभर लोगों से संवाद में दिखी। द्रमुक समर्थक ईसाई नाडर वर्ग के इन लोगों ने कांग्रेस से सहानुभूति जताने से गुरेज नहीं किया। राधाकृष्णनन को उम्मीद है कि उनकी सर्व सुलभ छवि ध्रुवीकरण तोड़ने में मददगार बनेगी। भाजपा ने यहां से तीन बार की विधायक व कांग्रेस नेता विजया धारिणी को तोड़ लिया है, पर कांग्रेस इससे परेशान नहीं। उसके समर्थकों के अनुसार अन्नाद्रमुक का भी हिंदुओं में एक वोट बैंक है। इस विभाजन का लाभ लेने पर वसंत की नजर है।

रोड शो : खर्च कम, असर ज्यादा

ज्यादातर राजनीतिक दल **जनता से जुड़ने** के लिए देते हैं रोड शो को तवज्जो

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: तमिलनाडु में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चार रोड शो जगह और टाइमिंग के लिहाज से ही सुनियोजित नहीं थे, बल्कि उनके जरिये दिया जाने वाला संदेश भी सुविचारित था। यानी उनके वस्त्रों से लेकर किसके कंधे या पीठ पर हाथ रखने और किसकी तरफ हाथ हिलाने तक। स्पष्ट रूप से उन्होंने तमिलनाडु में भाजपा की संभावनाओं के चेहरे बनकर उभरे पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष के अन्नामलाई को इनके जरिये स्थापित किया। इसी तरह केरल में पीएम के ऐसे ही आयोजन से भूमिहीन मानी जाने वाली भाजपा के लिए कुछ जमीन का इंतजाम कर गए। गाजियाबाद में उनका रोड शो स्थानीय असंतोष को खत्म करने के साथ ही पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भाजपा को मुकाबले में बनाए रखने के उद्देश्य से प्रेरित माना-समझा गया। चुनावों की घोषणा से पहले अयोध्या की गलियों में उनका इसी तरह का कार्यक्रम यह संदेश देने के लिए था कि आस्था व विकास के अपने साझा एजेंडे को पार्टी ने कितनी गंभीरता से पूरा किया है।

पदयात्रा-रथयात्रा के दौर से आगे निकलकर देश की चुनावी राजनीति प्रचार के लिए काफी हद तक रोड शो के माडल पर निर्भर हो चुकी है। पहले जो काम फिल्म और क्रिकेट के सितारों के सहारे होता था, अब वह राजनीतिक दल और राजनेता खुद कर रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की पिछले एक साल में भारत जोड़ो और न्याय यात्रा रोड शो के नमूने हैं। ये किसी एक शहर अथवा कुछ किमी के आयोजन नहीं थे, बल्कि हर दिन 20 से 24 किमी चलने के कार्यक्रम थे। इनके मूल में रोड शो वाला मनोविज्ञान ही था।

तेलंगाना में मोदी का रोड शो ● जागरण आर्काइव

कानपुर में कार्यकर्ताओं का अभिवादन करते राहुल गांधी ● जागरण आर्काइव

ऐसे आयोजनों की सफलता राजनेताओं की छवि व जनाधार की कसौटी पर निर्भर करती है। राहुल गांधी ने इसी चुनाव में केरल के वायनाड में नामांकन के साथ रोड शो किया। इसी तरह का आयोजन पिछले चुनाव में भी किया था। कांग्रेस के इस रोड शो को मीडिया में सुर्खियां भी मिलीं। वैसे चुनाव के दौरान रोड शो की शुरुआत का श्रेय सोनिया गांधी को भी दिया जाता है। उन्होंने करीब ढाई दशक पहले उत्तर प्रदेश के विस चुनाव में राहुल-प्रियंका को खुली जीप में घुमाया था। इस बार के चुनावों में आप ने कुछ समस्याओं के कारण अब तक ऐसे आयोजन नहीं किए हैं, लेकिन पिछले चुनावों में उसके नेता अरविंद केजरीवाल रोड शो को प्राथमिकता देते रहे हैं। उन्हें कामयाबी भी मिली है। दक्षिण की राजनीति में के. चंद्रशेखर राव व चंद्रबाबू नायडू को रोड शो रास आते हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी भी रोड शो करती हैं।

जनाधार हो तभी काम आते हैं ऐसे शो: राजनीतिक विश्लेषक अवधेश कुमार कहते हैं-रैली के मुकाबले रोड शो कहीं अधिक प्रभावशाली और फलदायी होते हैं, लेकिन ये आयोजन उन्हीं नेताओं और पार्टी के अनुकूल हैं, जिनके पास तगड़ा जनाधार हो। आज की तारीख में नरेन्द्र मोदी जैसा कोई राजनेता नहीं है। वह रोड शो के दौरान सड़क पर खड़े एक-एक व्यक्ति से कनेक्ट कर लेते हैं। वाराणसी में ऐसे ही एक आयोजन के दौरान उन्होंने एक मुस्लिम व्यक्ति को यह मौका दिया था कि वह उनके साथ आत्मीयता दिखा सके।

यहां भी पिछड़ा विपक्ष: भाजपा की ओर से इन चुनावों में अब तक 35 से अधिक रोड शो हो चुके हैं, जिनमें अमित शाह, जेपी नड्डा, योगी आदित्यनाथ, हिमंता बिस्वसरमा भी शामिल हुए। केंद्र में पीएम मोदी ही हैं। दूसरी ओर विपक्षी दलों और नेताओं की ओर से अभी तक बमुश्किल दस रोड शो हुए हैं।

महासमर के लिए पार्टियों की रणनीति की शृंखला में कल पढ़िए:
वृथ: चुनावी महासमर का असली मैदान

इसलिए असरदार हैं रोड शो

रैली जैसे बड़े आयोजन के मुकाबले रोड शो में कम संसाधनों की आवश्यकता होती है, लेकिन असर कहीं अधिक होता है। भीड़ जुटानी नहीं पड़ती। शहरों में खुले-बड़े मैदानों की कम उपलब्धता के कारण रोड शो कम जगह में प्रभावी आयोजन का जरिया बन जाते हैं। ज्यादातर रोड शो शहर के उन लोगों के बीच चुनावी प्रचार का जरिया बनते हैं, जो आम तौर पर रैलियों में दूरी और अव्यवस्था के डर से जाने से परहेज करते हैं। रोड शो से यादगार-उत्सवी माहौल बनता है। खुले वाहन में हाई वोल्टेज साउंड सिस्टम, झंडे-बैनर, ड्रोन के जरिये फूल की बारिश एक ऐसा माहौल बना देती है, जो दिल-दिमाग में उतर जाता है। राजनेता लोगों से सीधे आई कांटैक्ट कर लेते हैं। रोड शो ने पूरे देश में संवाद के लिए भाषाओं के अवरोध को भी समाप्त कर दिया है। जहां तक खर्च की बात है तो चुनावी खर्च में नकद लेन-देन किसी से छिपा नहीं। चुनाव आयोग भी तमाम प्रयासों के बावजूद इस पर पूरी तरह अंकुश नहीं लगा सका है। जितने खर्च में रैली के लिए केवल कुर्सियां आती हैं, उतने में एक अच्छा-खासा रोड शो हो जाता है।

पहले रण में विकास भी मुद्दा

चुनावी परिदृश्य

लोकसभा चुनाव के पहले चरण में राजस्थान की 12 सीटों पर मतदाता मताधिकार का उपयोग करेंगे तो महाराष्ट्र की पांच सीटों पर। राजस्थान की 25 में से जिन 12 सीटों पर मतदान होगा, वहां स्थानीय और जातीय के साथ ही विकास भी मुद्दा बना हुआ है। महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र की 10 में से जिन पांच सीटों पर वोट डाले जाएंगे, वहां भी विकास की बात चहुंओर हो रही है। दोनों ही राज्यों में प्रमुख मुकाबला भाजपा और कांग्रेस के बीच ही है। कुछ सीटों पर राजग व आइएनडीआइए के घटक दल मुकाबले में हैं।

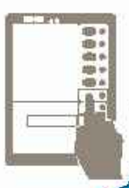

12 लोकसभा सीटों पर राजस्थान में किया जाएगा मताधिकार का उपयोग

5 लोकसभा सीटों पर मतदान किया जाएगा महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में

राजस्थान में भाजपा मोदी के नाम और कांग्रेस जातिगत समीकरणों के सहारे

24 सीटों पर पिछले चुनाव में जीती थी भाजपा

- भाजपा एकजुट और कांग्रेस को भाजपा में भितरघात से उम्मीद

1 सीट सहयोगी दल रालोपा ने जीती थी, रालोपा ने पाला बदल लिया

इन सीटों पर मतदान
जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, बीकानेर, श्रीगंगानगर, अलवर, झुंझुनूं, सीकर, चूरू, भरतपुर, नागौर, दौसा और करौली-धौलपुर में होगा पहले चरण में मतदान।

नरेंद्र शर्मा ● जागरण

जयपुर: राजस्थान में पहले चरण में जिन 12 लोकसभा सीटों पर मतदान होना है, वहां भाजपा प्रत्याशी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम पर वोट मांग रहे हैं। मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए वोट देने की अपील कर रहे हैं। साथ ही विकास के लिए डबल इंजन की सरकार की जरूरत बताकर मतदाताओं को लुभाने की कोशिश में जुटे हैं। वहीं, कांग्रेस के प्रत्याशी जातिगत और क्षेत्रीय समीकरणों के भरोसे चुनाव मैदान में है।

2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा के राज्य की सभी 25 सीटें जीतने और करीब चार महीने पहले प्रदेश की सत्ता गंवाने के बाद कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में कुछ निराशा नजर आती है। हालांकि, जिन सीटों पर मतदान होना है, उनमें से कुछ सीटों पर जातिगत व क्षेत्रीय समीकरणों के साथ ही भाजपा में भितरघात की उम्मीद के सहारे कांग्रेस खुद को मुकाबले बेहतर स्थिति में मान रही।

यहां भाजपा मजबूत: बीकानेर, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, श्रीगंगानगर, सीकर, करौली-धौलपुर में कांग्रेस के मुकाबले भाजपा के प्रत्याशी काफी मजबूत स्थिति में दिख रहे हैं। बीकानेर में केंद्रीय विधि मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का मुकाबला कांग्रेस के गोविंदराम से है। अलवर में भी भूपेंद्र, ललित के मुकाबले आगे नजर आ रहे हैं। दौसा व भरतपुर में कांग्रेस और भाजपा प्रत्याशियों के बीच कांटे का मुकाबला नजर आ रहा है।

प्रदेश की चार सीटों चूरू, नागौर, अलवर व झुंझुनूं में है दिलचस्प मुकाबला

- चूरू में भाजपा ने दो बार के सांसद राहुल कस्वा का टिकट काटकर खिलाड़ी देवेंद्र झाझड़िया को मैदान में उतारा है। टिकट कटने से नाराज राहुल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव मैदान में हैं। राहुल के पिता रामसिंह कस्वा चार बार सांसद रहे हैं।
- नागौर में कांग्रेस ने आइएनडीआइए में शामिल रालोपा के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल को समर्थन दिया है। भाजपा ने दिग्गज जाट नेता स्व.नाथूराम मिर्धा की पौत्री ज्योति मिर्धा को उतारा है। ज्योति के पक्ष में तीन पूर्व विधायकों सहित एक हजार कांग्रेसियों ने पार्टी छोड़ी है।
- अलवर में भाजपा प्रत्याशी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव का मुकाबला कांग्रेस के विधायक ललित यादव से है। कांग्रेस के एक पूर्व सांसद सहित दो दर्जन नेताओं के पार्टी में शामिल होने से भी उनको लाभ मिल सकता है। ललित युवा चेहरा होने से कांग्रेस को जीत की उम्मीद है।
- झुंझुनूं में कांग्रेस से दिग्गज नेता स्व.शीशराम ओला के पुत्र व पूर्व मंत्री बृजेंद्र ओला एवं भाजपा से पूर्व विधायक शुभकरण चौधरी मैदान में हैं। ओला परिवार की मतदाताओं में मजबूत पकड़ और भाजपा में आंतरिक खींचतान के सहारे कांग्रेस को जीत की उम्मीद है।

महाराष्ट्र के विदर्भ में जातीय समीकरण व स्थानीय मुद्दे भी तय करेंगे हार-जीत

10 लोकसभा सीटें हैं विदर्भ में, जिनमें से पांच पर होगा मतदान

- चार सीटों पर भाजपा और कांग्रेस में है सीधा मुकाबला

48 लोकसभा सीटें हैं महाराष्ट्र में, जिनमें पिछली बार अकेले भाजपा ने जीतीं थीं 23

इन सीटों पर मतदान
विदर्भ क्षेत्र की नागपुर, रामटेक, चंद्रपुर, गढ़चिरौली-चिमूर व भंडारा-गोंदिया में पहले चरण में मतदाता मतदान करेंगे।

ओमप्रकाश तिवारी ● जागरण

नागपुर: कुछ वर्ष पहले तक महाराष्ट्र के पूर्वी भाग में स्थित समूचा विदर्भ विकास से ऐसा अछूता था कि यहां स्वतंत्र विदर्भ का नारा अक्सर बुलंद होता सुनाई देता था। किसानों के आत्महत्याओं की खबरें दिल दहला देती थीं और गढ़चिरौली जैसे जिलों में नक्सलवाद का बोलबाला था। ऐसा नहीं है कि ये सब समस्याएं बिल्कुल खत्म हो गई हैं, लेकिन अब विकास की पदचाप भी मतदाताओं को सुनाई देने लगी है। स्थानीय मुद्दों, जातीय समीकरण के बीच मतदाता विकास की यह पदचाप सुनते हुए ही मतदान करने का मन बना रहे हैं।

नागपुर महाराष्ट्र की सबसे महत्वपूर्ण लोकसभा सीटों में से एक है, क्योंकि यहां से भाजपा के दिग्गज नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी तीसरी बार भाजपा के प्रत्याशी हैं। उनके काम का बोलबाला जैसे पूरा देश देख रहा है, वैसे ही उनका अपना शहर नागपुर भी। कांग्रेस ने उनके मुकाबले नागपुर के ही अपने एक विधायक विकास ठाकरे को टिकट दिया है, लेकिन यहां गडकरी के विकास के सामने कांग्रेस के विकास फीके पड़ते दिखाई दे रहे हैं।

रामटेक में इस बार दोनों मुख्य प्रत्याशी नए हैं। शिवसेना (शिंदे गुट) के हिस्से में गई इस सीट से उसने कांग्रेस छोड़कर आए इसी क्षेत्र की एक सीट से विधायक राजू पारवे को टिकट दिया है। अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित इस सीट से कांग्रेस ने श्यामराव बर्वे को टिकट दिया है। इस क्षेत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक सभा भी हो चुकी है। मुकाबला कांटे का है।

2019 में महाराष्ट्र की चंद्रपुर सीट ही कांग्रेस को मिली थी, पर उसके सांसद सुरेश धानोरकर के असामयिक निधन के बाद कांग्रेस ने उनकी विधवा प्रतिभा धानोरकर को टिकट दिया है। वह इसी लोस क्षेत्र के अंतर्गत आनेवाले वारोरा विस क्षेत्र से विधायक हैं। उनका मुकाबला भाजपा के तेजतर्रार नेता सुधीर मुनगंटीवार से है। वह अपने कराए विकास के साथ-साथ पीएम मोदी द्वारा किए गए विकास के नाम पर भी वोट मांग रहे हैं।

गढ़चिरौली-चिमूर सीट का बड़ा हिस्सा माओवादी नक्सलवाद से प्रभावित रहा है। पहले गढ़चिरौली के आदिवासी युवा भी बड़े पैमाने पर माओवाद की गिरफ्त में थे, लेकिन क्षेत्र में हो रहे विकास ने अब इस क्षेत्र पर माओवाद की पकड़ ढीली की है। इसका लाभ तीसरी बार भाजपा द्वारा उम्मीदवार बनाए गए अशोक नेते को मिल रहा है। कांग्रेस ने अपने पुराने उम्मीदवार नामदेव उसेंडी का टिकट काटकर इस बार डा. नामदेव किरसान को उम्मीदवार बनाया है। इससे नाराज उसेंडी भाजपा में आकर अब अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी अशोक नेते के लिए काम कर रहे हैं।

भंडारा-गोंदिया में मैदान में हैं भाजपा के वर्तमान सांसद सुनील मेंढ़े और कांग्रेस के नए प्रत्याशी प्रशांत पडोले। एक तरफ कांग्रेस को 25 साल बाद इस सीट से अपना प्रत्याशी उतारने का मौका मिला है तो दूसरी ओर यहां से कई बार सांसद रहे प्रफुल पटेल राकांपा-भाजपा गठबंधन के कारण भाजपा के पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। इसका लाभ भाजपा को मिल सकता है।

अतीत के आईने से

...जब तीन वर्ष खाली रही लोकसभा सीट

बेतिया (अब पश्चिम चंपारण) लोस क्षेत्र तीन वर्षों तक सांसद विहीन रहा था। यह कालखंड 1974 से 1977 के बीच का है। 1971 के आम चुनाव में बेतिया सीट से कांग्रेस के कमलनाथ तिवारी सांसद चुने गए थे। 1962 और 1967 के बाद 1971 में वह तीसरी बार इस सीट से चुने गए थे। 17 जनवरी, 1974 को 67 वर्ष की उम्र में उनका निधन हो गया। इस बीच देश के हालात तेजी से बदले और 1975 में आपातकाल की घोषणा हो गई। ऐसे में यहां चुनाव लंबित रह गया। इसके बाद 1977 में चुनाव हुआ, जिसमें भारतीय लोक दल से फजलुर्रहमान विजयी घोषित हुए थे। वरिष्ठ अधिवक्ता रैफुल आजम बताते हैं कि कमलनाथ ने कई मौके पर इंदिरा गांधी का विरोध किया था। उनके सहयोगी सांसदों को लगता था कि इससे पार्टी में उन्हें नुकसान होगा, पर उनका कद बड़ा था। अधिवक्ता जगदंबा शुक्ला बताते हैं कि कमलनाथ ने लैंड सीलिंग एक्ट का संसद में विरोध किया था। संसद में विरोध भाषण भी दिया था। इंदिरा गांधी के खुलेआम विरोध के बाद उस दौर के अधिसंख्य कांग्रेसियों को लगने लगा था कि कमलनाथ का टिकट कट जाएगा, लेकिन 1971 में बेतिया सीट से पार्टी ने उन्हें ही उम्मीदवार बनाया था।

(बेतिया से मनोज मिश्र)

महासमर से जुड़ी खबरों और सामग्री को विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें

लाल चौक पर लोकतंत्र का उत्सव

कश्मीर में चुनावी गतिविधियां बढ़ गई हैं। मतदाताओं को वोट का महत्व बताया जा रहा है। जिला प्रशासन की ओर से श्रीनगर के लाल चौक स्थित घंटाघर के पास नुक्कड़ नाटक से मतदाताओं को जागरूक किया गया। श्रीनगर लोकसभा सीट के लिए 13 मई को मतदान होगा। इस निर्वाचन क्षेत्र में 17,44,027 मतदाता हैं ● जागरण

संदेशखाली के साथ हो रही रामलला की भी बात

भारतीय बसंत कुमार ● जागरण

दार्जिलिंग: उत्तर बंगाल में जिन तीन सीटों जलपाईगुड़ी, कूचबिहार और अलीपुरद्वार में पहले चरण में मतदान होना है, वहां प्रचार का जोर उफान पर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दो बार और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की कई बार सभा हो चुकी हैं। बीते साल रामनवमी पर बंगाल में तीन-चार जगहों पर हिंसा हुई थी। इस साल अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के साथ ही बंगाल में भी रामनवमी एक नैरेटिव है। भाजपा कह रही है कि तृणमूल के गुंडों से नहीं डरना है। पीएम मोदी उत्तर मालदा में बूथ कार्यकर्ता लतिका हल्दार से बात करते हुए संदेश देते हैं-'एक-एक कार्यकर्ता वोटर के घर जाएं।' निडर होकर मतदान कराएं। चुनावी हिंसा, संदेशखाली कांड और भ्रष्टाचार के विरुद्ध उठा ठोस कदम चुनाव में भाजपा का एजेंडा है। भाजपा इनका संदेश मैदान से चाय बागान तक पहुंचा रही है।

उत्तर बंगाल की आठ में दक्षिण मालदा छोड़कर सभी सीटों पर इस समय भाजपा के सांसद हैं। अपनी नई बनी जमीन पर कमल खिलाए रखना भाजपा के लिए जरूरी है, तो सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस अपनी खोई हुई सीटों की वापसी चाहती है। पहले चरण में जिन तीन सीटों पर चुनाव है, उन सभी पर 2014 में तृणमूल के सांसद थे। तीनों सीटें चाय बागान बेल्ट की हैं। चाय बागान में चुनावी एजेंडा मजदूरों का हित है, जिसके लिए भाजपा उज्जवला और राशन को औजार बनाए घूम रही है तो तृणमूल के पास चा-सुंदरी, लक्खी भंडार, कन्याश्री या रूपश्री जैसी योजनाओं का मंत्र है। चाय बागानों से लेकर गांव-घर, फ्लैट और दुकान तक अगर तृणमूल और भाजपा का झंडा लहरा रहा है तो रामनवमी का ध्वज भी खूब फहरा रहा है। गुलमा टी एस्टेट के गेट पर प्रभु राम की अयोध्या में लगी मूर्ति के चित्र के साथ ही रामनवमी की शोभायात्रा का आमंत्रण बड़े पोस्टर के रूप में लगा है। रामनवमी हिंसा को लेकर हुए भाजपाई वार के लिए ममता ने काट खोज निकाली है। अबकी पहली बार रामनवमी पर ममता सरकार ने अवकाश की घोषणा की है।

भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी अपनी सभा की शुरुआत जय श्रीराम से करते हैं। भीड़ से मुखातिब होते हैं- 'याद है न रामनवमी। ध्वजा लहराना चाहिए। 500 साल बाद रामलला अपने घर विराजे हैं। सभा के अंत में भी जय श्रीराम का जयघोष होता है। जलपाईगुड़ी लोस का यह बहुत छोटा सा मैदान है। तृणमूल की एक महिला नेता ममता का संदेश दोहरा रही हैं-' दीदी भीख जनता से मांगेगी, केंद्र से नहीं।'

अलीपुरद्वार, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी व दार्जिलिंग लोस सीटों पर चाय श्रमिकों का वोट असरकारक है। चाय बागान के कभी चौकीदार रहे तृणमूल के बुलु चिक बड़ाइक अब ममता सरकार में मंत्री हैं। सरकार की योजनाओं का हवाला लेकर वह बागान-बागान घूम रहे हैं। अपने अंदाज में बताते हैं कि तृणमूल की सीट नहीं निकली तो नौकरी चली जाएगी। चा-सुंदरी परियोजना चाय बागान के मजदूरों के आवास से जुड़ी है। इसके साथ ही लक्खी भंडार योजना में मासिक आर्थिक सहायता दी जा रही है। पहले यह राशि पांच सौ रुपये थी, अब दोगुनी कर दी गई है। चाय बागान में काम करने वालों में महिलाओं की संख्या ज्यादा है। भाजपा-तृणमूल दोनों के संगठन ने इतना जरूर किया है कि उज्जवला और राशन मोदी सरकार की देन है, का संदेश हर मजदूर तक पहुंचा दिया है। तभी तो गुलमोहर चाय गार्डन की महिला मजदूर रीता टोपना को पता है कि उज्जवला के तहत सिलेंडर मोदीजी ने दिया है। गुलमा टी स्टेट के चाय बागान में काम कर रही लीमा को चा सुंदरी और कन्या श्री दोनों ही योजनाओं के बारे में पता है कि यह ममता दीदी की देन है।

मोदी जैसा नेता चाहिए: संतोष दास ईस्टर्न बाइपास पर पान बेचते हैं। कहते हैं चारों ओर भ्रष्टाचार है। सब नेता जेल जा रहे हैं। दार्जिलिंग मोड़ पर स्टेशनरी की दुकान चलाने वाले मनोज कहते हैं कि मोदी सबको जेल भेज देंगे, ऐसा ही आदमी चाहिए। महिला तृणमूल कांग्रेस की प्रदेशाध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य जिन 49 प्रतिशत महिलाओं को अपनी ताकत बताती हैं तो उन्हीं के बीच भाजपा संदेशखाली में महिलाओं के यौनशोषण का उदाहरण रख रही हैं। इसके माध्यम से ममता राज में महिलाओं को असुरक्षित बता रहीं हैं। घोटालों में घिरे अनुव्रत और संदेशखाली के ओरपित शाहजहां जैसे नेताओं की बात कर रही हैं।

ग्राउंड रिपोर्ट
उत्तर बंगाल

दार्जिलिंग में वर्द्धमान रोड पर रामनवमी से पहले लहराते ध्वज ● जागरण

गुलमा टी एस्टेट के गेट के पास लगा शोभायात्रा के आमंत्रण का बैनर ● जागरण

तृणमूल कांग्रेस एनआरसी और सीएए को बना रही है मुद्दा

तृणमूल की रैलियों में घोषणा की जा रही है सीएए-एनआरसी लागू नहीं होने देंगे। उधर, अलीपुरद्वार सीट से भाजपा व तृणमूल दोनों के प्रत्याशी चाय बागान श्रमिक यूनियन से जुड़े हैं। भाजपा प्रत्याशी मनोज तिग्गा सिंघानिया चाय बागान के निवासी हैं, जबकि तृणमूल प्रत्याशी प्रकाश चिक बड़ाइक तृणमूल चाय बागान श्रमिक यूनियन के केंद्रीय नेता हैं। तृणमूल के ब्रात्य बसु, मेयर गौतम देव आदि नेता पूर्व आइपीएस देवाशीष धर को बीरभूम में भाजपा प्रत्याशी बनाए जाने पर सवाल खड़े करते हैं।

****

10 वर्षों में आटीआर भरने वालों की संख्या चार करोड़ से बढ़कर आठ करोड़ हो गई है। कर संग्रहण 11 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 34 लाख करोड़ रुपये हो गया है। साक्षात्कार में यह जानकारी देते हुए पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि लोगों को विश्वास है कि उनका पैसा सही हाथों में जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में अपनी सीट नहीं बचा पाए 'युवराज' तो केरल आ गए : मोदी

पीएम ने कहा-केरल में प्रतिबंधित संगठन के भरोसे चुनाव लड़ रही कांग्रेस

केरल तिरुअनंतपुरम जिले के कट्टाकड़ा में सोमवार को आयोजित जनसभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मुकुट और पारंपरिक उपहार भेंट करते केंद्रीय मंत्री वी मुरलीधरन। प्रेट्र

त्रिशूर, प्रेट्र: भाजपा द्वारा अपना चुनाव घोषणापत्र जारी करने के एक दिन बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कहा कि राजग के शासन के दौरान पिछले एक दशक में जो कुछ हुआ, वह सिर्फ एक झांकी है। केरल और देश की प्रगति के लिए अभी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। राजग द्वारा आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए मोदी ने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। कहा कि कांग्रेस के युवराज उत्तर प्रदेश की सीट पर अपने परिवार की प्रतिष्ठा बचाने में नाकाम रहे और वोट मांगने के लिए केरल चले आए। बताते चलें, राहुल गांधी को पिछले लोकसभा चुनाव में अमेठी की परंपरागत सीट से हार का सामना करना पड़ा था। वह फिलहाल केरल की वायनाड सीट से लोकसभा सदस्य हैं।

मोदी ने कांग्रेस पर केरल में प्रतिबंधित संगठन के भरोसे चुनाव लड़ने का भी आरोप लगाया। कहा कि चुनाव जीतने के लिए कांग्रेस ने एक ऐसे संगठन की राजनीतिक शाखा के साथ पिछले दरवाजे से समझौता किया है, जिसे राष्ट्र विरोधी गतिविधियों के कारण प्रतिबंधित कर दिया गया है। क्या आपने कभी उनसे इसके बारे में सुना है? बताते चलें, प्रतिबंधित संगठन पापुलर फ्रंट आफ इंडिया (पीएफआइ) की राजनीतिक शाखा सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी आफ इंडिया (एसडीपीआइ) ने लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को समर्थन की घोषणा की है। पीएम ने केरल में कानून-व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य की वाम मोर्चा सरकार की आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया, केरल में हिंसा और अराजकता आम बात है। यहां राजनीतिक हत्याएं की जाती हैं। कालेज परिसर असामाजिक गतिविधियों का अड्डा बन गए हैं। हमारे बच्चे सुरक्षित नहीं हैं। मोदी ने आश्वासन दिया कि केरल आगामी लोकसभा चुनाव के बाद यह सुनिश्चित करेगा कि संसद में उसकी आवाज सुनी जाए।

कच्छतीवु पर कांग्रेस, द्रमुक का पाप चार दशकों तक छिपा रहा

तिरुनेलवेली, प्रेट्र: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तमिलनाडु में अपने चुनाव अभियान का समापन करते हुए विश्व स्तर पर तिरुवल्लुवर केंद्र स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने श्रीलंका को कच्छतीवु द्वीप सौंपने के लिए कांग्रेस और द्रमुक को पापी करार दिया। मोदी ने दोनों पार्टियों को राष्ट्र विरोधी बताया और कहा कि पूरा देश अब इस सच्चाई को समझ गया है कि उन्होंने कच्छतीवु को तमिलनाडु से 'काटकर' दूसरे देश को दे दिया था। मोदी ने दावा किया कि उनका यह पाप चार दशकों तक छिपा रहा। यह भाजपा है जिसने सच्चाई उजागर की और इसे लोगों के ध्यान में लाया। इसके बाद कांग्रेस और द्रमुक चुप हो गए।

हमारी परंपरा है, 'प्राण जाए पर वचन न जाए' : मोदी

- कहा, राजनेताओं को लेनी चाहिए अपने बयानों की जिम्मेदारी
- 'एक देश, एक चुनाव' को बताया अपनी सरकार की प्रतिबद्धता

नई दिल्ली, एएनआइ: जनता से किए गए वादों को पूरा करने में विफल रहने के लिए विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह याद रखा जाना चाहिए कि हमारे यहां 'प्राण जाए पर वचन न जाए' की परंपरा रही है। लिहाजा राजनेताओं को लोगों के समक्ष दिए गए बयानों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

एएनआइ को दिए साक्षात्कार में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं जो कहता हूं, वह मेरी जिम्मेदारी है और मैंने इसकी गारंटी दी है। मैं उसके लिए प्रतिबद्ध भी हूं और उसका दायित्व लेता हूं।' इस क्रम में उन्होंने अनुच्छेद-370 के लिए उनकी पार्टी की प्रतिबद्धता और तत्काल तीन तलाक का उल्लेख किया। लोगों को मोदी की गारंटी देने के सवाल पर उन्होंने कहा कि राजनेता अपनी कही बातों की जिम्मेदारी नहीं लेते, उनका एक बयान उनके दूसरे बयान का विरोधाभासी होता है, इसलिए लोग कहते हैं कि यह हमें मूर्ख बना रहा है। पांच से छह दशक तक देश पर शासन करने वाले जब गरीबी हटाने की बात करते हैं तो लोग सवाल उठाते हैं। उनका इशारा कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर था। उन्होंने बताया कि यूक्रेन में युद्ध के दौरान जब युवाओं समेत भारत के कई लोग वहां फंस गए थे तो भारत के झंडे की ताकत इतनी थी कि कोई विदेशी भी उसे अपने हाथ में पकड़ लेता था तो वहां उसके लिए भी जगह थी। इसलिए हमारा झंडा मेरी गारंटी बन गया था। मोदी ने कहा कि 'एक देश, एक चुनाव' उनकी सरकार की प्रतिबद्धता है। सरकार ने संसद में भी इस बारे में बात की है। देश में कई लोग इसके समर्थन में हैं। भारत में निवेश के सवाल पर प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि भारत में निवेश आए क्योंकि पैसा किसी का भी हो, पसीना मेरे देश का लगना चाहिए। उत्पाद में हमारी मिट्टी की सुगंध होनी चाहिए ताकि देश में हमारे युवाओं को रोजगार के अवसर मिल सकें।' अमेरिका उद्योगपति व टेस्ला के प्रमुख एलन मस्क के सार्वजनिक तौर पर खुद को मोदी का प्रशंसक बताए जाने पर प्रधानमंत्री ने कहा कि मस्क भारत के समर्थक हैं। उन्होंने बताया कि गूगल, एपल और सैमसंग जैसी कंपनियां भी भारत में निवेश कर रही हैं। कांग्रेस के घोषणा-पत्र की आलोचना करते हुए मोदी ने कहा कि वह देश के युवा वोटरों और पहली बार के वोटरों की आकांक्षाओं की कसौटी पर विफल रहा है। यह उनके भविष्य को चौपट कर देगा। उन्होंने कहा, 'जिस विकसित भारत की मैं बात कर रहा हूं, उसका भविष्य किसके साथ जुड़ा है? जो आज 20 वर्ष के हैं, वे 2047 में 40-45 वर्ष के होंगे। इसका मतलब है कि भारत के विकास की प्रक्रिया और उनके जीवन की प्रक्रिया समान है। उनके लिए यह सुनहरा अवसर है। 2047 के वे सबसे बड़े लाभार्थी होने जा रहे हैं। इसलिए मैं कह रहा हूं कि मैं आपका भविष्य बना रहा हूं।'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश को आगे ले जाने के लिए राज्यों के बीच सहयोग के साथ-साथ स्वस्थ प्रतिस्पर्धा भी होनी चाहिए। क्षेत्रीय आकांक्षाओं पर अधिकतम ध्यान देने की पैरोकारी करते हुए उन्होंने कहा कि वह कभी नहीं चाहेंगे कि राज्य अपनी प्रगति की राह में बाधाओं का सामना करें। वह लंबे समय तक एक राज्य के मुख्यमंत्री रह चुके हैं और वह इस बात को समझते हैं। इस क्रम में उन्होंने कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशी मीडिया के कुछ वर्गों में उनके मजबूत होने पर लोकतंत्र दरकने की आशंकाओं के बारे में जवाब दिया कि भारत लोकतंत्र की जननी है। इस देश में छह लाख पंचायतों का संचालन निर्वाचित प्रतिनिधि करते हैं। देश में कई राज्य हैं और उनमें कई पार्टियों की सरकारें हैं। इसके बावजूद अगर वह कहते हैं कि कोई सुप्रीम लीडर बन रहा है तो उसमें ज्ञान की कमी है।

राजनीतिक हलचल

कांग्रेस के विरोध में तेलंगाना भाजपा प्रमुख का उपवास

हैदराबाद: केंद्रीय मंत्री और तेलंगाना भाजपा प्रमुख जी किशन रेड्डी ने सोमवार को हैदराबाद में उपवास रखा और प्रदेश की कांग्रेस सरकार से किसानों से किए गए चुनावी वादों को पूरा करने की मांग की। कांग्रेस ने किसानों से एमएसपी पर 500 रुपये बोनस देने और प्रति वर्ष प्रति एकड़ 15000 रुपये की वित्तीय सहायता देने का वादा किया था। प्रदेश भाजपा मुख्यालय में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए उन्होंने कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी पर वादा पूरा नहीं करने का आरोप लगाया। (प्रेट्र)

जी किशन रेड्डी। फाइल

जगन ने आंध्र प्रदेश में फिर से प्रचार शुरू किया

एनटीआर डिस्ट्रिक्ट: वाईएसआरसीपी प्रमुख और आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने सोमवार से चुनाव प्रचार फिर शुरू कर दिया। पत्थर से हुए हमले में घायल जगन ने एक दिन के लिए प्रचार रोक दिया था। एनटीआर डिस्ट्रिक्ट में केसरपल्ले से मुख्यमंत्री ने बस से चुनाव प्रचार शुरू किया। गन्नावरम में प्रचार के बाद वह अन्य गांवों का दौरा करेंगे। जगन ने कड़पा जिले के इद्दुपुलुपाया से श्रीकाकुलम जिले के इच्छापुरम तक बस से यात्रा कर 21 दिवसीय चुनाव प्रचार शुरू किया था। (प्रेट्र)

जगन मोहन रेड्डी।

महिलाओं पर टिप्पणी के लिए कुमारस्वामी ने खेद जताया

बेंगलुरु: जदएस नेता एचडी कुमारस्वामी ने महिलाओं पर अपनी टिप्पणी के लिए सोमवार को खेद व्यक्त किया। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा था कि राज्य की कांग्रेस सरकार की पांच गारंटी योजनाओं के कारण ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं 'रास्ता भूल गई हैं।' कुमारस्वामी ने यह भी कहा कि उनकी टिप्पणी को तोड़ मरोड़कर पेश किया जा रहा है। (प्रेट्र)

एचडी कुमारस्वामी

कोई कितना जोर लगा ले, मणिपुर को टूटने नहीं देंगे : शाह

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कांग्रेस पर लगाया मणिपुर को तोड़ने का एजेंडा बनाने का आरोप
- शांति स्थापित करने को बताया प्रधानमंत्री मोदी की पहली प्राथमिकता

मणिपुर में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने नस्ली हिंसा से प्रभावित मणिपुर को एकजुट रखने का भरोसा दिया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मणिपुर को तोड़ने वाले और मणिपुर को जोड़कर रखने वालों के बीच है। उन्होंने कांग्रेस पर मणिपुर के विभाजन का एजेंडा बनाने का आरोप लगाया। शाह ने साफ कर दिया कि कोई कितना भी जोर लगा ले, हम मणिपुर को टूटने नहीं देंगे।

कांग्रेस पर विभाजन की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस जहां भी जाती है, विभाजन की बात करती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पहले भी देश का विभाजन कर चुकी है और अब उत्तर और दक्षिण भारत में बांटना चाहती है। कांग्रेस की पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा मणिपुर में हुई हिंसा और इसमें मारे गए लोगों का आंकड़ा देते हुए कहा कि कांग्रेस ने मणिपुर को नाकाबंदी वाला राज्य बना दिया था। इबोबी सिंह की कांग्रेस सरकार के दौरान सैंकड़ों लोगों के फर्जी एनकाउंटर में मारे जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि तीन साल मणिपुर बंद रहा था। इसके विपरीत भाजपा शासन में मणिपुर में शांति बहाल करने में सफलता मिली और कई इलाकों से अफस्पा को हटा लिया गया। ध्यान रहे कि कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में सरकार बनने के बाद मणिपुर सरकार को बर्खास्त करने की घोषणा की है।

अगरतला में सोमवार को लोकचुनाव के लिए जनसभा के दौरान गृह मंत्री अमित शाह को प्रतीक चिन्ह भेंट करते त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा। प्रेट्र

अमित शाह के अनुसार घुसपैठ के माध्यम से मणिपुर की डेमोग्राफी को बदलने का षड़यंत्र चल रहा है। इससे निपटने के लिए मोदी सरकार ने पूरे म्यांमार बार्डर पर बाड़ लगाने का फैसला किया है। इस पर काम शुरू भी हो चुका है। इसी तरह से ड्रग तस्करी के मद्देनजर मुक्त आवाजाही समझौते को रद करने का फैसला किया गया है। उन्होंने कहा कि मणिपुर को हिंसा के दंश से बाहर निकालने और स्थाई शांति स्थापित करने के लिए दोनों समुदायों से बात की जाएगी। इसके लिए मोदी सरकार कटिबद्ध है। उन्होंने कहा कि मैं घाटी और पहाड़ दोनों से कहना चाहता हूं कि मणिपुर में शांति पीएम मोदी की प्राथमिकता है।

शाह ने पूरे पूर्वोत्तर भारत और खासतौर पर मणिपुर के विकास के लिए मोदी सरकार के दौरान किये गए कार्यों का ब्योरा भी पेश किया। उनके अनुसार, उग्रवादी गुटों से समझौता कर पूरे पूर्वोत्तर भारत में शांति और विकास के नए युग का सूत्रपात हुआ है। इससे पहले त्रिपुरा में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर का विकास मोदी सरकार की प्राथमिकता में है। प्रधानमंत्री मोदी का मानना है कि देश तभी विकसित होगा, जब पूर्वोत्तर भारत विकसित होगा। त्रिपुरा और मणिपुर की दो-दो सीटों के लिए दो चरणों में मतदान होने हैं। दोनों ही राज्यों में पहले और दूसरे चरण में एक-एक सीट पर मतदान होगा।

लालू जैसे परिवार की राजनीति करने वालों को यूपी में ठंडा कर दिया : योगी

- अयोध्या में मंदिर बनाने के साथ अपराधियों का किया राम नाम सत्य
- लखनऊ में बोले-80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर मोदी सरकार

- लालू को जनता से मतलब नहीं, राजद को रंगदारी व तमंचा लहराने से फुर्सत नहीं

औरंगाबाद लोकसभा क्षेत्र के रतनुआ में मंच से भीड़ का अभिवादन स्वीकार करते यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, भाजपा प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह एवं अन्य। जागरण

जागरण टीम, नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी चिरपरिचित शैली में विपक्ष पर हमलावर हैं। भाजपा प्रत्याशियों के पक्ष में प्रचार के लिए सोमवार को बिहार के औरंगाबाद व नवादा में थे। कहा कि लालू प्रसाद जैसे परिवार की राजनीति करने वाले उत्तर प्रदेश में भी हैं, जिन्हें ठंडा कर दिया है। जनता ने उन्हें नकार दिया है। योगी ने जनसभा में औरंगाबाद से भाजपा प्रत्याशी सुशील कुमार सिंह एवं नवादा में विवेक ठाकुर को विजयी बना कर देश में राजग के चार सौ पार का संकल्प पूरा कराने की अपील की। लखनऊ में योगी ने कहा कि यह पहला चुनाव है जो आत्मनिर्भर और विकसित भारत की संकल्पना को लेकर लड़ा जा रहा है। का ब्लूप्रिंट है। उन्होंने यूपी में लोकसभा चुनाव के लिए नया नारा देते हुए कहा कि '80 बनेगा आधार, एनडीए 400 पार, फिर एक बार मोदी सरकार।'

संकल्प पत्र मोदी की गारंटी

योगी ने कहा कि देश के गरीब, युवा, अन्नदाता व नारी शक्ति ही भाजपा के संकल्प पत्र के चार आधार हैं। यह मोदी की गारंटी है, जिसमें विकसित भारत बनाने की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ निर्णायक युद्ध की उद्घोषणा भी है।

बिहार में योगी ने कहा कि बिहार में लालू परिवार तक ही सीमित हैं। राजद को रंगदारी से फुर्सत मिले तब न, ये तमंचा लहराने वाले, इन्हें टैबलेट से क्या मतलब। ये डिजिटल इंडिया का विरोध करते हैं। इस बार लोकसभा चुनाव में लालू परिवार के लिए सीटें कम पड़ गईं। चुटकी लेते हुए कहा कि ईश्वर लालू जी को स्वस्थ रखें, वह संख्या बढ़ाते जाएं, हम उनको आवास और मुफ्त अनाज देंगे।

हमारे पास सीमा पार करके भी दुश्मन को मारने की ताकत : राजनाथ सिंह

जागरण संवाददाता, कठुआ

- भारत में 'राम राज' की हो चुकी है शुरुआत, इसे कोई नहीं रोक सकता
- भाजपा उम्मीदवार जितेंद्र सिंह के लिए किया प्रचार, 19 को है मतदान

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत न तो किसी देश पर आक्रमण करता है और न ही किसी की जमीन पर कब्जा। यदि कोई ऐसा करता है तो बदला लिया जाता है। उड़ी और पुलवामा की घटना के बाद बच्चा-बच्चा इसे जानता है। हम सीमा के अंदर भी और सीमा पार करके भी दुश्मन को मार सकते हैं। राजनाथ सिंह बसोहली (कठुआ) में ऊधमपुर-डोडा-कठुआ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार डा. जितेंद्र सिंह के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस सीट पर 19 अप्रैल को मतदान होना है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि भाजपा ने घोषणा पत्र में जो लिखा, उसे पूरा किया। अब देश में ''राम राज'' की जड़ें जमनी शुरू हो गई हैं और इसे वास्तविकता बनने से कोई नहीं रोक सकता। अनुच्छेद 370 निरस्त करने, राम मंदिर का निर्माण और नागरिकता संशोधन अधिनियम के कार्यान्वयन पर हमने अपने वादे पूरे किए। उन्होंने कहा कि आज देश ही नहीं बल्कि पूरा विश्व इस सच्चाई को स्वीकार कर रहा है कि भारत विकास के पथ पर सवार है। 30 वर्ष पूर्व ही भारत ताकतवार देश बन सकता था, मगर कुछ करने और कहने में सदा अंतर रखा गया। राजनाथ सिंह ने कहा कि जम्मू-कश्मीर का दर्जा भारत के सभी राज्यों के बराबर है।

अभिवादन स्वीकार करते रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह। साथ हैं भाजपा उम्मीदवार व केंद्रीय राज्यमंत्री जितेंद्र सिंह व अन्य नेता। जागरण

10 वर्ष में प्रधानमंत्री मोदी ने बदली राजनीति की परिभाषा : नड्डा

- समान नागरिक संहिता की पहल करने वाला उत्तराखंड देश में नंबर वन

मसूरी में विजय संकल्प रैली में राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता। जागरण

जागरण संवाददाता, मसूरी

देश में वर्ष 2014 से पहले राजनीति उदासीनता से भरी हुई थी। आमजन भी कहा करता था कि राजनीति से कुछ नहीं बदलेगा। जैसा चल रहा है, वैसा ही चलता रहेगा, यहां कुछ बदलने वाला नहीं है। बीते 10 वर्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजनीति की परिभाषा, संस्कृति, चाल-ढाल और तौर-तरीका बदला है। यही नहीं, राजनीति की दृष्टि से संकल्प की परिभाषा भी प्रधानमंत्री मोदी ने बदली है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सोमवार को यहां टिहरी गढ़वाल संसदीय सीट से पार्टी प्रत्याशी माला राज्य लक्ष्मी शाह के समर्थन में आयोजित विजय संकल्प रैली में ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को प्रधानमंत्री ने मुख्य धारा में रखा है। उन्होंने समान नागरिक संहिता की उत्तराखंड की पहल को सराहा और कहा कि इस मामले में यह राज्य देश में नंबर वन रहा है। भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि यह लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने का चुनाव है।

'संविधान बदलने के लिए बहुमत मांग रही भाजपा'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद एक बार फिर पुराने तेवर में नजर आए। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा देश का संविधान बदलना चाहती है। संविधान बदलने के इरादे को पूरा करने के लिए वह चार सौ सीट मांग रही है, लेकिन इन्हें नहीं पता जो भी संविधान बदलने की बात करेगा देश की गरीब, पिछड़ी और दलित जनता उसकी आंख निकाल लेगी। उन्होंने सोमबार को कहा कि भाजपा काफी घबराहट में है। ये मान चुके हैं कि वे हार चुके हैं। इसलिए अपनी घबराहट छिपाने के लिए चार सौ का दावा कर रहे हैं। इनके नेता लगातार खुलमखुल्ला बोल रहे हैं कि हम संविधान को बदल देंगे। यह बाबा साहब का बनाया हुआ संविधान है। उन्होंने ऐसी साजिश रचने वालों को खबरदार करते हुए कहा ऐसी सोच रखने वालों को जनता माफ नहीं करेगी। ये देश में तानाशाही लाना चाहते हैं। संविधान को बदलने का मतलब है लोकतंत्र को बदलना। लोकतंत्र को बदलने का मतलब है ये देश में जनतंत्र कायम करना नहीं चाहते। ये लोग पूर्व की बातें भूल गए हैं।

हिमाचल में लोकसभा व उपचुनाव की टिकटों में उलझी कांग्रेस

अनिल ठाकुर, जागरण

- हमीरपुर से रायजादा का नाम लगभग तय, कांगड़ा में अभी फंसा है पेच
- राजपूत, ब्राह्मण या फिर ओबीसी इस पर हाईकमान लेगा निर्णय

शिमला: लोकसभा चुनाव व विधानसभा की छह सीटों पर हो रहे उपचुनाव की टिकटों में कांग्रेस काफी उलझी दिख रही है। कांग्रेस ने शिमला संसदीय क्षेत्र से विनोद सुल्तानपुरी व मंडी से विक्रमादित्य सिंह को प्रत्याशी घोषित कर दिया है। हमीरपुर से सतपाल रायजादा का नाम लगभग तय है लेकिन कांगड़ा सीट को लेकर पेच फंसा है। पार्टी यहां से ओबीसी, ब्राह्मण या राजपूत को उम्मीदवार बनाने में उलझी है। पार्टी ने मंडी से विक्रमादित्य के रूप में एक राजपूत को पहले ही प्रत्याशी बनाया है। कांगड़ा में ओबीसी व राजपूत प्रत्याशी तो है, लेकिन ब्राह्मण प्रत्याशी की तलाश है। हमीरपुर से टिकट की दौड़ में आगे चल रहे सतपाल रायजादा भी राजपूत हैं।

हमीरपुर व कांगड़ा संसदीय क्षेत्रों की टिकटों पर पेंच: हमीरपुर व कांगड़ा संसदीय क्षेत्रों की टिकटों पर भी कांग्रेस में पेच फंसा हुआ है। दोनों ही संसदीय क्षेत्रों में कांग्रेस नए प्रत्याशियों को उतारने की तैयारी कर रही है। कांगड़ा से पूर्व मंत्री आशा कुमारी का नाम फाइनल हो गया था, लेकिन कांग्रेस चंबा के बजाय कांगड़ा जिला से प्रत्याशी बनाना चाहती है। बैठक में एक बड़े नेता ने ही आशा के नाम का विरोध किया था। क्षेत्रीय व जातीय समीकरणों को देखते हुए अब आशा कुमारी के अलावा जगजीवन पाल, डा. राजेश शर्मा और रघुवीर सिंह बाली के नाम पर भी मंथन किया जा रहा है। जगजीवन ओबीसी तो डा. राजेश व रघुवीर सिंह बाली ब्राह्मण हैं।

सतपाल रायजादी।

आशा कुमारी।

हमीरपुर संसदीय क्षेत्र में उपमुख्यमंत्री की पूछी है राय: हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से कांग्रेस दमदार प्रत्याशी उतारना चाहती है। पहले पूर्व विधायक सतपाल रायजादा का टिकट लगभग फाइनल हो गया था लेकिन केंद्रीय चुनाव समिति ने इसे रोक लिया है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की तरफ से टिकट मिलने के संकेत के बाद सतपाल रायजादा ने बैठकें भी शुरू कर दी थीं। हाईकमान ने उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री से राय पूछी है। उपमुख्यमंत्री या उनकी बेटी को चुनाव में उतारने पर भी विचार चल रहा है। मुकेश अग्निहोत्री ने पारिवारिक कारणों का हवाला देते हुए चुनाव लड़ने से इनकार किया है।

उपचुनाव के लिए भी खींचतान: प्रदेश की छह सीटों पर उपचुनाव के लिए राजनीति गर्मा गई है। कांग्रेस में छह में से चार टिकटों को लेकर अधिक खींचतान चली हुई है। कांग्रेस ने हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के तहत आने वाली चार सीटों (बड़सर, सुजानपुर, कुटलैहड़ और गगरेट) पर प्रत्याशियों के चयन से पहले एक और सर्वे शुरू कर दिया है। स्क्रीनिंग कमेटी ने जो नाम शार्टलिस्ट किए थे, उनमें से कितने जिताऊ उम्मीदवार हैं, इनका जनाधार कितना है, क्षेत्रीय व जातीय समीकरण क्या कहते हैं, इसको लेकर सर्वे किया जा रहा है।

इसके बाद ही टिकटों पर मुहर लगेगी। धर्मशाला और कुटलैहड़ विधानसभा सीटों पर प्रत्याशियों के नामों पर सहमति बन चुकी है। बीते दिनों दिल्ली में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में भी इन सीटों को लेकर चर्चा की गई थी। इसमें दोबारा से सर्वे की बात कही गई। सूत्रों के मुताबिक पार्टी का यह आंतरिक सर्वे शुरू हो चुका है। 18 या 19 तक अप्रैल तक प्रत्याशियों के नाम फाइनल हो सकते हैं।

****

जवाहरलाल नेहरू ने कोको द्वीप म्यांमार को उपहार में दिया था : बिष्णु पद रे

पोर्ट ब्लेयर, एएनआइ: अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से भाजपा उम्मीदवार बिष्णु पद रे ने रविवार को कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने दावा किया कि सबसे पुरानी पार्टी ने हमेशा भारत विरोधी भावनाओं को बढ़ावा दिया है। रविवार को कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने कोको द्वीप म्यांमार को उपहार में दिया था। यह उत्तरी अंडमान द्वीप समूह का हिस्सा था। उन्होंने कहा कि सत्ता में रहने के दौरान कांग्रेस को द्वीपों की चिंता नहीं हुई। आज केंद्र सरकार कैंपबेल खाड़ी में चीन के मुकाबला के लिए एक शिपयार्ड और दो रक्षा हवाई अड्डों का निर्माण कर रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र ने बाहरी सुरक्षा चुनौतियों के सामने देश की रक्षा को मजबूत करने के लिए जिस तरह का धन आवंटित किया है, कांग्रेस उसकी कल्पना भी नहीं कर सकती। किसी भी कांग्रेस नेता ने कभी भी इस द्वीप समूह का दौरा करने की जहमत नहीं उठाई, लेकिन मोदी जी ने यहां नियमित दौरे किए। मुझे उम्मीद है कि आप जल्द कांग्रेस मुक्त अंडमान देखेंगे।

विष्णु पद रे। फाइल

- कहा, मुझे उम्मीद है कि आप जल्द कांग्रेस मुक्त अंडमान देखेंगे

इस बार, उनके उम्मीदवार यहां अपनी जमानत खो देंगे। उन्होंने कहा कि मौजूदा सांसद कुलदीप राय शर्मा ने द्वीपों के विकास के लिए एक पैसा खर्च नहीं किया। कांग्रेस के कुलदीप राय शर्मा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से वर्तमान सांसद हैं।

एमवीए महाराष्ट्र में 60 से 70 प्रतिशत सीटें जीत सकती है : शरद पवार

सतारा, प्रेट्र: राकांपा (शरदचंद्र पवार) के नेता शरद पवार ने सोमवार को कहा कि लोकसभा चुनाव में महा विकास आघाड़ी (एमवीए) महाराष्ट्र की कुल सीटों में से 60 से 70 प्रतिशत सीटें जीत सकती है। एमवीए उम्मीदवार शशिकांत शिंदे द्वारा अपना नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद पवार मीडिया को संबोधित कर रहे थे। एमवीए के सहयोगी दल शिवसेना (यूबीटी), राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) और कांग्रेस राज्य में क्रमशः 21, 10 और 17 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। राज्य में लोकसभा की कुल 48 सीटें हैं। शरद पवार ने कहा कि 2019 के चुनावों में हमने (अविभाजित राकांपा) चार सीटें जीतीं, जबकि एआइएमआइएम और कांग्रेस एक-एक सीट पर विजयी हुई। इस बार हमें कुल सीटों में से 60 से 70 प्रतिशत सीटें मिल सकती हैं, इसमें कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिए।

2 जनसभाओं को आज संबोधित करेंगे पीएम नरेन्द्र मोदी बिहार के पूर्णिया में। इससे पहले वह पूर्णिया और नवादा में जनसभाएं कर चुके हैं। पहले चरण में 19 अप्रैल को जनसभा है और दूसरे चरण के तहत 26 अप्रैल को मतदान होना है।

मनीष के प्रत्याशी घोषित होते ही 50 ने दिया इस्तीफा

राजेश ढल्ल ● जागरण

- नाराज नेताओं ने की चंडीगढ़ अध्यक्ष लक्की को पद से हटाने की मांग, खरगे को भेजा पत्र
- बोले- पार्टी तभी जीतेगी जब एचएस लक्की को अध्यक्ष पद से हटाया जाएगा

चंडीगढ़: कांग्रेस की ओर से मनीष तिवारी को चंडीगढ़ सीट से उम्मीदवार घोषित करने के बाद पार्टी में कलह शुरू हो गई है। 50 नेताओं ने सोमवार को पार्टी के चंडीगढ़ अध्यक्ष एचएस लक्की के खिलाफ ही मोर्चा खोलते हुए अपने पदों से इस्तीफा दे दिया। इन नेताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखा है। पत्र में कहा है कि जब तक एचएस लक्की को पद से नहीं हटाया जाता, वह पार्टी के लिए काम नहीं करेंगे। इस्तीफा देने वालों में महिला कांग्रेस और एनएसयूआइ के चंडीगढ़ अध्यक्ष भी शामिल हैं। यह सभी नेता पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के करीबी हैं। वे इस बार बंसल को टिकट न देने से नाराज हैं। इन नेताओं ने सोमवार को लक्की के खिलाफ सेक्टर-15 में जमकर नारेबाजी की। हालांकि कांग्रेस की ओर इस नेताओं को मनाने का प्रयास किया जा रहा है।

कांग्रेस में असंतोष

मनीष तिवारी। फाइल

नाराज नेताओं को मनाने दीपा के घर पहुंचे चावला

इस बीच नाराज नेताओं से बात करने पूर्व मेयर सुभाष चावला भी महिला कांग्रेस अध्यक्ष दीपा दुबे के घर पहुंचे। नेताओं का आरोप है कि लक्की ने बंसल के बारे में अपशब्द कहे हैं। इससे उन्हें ठेस पहुंची है। उनका आरोप है कि लक्की ने बंसल के बारे में इंस्टाग्राम पर पोस्टर जारी किया, जिसमें लिखा है कि पवन बंसल के साथ खेल हो गया। लक्की के वाट्सएप ग्रुप में बंसल को जिद्दी तानाशाह कहकर उनके बारे में अपशब्द लिखे। इस कारण आम कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय जाना बंद कर दिया है।

इन नेताओं का कहना है कि वह मनीष तिवारी के खिलाफ नहीं है। मगर लक्की को अध्यक्ष पद से न हटाया गया तो लोकसभा चुनाव में इसका खामियाजा पार्टी के उम्मीदवार मनीष तिवारी को भुगतना पड़ेगा। इस्तीफा देकर प्रदर्शन करने वाले नेताओं ने पहले सेक्टर-15 में महिला कांग्रेस अध्यक्ष के घर पर बैठक की। इसके बाद उन्होंने लक्की के खिलाफ नारेबाजी की। बता दें कि नेताओं ने सोमवार को उस समय इस्तीफा दिया जब उम्मीदवार घोषित होने के बाद पहली बार चंडीगढ़ पहुंचे मनीष तिवारी का सेक्टर-35 स्थित कांग्रेस भवन में स्वागत समारोह आयोजित किया गया था। मगर बंसल समर्थक समारोह में भी नहीं पहुंचे।

लक्की पर साजिश के तहत बंसल का टिकट कटवाने का आरोप: इन नेताओं का आरोप है कि लक्की ने पहले साजिश के तहत पवन बंसल का टिकट कटवाया और अब वह मनीष तिवारी को चुनाव हरवाएंगे। उपाध्यक्ष हाफिज अनवर उल हक ने लक्की को हटाकर मनीष बंसल को नया अध्यक्ष बनाए जाने की मांग की।

हुर्रियत नेता का भाई लड़ेगा चुनाव, कहा- अलगाववाद का नारा कश्मीरियों का नहीं था

पांपोश रशीद, जागरण ● बारामुला: कश्मीर में हवा पूरी तरह से बदल चुकी है और कल तक आजादी का नारा लगाने वाले अब भारतीय लोकतंत्र में सराबोर होने लगे हैं। टेरर फंडिंग के आरोपितों में शामिल हुर्रियत नेता नईम अहमद खान के छोटे भाई मुनीर अहमद खान ने सोमवार को बारामुला-कुपवाड़ा संसदीय सीट से चुनाव लड़ने का एलान कर दिया। मुनीर अहमद खान ने दैनिक जागरण के साथ बातचीत में कहा कि मेरे भाई की एक राजनीतिक विचारधारा है, मैं उससे इन्कार नहीं करता, लेकिन मेरी अपनी भी एक विचारधारा है। उन्होंने कहा कि अलगाववाद कोई विकल्प नहीं है। अलगाववाद का नारा कश्मीरियों का नहीं है, यह थोपा गया है। हमारा भविष्य भारतीय लोकतंत्र में ही है इसलिए मैंने जम्मू-कश्मीर नेशनलिस्ट पीपुल्स फ्रंट (जेकेएनपीएफ) का हिस्सा बन चुनाव लड़ने का फैसला किया है। नईम अहमद खान वर्ष 2017 से तिहाड़ जेल में बंद है। उनके संगठन को केंद्र सरकार ने बीते माह ही गैर कानूनी घोषित किया है।

मैं भी राजनीति में आने का इच्छुक हूं... सही समय पर लूंगा निर्णय : वाड्रा

जागरण संवाददाता, वृंदावन (मथुरा)

- ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर दर्शन करने पहुंचे रार्बट वाड्रा
- अमेठी से चुनाव लड़ने की इच्छा जता चुके हैं

<< कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति एवं बिजनेसमैन रार्बट वाड्रा सोमवार को मथुरा में बांके बिहारी मंदिर पहुंचे और भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन किए। प्रेट्र

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रार्बट वाड्रा सोमवार सुबह वृंदावन स्थित ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर पहुंचे। वाड्रा बीस मिनट तक मंदिर में रहे। श्रृंगार आरती के दर्शन किए। मंदिर में उन्होंने पूजा अर्चना की। उद्यमी रार्बट वाड्रा ने कहा, वह राजनीति में आने के इच्छुक हैं, लेकिन इस बारे में निर्णय सही समय पर लेंगे। हाल ही में अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जताने के बाद वाड्रा सुर्खियों में हैं। दर्शन के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि ठाकुर बांकेबिहारी से उन्होंने देश में सुख-शांति और धर्मनिरपेक्ष आवाज देश में बुलंद करने की प्रार्थना की। राहुल व प्रियंका चुनाव में बदलाव के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। निश्चित तौर पर देश के लोग और भगवान उनकी मेहनत को समझेंगे। अमेठी से चुनाव लड़ने के सवाल पर कहा कि पूरे देश के कई हिस्सों से लोग मुझे चुनाव लड़ाना चाहते हैं। मैं भी राजनीति में आने का इच्छुक हूं। सही समय पर निर्णय लूंगा। भाजपा द्वारा गांधी परिवार पर सनातन विरोधी के आरोप के सवाल पर वाड्रा ने कहा, ये भाजपा के प्रचार का तरीका है।

चुनावी बांड दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना : राहुल

कहा - मोदी इसके मास्टरमाइंड, आजादी इसलिए नहीं मिली कि देश को आरएसएस की विचारधारा का उपनिवेश बना दें

- भाजपा के घोषणापत्र में गरीबों के लिए कुछ नहीं, बातें ओलंपिक कराने की कर रहे
- राहुल ने वायनाड में किया रोड शो, तमिलनाडु के नीलगिरी में छात्रों से की बातचीत

संसदीय क्षेत्र वायनाड में सोमवार को रोड शो के दौरान अभिवादन करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी। प्रेट्र

भाजपा चाहती है भारत में केवल एक नेता हो, यह प्रत्येक युवा भारतीय का अपमान

वायनाड (केरल), एएनआइ: कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को चुनावी बांड को दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना बताया और कहा कि इसके पीछे पीएम नरेन्द्र मोदी मास्टरमाइंड हैं। राहुल की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री द्वारा दिए गए एक साक्षात्कार में विपक्षी दलों पर चुनावी बांड योजना पर झूठ फैलाने का आरोप लगाने के बाद आई।

यहां पत्रकारों से बातचीत में राहुल ने कहा-' चुनावी बांड में महत्वपूर्ण चीज है नाम और तारीख। जब आप ध्यान से नाम और तारीख देखेंगे तो पाएंगे कि जब उन्होंने (दानदाताओं ने) चुनावी बांड दिया, उसके ठीक बाद उन्हें कांट्रेक्ट दे दिया गया या उनके खिलाफ सीबीआइ जांच वापस ले ली गई। उन्होंने कहा कि असल में प्रधानमंत्री इस मुद्दे पर बुरी तरह फंस गए हैं और इसलिए वह साक्षात्कार दे रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी जबरन वसूली योजना है और मोदी इसके मास्टरमाइंड हैं।'' राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भाजपा को चुनावी बांड के रूप में धन मिलने के तुरंत बाद उन दानदाताओं को बड़े कांट्रेक्ट दिए गए।

प्रेट्र के अनुसार कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यहां लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा और आरएसएस पर जमकर निशाना साधा। कहा- भारत को अंग्रेजों से आजादी इसलिए नहीं मिली थी कि देश को संघ परिवार की विचारधारा का उपनिवेश बना दिया जाए। हम चाहते हैं कि भारत पर उसके सभी लोगों का शासन हो। इस दौरान राहुल गांधी ने यहां सुल्तान बठेरी में विशाल रोड शो भी किया। वायनाड से दोबारा अपनी किस्मत आजमा रहे राहुल गांधी लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद दूसरी बार इस निर्वाचन क्षेत्र में आए हैं। वायनाड में पार्टी कार्यकर्ताओं और मतदाताओं को संबोधित करते हुए सांसद राहुल ने विश्वास जताया कि कांग्रेस राज्य और केंद्र दोनों जगह सत्ता में वापसी करेगी। उन्होंने कहा कि भारत फूलों के गुलदस्ते की तरह है और हर एक फूल का सम्मान किया जाना चाहिए क्योंकि यह पूरे गुलदस्ते की सुंदरता को बढ़ाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिर्फ एक राष्ट्र, एक भाषा व एक नेता को मानते हैं और यह हमारे देश को लेकर उनकी एक बड़ी गलती है। भारत में केवल एक ही नेता होना चाहिए, भाजपा का यह विचार प्रत्येक युवा भारतीय का अपमान है। उन्होंने सवाल उठाया कि भारत में एक से अधिक नेता क्यों नहीं हो सकते? क्यों एक युवक और युवती नेता नहीं बन सकते? आटोरिक्शा चलाने वाले हमारे भाई क्यों नेता नहीं बन सकते? सिर्फ एक ही नेता क्यों? राहुल ने कहा कि यही विचारधारा कांग्रेस और भाजपा के बीच का मुख्य अंतर है।

भाषा का उदाहरण देते हुए राहुल ने कहा कि यह ऐसी चीज नहीं है जिसे ऊपर से थोप दिया जाए बल्कि यह व्यक्ति के दिल के भीतर से निकलनी वाली चीज है। उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर केरल के किसी व्यक्ति से यह कहना कि आपकी भाषा हिंदी से कमतर है, केरल के लोगों का अपमान है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस देश के लोगों की बात सुनती है और उनकी आस्था, भाषा, धर्म, संस्कृति का सम्मान करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सब चीजें ऊपर से थोपना चाहती है। इससे पूर्व राहुल सोमवार को तमिलनाडु के नीलगिरी जिला पहुंचे और वहां कला व विज्ञान कालेज के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भाजपा के चुनावी घोषणापत्र में गरीबों के लिए कुछ नहीं है लेकिन बातें 2036 का ओलंपिक आयोजित कराने की हो रही हैं।

तमिलनाडु में राहुल गांधी के हेलीकाप्टर की तलाशी

तमिलनाडु के नीलगिरी में चुनाव अधिकारियों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लेकर आए हेलीकाप्टर की सोमवार को जांच की। पुलिस ने बताया कि उड़न दस्ते के अधिकारियों ने हेलीकाप्टर के यहां उतरने के बाद उसकी तलाशी ली। राहुल केरल में अपने संसदीय क्षेत्र वायनाड जा रहे थे, जहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करने के अलावा कई जगह चुनाव गतिविधियों में भाग लेना था।

तमिलनाडु के नीलगिरी में सोमवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हेलीकाप्टर की जांच करती चुनाव आयोग के उड़न दस्ते की टीम। प्रेट्र

भाजपा अपनी जेब से कुछ नहीं देती : मायावती

जागरण टीम, बरेली

बसपा प्रमुख मायावती ने कहा है कि भाजपा सरकार गरीबों को राशन बांटने का दावा करती है। ऐसा कर लोगों को गुमराह किया जा रहा है। भाजपा अपने पास से कुछ नहीं दे रही, यह सब जनता के टैक्स से मिले रुपयों से दिया जा रहा है। बेरोजगारी दूर होनी चाहिए। मुरादाबाद और पीलीभीत की जनसभाओं में भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ वर्षों से हिंदुत्व की आड़ में मुस्लिमों का उत्पीड़न किया जा रहा है। आगे कहा कि पहले कांग्रेस पूंजीपतियों का साथ देती थी, यही कार्य अब भाजपा भी कर रही है।

मायावती। फाइल

भाजपा का सफाया कर देगी पश्चिम से चली हवा : अखिलेश

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरनगर: सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि पश्चिम उत्तर प्रदेश से पहले चरण में चली हवा यूपी में भाजपा का सफाया कर देगी। भाजपा के शासन में सभी वर्ग परेशान हैं। युवाओं को रोजगार न मिलने से उनके विवाह तक में दिक्कत आ रही है। भाजपा के जुमले की तरह उनकी गारंटी भी फेल साबित होगी। अखिलेश यादव ने तंज करते हुए कहा कि दिल्ली वाले बड़े नेता ने सभी जिलों में प्रत्याशियों के फोटो पोस्टर से गायब कर दिए हैं और अपना ही फोटो लगवाया है, मतदान होने के बाद यह भी गायब हो जाएंगे।

अखिलेश यादव।

राजनीतिक भटकाव से बचें मुसलमान : नीतीश

जागरण संवाददाता, शेखपुरा

बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि मुसलमान राजनीतिक भटकाव से बचें और राजग को वोट दें। राजग के शासनकाल में मुस्लिमों की तरक्की के लिए कई काम किए गए। तनाव व झगड़ों की वजह को दूर किया। आठ हजार कब्रिस्तानों की घेराबंदी कराई, एक हजार अन्य की घेराबंदी शीघ्र कराई जाएगी। हमने अब 60 वर्ष पुराने मठ, मंदिरों की भूमि की भी घेराबंदी करने का काम शुरू किया है। वह सोमवार को शेखपुरा में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने जमुई संसदीय क्षेत्र से राजग के लोजपा प्रत्याशी अरुण भारती के पक्ष में लोगों से मतदान करने की अपील की।

मुख्यमंत्री ने तेजस्वी का बिना नाम लिए उन पर राजग सरकार के काम को अपना बताने की बात कही। लालू-राबड़ी राज की याद दिलाई। कहा, हम लोगों (भाजपा-जदयू की सरकार) ने जो काम किया, उसी को वे लोग (तेजस्वी) अपना काम बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी देश का विकास कर रहे हैं। मैं बिहार का विकास कर रहा हूं।

छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश की भाभी भाजपा में शामिल

भाजपा में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के साथ भूपेश बघेल की भाभी सीमा बघेल (सफेद साड़ी में)। नईदुनिया

नईदुनिया, भिलाई

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की चचेरी भाभी और कांग्रेस नेत्री सीमा बघेल सोमवार को भाजपा में शामिल हो गईं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 65 वर्षीय सीमा को पार्टी में प्रवेश कराया। भाजपा प्रत्याशी विजय बघेल की नामांकन रैली पर पहुंची सीमा ने कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भाजपा की नीतियों से प्रभावित होकर पार्टी में शामिल हुई हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी का स्वागत किया। बता दें, 65 वर्षीय सीमा बघेल के पति राम सहाय बघेल के पिता हृदय राम बघेल एवं भूपेश बघेल के पिता स्व. नंदकुमार बघेल सगे भाई थे। सीमा बघेल 1999 से 2004 तक अहिवारा नगर पंचायत की अध्यक्ष थीं। इसी दौरान पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी से प्रभावित होकर वह कांग्रेस में शामिल हो गई थीं।

संविधान बचाने का चुनाव है यह : प्रियंका

जागरण संवाददाता, जयपुर

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि वे संविधान इस तरह से बदलना चाहते हैं कि लोगों को पता भी नहीं चले। ऐसे में जनता का जागरूक रहना जरूरी है। यह चुनाव संविधान को बचाने का चुनाव है। संविधान बदलने की बात इसलिए हो रही है, क्योंकि ये लोग आपके अधिकार छीनना चाहते हैं। प्रियंका ने कहा, भाजपा के सांसद अलग-अलग प्रदेशों में कहते हैं कि अब हमारी सरकार आएगी तो संविधान को बदलेंगे। मंच से मोदी संविधान की बात करते हैं, लेकिन अपने लोगों से कहते हैं कि जाओ और संविधान बदलने की बात बोलो।

प्रियंका ने कहा कि आस्था का प्रमाण त्याग होता है। सत्ता को पकड़ कर रखना नहीं होता है। देश में जो सरकार चल रही है वह सिर्फ अपने लिए और उद्योगपति मित्रों के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत इसलिए आगे बढ़ा है, क्योंकि यहां लोकतंत्र है। सरकारों ने जनता को सर्वोपरि रखा है। अब लोगों को दबाने और बहकाने का काम हो रहा है। राजस्थान के दौसा संसदीय क्षेत्र के बांदीकुई में जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका ने कहा कि आप अंधे हो गए हो, मोदी जो कुछ कर रहे हैं वो करने दो, यह बात गलत है। इससे आपका नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि आपके पूर्वजों की तरह मेरे पूर्वजों ने भी जान दी है। मेरे पिता और दादी ने शहादत दी है। हमारी हिंदू धर्म की परंपरा है। हमने भगवान राम को सत्ता के कारण नहीं, बल्कि इसलिए पूजा क्योंकि उनमें नैतिकता थी। उन्होंने सत्ता का त्याग किया।

अलवर में सोमवार को लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने रोड शो किया। साथ में हैं राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और अन्य नेता। प्रेट्र

मोदी के नेतृत्व में आगे बढ़ रहा भारत, कांप रहे चीन और पाकिस्तान : कंगना

- यूपीए सरकार के कार्यकाल में लगातार होते थे घोटाले

बालीवुड अभिनेत्री व भाजपा की उम्मीदवार कंगना रनौत ने तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की तस्वीर एक्स पर शेयर की।

जागरण संवाददाता, धर्मशाला

हिमाचल के मंडी संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कंगना रनौत ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है और चीन व पाकिस्तान कांप रहे हैं। मोदी सिर्फ नाम नहीं बल्कि सुशासन का चिह्न है। उन्होंने देश को नई दिशा दी है। टंग में धर्मशाला मंडल भाजपा के कार्यक्रम में कंगना ने कहा 1800 करोड़ रुपये केंद्र से प्रदेश के लिए आपदा रिलीफ में आए थे। ये रुपये कहां गए इसका जवाब किसी के पास नहीं है। **दलाई लामा से मिलीं कंगना:** कंगना रनौत ने मैक्लोडगंज में धर्मगुरु दलाई लामा से मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर भी मौजूद रहे। कंगना ने कहा कि दलाई लामा से मिलकर वह खुद को आनंदित महसूस कर रही हैं। 12 अप्रैल, 2023 को दलाई लामा पर मीम ट्वीट कर कंगना विवाद में घिरी थीं। दलाई लामा ने मैक्लोडगंज में उनसे मिलने आए बच्चे को जीभ निकाल कर दुलार किया था। इसी बात पर कंगना ने मीम ट्वीट किया था। विरोध बढ़ने पर उन्होंने इसके लिए माफी मांग ली थी।

बसपा प्रत्याशी के भाई ने लिखा, अभी 15 साल और शासन करेंगे मोदी

जागरण संवाददाता, सहारनपुर

सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र से बसपा के प्रत्याशी माजिद अली के भाई अभिनेता व फिल्म समीक्षक कमाल आर खान ने इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में पोस्ट की है। उन्होंने अपने 'एक्स' एकाउंट पर लिखा है कि पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को देश पर अभी और 15 साल शासन करना चाहिए। इनसे बेहतर शासक कोई और नहीं हो सकता है। इस पर कांग्रेस प्रत्याशी इमरान मसूद ने कमाल और उसके भाई माजिद अली को भाजपा की बी-पार्टी बताया है। इंटरनेट मीडिया पर कमाल खान केआरके के नाम से फिल्मों की समीक्षा करते हैं। कमाल खान ने लिखा कि मेरा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, गृह मंत्री अमित शाह से अनुरोध है कि देश के सभी मदरसों को बंद करा दें। मदरसे लाखों मुस्लिम बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रहे हैं। मुस्लिम बच्चों को स्कूल में भेजना चाहिए, ताकि उनका भविष्य बर्बाद होने से बच जाए। आगे उन्होंने लिखा कि मैं किसी भी पार्टी का समर्थन या विरोध नहीं करता हूं, क्योंकि मैं राजनेता नहीं हूं। चुनाव यदि मोदी जीतेंगे तो मैं जश्न मनाऊंगा। मुझे पूरा यकीन है कि अगले 15 सालों तक मोदी और अमित शाह शासन करेंगे।

- अभिनेता कमाल खान ने लिखा, लाखों मुस्लिम बच्चों का भविष्य खराब कर रहे मदरसे

<< वसपा प्रत्याशी माजिद अली के भाई कमाल राशिद खान द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट।

चुनावी हलचल

कांग्रेस ने नहीं दिया पूर्व हाकी खिलाड़ी प्रबोध तिर्की को टिकट

जाजपुर, राउरकेला: कांग्रेस ने ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के तलसरा विधानसभा सीट से भारतीय हाकी टीम के पूर्व कप्तान प्रबोध तिर्की की जगह देवेंद्र भितरिया को टिकट दे दिया है। देवेंद्र पूर्व विधायक रंजीत भितरिया के भाई है। बता दें, पहले चरण में ही कांग्रेस ने तलसरा से प्रबोध तिर्की को उम्मीदवार बनाने की घोषणा कर दी गई थी, परंतु कुछ नेताओं के विरोध और पार्टी छोड़ने की चेतावनी के कारण कांग्रेस आलाकमान ने प्रत्याशी बदलने का निर्णय लिया। प्रबोध को जब पता चला तो वह आम लोगों के बीच रो पड़े।

प्रबोध तिर्की। जागरण

मोदी के 'टुकड़े टुकड़े गैंग के सुल्तान' कटाक्ष पर कांग्रेस ने आयोग से की शिकायत

बेंगलुरु, प्रेट्र: कर्नाटक में कांग्रेस ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को शिकायत सौंपकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। प्रधानमंत्री ने मैसुरु में रविवार को चुनावी रैली में कांग्रेस को 'टुकड़े टुकड़े गैंग का सुल्तान' कहा था। कांग्रेस ने इसी टिप्पणी के विरुद्ध शिकायत सौंपी है। मोदी ने कांग्रेस पर देश को विभाजित, तोड़ने और कमजोर करने की खतरनाक मंशा पालने वाली पार्टी कहा था। इसके साथ ही कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस ने ग्रामीण महिलाओं के बारे में जदएस नेता एचडी कुमारस्वामी के विरुद्ध भी कार्रवाई करने की मांग की है। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री कुमारस्वामी ने कहा था कि राज्य की कांग्रेस सरकार के कारण ग्रामीण महिलाएं अपना रास्ता भूल गई हैं। कुमारस्वामी ने टिप्पणी पर खेद प्रकट करते हुए कहा है कि उनके बयान को तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है। कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को सौंपे गए पत्र में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने अयोध्या में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार किया था। उन्होंने आइएनडीआइए को हिंदू धर्म को तबाह करने की इच्छा रखने वाला बताया।

डी सुधाकर। फाइल

भाजपा ने कर्नाटक के मंत्री के विरुद्ध शिकायत सौंपी: भाजपा की प्रदेश इकाई ने कर्नाटक के मंत्री डी सुधाकर के विरुद्ध निर्वाचन आयोग को शिकायत सौंपकर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। पार्टी ने कहा है कि हाल ही में चित्रदुर्ग जिले के नयाकानाहट्टी गांव में सुधाकर ने भाषण में कहा था कि यदि लोग उन्हें अधिकतम वोट से विजयी बनाने में सफल रहेंगे तो मुख्यमंत्री से बात करने के बाद केंद्र से 25 करोड़ रुपये का विशेष अनुदान दिलाएंगे।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी और बोम्मई ने दाखिल किया नामांकन

बेंगलुरु, प्रेट्र: केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी, कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई और अभिनेता शिवराजकुमार की पत्नी गीता शिवराजकुमार उन प्रमुख नेताओं में शामिल रहे, जिन्होंने कर्नाटक में सात मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार को अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बोम्मई ने हावेरी से भाजपा उम्मीदवार के रूप में अपना पर्चा दाखिल किया। कांग्रेस से बोम्मई के प्रतिद्वंद्वी उम्मीदवार आनंदस्वामी गद्दादेवरमाथ ने भी अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। जोशी केंद्रीय संसदीय कार्य, कोयला और खान मंत्री हैं। वह धारवाड़ से भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव मैदान में उतरे हैं। उनके साथ नामांकन दाखिल करने के दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा और पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार भी थे। नामांकन दाखिल करने से पहले जोशी ने नेताओं के साथ एक रोड शो किया। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री भगवंत खुबा ने बीदर से अपना नामांकन पत्र दाखिल किया।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री व पोरबंदर क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार मनसुख मंडाविया ने पत्नी नीता मंडाविया के साथ नामांकन दाखिल करने से पहले भोजेश्वर मंदिर में पूजा की। रोड शो के बाद नामांकन दाखिल किया एएनआइ

प्रह्लाद जोशी ने घोषित की 21 करोड़ रुपये की संपत्ति: भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने अपने हलफनामे में 21 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति घोषित की है। धारवाड़ से अपना नामांकन दाखिल करते समय जोशी ने चल संपत्ति और देनदारियां घोषित की।

****

29 लोकसभा सीटों में छिंदवाड़ा ही एकमात्र सीट थी मध्य प्रदेश में, जिस पर 2019 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। इस सीट पर कमल नाथ परिवार का कब्जा है। पहले इस सीट से कमल नाथ चुनाव लड़ते थे। अब उनके बेटे नकुल नाथ कांग्रेस से लोकसभा प्रत्याशी हैं।

भाजपा के संकल्प पत्र के केंद्र में मध्यम वर्ग

जनता से वादा : सेटेलाइट टाउनशिप जैसी कई योजनाएं मध्यम वर्ग का जीवन बनाएंगी आसान

मनीष तिवारी ● जागरण

- रोजगार के नए साधनों, रियायती कर्ज दर पर घर, डिजिटल इंफ्रा से होगी राहत

नई दिल्ली: बड़ा और शक्तिशाली होने के बावजूद अक्सर उपेक्षा की शिकायत करने वाला मध्यम वर्ग लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के संकल्प पत्र से नई उम्मीदें जगा सकता है, क्योंकि पार्टी ने केंद्र में लगातार तीसरी बार अपनी सरकार बनने पर मध्यम वर्ग के उत्थान और कल्याण के लिए कई अहम वादे किए हैं।

अपने घोषणापत्र को संकल्प के रूप में प्रस्तुत करने वाली भाजपा ने मध्यम वर्ग को बेहतर जीवन का भरोसा दिलाते हुए उसे अपनी आकांक्षाएं पूरी करने का अवसर देने के लिए रोजगार के नए साधनों के साथ ही रियायती कर्ज दर पर घर, शहरी परिवहन के साधनों के विस्तार, घर के बुजुर्गों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज और बेहतर सड़क ढांचे का वादा किया है। खास बात यह है कि सरकार का ध्यान दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों के विकास पर है, जो महानगरों और राज्य की राजधानियों पर दबाव कम कर सकते हैं। पार्टी ने बड़े शहरों यानी महानगरों के इर्द-गिर्द नई सेटेलाइट टाउनशिप बनाने का वादा किया है, जिसके लिए मौजूदा नियम-कायदों में सुधार और कई अन्य रियायतें दी जाएंगी। पिछले साल उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार ने टाउनशिप के विकास के लिए नई नीति का एलान किया था।

इसमें जमीन की जरूरत से लेकर डेवलेपरों के लिए कई नियम और मंजूरियां शिथिल की गई थीं ताकि नियोजित विकास का माहौल तैयार हो सके। भाजपा ने अपने संकल्प पत्र में ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट की दिशा में आगे बढ़ते रहने की बात भी कही है। यह कदम भी मौजूदा मध्यम वर्ग की सुविधाएं बढ़ाने के साथ इस वर्ग का दायरा भी विस्तृत करेगा। रणनीतिकारों का मानना है कि भाजपा द्वारा किया गया यह वादा एक बड़े वर्ग को आश्वस्त कर सकता है।

मोदी की गारंटी...। फाइल

पर्यटन सरीखे क्षेत्रों में भरपूर ध्यान देने का वादा

दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों और उनमें रहने वाली आबादी पर भाजपा के ध्यान की झलक इससे भी मिलती है कि संकल्पपत्र में बड़े पैमाने पर स्थानीय नौकरियों और उद्यम के नए अवसर सृजित करने को पर्यटन सरीखे क्षेत्रों में भरपूर ध्यान देने का वादा किया है। इससे भी बड़े शहरों में आबादी के दबाव को कम करने में मदद मिलेगी। मध्यम वर्ग को इस वादे से भी उम्मीद है, जिसमें कहा गया कि भाजपा तीसरी पारी में 70 साल से अधिक आयु के हर बुजुर्ग को आयुष्मान योजना के तहत पांच लाख तक की चिकित्सा सुविधा देगी। शहरी विकास के लिए केंद्र, राज्यों और शहरी शासन के मिलकर काम करने पर जोर दिया ताकि विशाल मध्यम वर्ग को सुगम और बेहतर जीवन मिले। यह तभी संभव है जब शहरों में फिजिकल और डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए तीनों स्तर की सरकारें मिलकर काम करेंगी।

नई आवासीय योजना की घोषणा

पीएम नरेन्द्र मोदी लाल किले से मध्यम वर्ग के लिए नई आवासीय योजना की घोषणा कर चुके हैं। यह शहरी और ग्रामीण इलाकों में गरीबों के लिए संचालित पीएम आवास योजना से अलग होगी। नई आवासीय योजना लोन में सब्सिडी पर आधारित होगी। माना जा रहा है कि यह योजना सरकार के पहले सौ दिनों के एजेंडे में शामिल है। इसके साथ ही भाजपा ने संकल्प पत्र में आवास सेक्टर को नई गति देने के लिए रेरा को ज्यादा प्रभावी बनाने का वादा किया है। घरों के मानक नक्शों के लिए स्वत: अनुमति का तंत्र बनाने की बात भी भाजपा ने की है।

पीएम ई-बस सेवा योजना

169 शहरों में संचालित पीएम ई-बस सेवा योजना के विस्तार के साथ ही भाजपा ने अपने घोषणापत्र में यह वादा किया है कि वह शहरी परिवहन के पूरे ढांचे का कायाकल्प करेगी, जिसके तहत मल्टी मोडल कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया जाएगा। भाजपा ने अपने संकल्पपत्र में एकीकृत मेट्रोपोलिटन ट्रांसपोर्ट सिस्टम बनाने का वादा किया है। इससे शहरों में लोगों का परिवहन में अच्छा-खासा समय बचेगा। शहरी विकास को नई धार देने के लिए भाजपा ने पानी की बुनियादी जरूरत को पूरा करने के लिए जल-सुरक्षित शहर बनाने का वादा किया है और इसके साथ ही उपभोक्ताओं के लिए स्मार्ट मीटरिंग की बात भी संकल्पपत्र में है।

भाजपा में आने वाले पार्टी की संस्कृति के आधार पर करेंगे काम : धामी

समान नागरिक संहिता की दिशा में पहल करने वाला उत्तराखंड स्वतंत्रता के बाद देश में पहला राज्य बना और अब विधानसभा से पारित विधेयक को राष्ट्रपति की स्वीकृति भी मिल गई है। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री **पुष्कर सिंह धामी** के इस निर्णय ने उन्हें देशभर में चर्चा में ला दिया। इसके अलावा मतांतरण कानून के प्रविधान सख्त कर और प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता व पारदर्शिता कायम रखने के लिए नकलरोधी कानून लाकर उन्होंने अपनी पहचान को और पुख्ता किया। महत्वपूर्ण यह कि भाजपा के संकल्प पत्र में भी धामी सरकार की इस पहल को जगह दी गई है। दैनिक जागरण के उत्तराखंड के स्टेट ब्यूरो चीफ **विकास धूलिया** से उन्होंने चुनावी संभावनाओं, दलबदल, मंत्रियों-विधायकों की सक्रियता समेत तमाम विषयों पर विस्तृत बातचीत की। बातचीत के प्रमुख अंश..

साक्षात्कार

● इस चुनाव में प्रदेश के मतदाता के सामने कौन खड़ा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री धामी या फिर प्रत्याशी?

– इस बार नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए मतदाता कृत संकल्प हैं। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में सारे काम हुए हैं। ऐसे में यहां के लोग भी उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए हर लोकसभा क्षेत्र के भाजपा के प्रत्याशियों को जिताएंगे।

● आपकी कैबिनेट में आधे सदस्य कांग्रेस की पृष्ठभूमि के हैं। भाजपा का दावा है कि पिछले कुछ सप्ताह में 15 हजार लोग भाजपा में शामिल हुए हैं, इनमें विधायक, पूर्व मंत्री व पूर्व विधायक भी हैं। कहीं ऐसा तो नहीं कि इससे वर्तमान विधायक व निष्ठावान कार्यकर्ताओं में बैचेनी हो?

–जो भी पार्टी में शामिल हो रहे हैं, वे किसी शर्त के साथ शामिल नहीं हो रहे हैं। वे भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा, प्रधानमंत्री की नीतियों के साथ ही राज्य सरकार के कार्य से प्रभावित होकर विकास कार्यों को आगे बढ़ने के लिए जुड़ रहे हैं।

● यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के 10 विधायक भाजपा में शामिल हुए। उन्हें अथवा उनके स्वजन को टिकट और अधिकांश को मंत्री पद भी मिला?

–तब परिस्थितियां अलग थीं, अब अलग हैं। भारतीय जनता पार्टी एक रीति-नीति और पद्धति के हिसाब से चलने वाली पार्टी है। जो भी आ रहे हैं उन्हें भाजपा के हिसाब से ही चलना पड़ेगा।

● हाल में आपने पार्टी में शामिल होने वालों की स्क्रीनिंग की बात कही?

–हां, प्रदेश अध्यक्ष से कहा था कि वे एक मानक जरूर बना लें। ऐसा इसलिए क्योंकि यह बात सामने आ रही थी कि कुछ लोग डर के कारण आ रहे हैं, जांच के भय के कारण आ रहे हैं।

● अपने दो कार्यकाल के वे प्रमुख कार्य और उपलब्धियां आप क्या मानते हैं, जिन पर मतदाता भाजपा को समर्थन देंगे?

–हमने विधानसभा चुनाव के समय राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था। मतदाता ने इस पर हमें बहुमत दिया। हमने अपना वादा निभाया और राष्ट्रपति ने भी इसे स्वीकृति दे दी है। सख्त नकलरोधी कानून के कारण विगत दो वर्षों में राज्य गठन के बाद हुई नियुक्तियों से अधिक नियुक्तियां हुई हैं। सभी पारदर्शिता व बिना नकल के हुई हैं। यह एक माडल के रूप में बन गया है। दंगा रोकने के लिए हमने एक कानून बनाया है। अब दंगा या उपद्रव करने वालों से संपत्ति की क्षति की वसूली होगी। मतांतरण कानून के प्रविधान सख्त किए गए हैं। राज्य में अतिक्रमण हटाने का काम किया है। लैंड जिहाद चल रहा था। हमने चार हजार एकड़ से अधिक जमीन अतिक्रमण से मुक्त कराई है। महिलाओं को सरकारी सेवाओं में 30 प्रतिशत आरक्षण दिया है। चार प्रतिशत खेल कोटा शुरू किया गया है। आंदोलनकारियों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण का विधेयक पारित किया है।

● बेरोजगारी एक बड़ी समस्या है। इसे नियंत्रित करने में आपकी सरकार कितना सफल रही है?

–आंकड़े बताते हैं कि बेरोजगारी दर पहले से कम हुई है। रोजगार देने में उत्तराखंड देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हो रहा है।

● कांग्रेस ने अग्निपथ योजना के अंतर्गत अग्निवीर भर्ती को मुद्दा बनाने की कोशिश की। जवाब में भाजपा ने देश के पहले सीडीएस बिपिन रावत का कांग्रेस द्वारा अपमान की बात मतदाता तक पहुंचाई है?

– जनरल स्व बिपिन रावत देश के पहले सीडीएस थे। आकस्मिक दुर्घटना में उनकी मृत्यु हुई, तो पूरे देश की क्षति हुई। कांग्रेस ने उन्हें कभी बर्दी वाला गुंडा कहा, कभी गली का गुंडा कहा। कांग्रेस के किसी भी नेता ने, चाहे वह उत्तराखंड का हो अथवा देश का, इसका खंडन नहीं किया। उत्तराखंड के लोग इस बात को भूले नहीं हैं।

● सैन्य बहुल उत्तराखंड में वन रैंक, वन पेंशन क्या चुनावी मुद्दा बना है?

–40 सालों तक वन रैंक वन पेंशन की मांग होती रही। मैं स्वयं एक सैनिक का बेटा हूं और मैंने इस चीज को नजदीक से देखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे लागू किया। सैनिकों को मिलने वाली बर्दी, उपकरण, बूट की लंबे समय से मांग थी, लेकिन कांग्रेस के शासनकाल में पूरी नहीं हुई। सेना को उस समय कठिन परिस्थितियों के बीच परेशानी का सामना करना पड़ा।

● आपने लोकायुक्त चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कब तक राज्य को लोकायुक्त मिलने की संभावना है?

–लोकायुक्त चयन के लिए एक बैठक हो चुकी है। इसके तुरंत बाद लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू हो गई। अब आदर्श आचार संहिता समाप्त होने के बाद सरकार इस दिशा में कदम बढ़ाएगी।

आर्थिक नीतियों को जारी रखने वाला है घोषणापत्र

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- आर्थिक शोध एजेंसियों को नीतिगत स्थिरता व आर्थिक सुधारों के संदेश पर खुशी, महंगाई कम करने और वित्तीय संतुलन पर भी जोर

प्रमुख आर्थिक शोध एजेंसियों ने इस बात पर खुशी जताई है कि भाजपा ने अपने घोषणापत्र के जरिये ना सिर्फ नीतिगत स्थिरता को बनाये रखने का संदेश दिया है बल्कि उसने अहम आर्थिक सुधारों को भी आगे बढ़ाने की बात कही है। सीएलएसए ने कहा है कि भाजपा की तरफ से रविवार को जारी घोषणापत्र वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ढांचागत तौर पर सुधारों को आगे बढ़ाने की अहमियत को स्वीकारता है। इसके साथ ही पार्टी ने भारत में इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास को जारी रखने व भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने की बात कही है।

सीएलएसए यह भी मानती है कि भाजपा की नीति महंगाई को लेकर भी स्पष्ट है कि वह आपूर्ति पक्ष को मजबूत बना कर महंगाई को नीचे रखेगी। पार्टी ने विकास दर की गति को तेज करने, महंगाई को कम करने और वित्तीय संतुलन बनाने पर भी जोर दिया है जो अर्थव्यवस्था के लिए सही साबित हो सकता है। इसी तरह से निवेश बैंक व आर्थिक शोध एजेंसी यूबीएस ने भी कहा है कि भाजपा मोटे तौर पर अपनी मौजूदा सरकार की नीतियों को जारी रखने को लेकर दृढ़ है। यही वजह है कि पार्टी ने घोषणा पत्र में पिछले दस वर्षों के कार्यकाल की उपलब्धियों को गिनाया है। एजेंसी ने यह भी कहा है कि भाजपा अपने पीएम नरेन्द्र मोदी की गारंटी पर बहुत ज्यादा ध्यान दे रही है। इसमें जिस तरह से युवाओं, महिलाओं, किसानों, गरीबों व अल्पसंख्यकों के हितों की बात कही गई है वह भविष्य की नीतियों की तरफ भी इशारा करता है। इसने कहा है कि यह भारतीय उद्योग जगत व अर्थव्यवस्था के लिए सकारात्मक है। यूबीएस कांग्रेस की घोषणा पत्र को परोक्ष तौर पर बहुत सुधारवादी नहीं मानती क्योंकि इसने कहा है कि कांग्रेस का घोषणा पत्र अपने वादों को पूरा करने के वित्तीय असर के बारे में चुप है। इसमें यह नहीं बताया गया है कि इन वादों को पूरा करने के लिए धन का इंतजाम किस तरह से किया जाएगा।

खरगे बोले, मोदी की गारंटी झूठी है

पुडुचेरी, प्रेट्र: कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दी गईं गारंटी झूठी है, क्योंकि उनमें से कोई भी पूरी नहीं हुई है। ऐसी गारंटी या वादे झूठे थे और लोगों को धोखा दिया गया। कांग्रेस के पुडुचेरी लोकसभा सीट से उम्मीदवार वी वैथिलिंगम के समर्थन में यहां विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए द्वारा आयोजित चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं को प्रति वर्ष दो करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, लेकिन यह पूरा नहीं हुआ। खरगे ने कहा, 'इसीतरह किसानों को उनकी उपज की कीमतों में बढ़ोतरी या उनकी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है। विदेश में जमा काले धन की वापसी से प्रत्येक व्यक्ति को 15 लाख मिलने का वादा भी अभी तक पूरा नहीं हुआ है।'

चुनाव आयोग ने मुर्शिदाबाद रेंज के डीआइजी को हटाया, ममता भड़कीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- बंगाल की सीएम बोलीं, दंगे हुए तो जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी
- अधीर व भाजपा नेताओं ने तृणमूल के लिए काम करने का लगाया था आरोप

बंगाल में लोकसभा चुनाव से पहले केंद्रीय निर्वाचन आयोग का फिर चाबुक चला है। आयोग ने सोमवार को मुर्शिदाबाद रेंज के डीआइजी मुकेश को हटाने का आदेश दिया। सूत्रों ने बताया कि आयोग ने उनके खिलाफ ये कार्रवाई हिंसा मामले में तत्परता नहीं बरतने और निगरानी की कमी को लेकर की है। वहीं, डीआइजी को हटाने के बाद मुख्यमंत्री व तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी चुनाव आयोग पर भड़क गई हैं। उन्होंने कूचबिहार में एक चुनावी सभा में आयोग पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर मुर्शिदाबाद और मालदा में दंगे होते हैं तो उसकी जिम्मेदारी चुनाव आयोग की होगी। ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा के कहने पर मुर्शिदाबाद के डीआइजी को बदल दिया गया। बता दें कि इससे पहले आयोग ने राजीव कुमार को डीजीपी पद से हटा दिया था। इसके अलावा आयोग ने हाल में चार जिलों पूर्व मेदिनीपुर, पूर्वी बर्धमान, झाड़ग्राम और बीरभूम के जिलाधिकारियों को भी हटा दिया था।

बंगाल कांग्रेस अध्यक्ष व मुर्शिदाबाद के बहरमपुर से सांसद अधीर रंजन चौधरी और भाजपा नेताओं ने भी मुर्शिदाबाद के डीआइजी के खिलाफ आयोग से शिकायत की थी। उनकी शिकायत थी कि उक्त आइपीएस अधिकारी सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के लिए काम कर रहे हैं। आयोग ने राज्य सरकार को उनके स्थान पर नए डीआइजी की नियुक्त के लिए तीन अधिकारियों के नाम का चयन कर आयोग को भेजने का निर्देश दिया है। उनमें से एक को नियुक्त किया जाएगा।

चुनाव बाद भी बंगाल में केंद्रीय बलों की रहेगी तैनाती: हिंसा को रोकने के लिए चुनाव बाद भी अलीपुरद्वार, कूचबिहार और जलपाईगुड़ी में केंद्रीय बलों की तैनाती रहेगी। तीन क्षेत्रों में कुल छह कंपनी केंद्रीय बल तैनात किए जाएंगे।

हाई कोर्ट ने हावड़ा में भी रामनवमी शोभायात्रा की दी अनुमति

राज्य ब्यूरो, कोलकाता: कलकत्ता हाई कोर्ट ने हुगली के श्रीरामपुर के बाद अब हावड़ा में भी रामनवमी की शोभायात्रा निकालने की सशर्त अनुमति सोमवार को दे दी। कोर्ट ने कहा कि अगर 200 लोग राज्य में कहीं भी शोभायात्रा या जुलूस निकालते हैं, तो नियंत्रण संभव है। जरूरत पड़ने पर राज्य केंद्रीय बल की मांग कर सकता है। इससे पहले शुक्रवार को हुगली में पुलिस प्रशासन ने श्रीरामपुर में रामनवमी की शोभायात्रा निकालने की अनुमति नहीं दी तो वे भी हाई कोर्ट पहुंचे थे और उन्हें अनुमति दी गई थी। पिछले साल रामनवमी की शोभायात्रा निकालने के दौरान हावड़ा में दंगे भड़क उठे थे। उसी हावड़ा में विश्व हिंदू परिषद व अंजनी पुत्र सेना ने इस साल दो शोभायात्रा निकालने का फैसला किया है, लेकिन हावड़ा पुलिस-प्रशासन ने अशांति से बचने के लिए जीटी रोड से नहीं, बल्कि फोरशोर रोड से यात्रा निकालने को कहा था। कोर्ट ने कहा कि पांच स्वयंसेवक जुलूस का नियंत्रण करेंगे। उनके नाम पुलिस को बताए जाने चाहिए। जुलूस में हथियार का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

चुनावी बांड फैसले पर पुनर्विचार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका

- शीर्ष अदालत ने 15 फरवरी को चुनावी बांड योजना को कर दिया था रद
- एक वकील ने अब याचिका दायर कर फैसले की समीक्षा की मांग की

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर कर 15 फरवरी के उस फैसले पर पुनर्विचार का अनुरोध किया गया है, जिसमें मोदी सरकार की राजनीतिक चंदे की चुनावी बांड योजना को रद कर दिया गया था। वकील मैथ्यूज जे. नेदुम्पारा द्वारा दायर पुनर्विचार याचिका में कहा गया है कि इस अदालत ने (योजना के खिलाफ) याचिका पर विचार किया।

अदालत ने इस बात पर ध्यान दिए बिना ही योजना को रद कर दिया कि ऐसा करके वह संसद पर अपीलीय प्राधिकारी के रूप में कार्य कर रही है। याचिका में कहा गया कि अदालत ने ऐसे मामले पर अपने विवेक का प्रयोग किया, जो विधायी और कार्यकारी नीति के विशिष्ट क्षेत्र में आता है। नेदुम्पारा ने अपनी याचिका में दावा किया कि न्यायालय इस बात पर ध्यान देने में विफल रहा कि जनता की राय इस मामले में अलग-अलग हो सकती है। इस देश के अधिकांश लोग संभवतः इस योजना के समर्थन में हो सकते हैं, जिसे उनके निर्वाचित प्रतिनिधियों द्वारा अस्तित्व में लाया गया है। याचिका दायर करने वालों के अलावा उन्हें भी यह अधिकार है कि उनका पक्ष सुना जाए। बताते चलें, प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 2018 की चुनावी बांड योजना को 15 फरवरी को रद कर दिया था। संविधान पीठ ने इस योजना को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सूचना के अधिकार के संवैधानिक अधिकार का उल्लंघन करार दिया था। उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में एसबीआइ को डाटा निर्वाचन आयोग को उपलब्ध करवाने को कहा था।

चुनावी बांड को लेकर सख्त रवैया। फाइल

सुप्रीम कोर्ट का मणिपुर के विस्थापितों के मतदान पर सुनवाई से इन्कार

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए मणिपुर में हुई हिंसा के कारण विस्थापित करीब 18 हजार लोगों को वोटिंग की सुविधा देने संबंधी याचिका को अस्वीकार कर दिया है। अदालत का कहना है कि चुनाव से ऐन पहले ऐसा कर पाना संभव नहीं होगा। मणिपुर की दो लोकसभा सीटों में दो चरणों में चुनाव क्रमशः 19 और 26 अप्रैल को होने हैं।

जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने कहा कि अदालत इतनी देर से इस मामले में दखल नहीं दे सकती है। इससे मणिपुर में आम चुनाव सुनिश्चित कराने में बाधा आएगी। आप एकदम अंतिम क्षणों में आए हैं। सर्वोच्च अदालत ने मणिपुर निवासी नौलक खामसुनथांग और अन्य की याचिका पर सुनवाई की जिसमें चुनाव आयोग को मणिपुर में हुई हिंसा के दौरान राज्य से बाहर आकर शरणार्थी शिविरों में रह रहे 18 हजार मूल निवासियों के लिए मतदान कराए जाने की व्यवस्था करने की मांग की गई थी।

कुकी करेंगे चुनाव का बहिष्कार

चूराचांदपुर: मणिपुर के ईस्ट इंफाल जिले में विगत शनिवार को हुई ताजा हिंसा में दो लोगों के मारे जाने और तीन अन्य के घायल होने से नाराज कुकी समुदाय के लोगों से जुड़े कई संगठनों ने लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनका कहना है कि 'न्याय नहीं तो वोट नहीं।' कुकी समुदाय के लोगों ने पहले ही घोषणा की थी कि वह अपने समुदाय का कोई भी उम्मीदवार खड़ा नहीं करेंगे।

शशि थरूर को चुनाव आयोग की चेतावनी, अपुष्ट आरोप न लगाएं

तिरुअनंतपुरम, आइएएनएस: तिरुअनंतपुरम में चुनाव अधिकारी ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर को अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी राजीव चंद्रशेखर के खिलाफ चुनाव अभियान के दौरान अपुष्ट आरोप न लगाने की चेतावनी दी है। नोडल अधिकारी की चेतावनी छह अप्रैल को अधिकारियों के समक्ष भाजपा के चुनाव कानूनी संयोजक जे.आर. पद्मकुमार द्वारा दायर शिकायत के बाद आई है। शिकायत में कहा गया था कि ने एक टेलीविजन चैनल पर साक्षात्कार के दौरान गलत आरोप लगाए थे। कार्यक्रम में थरूर ने राजीव चंद्रशेखर पर वोट के लिए मतदाताओं और धार्मिक नेताओं को पैसे की पेशकश का आरोप लगाया था।

शशि थरूर। फाइल

इसी कार्यक्रम को लेकर थरूर के खिलाफ एनडीए संयोजक वी.वी. राजेश द्वारा एक और शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें कहा गया था कि थरूर ने साक्षात्कार में चंद्रशेखर को बदनाम करने के लिए झूठे व तुच्छ बयान दिए थे। नोडल अधिकारी ने कहा कि थरूर को भविष्य में असत्यापित आरोप न लगाने की सख्त चेतावनी दी गई है। मीडिया चैनल को भी यह निर्देश दिया गया है कि जब तक आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू है तब तक विवादित हिस्से का प्रसारण न किया जाए। अन्य प्रकार के प्रकाशन को भी रोकने का निर्देश दिया गया है।

छिंदवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी की शिकायत पर कमल नाथ के घर पहुंची पुलिस

नईदुनिया, छिंदवाड़ा

मप्र के छिंदवाड़ा में भाजपा प्रत्याशी की शिकायत पर पुलिस पूर्व सीएम कमल नाथ के घर पहुंची। यहां पुलिस ने उनके निजी सहायक (पीए) आरके मिगलानी से पूछताछ की। मिगलानी ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए समय मांगा, इस पर पुलिस उन्हें नोटिस देकर वापस आ गई। पुलिस टीम डेढ़ बजे शिकारपुर स्थित कमल नाथ के निवास पर पहुंची थी। उस वक्त वह चुनाव प्रचार में बाहर थे। करीब दो बजे घर पहुंचे, हालांकि उन्होंने कुछ कहने से इन्कार कर दिया।

भाजपा प्रत्याशी विवेक बंटी साहू का आरोप है कि आरके मिगलानी और निजी चैनल के वीडियो जर्नलिस्ट सचिन गुप्ता ने अन्य पत्रकारों को एक फर्जी वीडियो प्रसारित करने के लिए 20 लाख रुपये का प्रलोभन दिया था। साहू ने इससे जुड़ी बातचीत का एक वीडियो भी जारी किया है, जो एआइ की मदद लेकर बनाया गया है। एसपी मनीष खत्री ने बताया कि वीडियो जर्नलिस्ट सचिन गुप्ता और कमल नाथ के निजी सहायक आरके मिगलानी पर धारा 188, 500 आइटी एक्ट और 120 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। सचिन गुप्ता को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है, उनका मोबाइल फोन भी जब्त कर लिया गया है। मिगलानी पर फर्जी वीडियो वायरल करने का आरोप है। बता दें कि छिंदवाड़ा लोकसभा सीट से कमल नाथ के पुत्र नकुल नाथ कांग्रेस प्रत्याशी हैं। यहां प्रथम चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। इधर, मप्र कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री के निवास पर पुलिस भेजा जाना निंदनीय है। उनके खिलाफ भाजपा की किसी भी साजिश का हम विरोध करते हैं।

- पीए को नोटिस देकर लौटी पुलिस, फर्जी वीडियो वायरल करने के आरोप में केस दर्ज

शिकारपुर स्थित पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ के निवास पर मौजूद पुलिस बल। नईदुनिया

****

उद्धव ठाकरे व संजय राउत समेत चार को 100 करोड़ की मानहानि का नोटिस

जागरण संवाददाता, नैनीताल

- महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल कोश्यारी पर अनंत अंबानी से चंदा लेने के आरोप का मामला

महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री भगत सिंह कोश्यारी के महाराष्ट्र में राज्यपाल पद पर रहते हुए नैनीताल स्थित आवासीय विद्यालय के नाम पर उद्योगपति अनंत अंबानी से कथित तौर पर 15 करोड़ रुपये का चंदा लेने के मामले में नया मोड़ आ गया है। इंटरनेट मीडिया पर आरोपों को नकारते हुए कोश्यारी के भतीजे दीपेंद्र कोश्यारी की ओर से आरोप लगाने वाले चार लोगों के विरुद्ध 100 करोड़ की मानहानि का दावा किया है। दीपेंद्र के अधिवक्ता की ओर से महाराष्ट्र के आरटीआइ कार्यकर्ता अनिल गलगली, शिवसेना (उद्धव) के प्रमुख और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, शिवसेना नेता व सामना के संपादक संजय राउत, प्रकाशक विवेक कदम को विधिक नोटिस जारी किया गया है। अधिवक्ता के अनुसार, जल्द मामले में कोर्ट में आपराधिक मामला भी दर्ज कराया जाएगा। पिछले दिनों महाराष्ट्र के पूर्व राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी पर राज्यपाल पद के दुरुपयोग का आरोप लगा था। आरोप था कि कोश्यारी ने नैनीताल स्थित स्कूल के नाम पर अनंत अंबानी से 15 करोड़ रुपये लिए हैं। शिक्षण संस्थान के नाम पर ली गई रकम से उनके भतीजे ने रिजार्ट का निर्माण कराया है। इसके बाद से ही मामला इंटरनेट मीडिया पर छा गया। अब आरोप लगाने वालों के विरुद्ध कोश्यारी ने भी पलटवार किया है।

उद्धव ठाकरे और संजय राउत। फाइल

2022 में दसवीं में 27.47 लाख और बारहवीं में 18.63 लाख छात्र फेल हुए थे। इनमें से अधिकांश राज्यों में छात्रों को नियमित छात्र के रूप में दाखिला नहीं दिया गया। ऐसे में फेल होने वाले करीब 55 प्रतिशत छात्रों ने दोबारा कहीं भी दाखिला नहीं लिया।

डिजिटल तकनीक से महिला शक्ति को बनाया आनलाइन व्यवसाय में दक्ष

पानीपत की प्रिया ने पहले स्वयं का जीवन बदला, फिर तीन हजार से अधिक महिलाओं को दिखाई नवाचार और स्वरोजगार की राह

राज सिंह पाल ● जागरण

पानीपत: डिजिटलीकरण के युग में इंटरनेट प्लेटफार्म की ट्रेडिंग साइटों के माध्यम से कौशल और नवाचार के बल पर प्रिया अरोड़ा ने स्वयं को तो स्थापित किया ही, साथ में युवाओं को भी राह दिखाई है। तीन हजार महिलाओं को फोन पर आनलाइन व्यवसाय के टिप्स देकर उन्हें प्रेरित किया है। प्रिया अरोड़ा स्वयं तो सफल व्यवसायी महिला कहलाती ही हैं। मगर वह अन्य महिलाओं को सफल बनाने के लिए भी विभिन्न वेबसाइट्स पर वीडियो डाल उन्हें आत्मनिर्भरता की राह दिखा रही हैं। इन वीडियो के माध्यम से वह महिलाओं को आनलाइन ट्रेडिंग के माध्यम से व्यवसाय शुरू करने के टिप्स और प्रेरणा देती हैं।

अपने आफिस में कर्मचारी महिलाओं के साथ प्रिया अरोड़ा ● जागरण

त्योहारी सीजन में अनेक महिलाओं को रोजगार

प्रिया अरोड़ा ने बताया कि सितंबर से त्योहारी सीजन शुरू हो जाता है। आनलाइन बिजनेस भी स्पीड पकड़ लेता है। उस समय आर्डर बुक करने से लेकर माल भेजने तक कई महिलाओं को नौकरी पर रखा जाता है। सामान्य दिनों में पांच-छह महिलाएं होती हैं। कुछ महीने नौकरी करने के बाद ये भी स्वयं की आनलाइन ट्रेडिंग शुरू कर देती हैं।

प्रिया अरोड़ा ● जागरण

वर्ष 2014 में मात्र 10 हजार रुपये से आनलाइन ट्रेडिंग शुरू करने वाली प्रिया आज पांच करोड़ रुपये का वार्षिक व्यवसाय कर रही हैं। एक प्रसिद्ध आनलाइन ट्रेडिंग प्लेटफार्म पर उनके 13 लाख फालोअर्स हैं। बातचीत में प्रिया अरोड़ा ने बताया कि जब वे मात्र तीन साल की थी तो पिता ओमप्रकाश का देहांत हो गया था। मां स्नेहलता दो बेटियों और एक बेटे को लेकर मामा अनिल के घर नई दिल्ली के कल्याणपुरी में रहने लगी। हमारे भरण-पोषण के चलते मामा ने शादी भी नहीं की और वर्तमान में जर्मनी में रहते हुए भी मदद करते हैं। दिल्ली में रहते हुए बीए तक की पढ़ाई की। नेचुरोपैथी का कोर्स किया। अमित अरोड़ा से शादी होने के बाद पानीपत आ गईं। नौकरी का प्रयास किया, लेकिन नहीं मिली। फिर आनलाइन बिजनेस का विचार मन में आया। 10 हजार रुपये किसी परिचित से उधार लेकर कंप्यूटर व प्रिंटर इत्यादि खरीदे। जानकार होलसेलर्स ने उधार में बेड शीट और तकिया कवर आदि खरीदे और आनलाइन बेचने शुरू किए। पति ने पूरा साथ दिया, माल की पैकिंग करने, इंटरनेट पर आइटम के फोटो डालने, काल के इंतजार में रात-दिन एक कर दिए। मेहनत रंग लाई और व्यवसाय गति पकड़ गया। इसके बाद अमेजन इंडिया पर सुपर इंडिया इम्पोरियम लांच किया। पानीपत के बने बिस्तर, लिनेन के पर्दे, कालीन, तकिया कवर, मिंक कंबल और अन्य घरेलू वस्त्रों की एक विस्तृत शृंखला शुरू कर दी। पहली दीवाली पर बहुत बिक्री हुई।

घर बैठे बिजनेस कैसे करें? विषय पर वीडियो डालने शुरू किए। हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, पंजाब आदि राज्यों से महिलाओं के फोन और वीडियो काल आने लगी। उन्हें भी अपनी तरह आत्मनिर्भर बनाने के लिए आनलाइन ट्रेडिंग के टिप्स देती हूं।

अतिरिक्त सामग्री पढ़ने के लिए स्कैन करें।

सैन्य सहयोग मजबूत करने उज्बेकिस्तान रवाना हुए सेना प्रमुख

नई दिल्ली, प्रेट्र: सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे द्विपक्षीय सैन्य सहयोग के नए रास्ते तलाशने के लिए सोमवार को उज्बेकिस्तान की चार दिनी यात्रा पर रवाना हुए। पांडे का कई रक्षा प्रतिष्ठानों का दौरा करने के अलावा शीर्ष सैन्य अफसरों के साथ बातचीत का कार्यक्रम है। रक्षा मंत्रालय ने यात्रा को दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

जनरल पांडे उज्बेकिस्तान के रक्षा मंत्री लेफ्टिनेंट जनरल बखोदिर कुर्बानोव के साथ बातचीत करेंगे। वह मंगलवार को ताशकंद में पूर्व पीएम लाल बहादुर शास्त्री के स्मारक पर जाएंगे और श्रद्धांजलि देंगे। वह द्वितीय विश्व युद्ध में उज्बेकिस्तान के योगदान व बलिदान को याद करते हुए विक्ट्री पार्क का दौरा भी करेंगे।

ईरान में रोके गए 17 भारतीयों से जल्द मिलेंगे अधिकारी

विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियन ने भारतीय विदेश मंत्री को खुद दी जानकारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- जयशंकर ने मालवाहक जहाज में कार्यरत इन भारतीयों के मामले पर ईरानी समकक्ष से की थी बात
- ईरान का भारत से आग्रह, गाजा में जारी युद्ध को रुकवाने में अपनी भूमिका निभाए

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहियान से बात की थी और सोमवार सुबह ईरान के विदेश मंत्रालय ने बताया कि उसकी तरफ से पकड़े गए पुर्तगाली झंडे वाले मालवाहक जहाज में कार्यरत 17 भारतीयों से भारत के अधिकारियों को जल्द मिलने दिया जाएगा। इससे इन भारतीयों को स्वदेश लाने का रास्ता भी साफ हो सकता है। ईरान की सरकारी एजेंसियों ने तीन दिन पहले होर्मुज जलमार्ग के पास इस जहाज को पकड़ा था।

विदेश मंत्री जयशंकर ने जब ईरान के विदेश मंत्री अब्दुल्लाहियान से बात की थी तब इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। अब्दुल्लाहियान ने स्वयं यह जानकारी एक प्रेस वार्ता में दी है कि पकड़े गए जहाज के भारतीय कर्मचारियों को शीघ्र ही भारत सरकार के अधिकारियों से मिलने दिया जाएगा। ईरान के विदेश मंत्रालय की तरफ से जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष के बीच हुई वार्ता का ब्योरा भी जारी किया गया है। इसमें बताया गया है कि विदेश मंत्री जयशंकर ने जहाज में कार्यरत 17 भारतीयों के बारे में चिंता जताई। यह जहाज ईरान ने पकड़ रखा है और इस बारे में ईरान सरकार की मदद मांगी है। जवाब में ईरान के विदेश मंत्री ने उन्हें बताया कि संबंधित जानकारी मांगी गई है और जल्द ही भारतीय अधिकारियों को जहाज में कार्यरत भारतीयों से मिलने दिया जाएगा। इसमें यह भी बताया गया है कि ईरान ने भारत को जानकारी दी है कि उसके पास अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है। ईरान ने भारत से आग्रह किया है कि वह संयुक्त राष्ट्र व दूसरी वैश्विक एजेंसियों में गाजा में जारी युद्ध को रुकवाने में अपनी भूमिका निभाए। ईरान ने यह भी कहा है कि गाजा में शीघ्रता से सीजफायर होना चाहिए और लाल सागर में शांति व स्थिरता की बहाली होनी चाहिए।

देश के बाहर भी काम करती है मोदी की गारंटी : जयशंकर

- ईरान की ओर से पकड़े गए मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीयों की सुरक्षित वापसी का भरोसा जताया
- कहा-जब भी विदेश में कोई भारतीय मुसीबत में होता है तो केंद्र उसकी सुरक्षा के लिए हरदम देता है साथ

बेंगलुरु, आइएएनएस: विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान द्वारा जब्त किए गए मालवाहक जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों को वापस लाने का सोमवार को पूरा भरोसा जताया। साथ ही कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी न केवल देश के अंदर बल्कि विदेशों में भी काम करती है। विदेश मंत्री ने पत्रकारों से बातचीत में कहा-'' यह प्रधानमंत्री मोदी की मुफ्त गारंटी है कि जब भी आप विदेश में मुसीबत में हों, भारत सरकार आपकी देखभाल और सुरक्षा के लिए मौजूद है। उन्होंने कहा कि हमने इस गारंटी को यूक्रेन, सूडान और कोविड महामारी में बार-बार पूरा करके भी दिखाया है। उन्होंने कहा कि एमएससी एरीज जहाज पर सवार 17 भारतीय चालक दल के सदस्यों की रिहाई को लेकर ईरान के विदेश मंत्री हुसैन आमिर अब्दुल्लाहिआन से बात हुई है। हमने ईरान सरकार से कहा है कि सभी भारतीयों को रिहा किया जाए और उन्हें हिरासत में न लिया जाए। ईरान के विदेश मंत्री ने मुझे आश्वासन दिया है कि वह स्थिति को समझेंगे और भारत की हरसंभव मदद करेंगे। उन्होंने कहा कि भारतीय दूतावास के अधिकारियों ने भी ईरान के अधिकारियों से इस मामले में राजनयिक चर्चा की है। उन्होंने कहा कि

बेंगलुरु में सोमवार को संवाददाता सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर। एएनआइ

मुझे कुछ सकारात्मक रिपोर्टें मिल रही हैं लेकिन मैं चाहता हूं कि हमारे दूतावास के अधिकारी वहां जाएं और भारतीय दल से मिलें। यह मेरे लिए पहली प्राथमिकता है। इस दौरान विदेश मंत्री ने स्वीकार किया कि वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य की वजह से आने वाला समय काफी कठिन होगा। उन्होंने कहा कि जब मैं एक विदेश मंत्री के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्थिति को देखता हूं तो आज हालात काफी चुनौतीपूर्ण हैं। यूक्रेन में लड़ाई चल रही है, इजरायल और गाजा के बीच जंग छिड़ी है। लाल सागर क्षेत्र में तनाव हैं। हमारे सामने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चुनौतियां हैं। यही नहीं, एशिया में विभिन्न देशों की सीमाओं पर भी बहुत सारी चुनौतियां हैं। विदेश मंत्री ने कहा, ऐसे दौर में हमें एक अनुभवी नेता की जरूरत है, हमें वैश्विक समझ वाले एक ऐसे नेता की दरकार है, जिसका वैश्विक सम्मान हो और ऐसे नेता सिर्फ और सिर्फ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हैं।

बोर्ड में फेल 46 लाख छात्रों की नहीं रुकेगी पढ़ाई, फिर मिलेगा दाखिला

अरविंद पांडेय ● जागरण

- नियमित छात्र के रूप में होंगी कक्षाएं, मार्कशीट में दर्ज नहीं होगा फेल या एक्स स्टूडेंट
- अभी फेल छात्रों को नहीं मिलता नियमित दाखिला, बतौर प्राइवेट छात्र देते हैं बोर्ड परीक्षा

नई दिल्ली: दसवीं और बारहवीं में फेल होने वाले छात्रों से स्कूल अब किनारा नहीं कर सकेंगे। न ही उन्हें नियमित छात्र के रूप में दाखिला देने से मना कर पाएंगे। शिक्षा मंत्रालय ने फेल होने वाले छात्रों की पढ़ाई जारी रखने की पहल तेज की है। इसके तहत स्कूल उन्हें नियमित छात्र के रूप में दाखिला देंगे और उनके लिए नियमित कक्षाएं भी आयोजित कराएंगे। वहीं उन्हें दिए जाने वाले प्रमाण पत्रों में भी कहीं भी उनके फेल होने या फिर एक्स छात्र जैसा कोई जिक्र भी नहीं रहेगा। शिक्षा मंत्रालय ने यह पहल उस समय तेज की है, जब देश में हर साल औसतन 46 लाख छात्र दसवीं और बारहवीं में फेल हो जाते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में दसवीं में 27.47 लाख और बारहवीं में 18.63 लाख छात्र फेल हुए थे। इनमें से अधिकांश राज्यों में छात्रों को नियमित छात्र के रूप में दाखिला नहीं दिया गया। ऐसे में फेल होने वाले करीब 55 प्रतिशत छात्रों ने दोबारा कहीं भी दाखिला नहीं लिया। इन छात्रों ने पढ़ाई छोड़ दी और दूसरे काम-धंधों में लग गए। मंत्रालय का मानना है कि यदि फेल होने वाले इन छात्रों पर ध्यान दिया जाए, तो इनमें से अधिकांश पढ़ाई जारी रख सकते हैं और अपने भविष्य को नए सिरे से संवार सकते हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, आंध्र प्रदेश ने दसवीं और बारहवीं में फेल होने वाले छात्रों के लिए कुछ ऐसी ही पहल की है। अब से उन्हें स्कूलों में फेल होने के बाद फिर से नियमित छात्र के रूप में दाखिला दिया जा रहा है। मंत्रालय का मानना है कि स्कूली छात्रों के तैयार किए जा रहे पहचान पत्र से इसमें और आसानी होगी। क्योंकि इसके जरिये छात्रों को आसानी से ट्रैक किया जा सकेगा। सूत्रों की मानें तो इस संबंध में शिक्षा मंत्रालय की ओर से सभी राज्यों को जल्द ही निर्देश जारी करने की तैयारी है। मंत्रालय की कोशिश है कि स्कूलों में दाखिले के बाद छात्र जब तक बारहवीं पास नहीं हो जाएगा, तब तक उस पर नजर रखी जाएगी। साथ ही जो छात्र फेल होने के बाद नियमित छात्र के रूप से पढ़ाई नहीं करना चाहते हैं, उनके लिए ओपन स्कूल जैसे विकल्प भी मुहैया कराने का सुझाव दिया जाएगा। मौजूदा समय में एक राष्ट्रीय ओपन स्कूल बोर्ड (एनआइओएस) सहित कई राज्यों के अपने ओपन बोर्ड भी हैं।

न्यूज गैलरी

अयोध्या से चार शहरों के लिए उड़ानें बंद

अयोध्या: महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट, अयोध्या से चार शहरों (पटना, दरभंगा, देहरादून व जयपुर) के लिए विमान सेवाएं फिलहाल बंद हो गई हैं। यात्रियों की संख्या कम होने के वजह से यह कदम उठाया गया है। श्रीराम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के बाद इन शहरों से फुल लोड पर फ्लाइटें आ रही थीं। समझा जा रहा है कि अत्याधिक भीड़ के कारण इन दिनों श्रद्धालु अयोध्या आने से बच रहे हैं। रामनवमी के अवसर पर यात्रियों की संख्या में वृद्धि का अनुमान है। (जास)

आठ बांग्लादेशी महिलाओं को 25 माह की जेल

ठाणे: नवी मुंबई की एक अदालत ने सोमवार को आठ बांग्लादेशी महिलाओं को भारत में अवैध रूप से रहने के लिए दोषी ठहराया। उन्हें 25 माह के कठोर कारावास की सजा सुनाई। बेलापुर के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने प्रत्येक पर 11 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। पुलिस के अनुसार, मजदूर के रूप में काम करने वाली इन महिलाओं को दिसंबर 2022 में नवी मुंबई के तुर्भे से बिना वैध दस्तावेजों के रहने के आरोप में पकड़ा गया था। सत्र अदालत ने अभियोजन पक्ष को 24 से 44 वर्ष की आयु के आरोपितों को सजा की अवधि पूरी होने के बाद अपने देश वापस जाने का निर्देश दिया। (प्रेट्र)

शीर्ष तृकां नेता भी संदेशखाली के बारे में शाहजहां के फैसले को मानते थे

राज्य ब्यूरो ● जागरण

- संदेशखाली के निलंबित टीएमसी नेता ने ईडी को दिया बयान
- उत्तर 24 परगना की ग्राम पंचायतों, समितियों पर भी था प्रभाव
- कोर्ट ने शाहजहां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

कोलकाता : संदेशखाली कांड के मुख्य आरोपित व निलंबित टीएमसी नेता शाहजहां शेख का प्रभाव न सिर्फ संदेशखाली, बल्कि पूरे उत्तर 24 परगना जिले में था। यह बात खुद शाहजहां ने ईडी की पूछताछ में कही है। शाहजहां ने यह भी दावा किया कि पिछले कई पंचायत चुनावों में उसने जिले की कई ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों में उम्मीदवार नामांकित किए थे।

ईडी सूत्रों के मुताबिक शाहजहां ने अपना बयान लिखित रूप में कोर्ट को सौंप दिया है। पूछताछ के दौरान शाहजहां ने बताया कि वह किसी भी महत्वपूर्ण मामले पर अंतिम निर्णय खुद लेता था। शीर्ष तृणमूल नेता भी संदेशखाली के बारे में उसके फैसले को प्राथमिकता देते थे। संदेशखाली के उम्मीदवार और पदाधिकारी कौन होंगे यह खुद तय करता था।

सोमवार को ईडी ने अदालत में यह भी दावा किया कि शाहजहां से पूछताछ उसकी और संपत्तियों के सुराग मिले हैं। शाहजहां के नाम पर एक गेस्ट हाउस सहित कई करोड़ों रुपये की कई संपत्ति पाई गई हैं। वहीं शाहजहां के वकील ने कोर्ट में प्रतिवाद किया कि ईडी की हिरासत में उसके मुवक्किल से जबरन बयान लिया गया है।

शाहजहां शेख। फाइल

शाहजहां ने भी दावा किया कि बयान नहीं देने पर ईडी ने उसे और उसके परिवार को झूठे ड्रग और महिला तस्करी के मामलों में फंसाने की धमकी दी थी। इसलिए उसने मजबूरन ईडी को बयान दिया है। अब शाहजहां अपने बयान को वापस लेना चाहता है। ईडी के वकील ने कोर्ट में शाहजहां की याचिका का विरोध किया। न्यायाधीश ने कहा कि यह कैसे समझा जाए कि लिखित बयान सही है या गलत। इस पर बाद में फैसला लिया जाएगा। न्यायाधीश ने शाहजहां को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

लोस सचिवालय और अन्य को जवाब देने के लिए दो हफ्ते का समय

- बंगाल के शीर्ष नौकरशाहों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया वक्त

राज्य, कोलकाता : सुप्रीम कोर्ट ने लोकसभा की विशेषाधिकार समिति द्वारा तलब किये जाने के खिलाफ बंगाल के शीर्ष नौकरशाहों की एक याचिका पर लोकसभा सचिवालय एवं अन्य को अपना जवाब दाखिल करने के लिए सोमवार को दो हफ्ते का वक्त दिया।

भाजपा सांसद सुकांत मजूमदार द्वारा दायर दुर्व्यवहार की एक शिकायत को लेकर इन अधिकारियों को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति ने तलब किया था। यह घटना उस वक्त हुई थी, जब मजूमदार राज्य के उत्तर 24 परगना जिले के हिंसा प्रभावित गांव संदेशखाली का दौरा करने करने की कोशिश कर रहे थे।

शीर्ष अदालत ने लोकसभा की विशेषाधिकार समिति द्वारा बंगाल के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) एवं अन्य अधिकारियों को जारी नोटिस पर 19 फरवरी को रोक लगा दी थी। भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिसकर्मियों के बीच झड़प के बाद मजमूदार को अस्पताल में भर्ती होना पड़ा था। यह झड़प भाजपा कार्यकर्ताओं को संदेशखाली का दौरा करने से रोके जाने पर हुई थी।

साथी की गिरफ्तारी के बाद नेपाल भागने की फिराक में थे आतंकी

राज्य ब्यूरो, जागरण, कोलकाता : बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट कांड के आरोपित आतंकी मुजम्मिल शरीफ की गिरफ्तारी के बाद आकाओं ने आतंकियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा को बंगाल छोड़ने का निर्देश दिया था। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) के सूत्रों के मुताबिक दोनों आतंकी बांग्लादेश अथवा विकल्प के तौर पर दार्जिलिंग होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थे, लेकिन इसके पहले ही उन्हें पकड़ लिया गया। उल्लेखनीय है कि एक मार्च को हुए रामेश्वरम कैफे विस्फोट में 10 लोग जख्मी हो गए थे।

एनआइए के अनुसार दोनों आतंकी इस्लामिक स्टेट (आइएस) के माड्यूल अल हिंद के सदस्य हैं। मुजम्मिल शरीफ कोलकाता आया था और अपने साथियों को यहां रहने के लिए रुपये देकर चेन्नई लौट गया था। इसके बाद ही 28 मार्च को उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ में ही कोलकाता में छिपे दोनों आतंकियों मुसव्विर हुसैन शाजिब और अब्दुल मथीन अहमद ताहा के बारे में पता चला था। इस दौरान ये कोलकाता के विभिन्न होटलों में पहचान बदल कर रह रहे थे।

एनआइए सूत्रों के मुताबिक अल हिंद की ओर से कोलकाता छोड़ने का आदेश मिलने के बाद वे सबसे पहले हावड़ा गए। हालांकि वे आसानी से कोलकाता

- एक मार्च को रामेश्वरम कैफे विस्फोट में हुआ था विस्फोट

बेंगलुरु कैफे ब्लास्ट का मास्टरमाइंड अब्दुल मथीन व मुसाविर हुसैन शजीब। एएनआइ

के धर्मतल्ला से दीघा के लिए बस पकड़ सकते थे (जहां से उन्हें गिरफ्तार किया गया) लेकिन उन्होंने हावड़ा को चुना। इसके बाद वे बांग्लादेश अथवा विकल्प के तौर पर दार्जिलिंग होते हुए नेपाल भागने की फिराक में थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी के अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि उन्हें बंगाल में छिपने में किसने मदद की।

मामले की जांच से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि झारखंड की राजधानी रांची में एक व्यक्ति ने दोनों को पैसे और मोबाइल सिम दिए थे। ताहा और शाजिब ने कोलकाता में रहने के दौरान कभी भी मोबाइल फोन का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने पहला फोन रांची जाने के दौरान पुरुलिया में इस्तेमाल किया था।

छत्तीसगढ़ शराब घोटाले में सेवानिवृत आइएएस अफसर से भी होगी पूछताछ

नईदुनिया, रायपुर : छत्तीसगढ़ में तत्कालीन भूपेश बघेल सरकार में दो हजार करोड़ रुपये के कथित शराब घोटाले के मामले के आरोपितों से पूछताछ में कई नाम सामने आए हैं। ईओडब्ल्यू सेवानिवृत आइएएस अधिकारी व पूर्व मुख्य सचिव (सीएस) विवेक ढांढ, अनिल टूटेजा और निरंजन दास से पूछताछ की तैयारी कर रही है। इन्हें जल्द ही नोटिस देकर बुलाया जाएगा। कुछ दिन पहले ही टीम ने छापा भी मारा था, लेकिन कोई भी घर पर नहीं मिला था। टीम ने इनसे पूछताछ के लिए लगभग 50 सवाल तैयार किए हैं। मामले में एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) व इकोनामिक आफेंस विंग (ईओडब्ल्यू) की टीम ने पूर्व आबकारी अधिकारी अरुणपति त्रिपाठी, होटल कारोबारी अनवर ढेबर, अरविंद सिंह से पूछताछ की है। तीनों फिलहाल रिमांड पर है।

टीम ने तीन दिन पूर्व प्रदेश भर में 27 जगहों पर छापे मारे थे, जहां से जब्त किए गए दस्तावेज की जांच से भी कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिली हैं। एसीबी के सूत्रों की माने तो सदर बाजार में जिस सराफा कारोबारी के यहां छापामार कार्रवाई की गई थी, उसके द्वारा शराब के पैसे हवाला के जरिए विदेश में निवेश किए हैं। वहीं, अरुणपति त्रिपाठी के भी विदेश में निवेश करने की जानकारी मिली है।

बताया अनुभव

मूर्तिकार ने कहा- विग्रह का अनुपम सौंदर्य श्रद्धालुओं के अपार प्रेम के कारण, योगीराज बोले- अवसर मिलेगा तो मैं अपने देश के लिए फिर से कुछ करूंगा

मैंने नहीं बनाया, राम ने बनवाया है : अरुण योगीराज

मंगलुरु, एएनआइ: अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में 17 अप्रैल को रामनवमी पर राम लला के लाखों भक्तों के दर्शन करने से पहले भगवान राम लला की प्रतिमा बनाने वाले अरुण योगीराज ने अलौकिक प्रतिमा के निर्माण के अपने अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि भगवान राम की प्रतिमा का अनुपम सौंदर्य अयोध्या आनेवाले श्रद्धालुओं के अपार प्रेम और भक्ति के कारण है। उन्होंने कहा, 'भगवान श्रीराम की प्रतिमा को मैंने नहीं बनाया, उन्हें श्रीराम ने बनवाया है।'

एक साक्षात्कार में अरुण योगीराज ने बताया कि अयोध्या में वह बहुत से श्रद्धालुओं से मिले और उनकी पीड़ा, भगवान राम लला के लिए उनका प्रेम और त्याग को साझा किया। मैंने सब कुछ सुना। भगवान राम लला के प्रति प्रेम के कारण प्रतिमा अत्यंत सुंदर है। उन्होंने बताया कि राम लला का विग्रह बनाने के कारण उन्हें देश भर में सबका प्यार

राम लला की प्रतिमा। फाइल फोटो

योगीराज। फाइल

मिल रहा है। बल्कि मुझे उस प्रेम का भी कुछ अंश मिल रहा है जो लोगों के मन में भगवान राम के लिए है। हर कोई मुझसे मिलकर भगवान राम लला के विग्रह के बारे में बात करना चाहता है। मैंने भी निर्णय लिया है कि मैं लोगों के साथ समय व्यतीत करूंगा। उनका प्रेम मेरे हृदय में है और जब भी मुझे अवसर मिलेगा मैं अपने देश के लिए फिर से कुछ करूंगा।

भगवान राम के दिव्य नेत्र के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह उन्होंने नहीं बनाया, बल्कि भगवान राम लला ही इस पूरी प्रक्रिया के पीछे हैं। प्रतिमा निर्माण के दौरान 18-19 साल के चार-पांच लड़के उनसे कहते थे कि प्रतिमा देखकर ऐसा लगता है कि भगवान राम उनसे कुछ कहने वाले हैं। अब लगभग यही प्रतिक्रिया सभी लोगों की है कि भगवान बस अभी कुछ बोल पड़ेंगे। उनके नेत्र जीवंत हैं, उनका विग्रह जीवंत है। यह किसी एक कलाकार के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है।

उन्होंने बताया कि प्रतिमा बनाने के दौरान उन्होंने सात्विक भोजन ही किया। उन्हें कड़ी चट्टान पर प्रतिमा उकेरने के लिए कड़ा परिश्रम करना पड़ता था, इसलिए वह पोषण का भी ध्यान रखते थे। कम तेल और मसालों वाला भोजन ग्रहण करते हुए प्रोटीन की पूर्ति के लिए सुबह के समय नियमित रूप से दाल खाई। अब अपनी कृति को नहीं छू पाने के बारे में पूछे जाने पर योगीराज ने कहा कि उन्हें पता था भगवान राम लला जब मंदिर के अंदर चले जाएंगे तो वह उनका स्पर्श नहीं कर सकेंगे। इसलिए मैं हर दिन उनकी फोटो मंगाकर दर्शन करता हूं।

****

खोदाई में मिले पत्थरों पर देवी-देवताओं की आकृति होने का दावा

- भोजशाला में एसएसआइ सर्वे के 25वें दिन हवन कुंड से हटाई गई मिट्टी
- 50 मीटर के दायरे व छत पर सर्वे में उपकरणों का भी उपयोग

नईदुनिया प्रतिनिधि, धार : मप्र के धार में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला में एएसआइ की टीम के सर्वे के 25वें दिन सोमवार को हवन कुंड के एक कोने से मिट्टी हटाने का काम शुरू किया गया है। इस कुंड से कुछ फीट की दूरी पर जो खोदाई कार्य चल रहा है, वहां पत्थरों पर बनी आकृतियां स्पष्ट दिखने लगी हैं। पत्थरों पर उभरी आकृतियों को हिंदू पक्ष ने सनातनी आकृति बताया है। दावा किया है कि ये आकृतियां देवी-देवताओं की हैं। भोजशाला के अंदर व बाहरी परिसर के सर्वे में टीम ने उपकरणों का उपयोग बढ़ा दिया है।

हवन कुंड के एक कोने से जहां मिट्टी हटाने का कार्य शुरू कर दिया है उससे कुछ ही दूरी पर पूर्व से जारी खोदाई में भी पाषाण के अवशेष मिले हैं। इसकी बारीकी से जांच की गई है। यहां उपकरणों के माध्यम से जमीन के भीतर मौजूद संरचनाओं का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। भोजशाला के अंदर व बाहर तथा कमाल मौलाना की दरगाह से लेकर 50 मीटर के दायरे में मौजूद चिह्नित स्थलों पर टीम ने दिनभर काम किया। टीम ने भोजशाला की छत पर भी मशीन से सर्वे कार्य किया है। टीम के सदस्य कुछ और विशेषज्ञों के आने का इंतजार कर रहे हैं। भोजशाला के गर्भगृह व पिछले हिस्से में जिन स्थानों पर खोदाई की गई थी, वहां पानी का भराव रोकने के लिए भी प्रबंध किए गए हैं।

दैनिक जागरण

धैर्य धारण कर कुछ भी प्राप्त किया जा सकता है

लोकतंत्र से छल

चुनाव आयोग की ओर से दी गई यह जानकारी चकित करने वाली है कि वह हर दिन शराब, ड्रग्स, आभूषण और अन्य सामग्री के साथ बड़े पैमाने पर नकदी भी जब्त कर रहा है। नकदी समेत जो सामग्री जब्त की जा रही है, उसका कुल मूल्य करीब सौ करोड़ रुपये प्रतिदिन है। अब तक 4,650 करोड़ रुपये की नकदी और सामग्री जब्त की जा चुकी है। यह आंकड़ा पिछले लोकसभा चुनाव के समय बरामद की गई धन और सामग्री से अधिक है। यह इसलिए खतरे की घंटी है, क्योंकि अभी तो मतदान का पहला चरण भी नहीं हुआ है। इसका मतलब है कि इस बार प्रत्याशी मतदाताओं को लुभाने यानी उनके वोट खरीदने के लिए कहीं अधिक पैसा खपाने के साथ शराब, ड्रग्स आदि बांटने की कोशिश कर रहे हैं। कोई भी समझ सकता है कि मतदाताओं के बीच बांटी जाने वाली बहुत सी नकदी और सामग्री चुनाव आयोग की पकड़ में नहीं आ पाती होगी। भले ही चुनाव आयोग ने विभिन्न एजेंसियों को सतर्क कर रखा हो, लेकिन उनके लिए यह संभव नहीं कि हर वाहन और व्यक्ति की तलाशी लेने के साथ गांव-गांव निगरानी कर सकें।

चूंकि राजनीतिक दल इससे परिचित हैं कि आचार संहिता लागू होते ही चुनाव आयोग चुनावों में अनुचित साधनों के इस्तेमाल को रोकने के लिए सक्रिय हो जाता है, इसलिए वे चुनाव की घोषणा होने के पहले ही लोगों के बीच पैसे और तरह-तरह की सामग्री बांटने लगते हैं। वहां तो यह काम शुरू ही हो जाता है, जहां चुनावों की घोषणा के पहले ही प्रत्याशी तय हो जाते हैं। वैसे तो देश के हर हिस्से में मतदाताओं के बीच वितरित की जाने वाली सामग्री के साथ नकदी जब्त की जा रही है, लेकिन इस पर हैरानी नहीं कि इसकी मात्रा तमिलनाडु और दक्षिण के अन्य राज्यों में अधिक है। चुनावों में किस्म-किस्म की सामग्री और धन बांटने का रिवाज तमिलनाडु से ही शुरू हुआ था। पहले राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्रों में यह वादा करते थे कि यदि वे सत्ता में आए तो अमुक-अमुक वस्तुएं या सुविधाएं मुफ्त प्रदान करेंगे, लेकिन अब वे ऐसा वादा करने के साथ-साथ गुपचुप रूप से भी लोगों के बीच शराब, ड्रग्स के साथ पैसे बांटने लगे हैं। यह ठीक है कि बंगाल को छोड़कर चुनावों में बाहुबल पर एक बड़ी हद तक लगाम लगी है, लेकिन यह चिंताजनक है कि धनबल की भूमिका इतनी अधिक बढ़ गई है कि अब पैसे और शराब आदि बांटकर चुनाव जीतने की कोशिश की जाने लगी है। कुछ प्रत्याशी इस कोशिश में कामयाब भी होने लगे हैं। यह लोकतंत्र के साथ किया जाने वाला एक बड़ा छल है। समस्या यह है कि जहां औसत मतदाता और विशेष रूप से गरीब तबका प्रलोभन का शिकार बनने के लिए तैयार रहता है, वहीं राजनीतिक दल चुनाव सुधारों को लेकर गंभीर नहीं।

असुरक्षित स्कूल वाहन

हरियाणा के महेंद्रगढ़ में पिछले दिनों हुई दुर्घटना के बाद प्रदेश भर में स्कूल बसों और वाहनों की जांच हो रही है। खराब हालत और नियमों का पालन नहीं करने वाले निजी स्कूल वाहनों को लेकर कार्रवाई की जा रही है। इस जांच में काफी संख्या में स्कूल बसों और वाहनों में खामियां मिलना चिंताजनक है। यह स्कूल संचालकों की लापरवाही को स्पष्ट तौर पर दिखाता है और यह बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ है। कुछ स्थानों पर तो जांच में बसों के फर्श तक टूटे होने सहित कई गंभीर खामियां मिलीं। इस तरह की लापरवाही की अनदेखी किसी भी सूरत में नहीं की जा सकती है। इस जांच के दौरान कार्रवाई को लेकर भी सवाल उठते हैं। कई स्थानों पर नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों को लेकर स्कूल संचालकों पर महज 500-500 रुपये के चालान करना कार्रवाई के नाम पर मजाक ही लगता है। ऐसे मामलों में कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। महेंद्रगढ़ में हुए हादसे का कारण बस की फिटनेस नहीं, इसके चालक का नशे में होना था। वाहनों की फिटनेस भी महत्वपूर्ण है, लेकिन स्कूल वाहनों के चालकों और अटेंडेंट की नियमित जांच की व्यवस्था भी अति आवश्यक है। आरटीओ या पुलिस के साथ ही स्कूल प्रबंधन को भी इसका दायित्व लेना होगा। जब चालक बस या वाहन लेकर स्कूल पहुंचें तो उनकी जांच हो और छुट्टी के बाद वे बच्चों को लेकर रवाना हों, उससे पहले भी जांच की जाए कि कहीं उन्होंने नशा तो नहीं किया है। इस जांच की स्कूलों में नियमित व्यवस्था सुनिश्चित कराने का दायित्व प्रशासन और शिक्षा विभाग को लेना होगा। स्कूल बसों में स्पीड गवर्नर भी लगा हो यह सुनिश्चित किया जाए।

> नियमों का पालन नहीं करने वाले पर महज 500-500 रुपये के चालान करना कार्रवाई के नाम पर मजाक है

चुनाव बाद की तैयारी में मोदी

संदीप घोष

प्रधानमंत्री मोदी के लिए चार सौ पार का नारा महज चुनावी नारा नहीं, बल्कि अपने वादों को पूरा करने की एक जरूरत है

अवधेश राजपूत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'अबकी बार, चार सौ पार' के चुनावी आह्वान पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं आ रही हैं। अधिकांश लोग इसकी व्याख्या एक मजबूत नेता की सत्ता में वापसी को लेकर उसके आत्मविश्वास के साथ जोड़कर देख रहे हैं। वहीं कुछ लोग इसे विपक्षी खेमे का हौसला पस्त करने वाला जुमला बता रहे हैं। कुछ लोग इसे विपक्ष को रौंदने का प्रयास और तानाशाही की ओर बढ़ते कदम के अशुभ संकेत के रूप में देख रहे हैं। राहुल गांधी जैसे नेताओं ने खुलेआम आरोप लगाए हैं कि भाजपा की योजना संविधान बदलने और लोकतंत्र के मूल स्वरूप में परिवर्तन करने की है। उन्होंने ऐसे किसी संभावित 'दुस्साहस' के परिणाम भुगतने और सड़कों पर उतरकर उसके विरोध की धमकी भी दी है। ऐसे उकसावे और संकेतों से मोदी विरोधियों ने वैश्विक समुदाय के समक्ष यही संदेश देने का प्रयास किया है यदि मोदी सत्ता में लौटते हैं तो इससे भारतीय लोकतंत्र के समक्ष जोखिम बढ़ सकते हैं। ऐसी मनगढ़ंत बातों को अंतरराष्ट्रीय मीडिया के एक हिस्से द्वारा लपक लिया जाता है। वह लोकतांत्रिक संस्थानों पर आरएसएस के कब्जे, मीडिया पर नियंत्रण, जांच एजेंसियों के दुरुपयोग और चुनावी बांड के जरिये भ्रष्टाचार से जुड़े विपक्ष के आरोपों में अपना सुर मिलाने लगता है। कुछ लोग तो न्यायपालिका तक को नहीं बख्शते कि उसकी भी सरकार से मिलीभगत है। कुछ को ईवीएम में खोट नजर आता है कि उसके जरिये चुनाव प्रभावित किया जा सकता है। इन सबके बीच मोदी बेफिक्र होकर अपने लक्ष्य की पूर्ति में जुटे हुए हैं।

मोदी कई मंचों पर कह चुके हैं कि तीसरे कार्यकाल की उनकी कार्ययोजना तैयार है। आचार संहिता लागू होने से पहले ही उन्होंने सत्ता में वापसी के बाद शुरुआती सौ दिनों का एजेंडा भी पेश किया। भाजपा ने संकल्प पत्र के नाम से अपने घोषणा पत्र में भविष्य को लेकर अपनी योजनाओं का खाका प्रस्तुत किया है, जिसमें कई नीतियों में निरंतरता रखने का उल्लेख है। एक ऐसे समय में जब लगभग हर एक राजनीतिक पंडित भाजपानीत राजग की सत्ता में वापसी को लेकर आश्वस्त है, तब भी मोदी पूरे जी-जान से चुनाव अभियान में जुटे हुए हैं तो इसी कारण कि वह 400 से अधिक सीटों के लक्ष्य को पाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। जो ऐसा सोचते हैं कि इतनी सीटें जीतकर मोदी राजीव गांधी के रिकार्ड को तोड़ना चाहते हैं तो वे प्रधानमंत्री की मानसिकता को नहीं समझते। मोदी अपनी एक विरासत छोड़ना चाहते हैं। दो कार्यकालों के अनुभव से वह जानते हैं कि भाजपा और राजग को अपने वादे पूरे करने हैं तो संसद के दोनों सदनों में बहुमत चाहिए होगा। इसीलिए मोदी और अमित शाह दो स्तरों पर काम में जुटे हैं।

जहां मोदी मतदाताओं को साधने में लगे हैं, जो केवल वही कर सकते हैं तो वहीं शाह गठबंधन के साथ ही विपक्षी नेताओं को जोड़ने में लगे हैं, जो भाजपा की सीटों की संख्या बढ़ाने में योगदान दे सकें। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि जब भाजपा जीत को लेकर इतनी ही आश्वस्त है तो फिर वह क्यों इतने गठबंधन कर रही है, जिसमें कई बार उसे कुछ अतिरिक्त सीटें सहयोगियों के साथ साझा करनी पड़ रही हैं? इसका जवाब लोकसभा चुनावों से इतर की राजनीति में निहित है। कुछ राज्यों के विधानसभा चुनाव तो साथ में ही हो रहे हैं और कुछ राज्यों के लोकसभा के तत्काल बाद होने हैं। पिछले दस वर्षों में मोदी ने 'डबल इंजन' सरकार की महत्ता समझी है। उन्होंने समझा है कि केंद्र और राज्य सरकार के बीच बढ़िया जुगलबंदी के बिना विकास के एजेंडे को सिरे चढ़ाना संभव नहीं। विपक्षी दलों की सत्ता वाले कई राज्यों में यह देखने में आया है कि उन्होंने आयुष्मान भारत जैसी केंद्र की कई योजनाओं की राह में अवरोध खड़े किए। साथ ही श्रम सुधारों के साथ ही अन्य विकास गतिविधियों के लिए जमीन अधिग्रहण में भी अपेक्षित एवं आवश्यक सहयोग नहीं दिया। अपनी सीटों की संख्या बढ़ाने के मोदी के प्रयासों के पीछे कुछ और भी कारण हैं। पिछले कुछ समय से भारतीय राज्यों में रेवड़ियां बांटने की होड़ बढ़ी है। इसने वित्तीय फिसलन की चुनौतियां बढ़ा दी हैं, क्योंकि लुभावने चुनावी वादों की पूर्ति के चक्कर में राज्य सरकारें कर्ज का अंबार लगा बैठी हैं। अंततः इसका बोझ केंद्र पर ही पड़ना है। हाल में दक्षिण के कुछ राज्यों द्वारा राहत पैकेज के मामले में सुप्रीम कोर्ट में लगाई गई याचिकाएं इसका उदाहरण हैं। इसके चलते विकास गतिविधियों के लिए धन का अभाव निश्चित है। यह स्थिति न केवल वित्तीय रूप से घातक है, बल्कि इस पर लगाम नहीं लगाई गई तो यह देश के संघीय ढांचे पर भी खतरे बढ़ा सकती है।

विपक्ष के सामने हाशिये पर पहुंचने का संकट बढ़ गया है। खासतौर से कांग्रेस बहुत परेशान है और इससे उबरने के लिए वह वामपंथी रुख अख्तियार करते हुए अति लोकलुभावन वादे करने में लगी है। कांग्रेस के घोषणा पत्र में सरकारी नौकरियों और 'न्याय' के नाम पर नकदी इसके उदाहरण हैं। कांग्रेस से सबक लेते हुए कुछ क्षेत्रीय दल और आगे की सोच रहे हैं। वे भी रेवड़ियों का सहारा ले रहे हैं। कुछ नस्लीय विवाद छेड़ने पर आमादा हैं तो कुछ संसाधनों के वितरण की दृष्टि से उत्तर एवं दक्षिण के बीच विभाजन की खाई को गहरा करने में लगे हैं। विपक्षी नेताओं के खिलाफ जांच एजेंसियों की सक्रियता के मुद्दे पर भी टकराव है। कुछ दलों ने भाजपा के हिंदुत्व की हवा निकालने का दांव चला है तो कुछ जातिगत जनगणना के जरिये भाजपा को घेरने और अपनी नैया पार लगाने की जुगत में लगे हैं। विपक्षी दलों का मोर्चा आइएनडीआइए छिन्न-भिन्न सा हो गया है। ऐसे में कांग्रेस ही भाजपा को मुख्य रूप से चुनौती पेश कर रही है।

विपक्षी दलों की राजनीति खंडित जनादेश और गठबंधन सरकारों की वापसी की दिशा में ले जाने वाली है। दूसरी ओर भाजपा और मोदी 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की संकल्पना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। मोदी का मानना है कि युवा भारत आकांक्षी है, जो मुफ्त रेवड़ियों के बजाय समृद्ध भारत की राह चुनेगा। ऐसा भारत बनाने के लिए मोदी को व्यापक बहुमत की आवश्यकता होगी। इस वजह से चार सौ पार का आह्वान उनके लिए महज चुनावी नारा नहीं, बल्कि एक अपरिहार्यता है। इसीलिए वह पूरे देश को नापने में लगे हैं।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक एवं वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

response@jagran.com

जमीनी हकीकत में बदलाव की चाहत

गिरीश्वर मिश्र

प्रलोभन देकर वोट बटोरने की कुप्रथा अंततः नुकसान ही करती है। इससे बचने की जरूरत है

जनता और दलों में बढ़ती दूरी। फाइल

आजादी के सात दशक बाद देश ने अमृतकाल की अवधि में एक आत्मनिर्भर और सशक्त भारत के निर्माण के लिए संकल्प लिया है। इस कार्य के लिए पूरे भारतीय समाज की संलग्नता जरूरी है। इस लक्ष्य के प्रति एकल समर्पण के साथ ही देश आगे बढ़ सकेगा। इसके लिए गणतंत्र की परिधि में कार्य करना होगा, जिसे संसदीय प्रणाली के अनुसार होना है। इस दृष्टि से लोकसभा का चुनाव एक महत्वपूर्ण अवसर है। अगली लोकसभा के गठन के लिए आम चुनाव की बढ़ती सरगर्मियों के बीच सभी दल घोषणा पत्रों के जरिये जनता को लुभाने के लिए किस्म-किस्म के वादे करने में जुट रहे हैं। सबका एक ही लक्ष्य है जनसमर्थन हासिल करना, ताकि अपनी पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट हासिल किए जा सकें। हालांकि विभिन्न पार्टियों के परस्पर विरोधी दावे अक्सर दिग्भ्रमित भी करते हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य कुछ ऐसा है कि पीएम मोदी की उपस्थिति, छवि और संवादपटुता ने उनको राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्थापित किया है। उनकी गतिशीलता ने भारत की छवि को भरोसेमंद बनाया है। उनकी रीति-नीति में समावेश की प्रवृत्ति झलकती है। उनके नेतृत्व में डिजिटलीकरण, संसाधनों एवं इन्फ्रास्ट्रक्चर का विस्तार, आर्थिक मोर्चे पर मजबूती, प्रतिरक्षा तंत्र का स्वदेशीकरण, अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में देश के बढ़ते कदम आश्वस्ति का संकेत देते हैं, लेकिन उनके सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

चूंकि राजनीति में भरोसा बड़ा अहम होता है। ऐसे में पार्टी हाईकमान राज-काज में भागीदारी के लिए योग्यता या अनुभव की जगह उम्मीदवार के रूप में अपने विश्वासपात्रों को तलाश रहे हैं, जो अविचल भाव से पार्टी नेतृत्व के प्रति 'वफादार' बने रहें। दूसरी ओर जनता को विश्वास में लेने के लिए 'न्याय' और 'गारंटी' जैसे जुमले तैरने लगे हैं। राजनीतिक दलों के घोषणा पत्रों में युवा, स्त्री, मजदूर, किसान, गरीब आदि समुदायों के लिए तरह-तरह की मुफ्त की खैरात बांटने का प्रलोभन देने वाली घोषणा दर घोषणा की भरमार दिख रही है। इस तरह वादों को जनता की भलाई का नुस्खा बनाकर पेश किया जा रहा है। मसलन नौकरी के अवसर देने, कर्ज की व्यवस्था एवं कर्जमाफी करने, महिला एवं किसान जैसे विभिन्न वर्गों के लिए अनुग्रह राशि देने और जातिगत जनगणना कराने के द्वारा सबको संतुष्ट करने की कोशिश की जा रही है। कुछ दल परिवार-प्रथम की युक्ति भी आजमा रहे हैं। वे जातिवाद और तुष्टीकरण की नीति पर काम करते भी दिख रहे हैं। भ्रष्टाचार में संलिप्तता के मामले नेताओं की साख के लिए घातक सिद्ध हो रहे हैं। विपक्ष संकल्पहीन प्रतीत हो रहा है। सबसे पुराना दल कांग्रेस जिस तरह अस्तित्व के लिए संघर्षरत है, वह चिंता की बात है। उसके लिए गहरे आत्ममंथन की जरूरत है, क्योंकि मोदी के चेहरे पर जनता का भरोसा भाजपा को आश्वस्ति देता है।

आज जाति, क्षेत्र और मजहब जैसे समाज विभाजक आधारों का आसरा लेकर चुनाव की तैयारी की जा रही है। इस तरह के तुष्टीकरण की राजनीति खतरनाक है। कई नेता गैर-जिम्मेदार होकर प्रलोभनों की इस तरह से बौछार कर रहे हैं, मानों वे देवताओं के खजांची कुबेर हैं और उनके खजाने पर उन्हीं का कब्जा है। इस तरह मतदाताओं को बहकावे में लाने की हर कोशिश चल रही है। सुरा, सुविधा और रुपया-पैसा बांटकर जनता से वोट की सौदेबाजी राजनीति को घृणित आधार दे रही है। नए माहौल में अब संसदीय प्रत्याशी को भी करोड़पति होना जरूरी हो रहा है। वह बाहुबली या संदिग्ध अपराधी हो तो भी चलता है।

भारत की जनता में सहनशीलता है और वह उदारतापूर्वक सबको अवसर देती है। चुनावी सफलता पाने के बाद नेता अक्सर सत्ता सुख भोगने में लग जाते हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो आम जनता के सुख-दुख पर उनका ध्यान कम ही जा पाता है। कटु सत्य यह भी है कि सत्तासीन सरकार के नुमाइंदे और जनता के बीच का बड़ा अंतराल आता गया है। यह एक तथ्य है कि आम जन और नेताओं के बीच का संवाद क्रमशः घटता गया है। संवाद का अभाव राजनीतिक प्रतिनिधियों और उनके दलों के प्रभाव क्षेत्र को प्रभावित करता है और उसी के अनुसार नेताओं की साख भी घटती-बढ़ती है। महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी कामकाज की धीमी गति और उबाने वाली नौकरशाही पूरी व्यवस्था की प्रामाणिकता पर प्रश्न खड़ा कर देती है। आमजन अक्सर इनसे उद्धार पाने के लिए व्याकुल रहता है। नारों और वादों से उकता चुकी जनता को अब जमीनी हकीकत में बदलाव की चाहत है। इस आम चुनाव की भी यही कसौटी रहेगी। इसके लिए देश की जनता के मन में भी एजेंडा है। एक जनघोषणा पत्र चाहिए, जिसमें किसी एक की संतुष्टि नहीं, बल्कि लोककल्याण सर्वोपरि हो। लुंज-पुंज हो रही संस्थाओं का पुनर्जीवन, भ्रष्टाचार का उन्मूलन और सदाचार का पोषण, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण, वंचितों की मौलिक सामर्थ्य बढ़ाना आवश्यक है, न कि उन्हें परोपजीवी बनाए रखना। इसके साथ ही पारदर्शिता के साथ सुशासन की व्यवस्था हो, न्याय प्रणाली को सुधारा जाए और शिक्षा का महत्व समझ कर उसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाए। युवा भारत के कर्णधार सरीखे लोगों जैसे महिलाएं, किसान, मजदूर और युवा वर्ग को सार्थक जीवन का अवसर उपलब्ध कराया जाए। भविष्य का भारत इन्हीं पर टिका है। फौरी प्रलोभन देकर वोट बटोरने की कुप्रथा अंततः नुकसान ही देती है और इससे बचने की जरूरत है। देश एक ऐसे सशक्त भारत का स्वप्न देख रहा है, जिसमें ऐसी पारदर्शी व्यवस्था हो, जो लोक कल्याण से प्रतिबद्ध हो और सबकी सहभागिता हो।

(लेखक शिक्षाविद् हैं)

response@jagran.com

ऊर्जा

अंतिम समय

जीवन के अंतिम समय में अक्सर व्यक्ति द्वारा किए गए अच्छे-बुरे कर्मों की याद उसे आने लगती है। भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में कहा है कि अंतिम समय में मनुष्य जो भी सोचता है वही उसे अगले जन्म में प्राप्त होता है। इसलिए मनुष्य को चाहिए कि वह विवेक द्वारा अपने परलोक को सुधारे। यह अवसर केवल मानव योनि में ही प्राप्त होता है, क्योंकि अन्य जीव को विवेक प्राप्त नहीं होता है। रामचरितमानस में वर्णन है कि आखिरी समय में दशरथ जी को वह दृश्य याद आने लगा जिसमें उन्होंने श्रवण कुमार की अनजाने में हत्या कर दी थी, जिसके परिणामस्वरूप श्रवण कुमार के पिता ने उन्हें श्राप दिया था कि जिस प्रकार पुत्र शोक में उनकी मृत्यु हो रही है इसी प्रकार तुम्हारी मृत्यु भी पुत्र के वियोग में होगी। भीष्म पितामह भी मृत्यु से पहले पूरे छह महीने तीरों की शैया पर पड़े रहे थे, परंतु दार्शनिकों के अनुसार भीष्म यादों के बाणों की शैया पर थे। कुरु वंश में भीष्म सबसे अधिक आयु के थे। इस स्थिति में उनसे आशा थी कि वह परिवार में होने वाले अनैतिक कार्यों के विरुद्ध आवाज उठाएंगे, परंतु उनके सामने भरी सभा में उनकी कुल वधू का चीरहरण होता रहा और वह चुपचाप देखते रहे, जिसका अपराधबोध उनके मन में बैठ गया। इसी कारण उन्हें आखिरी समय में तीरों जैसी पीड़ा का अनुभव हो रहा था।

आज के युग में कई लोग जानबूझकर अनैतिक कर्मों में लिप्त रहते हैं, जिस कारण वे अक्सर अशांत तथा आक्रोशित रहते हैं। ऐसे व्यक्ति का जब आखिरी समय आता है तब मन उसकी वृत्ति पशुओं जैसी बना देता है, जिसके परिणामस्वरूप उसे अगले जन्म में पशु योनि प्राप्त होती है। इसके विपरीत शुभ कर्म करने वाले व्यक्ति को अपने कर्मों के परिणामस्वरूप ईश्वर की छवि दिखाई देने लगती है। इसके फलस्वरूप वह परमेश्वर में विलीन होकर परम शांति को प्राप्त होता है।

कर्नल शिवदान सिंह

राजनीति में भाषा का गिरता स्तर

सोनम लवंशी

आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अमर्यादित भाषा के वायरस से पीड़ित हो गया है, जो बहुत चिंताजनक है

लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के साथ ही पूरे देश में राजनीतिक सरगर्मियां उफान पर हैं। सियासत के सूरमा जिक्र तो लोक कल्याण और समावेशी विकास करते हैं, लेकिन अभिव्यक्ति के नाम पर अनर्गल बयानबाजी ने राजनीति की शुचिता को तार-तार कर दिया है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के मंदिर को अमर्यादित भाषा के वायरस से कलंकित करने में हमारे राजनेता कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहे हैं। बीते दिनों कंगना रनौत, हेमा मालिनी और ममता बनर्जी पर की गई आपत्तिजनक टिप्पणियां इसकी ताजा मिसाल हैं।

चुनाव आते ही हमारे देश में महिला सशक्तीकरण पर सबसे ज्यादा फोकस किया जाता है। देश की आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं आज हर क्षेत्र में पुरुषों की बराबरी कर रही हैं, लेकिन महिलाओं के खिलाफ बयानबाजी आधुनिक समाज में भी चरम पर है। माना कि चुनाव का वैर चल रहा है और जीतने के लिए मुद्दे गढ़े जाते हैं, लेकिन यह कौन सा तरीका हुआ कि महिलाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां की जाएं। वह भी देश का प्रतिनिधित्व करने वाले नेताओं द्वारा। किसी भी महिला के खिलाफ किसी राजनेता को अभद्र टिप्पणी करने का क्या अधिकार है? हमारी मां-बहन-बेटियां हैं। उनकी भी तो कोई इज्जत है। फिर किसी सामाजिक-राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय महिला के खिलाफ बेजा बयानबाजी क्यों? दुखद तथ्य यह है कि अब तो महिलाएं स्वयं महिलाओं के खिलाफ अनर्गल टिप्पणियां कर रही हैं। कंगना रनौत से जुड़ा मामला कुछ ऐसा ही है। वैसे भी नारी की जिंदगी मर्यादा में सिमटी हुई है। पितृसत्तात्मक समाज के इस दौर में महिलाओं के लिए चुनौतियां कम नहीं हैं। आज भी आधुनिक होते समाज में महिलाओं के लिए पाबंदियां कम नहीं हैं।

आज विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र अमर्यादित भाषा के वायरस से पीड़ित हो चुका है, जो उसके लिए बहुत चिंता वाली बात है। राजनीति का अर्थ यह तो कतई नहीं होता कि सियासतदां एक-दूसरे के निजी जीवन पर आक्षेप करने लग जाएं। अभिव्यक्ति की आजादी यह तो नहीं कहती कि आप किसी प्रतिष्ठित व्यक्ति के मान को भंग करें। राजनीति निजी दुश्मनी अदा करने का कोई अखाड़ा भी नहीं। जब संवैधानिक व्यवस्था में राजनीति का जन्म देश को सुचारु रूप से आगे ले जाने के लिए हुआ फिर मूल उद्देश्य को क्यों बिसार रहे राजनेता? भाषा हमारे सामाजिक परिवेश का स्तर तय करती है। भाषा हमारे सोच का पैमाना होती है। बदजुबानी करने वाले नेता अपने बारे में न सोचकर एक बार देश की संस्कृति और परंपरा की चिंता कर लें, क्योंकि उनकी ओछी टिप्पणियां हमारे देश की छवि को निकृष्ट करने का कार्य करती हैं।

(लेखिका स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

भारत का उद्दीपन

'भारत के विकसित बनने की राह' शीर्षक से लिखे आलेख में रमेश कुमार दुबे ने विकसित भारत के संकल्प के ध्येय का उल्लेख करते हुए कहा है कि मोदी सरकार के निरंतर प्रयासों ने दिखाया है कि भारत के विकास का मार्ग संभव है। इसमें दो राय नहीं कि उनके द्वारा शुरू की गई योजनाएं गरीबी, बिजली, स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लाने में सफल रही हैं। गरीबी को कम करने के लिए सरकार के प्रयासों ने लाखों परिवारों को इलाज के लिए कर्ज लेने से बचाया है और बिजली के क्षेत्र में सुधार ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली की आपूर्ति को सुधारा है। इसके साथ ही गरीबी को मापने के लिए नए सूचकांकों की शुरुआत ने सरकार को सही दिशा में ले जाने में मदद की है। बहरहाल अब सरकार को शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में अधिक ध्यान देना चाहिए। शिक्षा में नए और तकनीकी उपायों का प्रयोग करके हम युवाओं को रोजगार में सक्रिय कर सकते हैं। साथ ही कृषि और कृषि संबंधी उद्योगों में नवाचार को प्रोत्साहित करने से हम ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति को मजबूत कर सकते हैं। इससे हमें युवाओं को सक्रिय रूप से रोजगार में शामिल करने और ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद मिलेगी। ऐसा कर हम न केवल अपने विकास के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे, बल्कि भारत को एक आर्थिक शक्ति बनाने की दिशा में भी अग्रसर होंगे।

awanishg30@gmail.com

मेलबाक्स

मोदी की गारंटी पर विश्वास

राहुल वर्मा ने अपने आलेख 'मोदी की गारंटी वाला घोषणा पत्र'' में भाजपा के संकल्प पत्र के प्रमुख बिंदुओं के साथ विगत दस वर्षों की उन उपलब्धियों की पृष्ठभूमि में उज्ज्वल भविष्य का खाका खींचा है। लोक कल्याण के दायरे का विस्तार, जो कहा वो किया, सामाजिक, आर्थिक मोर्चे में तालमेल, विकसित भारत की परिकल्पना में निरंतरता संकल्प पत्र के केंद्र बिंदु हैं। अनुच्छेद-370, राम मंदिर निर्माण, नागरिकता संशोधन कानून से सरकार ने अपनी विचारधारा को गति प्रदान कर लोगों के विश्वास को प्रबल किया कि मोदी है तो मुमकिन है। एक देश एक चुनाव के क्रांतिकारी बदलाव की पृष्ठभूमि भी तैयार हो रही है। आर्थिक मोर्चे पर अपने तीसरे कार्यकाल में उनका संकल्प देश को दुनिया की तीसरी आर्थिकी के पायदान पर पहुंचाना है। संकल्प पत्र में भ्रष्टाचार पर प्रहार भी एक महत्वपूर्ण बिंदु है। जन कल्याण के दायरे का विस्तार, युवा शक्ति, महिलाओं, वंचितों, गरीबों, किसानों को महत्व, आयुष्मान योजना का विस्तार, 70 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के उपचार आदि की व्यवस्था भी संकल्प पत्र में है। उम्मीद है जनता के विश्वास पर संकल्प पत्र '400 के पार' ले जाने में सफल होगा।

कैलाश मेहरा, गुरुग्राम

धर्म है सेवा और सहयोग

पीड़ित मानवता की सेवा मानव की उदार भावनाओं का परिणाम है। यह मात्र नैतिक आचरण ही नहीं, धार्मिकता भी है। मानव के जन्म लेने के बाद जब तक वह जीवित रहता है, तब तक प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से हजारों व्यक्ति उसका सहयोग करते हैं। जन सहयोग से ही मानव जीवन का विकास होता है। लोक जीवन के इस उपकार का ऋण हम मानवता की सेवा करके ही उतार सकते हैं। हमारी संस्कृति सेवा की ही संस्कृति है। सेवा और जीव दया के हजारों प्रसंग हमारे इतिहास में भरे हैं। आज हम सेवा और सहयोग के मार्ग को त्याग कर निपट स्वार्थ में अंधे होकर जीने लगे हैं तो यह अपना सांस्कृतिक-आध्यात्मिक पतन है। धन संचय को जीवन का मौलिक लक्ष्य न बनाएं। अपने धन का पीड़ित मानवता की सेवा में उपयोग करने से न केवल धन का सदुपयोग होगा, अपितु आध्यात्मिक दृष्टि से पुण्योपार्जन का लाभ भी मिलेगा। पुण्य वे पवित्र कर्म हैं, जो जीवन को सुख, समृद्धि और शांति प्रदान करते हैं। समाज में फैली हुई अमीर-गरीब की खाई को धनिक व्यक्ति चाहें तो मिटा सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत, नई दिल्ली

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें :
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल : mailbox@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व.नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक-संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष : नई दिल्ली कार्यालय : 011-43166300, नोएडा कार्यालय : 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

****

600 अरब डालर का कारोबार है वार्षिक तौर पर आनलाइन विज्ञापन उद्योग का समूचे विश्व में, जिसमें गूगल के क्रोम ब्राउजर की सर्वाधिक हिस्सेदारी है।

कौशल किशोर
लोकनीति मामलों के जानकार

आजकल

भ्रामक विज्ञापनों के प्रति सजगता का मामला

इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की प्रतिबद्धता आजकल भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाने की है। ऐसा दावा हिमा कोहली और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह जैसे न्यायमूर्तियों की टिप्पणियों में निहित है। कायदे से देखा जाए तो प्रचार स्वयं में चीज ही ऐसी है जिसमें तथ्यों को अक्सर बढ़ा-चढ़ाकर ही प्रस्तुत किया जाता रहा है। ऐसे में किसी खास उत्पाद के विरुद्ध कार्रवाई किए जाने से पहले अन्य पहलुओं को भी समझा जाना चाहिए। अन्यथा इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि सीमित सजगता से भी नए सवाल पैदा होते हैं

विज्ञापनों में दर्शाए गए तथ्यों के प्रति निर्माताओं को संवेदनशील बनाने की न्यायपालिका की कवायद। फाइल

भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े कुछ मामले आजकल चर्चा में हैं। स्वनियमन के इस दौर में सेंसर बोर्ड जैसे पीठ की बकालत कोर्ट करती प्रतीत होती है। भ्रामक विज्ञापन से यदि देश को मुक्ति मिले तो निश्चय ही उल्लेखनीय उपलब्धि होगी। एड्स ठीक करने का दावा करने वालों और गुप्त रोगों का शर्तिया इलाज करने वालों के विज्ञापन देखने को भी नहीं मिलेंगे। चुटकी बजाते ही सिर दर्द व दूसरी तकलीफ दूर करने वाली गोलियों का क्या होगा? विज्ञापन के बेलगाम व्यापार को नियंत्रित करने से समाचार पत्र प्रकाशित करने वालों की मुश्किल बढ़ेगी।

उच्चतम न्यायालय के प्रमुख रहे जस्टिस ललित और जस्टिस बोबडे ही नहीं, बल्कि जस्टिस गोगोई भी इससे आहत हुए होंगे। बखिया उधेड़ देने और चीर के रख देने जैसी टिप्पणी करने वाले न्यायमूर्ति वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण को प्रसन्न कर सकते हैं। पटना हाई कोर्ट से पिछले साल फरवरी में सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अमानुल्लाह को आज नैतिकता का पाठ पढ़ाने के लिए देश के कई पूर्व सीजेआइ और सहयोगी न्यायमूर्ति सुझाव दे रहे हैं। वर्ष 1992 के कृष्णा स्वामी बनाम यूनियन आफ इंडिया और 1995 में सी. रविचंद्रन अय्यर बनाम जस्टिस एएम भट्टाचार्जी मामले का अवलोकन करने का सुझाव दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट की गरिमा का ध्यान कैसे रखा जाए, इसी उद्देश्य से। साथ ही सवाल खड़ा होता है कि इसमें न्यायालय की अवमानना कौन और क्यों कर रहा है?

न्यायालय की अवमानना के इस मुकदमे में पीठ के सामने नतमस्तक खड़े होकर बिना किसी शर्त के क्षमा याचना करने पर संदेह खड़ा है। सहसा यकीन ही नहीं होता है कि पिछली सदी के अंतिम दशक में हरिद्वार न्यायालय के परिसर में एक वकील का सिर लकड़ी की पादुका से फोड़ने वाले धैर्य धारण कर बैठे। वाल्मीकि रामायण के ऋषि विश्वामित्र की याद आती है। यह राम का देश है।

न्याय के सर्वोच्च पीठ पर बैठे न्यायमूर्ति भगवाधारी संत के साथ दुर्जनों के लिए प्रयुक्त भाषा बोल कर अपनी पहचान उजागर कर देते हैं। बिना दोष सिद्ध हुए ही सजा देने की धमकी देते हैं। औषधालय बंद करने की धौंस दिखाते हुए ट्रायल कोर्ट के कार्य क्षेत्र का अधिग्रहण करते हैं। परोक्ष रूप से एलोपैथिक दवाई की आलोचना पर रोक लगाने और इनके साइड इफेक्ट्स पर जारी बहस खत्म करने का अच्छा प्रयास है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर : हिंदू-मुस्लिम की इस राजनीति पर आगे बढ़ने से पहले अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी तीन बातें ध्यान में रखना चाहिए। हमास और इजरायल के बीच गाजा पट्टी कब्जाने के लिए जंग जारी है। इसका ईरान, सऊदी अरब और कतर ही नहीं, बल्कि रूस, यूरोप, चीन, अमेरिका और भारत पर भी दुष्प्रभाव पड़ता है। दूसरी बात, हाल ही में कतर की जेल में बंद पूर्व भारतीय नौ सैनिकों की वापसी सुनिश्चित हुई है। वहीं दूसरी ओर, मोहम्मद बिन सलमान के नेतृत्व वाली सऊदी अरब के लगभग पांच लाख हिंदुओं के हित में मंदिर का उद्घाटन हुआ है। ईद के अवसर पर कई मंत्री वहां फिर उपस्थित हुए। सऊदी अरब ने कट्टर इस्लाम का लबादा पीछे छोड़ दिया है। आम भारतीय मुस्लिम भी इसे समझने लगे हैं। सिर तन से जुदा करने वाली शक्ति का उदय नष्ट होने के लिए ही होता है। आज इसे समझने वाले भारत में कम नहीं हैं।

तर्कसंगत समाधान : अब बात फिर से विज्ञापन के उस मुकदमे की करते हैं जिसका तर्कसंगत समाधान तक पहुंच पाना आसान नहीं दिखता है। एलोपैथी को आगे बढ़ाने वाली संस्था सुप्रीम कोर्ट पर आयुर्वेदिक औषधियों का विज्ञापन सेंसर करने की जिम्मेदारी सौंपती है। मेडिसिन के साइड इफेक्ट्स को छिपा कर रोग छूमंतर करने के विज्ञापन एवं एड्स ठीक करने वाले पादरियों के पाखंड को दूर किए बिना क्या उन्हें ऐसा करने का नैतिक अधिकार है? आज शर्तिया इलाज करने वाले हकीमों के दावों पर चुप्पी साधने वाले न्यायमूर्ति की नैतिकता पर भी सवाल खड़ा है। सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्तियों ने भी इस पर सवाल खड़ा किया है। अपराधियों को कठघरे में खड़ा करने वाले कोर्ट को ही कठघरे में खड़ा कर बैठे। यह 'इमरजेंसी' में मौलिक अधिकारों का हरण करने वाले फैसले की याद दिलाती है।

नैतिकता को भूलने की राजनीति : राजनीति में नैतिकता का पाठ पढ़ाने आए एक नेताजी आज मुख्यमंत्री की कुर्सी से चिपक कर बेशर्मी की सारी हदें लांघ चुके हैं। निर्लज्जता के इस दौर की सभ्यता की पहचान विज्ञापन खूब कराती है। पीठासीन महिला तो संन्यासी की खिंचाई से खुश हुईं। जबकि दूसरी ओर उन्हें यह दिखाई नहीं देता है कि विज्ञापनों में आधुनिक महिला की छवि आदिम युग की तरह वस्त्रविहीन है। इस युग में अवमानना की बात करने वाले नैतिकता को भूलने की राजनीति करते हैं। महज कुछ माह पहले की ही बात है जब सुप्रीम कोर्ट पर कीचड़ उछालने के दोषी एक वरिष्ठ वकील ने माफी मांगने से इन्कार कर दिया था। उनकी गलती पर सबक सिखाने के लिए महज एक रुपया का जुर्माना लगाया गया और इसे चुकाने के लिए 15 दिनों की मोहलत देने वाले स्वयं ही कांप रहे थे।

ऐसे में भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगा कर ही यह मुकदमा युक्तिसंगत समाधान तक पहुंच सकता है। यदि ऐसा नहीं होता है तो यह चुनाव के मौसम में धुव्रीकरण की राजनीति ही साबित होगी। इसका साइड इफेक्ट भी अनुमान से परे नहीं है। विज्ञापन को पूरी तरह बंद करने के बाद भी पतंजलि आयुर्वेद और दिव्य योग फार्मेसी के उत्पादों की मांग बढ़ेगी। स्वदेशी बाजार में ही नहीं, ईसाइयत एवं इस्लाम के पैरोकार देशों में भी इनकी खपत बढ़ने वाली है।

इंटरनेट विज्ञापनों की दुनिया में निजता

मुकुल श्रीवास्तव
प्रोफेसर, लखनऊ विश्वविद्यालय

भारत में टीवी और रेडियो की शुरुआत सूचना एवं मनोरंजन से हुई थी, लेकिन जल्दी ही विज्ञापनों के जरिये इनका आर्थिक दोहन भी शुरू हो गया। धीरे-धीरे विज्ञापन रेडियो और टीवी का अभिन्न अंग बन गए, जिनके बगैर इन माध्यमों की कल्पना करना भी मुश्किल हो गया। कुछ ऐसी कहानी इंटरनेट के साथ भी हुई, लेकिन यहां विज्ञापनों के साथ कुछ अलग तरह के खतरे भी आए। इंटरनेट का उपयोग केवल सूचनाओं और मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह बहुत निजी माध्यम बन गया और इसमें सबसे बड़ा मुद्दा उपभोक्ताओं की निजता का भी है। इंटरनेट की किसी सेवा तक अपनी पहुंच बनाने के लिए वेब ब्राउजर की जरूरत होती है। वेब ब्राउजर पर आप क्या कर रहे होते हैं इसका पता उन्हें रहता है। यहीं से डाटा महत्वपूर्ण हो जाता है। यदि किसी विज्ञापनदाता को यह पता चल जाए कि आप क्या चीज खोज रहे हैं तो उसे अपने उत्पाद को बेचना आसान हो जाएगा। इस समय गूगल का क्रोम ब्राउजर सबसे बड़ा ब्राउजर है, लेकिन उपभोक्ताओं की निजता के बढ़ते दबाव के चलते गूगल ने एक सीमित परीक्षण शुरू किया है, जिसमें वह अपने क्रोम ब्राउजर का उपयोग करने वाले एक प्रतिशत लोगों के लिए थर्ड पार्टी कुकीज को प्रतिबंधित करेगा। मालूम हो कि क्रोम ब्राउजर दुनिया में सर्वाधिक लोकप्रिय ब्राउजर है। गूगल का इरादा है कि इस वर्ष के अंत तक वह सभी क्रोम यूजर्स के लिए थर्ड पार्टी कुकीज को समाप्त कर देगा। विश्व के 600 अरब डालर वार्षिक आनलाइन विज्ञापन उद्योग के इतिहास में यह बड़े बदलावों में से एक होगा।

वर्तमान में गूगल द्वारा थर्ड पार्टी कुकीज का सपोर्ट बंद किया जा रहा जिससे आनलाइन विज्ञापन बाजार मे बड़ी हलचल मची हुई है। इस हलचल को समझने के लिए यह समझना होगा कि इन कुकीज की उपयोगिता क्या है? प्रमुखता कुकीज आनलाइन वेबसाइट पर हमारी गतिविधियां ट्रैक करती हैं और उन्हें कुकीज देने वाली वेबसाइट को अवगत कराती हैं। अब प्रश्न यह है कि फिर थर्ड पार्टी कूकीज बंद होने पर इतना हंगामा क्यों हो रहा, तो उसका कारण यह है कि थर्ड पार्टी कूकीज प्रायः वेबसाइट सेवा प्रदाता के अनुबंध के कारण किसी अन्य सेवा प्रदाता के द्वारा प्रदान की जाती है, जो हमारे अनुभव से इतर ये रिकार्ड करती हैं कि हम वेबसाइट या आनलाइन क्या कर रहे हैं। जैसे किसी ने गूगल पर कपड़े सर्च किए और उसके बाद जब वह किसी अन्य वेबसाइट पर जाता है तो वहां उसे कपड़े के विज्ञापन दिखने लगते हैं जो थर्ड पार्टी कुकीज द्वारा दी गई सूचना के कारण होता है। लोग अपनी निजता के प्रति बहुत जागरूक हुए हैं और इसी को ध्यान में रखते हुए एवं उपभोक्ताओं कि मांग का सम्मान करते हुए गूगल ने थर्ड पार्टी कुकीज का प्रयोग चरणबद्ध तरीके से बंद करना शुरू कर दिया है। इसका असर अनेक कंपनियों पर पड़ रहा है जो उपभोक्ता सूचना व विज्ञापन के क्षेत्र में काम कर रही हैं।

वस्तुतः गूगल ने 2020 में इन्हें क्रोम से हटाने की योजना बनाई, लेकिन विज्ञापन उद्योग एवं निजता से जुड़ी की चिंताओं को दूर करने के लिए इस प्रक्रिया में कई बार देरी हुई। हालांकि उपभोक्ताओं की निजता के लिए यह कोई बहुत बड़ी राहत वाली बात नहीं है, क्योंकि अधिकतर सेवा प्रदाता कंपनियों अब एप के उपयोग को बढ़ावा दे रही हैं। इससे उन्हें ज्यादा सटीक और ज्यादा व्यक्तिगत सूचनाएं प्राप्त होंगी। दुनिया भर के देश गोपनीयता कानून अब कुकीज प्रयोग और उस पर सहमति संबंधी प्रविधान जोड़ रहे हैं, ताकि बिना सहमति के सूचनाएं साझा न हो सकें और गोपनीयता कायम रहे। गूगल का यह प्रयास निजी सूचना आधारित व्यवसायों पर न केवल दूरगामी प्रभाव डालेगा, बल्कि आनलाइन विज्ञापन के नए नए तरीकों को भी जन्म देगा।

खरी-खरी

दल-बदल

वसीम नगरामी

बड़े प्रसिद्ध हैं हमारे नेता जी खासकर दल बदलने के लिए। बुढ़ापा आ गया है, मगर दल बदलने की आदत अभी तक गई नहीं। दल बदलना उनके लिए कपड़े बदलने जैसा ही है। लंबे अरसे तक अगर उन्हें दल बदलने का कोई अवसर न मिले तो उनके पेट में मरोड़ उठने लगता है। और कई बार तो वे असहनीय पीड़ा का अनुभव करने लग जाते हैं तथा छटपटाहट उनके चेहरे पर साफ झलकने लगती है। दल-बदल शब्द से ही वे इतनी मोहब्बत करते हैं कि कहीं इसको लेकर कोई चर्चा-परिचर्चा हो रही हो तो सारे काम-काज छोड़कर वे उस चर्चा का हिस्सा बनने पहुंच जाते हैं।

इस संस्कृति को विलोपित करने के लिए जब भी प्रयास शुरू किए जाने की बात चली तो उन्होंने खुल कर विरोध जताया। न केवल विरोध जताया, बल्कि दल-बदल के अस्तित्व को कायम रखने के लिए तरह-तरह के प्रयास भी किए। यह नेता जी के बूते की ही बात है जो उन्होंने अभी तक दल-बदल के परचम को बुलंद कर रखा है तथा इसे लुप्तप्राय होने से बचाने के लिए ही वे आए दिन स्वतः दल-बदल करते रहते हैं। जब भी कोई परिस्थिति उनके दल-बदल के आड़े आने लगती है तो उनकी सेहत पर बन आती है। या यह कह लें कि दल-बदल में उनके प्राण बसते हैं तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी। वे दल-बदल की संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखना चाहते हैं। चाहे इसके लिए उन्हें कुछ भी क्यों न करना पड़े। उनका मानना है कि हर नेता को दल-बदल करने का अनुभव प्राप्त कर ही लेना चाहिए, क्योंकि सियासत के अन्य अनुभवों में यह एक मात्र ऐसा अनुभव है जिसकी कभी न कभी जरूरत पड़ती ही है।

हमारे नेताजी दल-बदल के शुरू से ही पक्षधर रहे हैं। उनका कहना है कि सियासी दलों के दमघोंटू माहौल से मुक्ति का यह एक प्रमुख सोपान है। हमें इसे पुष्पित पल्लवित करते रहना चाहिए। नेताजी अब तक कितने सियासी दल बदल चुके हैं, उन्हें भी याद नहीं। लेकिन इतना वे गर्व से कहते हैं कि अंतिम सांसों तक वे इस परंपरा की रक्षा करते रहेंगे। क्योंकि नेता जी का कहना है कि दल-बदल हम पर फिदा और हम फिदा-ए दल-बदल।

X पोस्ट

इजरायल का एयर डिफेंस अद्भुत है। इसीलिए ईरान के हवाई हमले से ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। सवाल यह है कि इजरायल पलटवार करेगा, तो क्या होगा?
अभिषेक उपाध्याय@upadhyayabhii

कुछ दिन पहले जर्मनी की सरकार भारत में लोकतंत्र को लेकर चिंता व्यक्त कर रही थी, जबकि इस समय जर्मनी में सभाएं-रैलियां करना तक मुश्किल हो गया है। कुछ यही हाल पश्चिम के कई अन्य देशों में होता जा रहा है। प्रकाश के. रे@pkray11

राजनाथ सिंह ने कहा कि आपातकाल के दौरान उन्हें अपनी माताजी के अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति नहीं मिली। असल में भूलने की बीमारी ने देश का बड़ा नुकसान किया है। देश को भारत विभाजन और आपातकाल कभी नहीं भूलना चाहिए। अगली पीढ़ियों को इस बारे में विस्तार से जानकारियां दी जानी चाहिए।
रंगनाथ सिंह@rangnathsingh_

रोहित शर्मा की शानदार बल्लेबाजी के बावजूद मुंबई इंडियंस मैच हार गई। हार्दिक ने चेन्नई की जीत का श्रेय भले ही धौनी को दिया हो, पर कप्तान के रूप में उन्हें अपने प्रदर्शन की समीक्षा भी करनी होगी। मुंबई के लिए आगे की राह दुर्गम हो रही है।
सुशील दोशी@RealSushilDoshi

जागरण जनमत कल का परिणाम

क्या आप इजरायल पर ईरान के हमले के फलस्वरूप पश्चिम एशिया को बड़ी अशांति की ओर बढ़ते देख रहे हैं?

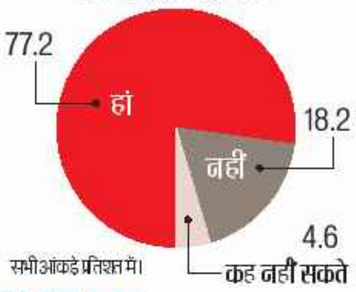

सभी आंकड़े प्रतिशत में।

आज का सवाल

पूर्व न्यायाधीशों का कहना सही है कि न्यायपालिका को दबाव में लेने की कोशिश हो रही है?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है।

जनपथ

इजरायल पर दाग कर गोला-बम ईरान,
समझ रहा है स्वयं को सबसे बड़का डान।
सबसे बड़का डान उठे अब यदि अमरीका,
घूमेगा ईरान लिए तब चेहरा फीका।
खाकर गहरी चोट शेर जब होता घायल,
समझो वैसा आज हो चुका है इजरायल।
- ओमप्रकाश तिवारी

जयकृष्ण वाजपेयी
राज्य ब्यूरो प्रमुख, बंगाल

बंगाल डायरी

तृणमूल नेताओं की चुनौती, दावे और धमकी

लोकसभा चुनाव की घोषणा के बाद से राजनीतिक पार्टियां अपने-अपने हिसाब से प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ रणनीति से लेकर मुद्दे बना रही हैं और उन्हें धार देकर हमला बोल रही हैं। इधर, बंगाल में मुद्दे ही नहीं, राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से लेकर प्रत्याशियों तक ने लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने और विपक्षी दल भाजपा के खिलाफ माहौल बनाने के लिए चुनौती, दावे और धमकियों वाली राजनीति तेज कर दी है। यही नहीं, तृणमूल के रणनीतिकार येन-केन-प्रकारेण भाजपा को बंगाल विरोधी साबित करने के लिए कभी चुनौती तो कभी दावे को हथियार बनाकर इंटरनेट मीडिया से लेकर अन्य प्लेटफार्मों पर अभियान चला रहे हैं।

धमकी, दावे और चुनौती केवल जिला स्तर के नेता व प्रत्याशी नहीं दे रहे हैं, बल्कि मुख्यमंत्री व तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी से लेकर उनकी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व भतीजे अभिषेक बनर्जी भी दे रहे हैं। चुनौती वाली राजनीति की शुरुआत बीते माह लोकसभा चुनाव की घोषणा के दो-तीन दिनों बाद ही अभिषेक बनर्जी ने शुरू कर दी थी। उन्होंने सौ दिनी रोजगार, प्रधानमंत्री आवास योजना समेत अन्य केंद्रीय योजनाओं के फंड रोके जाने के लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार से लेकर अन्य नेताओं को चुनौती दी कि केंद्र सरकार से मिले फंड और बकाया को लेकर उनके साथ लोगों के सामने सभा मंच पर डिबेट करें। यही नहीं, उनकी पार्टी और नेताओं की ओर से इंटरनेट मीडिया पर लगातार वीडियो से लेकर संदेश पोस्ट किए जाने लगे कि चुनौती दिए 100 घंटे बीत गए, 200 घंटे बीत गए, 250 घंटे बीत गए हैं, लेकिन भाजपा नेताओं में हिम्मत नहीं है कि उनकी चुनौती को स्वीकार करें। वे डिबेट से डर रहे हैं, आदि-आदि। यह सब अभी चल ही रहा था कि चुनाव प्रचार के दौरान अभिषेक ने

तृणमूल कांग्रेस का चुनाव चिह्न। प्रतीकात्मक

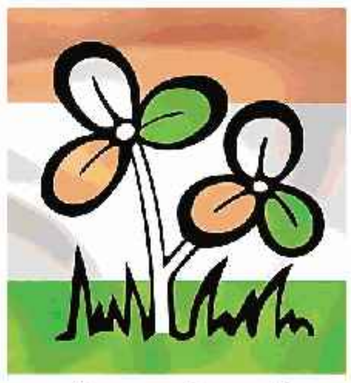

शहरी निकाय, पंचायतों के पार्टी नेताओं व जनप्रतिनिधियों को धमकी दी कि अगर इस बार लोकसभा चुनाव में अपने-अपने वार्डों और बूथों पर तृणमूल प्रत्याशियों को वोटों में बढ़त नहीं दिलाई तो उन सबकी कुर्सी छीन जाएगी। इसके बाद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी कहां पीछे रहने वाली थीं, उन्होंने तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को ही चुनौती दे दी।

दरअसल, पीएम मोदी और गृहमंत्री शाह ने कुछ दिन पहले उत्तर बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान कहा था कि नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) को लेकर ममता दीदी लोगों को गुमराह कर रही हैं, झूठ बोल रही हैं। इसी मुद्दे पर तृणमूल सुप्रीमो ने पिछले शुक्रवार को मोदी-शाह का नाम लिए बिना कहा, 'आइए मेरे साथ किसी टीवी डिबेट में बैठिए। आमने-सामने चर्चा होगी। इसके बाद जनता तय करेगी कि किसने झूठ बोला है।' इसी अंदाज में अभिषेक ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष को चुनौती दी थी। अब ममता ने केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को चुनौती दी है। यही नहीं, तृणमूल सुप्रीमो ने तो धमकी भी दे डाली कि मतदान केंद्रों पर जुल्म-अत्याचार हुए तो वहां माताओं-बहनों को बैठा देंगे।' इसके अगले दिन ममता ने दावा किया, 'आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 200 सीट भी नहीं जीतेगी। मोदी की गारंटी झूठी है।' कूचबिहार की चुनावी सभा से तो ममता ने पुलिस अधिकारियों को भी धमकी दी। उन्होंने कहा, 'उन्हें जानकारी है कि कूचबिहार के तीन-चार पुलिस अधिकारी ठीक से काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी और केंद्रीय गृह राज्य मंत्री निशिथ प्रमाणिक पर आरोप लगाया कि वे सरकारी बाइक फोर्स के साथ इलाके में आतंक फैला रहे हैं और पुलिस प्रशासन कार्रवाई नहीं कर रहा है।' ममता ने कहा, 'प्रशासन सब कुछ देखकर भी चुपचाप बैठा है। मैं पूछती हूं, किसका डर है? नौकरी जाएगी? चुनाव आयोग हटा देगा? दो माह बाद तो आयोग नहीं रहेगा, फिर क्या होगा?' ममता ने पुलिस अधिकारियों से सीधे कहा, 'या तो दिल्ली चले जाएं या निशिथ के घर जाएं। फिर आपको कानून व्यवस्था नहीं संभालनी होगी।'

ममता स्वयं राज्य की गृह मंत्री भी हैं, लेकिन इस समय कानून व्यवस्था उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं है, क्योंकि चुनाव की घोषणा के बाद से सब कुछ आयोग के अधीन है। असल में ममता ने पुलिस के एक वर्ग को यह संदेश देने की कोशिश की है कि दो महीने बाद जब आयोग के पास कानून-व्यवस्था नहीं रहेगी, तो वे ही सब कुछ देखेंगी। यानी वह अधिकारियों को संदेश दे रही हैं कि उन्हें चुनाव के दौरान क्या करना है। वैसे भी बंगाल पुलिस की निष्पक्षता पर अभी दो दिन पहले ही हाई कोर्ट में प्रश्न उठे हैं। जब मुख्यमंत्री व पार्टी सुप्रीमो से लेकर सेकेंड-इन-कमान कहे जाने वाले अभिषेक धमकियां और चेतावनी देंगे तो स्थिति क्या है, समझा जा सकता है। ऐसे में बालुरघाट लोकसभा क्षेत्र के तृणमूल उम्मीदवार बिप्लब मित्रा भी कहां पीछे रहने वाले थे। उन्होंने तो पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं की बैठक में साफ कहा कि जिस वार्ड व क्षेत्र से उन्हें वोट में 'लीड' कम मिलेगा, उस क्षेत्र के पार्टी पदाधिकारी की कुर्सी चली जाएगी। तृणमूल के शीर्ष नेताओं की इन धमकियों, दावों और चेतावनी को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व प्रत्याशी सुकांत मजूमदार का कहना है, 'यह सब चुनाव में हिंसा और गड़बड़ी कराने का प्रयास है। साथ ही तृणमूल नेतृत्व में हार का डर भी दिख रहा है।'

मंथन

राजेंद्र प्रसाद शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

नेतृत्व के प्रति संतुष्टि का भाव

राष्ट्राध्यक्ष यदि दृढ़ निर्णय लेने वाला हो तो अधिकांश जनता उसे पसंद करती है। भारत के मामले में अभी ऐसा देखने में आ रहा है, जो देश में लोकतंत्र के प्रति संतुष्टि भाव को दर्शाता है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की देश भर में है सर्वाधिक लोकप्रियता। फाइल

अमेरिकी थिंक टैंक 'प्यू रिसर्च' की लोकतांत्रिक देशों को लेकर हालिया रिपोर्ट हमारे देश के संदर्भ में इस मायने में चौंकाने वाली है कि देशवासियों को डेमोक्रेसी का आटोक्रेसी माडल अधिक लुभा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार लोकतांत्रिक सरकार की कार्य व्यवस्था को लेकर विश्व में सर्वाधिक संतुष्ट नागरिक स्वीडन में हैं, जिसके बाद भारत का ही स्थान है। स्वीडन में जहां 75 प्रतिशत लोग वहां लोकतांत्रिक सरकार के काम करने के तौर तरीके से संतुष्ट हैं, वहीं भारत में 72 प्रतिशत लोग इसे पसंद करते हैं।

इस साल विश्व के लगभग 50 देशों में चुनाव हो रहे हैं। इस मायने में प्यू रिसर्च द्वारा लोकतांत्रिक व्यवस्था को लेकर 24 देशों में किया गया सर्वे खास महत्व रखता है। सर्वे में शामिल देशों में केवल 33 प्रतिशत अमेरिकी ही वहां की लोकतांत्रिक सरकार के कार्य करने की व्यवस्था को लेकर संतुष्ट हैं। सबसे चौंकाने वाला तथ्य यह है कि वैसे तो दुनिया के अधिकांश देशों की आम जनता दृढ़ निर्णय करने वाले नेता को अधिक पसंद करने लगी है, परंतु हमारे देश के संदर्भ में महत्वपूर्ण यह है कि 2017 में जहां 55 प्रतिशत देशवासी आटोक्रेसी को पसंद करते थे, वहीं उसका ग्राफ तेजी से बढ़ा है और आज 67 प्रतिशत लोगों को आटोक्रेसी या कहें कि अधिनायकवादी नेता पर अधिक विश्वास है।

दृढ़ निर्णय लेने वाले नेता : वस्तुतः लोग निर्णय लेने वाले नेता को पसंद करते हैं। कुछ करने का जज्बा ही देशवासी नेता में खोजते हैं। विपक्ष के आरोप और एकजुटता के बावजूद नरेन्द्र मोदी पिछले वर्ष 2014 से जनता की पसंद बने हुए हैं और यह चुनाव भी उसी दिशा में बढ़ता लग रहा है। विपक्षी दल मुद्दे बनाने के प्रयास करते हैं, पर वही मुद्दे सेल्फ गोल में परिवर्तित होने लगते हैं। हालिया इलेक्शन बांड वाले मसले को लेकर जिस तरह से भाजपा को घेरने का प्रयास किया गया, वह अभी तक तो सिरे नहीं चढ़ता नहीं नजर आ रहा हैं, पर समझने वाली एक महत्वपूर्ण बात यह हो जाती है कि चंदा देने वाले कौन हैं? साफ है पैसे वाले अमीर लोग। इलेक्शन बांड में पैसा तो अमीर लोगों से आ रहा है और उनका प्रतिशत इतना नहीं है कि वह चुनाव परिणाम को प्रभावित कर सके। ठीक इसके विपरीत सत्तारुढ़ दल को गरीब आम मतदाताओं का समर्थन प्राप्त है।

जहां तक लोकतंत्र के आटोक्रेसी माडल की बात है तो आज नरेन्द्र मोदी पर विपक्ष यह आरोप खुलेआम लगाता आ रहा है। पर विगत के पन्ने खोलें तो नरेन्द्र मोदी का गुजरात माडल ही उन्हें केंद्र की सत्ता दिलाने में सहायक रहा है। दरअसल देश को हमेशा सख्त मिजाज मजबूत नेता की आवश्यकता महसूस होती रही है। किसी भी दल से सख्त मिजाज नेता सामने आया है तो आमजन ने उसे हाथोंहाथ लिया है। यही बात नरेन्द्र मोदी के पक्ष में जाती है कि अनेक विपक्षी दल उन पर न जाने कितने तरह के आरोप लगाते हैं, पर 2014 और 2019 के चुनाव परिणाम मोदी के पक्ष में रहे हैं। अनुच्छेद 370 के निरस्त किए जाने से लेकर अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण और पाकिस्तान पर सर्जिकल स्ट्राइक जैसे बोल्ड निर्णय और विदेशी नेताओं के बीच बास की भूमिका को देशवासी अपना गौरव समझने लगे हैं।

दरअसल डेमोक्रेसी के नए रूप आटोक्रेसी में चुनाव एक ही चेहरा-एक ही नाम पर लड़ा जाता है। 18वीं लोकसभा के लिए हो रहे चुनावों में भी यही हालात है। कहा भले ही यह जा रहा है कि वर्तमान आम चुनाव की दशा-दिशा नरेन्द्र मोदी के अलावा राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, शरद पवार, एमके स्टालिन, तेजस्वी यादव, असदुद्दीन औवेसी आदि तय करने वाले हैं, पर जमीनी हकीकत यह है कि 2024 चुनाव में एक ही चेहरा-एक ही नाम नरेन्द्र मोदी ही हैं।

पहले चरण में होने वाले मतदान की तिथि भी नजदीक आ गई है। अब यह तो भविष्य के गर्भ में छिपा है कि जनता किसे सत्ता की चाबी सौंपती है, परंतु यह साफ है कि जनता लोकतंत्र के अधिनायकवादी माडल को ही पसंद करती है। राजनीतिक दलों को यह समझ लेना होगा कि आमजन को मुखर व दृढ़ निर्णय लेने की क्षमता वाला नेता चाहिए और सत्ता में आना है तो आमजन तक यह संदेश जाना जरूरी है। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि लोगों ने आटोक्रेसी यानी अधिनायकवाद को नहीं, अपितु लोकतंत्र के अधिनायकवादी माडल को पसंद किया है। देश के 72 प्रतिशत लोगों को लोकतांत्रिक सरकार के कार्य करने के तरीकों और एक ही चेहरा-एक ही नाम को पसंद करना डेमोक्रेसी का आटोक्रेसी माडल है।

****

रोज वैली समूह की 22 संपत्तियां नीलाम करेगा सेबी

नई दिल्ली : कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी ने सोमवार को कहा कि 20 मई को रोज वैली समूह की 22 संपत्तियों की नीलामी की जाएगी। इन संपत्तियों का आरक्षित मूल्य 8.6 करोड़ रुपये रखा गया है। अवैध योजनाओं के जरिये निवेशकों से जुटाई गई रकम की वसूली के लिए संपत्तियों की नीलामी की जा रही। सेबी ने बताया कि जिन संपत्तियों की नीलामी की जाएगी, उनमें बंगाल में स्थित फ्लैट और आफिस स्पेस शामिल है। (प्रेट्र)

वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान हमने प्लेसमेंट के जरिये रिकार्ड 55 हजार लोगों को नौकरी दिलाई है। इसमें नई नौकरी, पेशे में बदलाव और पदोन्नति शामिल है।
—मयंक कुमार, सह-संस्थापक, अपग्रेड

सेंसेक्स	73,399.78 ▼ 845.12	निफ्टी	22,272.50 ▼ 246.90	सोना प्रति दस ग्राम	₹73,050 ▲ ₹300	चांदी प्रति किलोग्राम	₹85,700 ▲ ₹500	डालर	₹83.44 ▲ ₹0.06	क्रूड (बैंट) प्रति बैरल	$ 89.51

एक नजर में

ओला ने अपने प्रवेश-स्तरीय स्कूटर का मूल्य घटाया

नई दिल्ली : ओला इलेक्ट्रिक ने अपने प्रवेश-स्तरीय स्कूटर एस1 एक्स के मूल्य में पांच से 10 हजार रुपये तक की कटौती की है। ओला ने फरवरी 2024 में इस स्कूटर को 79,999 रुपये से 1,09,999 रुपये मूल्य के तीन वैरिएंट में लांच किया था। एक वर्चुअल संबोधन में कंपनी के मुख्य विपणन अधिकारी अंशुल खंडेलवाल ने कहा कि यह कटौती तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है और डिलिवरी अगले सप्ताह शुरू हो सकती है। (प्रेट्र)

वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में उतरेगी जियो फाइनेंशियल

मुंबई : रिलायंस समूह की वित्तीय कंपनी जियो फाइनेंशियल सर्विसेज अब वेल्थ मैनेजमेंट एंड ब्रोकिंग कारोबार में उतरने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने सोमवार को बताया कि इसके लिए उसने अमेरिकी कंपनी ब्लैकराक इंक के साथ एक संयुक्त उद्यम बनाया है। एक रिपोर्ट के अनुसार, देश के संपत्ति प्रबंधक उच्च नेट वर्थ वालों के करीब 1.2 ट्रिलियन डालर का प्रबंधन करते हैं। (रायटर)

चालू सीजन में चीनी निर्यात की कोई संभावना नहीं

नई दिल्ली : केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा कि चालू सीजन 2023-24 में चीनी निर्यात के लिए मंजूरी देने की कोई संभावना नहीं है। अभी चीनी के निर्यात पर अनिश्चितकाल के लिए प्रतिबंध लगा हुआ है। हालांकि, इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) ने बेहतर उत्पादन को देखते हुए सरकार से चालू सीजन में 10 लाख टन चीनी का निर्यात करने की मंजूरी मांगी है। (प्रेट्र)

वोडाफोन की 5जी सेवा की शुरुआत 6-9 महीने में संभव

नई दिल्ली : वोडाफोन आइडिया ने सोमवार को उम्मीद जताई कि फालो-आन पब्लिक आफर (एफपीओ) समाप्त होने के बाद 6-9 महीने में 5जी सेवा शुरू हो सकती है। कंपनी के सीईओ अक्षय मुंद्रा ने कहा कि एफपीओ के जरिये पैसा जुटाने के उद्देश्यों में 5जी सेवा शुरू करना प्रमुख है। उन्होंने कहा कि 5जी सेवा के लिए 5,720 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। (प्रेट्र)

शेयर, मुद्रा बाजार में वैश्विक अनिश्चितता का असर

845 अंक गिरकर 73,400 पर बंद हुआ बीएसई सेंसेक्स, डालर के मुकाबले रुपया छह पैसे टूटा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : ईरान की तरफ से रविवार को इजरायल पर किए गए हमले का असर सोमवार को दुनिया के तमाम शेयर और वित्तीय बाजारों के साथ भारतीय बाजारों पर दिखा। सोमवार को घरेलू शेयर बाजारों के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गई। दूसरा ओर, मुद्रा बाजार में डालर के मुकाबले रुपये में छह पैसे की गिरावट देखी गई है। हालांकि, हालिया प्रदर्शन को देखते हुए रुपये में यह गिरावट आश्चर्यजनक नहीं है। वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट रही है जो अनुमान के विपरीत है। सोमवार को कच्चा तेल 0.94 प्रतिशत की गिरावट के साथ 89.60 डालर प्रति बैरल के स्तर पर रहा। कई एजेंसियां अभी भी यह अनुमान लगा रही हैं कि कच्चा तेल निकट भविष्य में 100 डालर के स्तर को पार कर सकता है।

बीएसई का मानक सूचकांक सेंसेक्स सोमवार को 845 अंक की गिरावट के साथ 73,400 के स्तर पर बंद हुआ। यह पिछले दो हफ्तों के दौरान सेंसेक्स का सबसे निचला स्तर है। दिनभर के कारोबार के दौरान सेंसेक्स में 929 अंक तक की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह एनएसई का निफ्टी 247 अंकों की गिरावट के साथ 22,723 अंक पर बंद हुआ। रिसर्च एजेंसी पांच पैसा डाट काम के शोध प्रमुख रुचित जैन का कहना है कि वैश्विक स्तर पर लगातार नकारात्मक खबरों का असर दिख रहा है। इसलिए तेल व गैस को छोड़कर बाजार के सभी सेक्टरों में गिरावट है। अभी अनिश्चितता बने रहने की संभावना है। ऐसे में बाहर से जो सूचनाएं आएंगी, उसका असर बाजार पर काफी रहेगा। मेहता इक्विटीज लिमिटेड के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट (रिसर्च) प्रशांथ तप्से का कहना है कि वैश्विक स्तर पर निवेशक डरे हुए हैं और वह मुनाफावसूली की कोशिश कर रहे हैं। वैश्विक तनाव बढ़ने से ब्याज दरों को लेकर भी अनिश्चितता पैदा हो गई है। आने वाले दिनों में इसका असर भी शेयर बाजार पर होगा। बाजारों में रही इस गिरावट से निवेशकों की संपत्ति में 5.18 लाख करोड़ रुपये की कमी आई है। अब बीएसई में सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण घटकर 394.48 लाख करोड़ रुपये रह गया है।

- इजरायल पर ईरान के हमले के बाद निवेशक मुनाफावसूली में जुटे
- विशेषज्ञ बोले-आने वाले दिनों में भी दिखेगा इस तनाव का प्रभाव

5.18 लाख करोड़ रुपये की कमी आई निवेशकों की संपत्ति में एक ही दिन में

जानकार बोले-रुपये में ज्यादा गिरावट की संभावना नहीं

मुद्रा बाजार की बात करें तो सोमवार को डालर के मुकाबले रुपया छह पैसे कमजोर होकर 83 .44 के स्तर पर बंद हुआ है। पिछले शुक्रवार को भी रुपया सात पैसे कमजोर हुआ था। बहरहाल, विशेषज्ञ इस गिरावट से चिंतित नहीं है और इससे ज्यादा भविष्य पर नजर बनाकर रखने की बात कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि भारतीय इकोनमी की बेहद मजबूत स्थिति, महंगाई का स्तर नीचे बने रहना और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट की वजह से भारतीय रुपये में बहुत गिरावट की संभावना नहीं है।

सोना और चांदी की कीमतों में रहा उछाल

अगर सराफा बाजार की बात करें तो वहां तेजी का माहौल है। जब भी वैश्विक अनिश्चितता होती है तो सोने की कीमतों में तेजी रहती है। सोमवार को सोने की कीमतों में 300 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी की कीमतों में 500 रुपये प्रति किलो की तेजी देखी गई है। सोने का भाव 73,050 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी 85,700 प्रति किग्रा पर बंद हुई। कामा ज्वेलरी के एमडी कोलिन शाह का कहना है कि सराफा बाजार में पहले से ही तेजी थी। अब ईरान-इजरायल विवाद की वजह से निवेशकों के लिए यह बाजार ज्यादा सुरक्षित होगा। जोखिम वाले निवेश विकल्पों से पैसा निकाल कर सराफा में निवेश किए जाने की संभावना है। फिलहाल सोने की कीमतों को लेकर कोई अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

सब्जियों व आलू-प्याज के मूल्य में वृद्धि से थोक महंगाई बढ़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र : सब्जियों, आलू, प्याज और कच्चे तेल के मूल्य में वृद्धि के कारण मार्च में थोक महंगाई में मामूली वृद्धि रही है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी डाटा के अनुसार, पिछले महीने थोक महंगाई दर 0.53 प्रतिशत रही है, जो इसी वर्ष फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी। थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआइ) आधारित महंगाई दर अप्रैल से अक्टूबर तक लगातार शून्य से नीचे बनी हुई थी। नवंबर में यह 0.26 प्रतिशत थी। दिसंबर, 2022 में यह 5.02 प्रतिशत के स्तर पर थी। मार्च 2023 में थोक महंगाई 1.41 प्रतिशत थी।

डाटा के अनुसार, पिछले महीने खाद्य वस्तुओं की महंगाई दर बढ़कर 6.88 प्रतिशत रही है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 5.42 प्रतिशत थी। इसी तरह सब्जियों की महंगाई दर 19.52 प्रतिशत रही है जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 2.39 प्रतिशत थी। पिछले महीने आलू की महंगाई दर 52.96 प्रतिशत रही है जो पिछले वर्ष मार्च में 25.59 प्रतिशत थी। इसी तरह प्याज की महंगाई दर 56.99 प्रतिशत रही है जो मार्च 2023 में शून्य से नीचे 36.83 प्रतिशत थी। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से इस साल मार्च में कच्चे पेट्रोलियम खंड में महंगाई दर 10.26 प्रतिशत रही है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च के वरिष्ठ निदेशक सुनील कुमार सिन्हा का कहना है कि खाद्य महंगाई में वृद्धि के प्रमुख कारण अनाजों के मूल्य में वृद्धि रही है। मार्च में अनाजों की थोक महंगाई 12 महीनों के उच्च स्तर नौ प्रतिशत पर रही है। बता दें कि मार्च में खुदरा महंगाई 4.85 प्रतिशत रही है।

0.53 प्रतिशत रही मार्च में थोक महंगाई दर जो फरवरी में 0.20 प्रतिशत थी

1.41 प्रतिशत थी पिछले वर्ष मार्च के दौरान थोक महंगाई की वृद्धि दर

एक अक्टूबर से लोन संबंधी सभी प्रमुख तथ्यों का विवरण दें बैंक

मुंबई, प्रेट्र : आरबीआइ ने सोमवार को सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को निर्देश दिया कि वे लोन लेने वाले खुदरा ग्राहकों और एमएसएमई को एक अक्टूबर से सभी प्रमुख तथ्यों का विवरण (केएफएस) उपलब्ध कराएं। इसमें लोन समझौता नियमों से लेकर ब्याज की लागत शामिल है। अभी वाणिज्यिक बैंकों, आरबीआइ रेगुलेटेड डिजिटल कर्ज देने वाली इकाइयां (आरई) और माइक्रोफाइनेंस कंपनियों से खुदरा लोन लेने वाले लोगों को प्रमुख तथ्यों का विवरण दिया जाना अनिवार्य है।

आरबीआइ ने कहा कि विभिन्न रेगुलेटेड इकाइयों की ओर से पेश किए जा रहे वित्तीय उत्पादों पर पारदर्शिता बढ़ाने और सूचना में भिन्नता को कम करने के लिए यह कदम उठाया गया है। केएफएस लोन समझौते के मुख्य तथ्यों का एक विवरण है जिससे समझौते को सरल और आसान भाषा में समझा जा सकता है। इसे लोन लेने वालों को एक मानक रूप में प्रदान किया जाता है।

- आरबीआइ ने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों को दिया निर्देश
- क्रेडिट कार्ड पर लागू नहीं होंगे केंद्रीय बैंक के नए नियम

आरबीआइ ने कहा है कि सभी वित्तीय संस्थानों को इन नियमों का पालन करने के लिए आवश्यक प्रणाली और लागू करने के संबंध में गाइडलाइंस जल्द लागू करनी होंगी। नए नियम एक अक्टूबर के बाद लिए जाने वाले सभी नए और मौजूदा ग्राहकों की ओर से लिए जाने वाले लोन पर लागू होंगे। आरबीआइ का कहना है कि थर्ड पार्टी सेवा प्रदाता के पक्ष में लिए जाने वाले किसी भी शुल्क की सूचना भी अलग से दी जाए। यह नियम क्रेडिट कार्ड पर लागू नहीं होंगे।

बायजूस के अधिकांश शेयरधारकों ने शेयर पूंजी बढ़ाने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, प्रेट्र : दिग्गज एडटेक फर्म बायजूस के अधिकांश शेयरधारकों ने राइट्स इश्यू के जरिये जुटाए गए 20 करोड़ डालर का इस्तेमाल करने के लिए शेयर पूंजी बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। इसी वर्ष 29 मार्च को निवेशकों के एक समूह की ओर से बुलाई गई असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में इसका विरोध किया गया था।

कंपनी ने एक बयान में बताया कि 55 प्रतिशत शेयरधारकों ने शेयर पूंजी बढ़ाए जाने को मंजूरी दी है। अब बायजूस की पैरेंट कंपनी थिंक एंड लर्न प्राइवेट लिमिटेड राइट्स इश्यू की प्रक्रिया पूरी करने के लिए नए शेयर जारी कर सकेगी। साथ ही कंपनी को नकदी संकट से निपटने में मदद मिलेगी। वहीं, सोमवार को कंपनी के सीईओ अर्जुन मोहन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया। अब कंपनी के संस्थापक बायजू रविंद्रन दैनिक संचालन संभालेंगे।

बीते वित्त वर्ष में चुनौतियों के बावजूद रिकार्ड ऊंचाई पर निर्यात

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली : तमाम चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में देश का कुल निर्यात 776.68 अरब डालर का रहा जो अब तक का सर्वाधिक है। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल निर्यात 776.40 अरब डालर था। कुल निर्यात को नए मुकाम तक पहुंचाने में सेवा निर्यात का अहम योगदान रहा। 2023-24 में सेवा निर्यात 3.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 339.62 अरब डलर रहा है, जबकि वस्तु निर्यात 3.11 प्रतिशत घटकर 437 अरब डालर रहा है। बीते वित्त वर्ष में कुल आयात घटकर 854.80 अरब डालर रहा है जो 2022-23 में 898 अरब डालर का आयात किया गया था। आयात में कमी से कुल व्यापार घाटे में 30 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। वस्तु निर्यात में इलेक्ट्रानिक्स गुड्स, इंजीनियरिंग गुड्स, ड्रग्स व फार्मा, लौह अयस्क, यार्न व फैब्रिक, फल-सब्जी जैसे उत्पादों का प्रदर्शन बेहतर रहा है।

776.68 अरब डालर रहा कुल निर्यात वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान

3.11 प्रतिशत की गिरावट रही वस्तु निर्यात में वार्षिक आधार पर

मार्च में वस्तु निर्यात 0.67% घटा

आंकड़ों के मुताबिक, इस वर्ष मार्च में वस्तु निर्यात 41.6 अरब डालर रहा है जो पिछले वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 0.67 प्रतिशत कम है। इसी तरह मार्च में आयात भी घटकर 57.28 अरब डालर रहा है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 60.92 अरब डालर था। बीते वित्त वर्ष में प्रमुख निर्यात बाजार में अमेरिका, यूएई, ईयू, ब्रिटेन, सिंगापुर, मलेशिया, बांग्लादेश, नीदरलैंड, चीन व जर्मनी शामिल हैं।

वस्तुवार निर्यात में बढ़ोतरी

वस्तु	बढ़ोतरी (%में)
इलेक्ट्रानिक्स	23.64
ड्रग्स व फार्मा	9.67
यार्न व फैब्रिक	6.71
लौह अयस्क	117.74
फल व सब्जी	13.86
मसाला	12.30
सेरामिक उत्पाद	14.44

स्रोत: वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय

ने बताया कि गत वित्त वर्ष में यूक्रेन-रूस युद्ध, लाल सागर व्यवधान, पनामा रूट में दिक्कत के साथ वैश्विक स्तर पर मंदी के बावजूद हमने अब तक का रिकार्ड निर्यात किया। उन्होंने कहा कि वस्तु निर्यात में जरूर गिरावट हो रही है, लेकिन अब इसमें भी सकारात्मक बढ़ोतरी की ओर बढ़ रहे हैं। विश्व व्यापार संगठन व अन्य एजेंसियों ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक व्यापार गत वित्त वर्ष से अधिक रहने का अनुमान लगाया है जिसका फायदा भारत को भी मिलेगा। इसके अलावा भारत तेजी से नए बाजार की तलाश कर रहा है।

इजरायल-ईरान विवाद का निर्यात पर नहीं होगा असर

वाणिज्य सचिव सुनील बर्थवाल ने कहा है कि इजरायल-ईरान विवाद से भारत का निर्यात फिलहाल प्रभावित नहीं होगा। यह एक क्षेत्रीय विवाद है। उन्होंने कहा कि अगर विवाद लंबा चलता है तो निश्चित रूप से हम नीतिगत कदम उठाएंगे। वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय विवाद पर लगातार नजर रख रहा है। शिपिंग के साथ पेट्रोलियम मंत्रालय के साथ भी लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। विवाद की वजह से लाजिस्टिक लागत बढ़ने की आशंका है जिससे निर्यात लागत बढ़ जाएगी। पेट्रोलियम के लिए भारत आयात पर ही निर्भर करता है, इसलिए इसके आयात में हर रुकावट को लेकर नजर रखी जा रही है। फेडरेशन आफ इंडियन एक्सपोर्ट आर्गेनाइजेशंस के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने बताया कि इजरायल-ईरान विवाद से पहले से चले आ रहे लाल सागर का व्यवधान और बढ़ेगा, जिससे माल ढुलाई व बीमा लागत बढ़ेगी।

राष्ट्रीय फलक

एक माह से मुंबई में थे सलमान खान के घर पर फायरिंग करने वाले

मिड-डे, मुंबई

- लारेंस बिश्नोई के भाई अनमोल ने रची गोलीबारी की साजिश
- जिम्मेदारी लेने वाले फेसबुक पोस्ट का आइपी एड्रेस कनाडा में था

बालीवुड अभिनेता सलमान खान के घर पर फायरिंग मामले की जांच कर रहे क्राइम ब्रांच के अधिकारियों को पता चला है कि गोलीबारी करने वाले दोनों आरोपित पिछले एक महीने से मुंबई में थे। उन्होंने पनवेल में किराए का मकान ले रखा था। आरोपितों ने पनवेल में सलमान खान के फार्महाउस की रेकी करने के अलावा फायरिंग की साजिश रचने के लिए चार दिनों तक गैलेक्सी अपार्टमेंट के आसपास के इलाकों की भी तलाशी ली। बांद्रा स्थित गैलेक्सी अपार्टमेंट में ही सलमान खान का घर है।

पुलिस का कहना है कि गोलीबारी के पीछे आरोपितों का इरादा केवल सलमान खान को धमकी देना और प्रचार पाना था। अपराध शाखा ने यह भी पता लगा लिया है कि फायरिंग करने वाले दोनों आरोपित लारेंस बिश्नोई से जुड़े हुए हैं। लारेंस बिश्नोई फिलहाल तिहाड़ जेल में बंद है। क्राइम ब्रांच के सूत्रों ने मिड-डे को बताया कि सलमान खान ने पुलिस को सूचना दी है कि वह और उनके माता-पिता अपने-अपने कमरे में सो रहे थे। इसी दौरान फायरिंग हुई और बाडीगार्ड ने उन्हें नींद से जगाया।

अपराध शाखा के अधिकारियों का कहना है कि गोलीबारी की साजिश लारेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने रची थी। इस आपरेशन को शूटर रोहित गोदारा और अमेरिका में रह रहे एक अन्य गैंगस्टर ने अंजाम दिया। गोदारा ने फायरिंग के लिए दो शूटरों का इंतजाम किया। गोलीबारी के बाद अनमोल बिश्नोई ने एक फेसबुक अकाउंट बनाया और घटना की जिम्मेदारी लेते हुए एक पोस्ट लिखा। पुलिस को पता चला है कि फेसबुक पोस्ट का आइपी एड्रेस कनाडा में था। आरोपितों ने शुरू में पनवेल स्थित सलमान के फार्महाउस पर गोलीबारी की तैयारी की थी। लेकिन, जब उन्हें पता चला कि सलमान खान यहां बहुत कम आते हैं, तो फिर उन्होंने अपना इरादा बदल लिया। पुलिस ने घटना की जांच के लिए एक दर्जन से अधिक टीमें गठित की हैं। उनमें से कुछ को बिहार, राजस्थान और दिल्ली भेजा गया है।

सलमान खान। फाइल

बालीवुड अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित आवास के बाहर रविवार को हुई फायरिंग की घटना के बाद मौके पर जांच करती पुलिस। फाइल-एएनआइ

मोटरसाइकिल के मालिक से पूछताछ : सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी में अपराधियों द्वारा इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल के मालिक का पुलिस ने पता लगा लिया है। वह उससे पूछताछ कर रही है। एक अधिकारी ने बताया कि यह मोटरसाइकिल नवी मुंबई के पनवेल इलाके में रहने वाले एक व्यक्ति के नाम पर रजिस्टर्ड है। उस व्यक्ति ने हाल ही में मोटरसाइकिल किसी दूसरे व्यक्ति को बेच दी थी।

विशाल के घर पहुंचे दिल्ली पुलिस के अधिकारी : गुरुग्राम से जागरण संवाददाता के अनुसार, सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग में सीसीटीवी कैमरे की फुटेज में गुरुग्राम के विशाल उर्फ कालू की पहचान की गई है। इसके बाद मुंबई, दिल्ली और गुरुग्राम तीनों शहरों की पुलिस टीमें सतर्क हो गईं। रविवार रात दिल्ली की स्पेशल पुलिस टीम विशाल के घर पर पहुंची। यहां उसने मां और बहन से घंटों तक पूछताछ की। बताया जाता है कि विशाल कई वर्षों से अपराध की दुनिया में है।

लारेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे से पूछताछ : जयपुर से जागरण संवाददाता के अनुसार, मुंबई एटीएस की टीम सोमवार को जयपुर पहुंची। एटीएस के अधिकारियों ने जयपुर के सोड़ाला थाने में लारेंस बिश्नोई गैंग के गुर्गे रितिक बाक्सर से पूछताछ की है। इसके साथ ही हाल ही में पकड़ में आए लारेंस गैंग के कुछ अन्य लोगों पर भी पुलिस अधिकारियों की नजर है।

अरबाज ने अफवाहों पर लगाई लगाम, कहा परिवार है प्रभावित

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई : अभिनेता सलमान खान के घर पर रविवार को गोलीबारी के बाद आ रहे बयानों का उनके भाई अरबाज खान ने खंडन किया है। उन्होंने कहा, परिवार के इस घटना से अप्रभावित रहने को लेकर गलत बातें मीडिया में फैलाई जा रही हैं। यह घटना परेशान करने वाली थी।

अरबाज ने सोमवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट में लिखा, इस चौंकाने वाली घटना से परिवार स्तब्ध है। दुर्भाग्य से कुछ लोग हमारे परिवार के करीबी होने का दावा कर रहे हैं और मीडिया में अनाप-शनाप बयान दे रहे हैं कि यह सब प्रचार स्टंट है और परिवार इससे अप्रभावित है। यह सच नहीं है। सलीम खान परिवार के किसी भी सदस्य ने इस घटना के बारे में मीडिया को कोई बयान नहीं दिया है। हमारा परिवार इस अप्रिय घटना की जांच में पुलिस का सहयोग कर रहा है। पुलिस ने हमें आश्वासन दिया गया है कि वे हमारी सुरक्षा के लिए सब कुछ करेंगे।

2047 के लिए 24 घंटे काम करने का मोदी का दावा सिर्फ स्लोगन नहीं : सीतारमण

नई दिल्ली, प्रेट्र : वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा, पीएम मोदी का यह दावा महज स्लोगन नहीं है कि वह 2047 के लिए हफ्ते के सातों दिन 24 घंटे काम करते हैं, बल्कि इससे पता चलता है कि दरअसल वह जो कहते हैं, उसे करके दिखाते हैं।

एक पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए सीतारमण ने जनधन खाते खुलने, देशभर में जन औषधि केंद्र खोले जाने व अनेक परियोजनाओं का उल्लेख किया। कहा, प्रधानमंत्री ने 2014 में सत्ता में आने के बाद स्पष्ट रूप से तीन सूत्रीय एजेंडा सामने रखा था। पहला लंबित परियोजनाओं को पूरा करना, दूसरा सभी पहलों को अंतिम रूप देना, तीसरा आकांक्षी जिलों को विकास परियोजनाएं लागू करने में मदद देना। परियोजनाओं के क्रियान्वयन के संदर्भ में सरकार का प्रदर्शन इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि प्रधानमंत्री व्यक्तिगत रुचि से हर परियोजना को क्रियान्वित कराते हैं।

उतरने के समय विमान में दो मिनट का ही ईंधन होने का दावा, इंडिगो का इन्कार

नई दिल्ली, आइएएनएस : इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आइजीआइ) एयरपोर्ट पर शनिवार शाम को पहुंचने वाली दो उड़ानों को तेज हवा के साथ हुई वर्षा की वजह से चंडीगढ़ एयरपोर्ट के लिए डायवर्ट कर दिया गया था। इनमें से एक विमान ने जब चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर लैंडिंग की तो पता चला कि उसमें सिर्फ दो मिनट का ही ईंधन बचा है। यह दावा दिल्ली पुलिस उपायुक्त (अपराध शाखा) सतीश कुमार ने किया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर कहा, इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई2702 अयोध्या से दिल्ली आ रही थी, पर खराब मौसम के कारण डायवर्ट होकर चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरी। उसमें उतरने के समय सिर्फ एक या दो मिनट का ईंधन बचा था। इंडिगो एयरलाइन ने सोमवार को इस दावे को खारिज किया है।

एयरलाइन के प्रवक्ता ने कहा है कि अयोध्या व दिल्ली के बीच चलने वाली उड़ान को दिल्ली में खराब मौसम के कारण चंडीगढ़ डायवर्ट कर दिया गया था। विमान ने आकाश में एक चक्कर लगाया, जो मानक संचालन प्रक्रिया के अनुरूप है। विमान को वैकल्पिक एयरपोर्ट पर ले जाने के लिए उसमें पर्याप्त ईंधन था। यात्रियों की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है।

- अयोध्या से दिल्ली आ रहा था विमान, खराब मौसम के कारण किया था चंडीगढ़ डायवर्ट
- यात्रियों को बताया गया था 45 मिनट का बचा है ईंधन, 115 मिनट बाद उतरा विमान

वहीं, चंडीगढ़ में शहीद भगत सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट के सीईओ राकेश रंजन सहाय ने बताया कि हमें जानकारी सिर्फ मौसम खराब होने की थी। फ्लाइट इसी कारण लैंड हुई थी। फ्लाइट में ईंधन कम था इसकी उन्हें जानकारी नहीं है। इसकी पुष्टि इंडिगो ही कर सकती है।

सतीश कुमार ने अपनी पोस्ट में कहा कि शनिवार दोपहर 3:25 बजे विमान अयोध्या से दिल्ली के लिए रवाना हुआ। शाम साढ़े चार बजे विमान को दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरना था, पर सवा चार बजे पायलट ने घोषणा की कि मौसम खराब होने के कारण विमान को दिल्ली में लैंड नहीं किया जाएगा। विमान में 45 मिनट का ईंधन है। पायलट ने दो बार प्रयास किया, पर लैंडिंग नहीं हो सकी। शाम 5:30 बजे पायलट ने कहा, वह चंडीगढ़ में उतरने का प्रयास करेंगे। इस दौरान कई यात्रियों की तबीयत खराब हो गई। आखिरकार, 115 मिनट बाद शाम 6:10 बजे विमान चंडीगढ़ एयरपोर्ट पर उतरा। जब वह विमान से उतरे तो उन्हें क्रू मेंबर से पता चला कि विमान में सिर्फ एक से दो मिनट का ईंधन बचा था। इसी विमान में सेवानिवृत्त पायलट शक्ति लांबा भी थे। उन्होंने भी सुरक्षा नियमों का घोर उल्लंघन बताते हुए जांच की मांग की है।

भ्रष्टाचार अब नौकरी का पासवर्ड नहीं, बल्कि जेल का रास्ता है : धनखड़

नागपुर, प्रेट्र : उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि सत्ता के गलियारों में भ्रष्ट तत्वों को पूरी तरह से निष्प्रभावी कर दिया गया है। भ्रष्टाचार अब अवसर, नौकरी या कान्ट्रैक्ट का पासवर्ड नहीं है, बल्कि जेल जाने का रास्ता है।

वह महाराष्ट्र के नागपुर शहर में नेशनल एकेडमी आफ डाइरेक्ट टैक्स में भारतीय राजस्व सेवा (आइआरएस) के 76वें बैच के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, भारत अब सोया नहीं है बल्कि वैश्विक शक्ति बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है। जी-20 की अध्यक्षता के दौरान, हम ग्लोबल साउथ की आवाज बने। राष्ट्रों का इतना शक्तिशाली संयोजन। जीडीपी और जनसंख्या देखें जिसका वे प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी आवाज नहीं सुनी जा रही थी। भारत और हमारे दूरदर्शी नेतृत्व को धन्यवाद, यह अब एक प्रमुख मंच पर है।

जगदीप धनखड़। फाइल

अधिकारियों को तकनीक के उपयोग पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा, इस तरह के कदमों से सिस्टम में अभूतपूर्व पारदर्शिता व जवाबदेही आई है, जो आज भारत में भ्रष्टाचार के प्रति जीरो टालरेंस के मानक के अनुरूप है। कहा, भ्रष्टाचार अब हमारे प्रशासन को निर्देशित नहीं करता है। धनखड़ ने कहा, भारत अब आशा व संभावना की भूमि है। निवेश व अवसर का एक पसंदीदा वैश्विक गंतव्य है। देश खुद को भविष्य की वैश्विक महाशक्ति के रूप में तैयार कर रहा है।

कार में चला रहे थे अवैध अल्ट्रासाउंड सेंटर, मेरठ के गांव से तीन पकड़े

जागरण संवाददाता, सोनीपत

हरियाणा के स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गर्भवती महिलाओं को उत्तर प्रदेश ले जाकर भ्रूण जांच करने वाले गिरोह का पर्दाफाश कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। गिरोह के चार सदस्य पकड़ में नहीं आए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने सात लोगों के खिलाफ एफआइआर दर्ज करवा दी है। आरोपित संगठित तरीके से कार में ही पोर्टेबल अल्ट्रासाउंड मशीन व लैपटाप रखकर गर्भ जांच केंद्र चला रहे थे।

स्वास्थ्य विभाग की प्री-नेटल डायग्नोस्टिक टेक्निक (पीएनडीटी) टीम प्रभारी सुमित कौशिक ने बताया कि कई दिन से इस गिरोह के बारे में शिकायत मिल रही थी। पीएनडीटी की टीम ने पहचान छिपाकर आठ अप्रैल को गिरोह से जुड़े नरेंद्र कौशिक को भ्रूण जांच करवाने के लिए पांच हजार रुपये एडवांस दिए थे। सोमवार को नरेंद्र खुद तो गया नहीं, पर अपने दो साथियों को भेज दिया, जो टीम की ओर से भेजी गई महिला को कार से मेरठ जिले के जानी गांव के पास ले गए। इस दौरान टीम के सदस्य भी साथ गए। वहां महिला को एक कार में बैठा लिया और 500 मीटर दूर नहर किनारे एक सुनसान जगह पर ले गए। वहां अल्ट्रासाउंड कर महिला के गर्भ में लड़का होना बताया गया। महिला के इशारा करते ही पीएनडीटी की टीम ने शौकीन, शक्ति सिंह व शाहनवाज को पकड़ लिया। तीनों ने पूछताछ में नरेंद्र कौशिक, रामपाल, असलम व शब सिंह का नाम बताया। डा. सुमित ने बताया कि ये लोग कथित तौर पर लिंग निर्धारण व्यवसाय में शामिल थे और इसके लिए 35000 रुपये लेते थे। असलम ने पोर्टेबल मशीन का उपयोग कर लिंग निर्धारण किया। वे मेरठ और बागपत क्षेत्र में कार में अवैध तरीके से अल्ट्रासाउंड कर रहे हैं।

****

पश्चिम एशिया में तनाव न बढ़ाने पर सहमति

सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में एक-दूसरे पर बरसे इजरायल-ईरान

अमेरिका ने ईरानी हमले की निंदा की, रूस बोला- दोहरे मानदंड नहीं हों

संयुक्त राष्ट्र, आइएएनएस: इजरायल पर ईरान के हमले के बाद हुई सुरक्षा परिषद की आपात बैठक में मध्य-पूर्व (पश्चिम एशिया) में तनाव न बढ़ाने पर आमराय बनी। बैठक में संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस ने कहा, मध्य-पूर्व इस समय खतरनाक मोड़ पर है। वहां पर केवल तनाव को कम करने वाले प्रयास होने चाहिए। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी प्रतिनिधि आमिर सईद ईरावानी ने कहा, ईरान ने संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अनुसार आत्मरक्षा में इजरायल पर कार्रवाई की है। ईरान ने सीरिया स्थित अपने दूतावास पर हमले के बाद इजरायल पर कार्रवाई की। इसलिए परिषद ईरान के खिलाफ कोई कदम नहीं उठा सकती है। जबकि इजरायल के स्थायी प्रतिनिधि गिलाड एर्डन ने कहा, सुरक्षा परिषद को न केवल ईरानी हमले की निंदा करनी चाहिए बल्कि ईरान पर ऐसे प्रतिबंध लगाने चाहिए जिससे उसका परमाणु कार्यक्रम आगे न बढ़ पाए।

इजरायली प्रतिनिधि ने कहा, ईरान अगर परमाणु हथियार बनाने में कामयाब हो गया तो वह स्थिति पूरी दुनिया के लिए दुर्भाग्यपूर्ण होगी। परिषद के सदस्यों को अपने टैबलेट पर अल अक्सा मस्जिद के ऊपर ईरानी ड्रोन की तस्वीर दिखाते हुए एर्डन ने कहा, मुस्लिमों के सर्वाधिक पवित्र स्थलों में से एक अल अक्सा मस्जिद पर हमला कर ईरान विश्व में शिया प्रभुत्व स्थापित करना चाहता था लेकिन इजरायल ने उसे विफल कर दिया। बैठक में अमेरिका के उप प्रतिनिधि राबर्ट वुड ने कहा, उनका देश तनाव में बढ़ोतरी नहीं चाहता है। अमेरिका ने इजरायल का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उस पर हमला हो रहा था। अब सुरक्षा परिषद को ईरान के हमले और उसके द्वारा छेड़े गए छद्म युद्ध की कड़ी निंदा करनी चाहिए। जबकि रूस के स्थायी प्रतिनिधि वासिली नेबेंजिया ने अमेरिका और उसके सहयोगियों पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। कहा, ये देश ईरान के दूतावास पर हमले के समय चुप रहते हैं लेकिन इजरायल पर हमले के समय निंदा करने के लिए खड़े हो जाते हैं। यह स्थिति शांति के लिए अच्छी नहीं है।

न्यूयार्क में सुरक्षा परिषद की बैठक को संबोधित करते संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरस। एएफपी

न्यूयार्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में सुरक्षा परिषद की बैठक के दौरान ईरान द्वारा किए गए मिसाइल हमले का वीडियो दिखाते इजरायल के राजदूत गिलाड एर्डन। एएफपी

सुरक्षा परिषद की बैठक में बोलते ईरान के स्थायी प्रतिनिधि अमीर सईद इरावानी। एएफपी

इजरायल अभी नहीं करेगा ईरान पर पलटवार

- वैश्विक रुख भांपकर इजरायल की वार कैबिनेट का फैसला
- देश में स्कूल-कालेज खुले, सतर्कता नियमों में ढील दी गई

यरुशलम, रायटर: इजरायल की वार कैबिनेट ईरान पर पलटवार के लिए सहमत है पर उसके समय को लेकर सदस्यों में मतभेद हैं। कुछ ईरान पर अविलंब हमला चाहते हैं तो कुछ कुछ दिन के बाद। सुरक्षा परिषद, अमेरिका और जी 7 के बाद रूस, चीन व यूरोपीय देशों ने साफ कर दिया है कि वे युद्ध नहीं चाहते हैं। यूरोपीय संघ के देशों ने सोमवार को कहा, वह युद्ध की स्थिति में इजरायल का समर्थन नहीं कर पाएंगे। रूस ने कहा है कि पश्चिम एशिया में तनाव और युद्ध किसी के हित में नहीं है।

इजरायल में ईरानी हमले पर जवाब का फैसला प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की अध्यक्षता वाली वार कैबिनेट को करना है। रविवार के बाद सोमवार को भी वार कैबिनेट में ईरानी हमले और इजरायल के जवाब पर विचार हुआ। पर अंतरराष्ट्रीय रुख भांपते हुए इसे कुछ दिनों के लिए टालने पर सहमति बनी है। ईरान ने भी साफ किया है कि वह तनाव नहीं बढ़ाना चाहता है पर हमला हुआ तो वह करारा जवाब देगा। ईरानी हमले की निंदा करने के बाद सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इजरायली समकक्ष नेतन्याहू से टेलीफोन पर बात की। सुनक ने नेतन्याहू को समर्थन का भरोसा दिया पर क्षेत्र में तनाव कम करने को भी कहा। ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी और यूरोपीय संघ ने अमेरिका व संयुक्त राष्ट्र के साथ मिलकर पश्चिम एशिया के संकट से निपटने का फैसला किया है। ज्ञात हो, एक अप्रैल को सीरिया में ईरानी दूतावास पर हमले के जवाब में ईरान ने रविवार को इजरायल पर 300 से ज्यादा ड्रोन व मिसाइलें दागी थीं। इजरायली सरकार ने ईरानी हमले से पूर्व लागू सतर्कता के नियमों में सोमवार को ढील दे दी। देश में स्कूल-कालेज खोल दिए गए हैं। खुले स्थान पर लोगों के एकत्रित होने पर रोक को खत्म कर दिया गया है।

इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू। रायटर

अमेरिका ने कंधे से कंधा मिलाकर ईरानी हमला विफल किया : इजरायल ने कहा है कि उसने अमेरिका के साथ कंधे से कंधा मिलाकर ईरान के रविवार के हमले को विफल किया। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने इजरायल का पूरा साथ दिया। एरो 2 और एरो 3 हाई एल्टीट्यूड डिफेंस सिस्टम ने बड़ी भूमिका अदा की। ईरानी हमले को विफल करने में इजरायल को अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और जार्डन का सहयोग मिला।

इजरायल गए युवा बोले- चिंता मत करना हम सुरक्षित हैं

ओपी वशिष्ट ● जागरण

- इजरायल गए हरियाणवी युवाओं के स्वजन की बढ़ी चिंता, बोले- वहां हालत खराब कैसे न करें चिंता
- इजरायल में कंस्ट्रक्शन कार्य के लिए भारत सरकार ने भेजा था कई जिलों के 64 श्रमिकों का दल

रोहतक: इजरायल-हमास में युद्ध के बीच अब ईरान द्वारा किए गए हमले से इजरायल में हालात खराब हो गए हैं। युद्ध के हालात में इजरायल गए हरियाणा के युवाओं के स्वजन को चिंता सताने लगी है। वे अपने बच्चों की सलामती की दुआ कर रहे हैं, लेकिन इजरायल गए युवाओं का कहना है कि यहां किसी तरह का खतरा फिलहाल नहीं है। इसलिए हमारी चिंता करने की जरूरत नहीं है। बेशक, युवा वहां सुरक्षित हैं, लेकिन स्वजन की मांग है कि भारत सरकार इजरायल की परिस्थितियों पर नजर बनाए रखे, ताकि कोई संकट खड़ा हो जाए तो प्रदेश के युवाओं को सकुशल देश लाया जा सके। झज्जर, सोनीपत, कुरुक्षेत्र और कई अन्य जिलों से युवा इजरायल कंस्ट्रक्शन वर्क के लिए गए हुए हैं। भारत सरकार ने पिछले दिनों हरियाणा और उत्तर प्रदेश के 64 श्रमिकों के दल को रवाना किया था, जिसमें करीब 20 हरियाणा से हैं। हालांकि हरियाणा के 200 से अधिक युवाओं का चयन इजरायल जाने के लिए हो चुका है।

यहां किसी प्रकार का डर नहीं है : सोनीपत के सविन मोर ने दैनिक जागरण प्रतिनिधि से मोबाइल पर वीडियो काल से बात की। सविन ने बताया कि उसकी ड्यूटी इजरायल के तेल अवीव में है। यहां किसी प्रकार का डर नहीं है, जिस होटल में रह रहे हैं, वहां अन्य भारतीय वर्कर्स भी हैं। जिस बिल्डिंग में हैं, वहां बेसमेंट में बंकर भी बने हैं। अगर कोई अलर्ट आता है तो बंकर में जा सकते हैं। सभी लोगों को व्यक्तिगत तौर पर अलर्ट सिस्टम दिया है। खाना-पीना सब ठीक है। इजरायल सरकार तकनीकी तौर पर काफी मजबूत है। ईरान ने काफी मिसाइलें दागीं, लेकिन सभी को बाहर ही ध्वस्त कर दिया गया। इसलिए किसी को डरने की जरूरत नहीं है।

रोहतक : इजरायल में गए मेहंदी डाबौदा गांव के आजाद सेल्फी लेते हुए। सौजन्य स्वजन

मां चिंता मत करना, मैं यहां सुरक्षित हूं

झज्जर के आजाद पुत्र जयभगवान 12 फरवरी, 2024 को दिल्ली की एक निजी कंपनी की तरफ से इजरायल गया था। मीडिया में आ रही खबरों को लेकर स्वजन में चिंता सताने लगी है। आजाद की पत्नी और दो बच्चे हैं। आजाद अपनी मां चंद्रकला, पत्नी और भाई प्रदीप के पास रोजाना मोबाइल पर वीडियो काल करता है। आजाद ने बताया कि मैं पूरी तरह से सुरक्षित हूं। जहां ईरान ने मिसाइलें दागी थीं, वो जगह उसके शहर से काफी दूर है। इसलिए चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

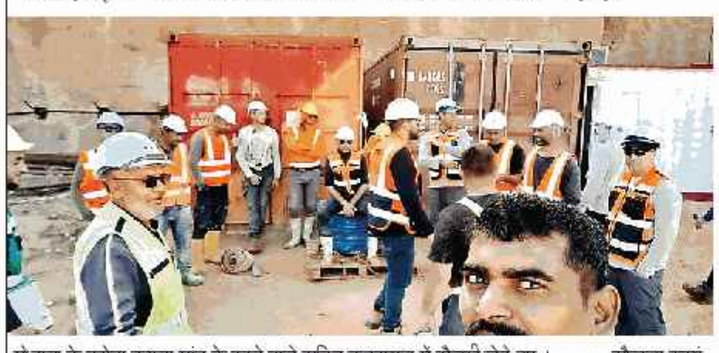
गोहाना के वरोदा बुटाना गांव के रहने वाले सविन इजरायल में सैल्फी लेते हुए। सौजन्य स्वयं

हाथ में है वीजा, उड़ान का इंतजार

रोहतक के गांव डोभ के विक्की व फूल कुमार ने बताया कि हरियाणा रोजगार कौशल निगम के तहत पंजीकरण कराया था। इसके बाद महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी में कौशल परीक्षण हुआ जिसमें पास हो चुके हैं। मेडिकल भी हो चुका है। इजरायल का वीजा भी हाथ में आ गया है। उड़ान भरने का इंतजार था, पर ईरान द्वारा किए गए हमले के बाद हालात खराब होने की बात सामने आ रही है। भारत सरकार ने आगामी आदेश तक इजरायल भेजने पर रोक लगा दी है। अब तो अभिभावक भी उनको भेजने पर झिझक रहे हैं। लेकिन खतरा तो कहीं भी हो सकता है। इसलिए जब भी रोक हटेगी, इजरायल जाने को तैयार रहेंगे।

बेनजीर भुट्टो की छोटी बेटी आसिफा ने सांसद के रूप में शपथ ली

इस्लामाबाद, प्रेट्र: पाकिस्तान की पूर्व पीएम बेनजीर भुट्टो की छोटी बेटी आसिफा भुट्टो-जरदारी ने सोमवार को संसद सदस्य के रूप में शपथ लेने के बाद औपचारिक रूप से राजनीतिक सफर शुरू कर दिया। गत माह एनए-207 शहीद बेनजीराबाद से नेशनल असेंबली के लिए आसिफा निर्विरोध निर्वाचित हुईं। उनके पिता आसिफ अली जरदारी ने राष्ट्रपति बनने के बाद यह सीट खाली की थी।

नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक ने 31 वर्षीया आसिफा को शपथ दिलाई। उधर निर्दलीय प्रत्याशी गुलाम मुस्तफा रिंद ने सिंध हाई कोर्ट में आसिफा की जीत को चुनौती दी है। मुस्तफा ने निर्वाचन आयोग व आसिफा को प्रतिवादी बनाया है। मुस्तफा ने कहा, उन्हें चुनाव लड़ने नहीं दिया गया। गलत तरीके से नामांकन निरस्त किया गया।

सांसद के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद अपने पिता आसिफ अली जरदारी संग आसिफा। प्रेट्र

आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बने ट्रंप

- ट्रंप पर पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए धन देने का आरोप

न्यूयार्क, रायटर: डोनाल्ड ट्रंप आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले पहले पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति बन गए हैं। वह मैनहट्टन कोर्ट में एक पोर्न स्टार को गुप्त धनराशि से भुगतान करने के आरोप का सामना करने के लिए उपस्थित हुए थे। यह मामला नवंबर में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को जीतने की उनकी कोशिश में व्यवधान पैदा कर सकता है। यह किसी भी पूर्व अमेरिकी कमांडर-इन-चीफ का पहला आपराधिक मुकदमा है और ट्रंप के चार अभियोगों में से पहला मुकदमा है।

सोमवार की अदालती कार्यवाही की शुरुआत में न्यायाधीश जुआन एम मर्चन ने मामले से खुद को अलग करने के बचाव पक्ष के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। ट्रंप को ट्रायल में भाग लेना आवश्यक है, जो मई तक चलने की उम्मीद है। जूरी चयन में एक सप्ताह लगने की उम्मीद है। इसके बाद गवाही होगी। हालांकि, कुछ कानूनी विशेषज्ञों द्वारा इस मामले को उन चार आपराधिक मुकदमों में से सबसे कम परिणामी माना जाता है, जिन पर पांच नवंबर के चुनाव से पहले सुनवाई होनी है। ट्रंप ने खुद को निर्दोष बताया है। न्यूयार्क के अभियोजकों ने उन पर 2016 के राष्ट्रपति अभियान के अंतिम दिनों में 130,000 डालर के भुगतान को छुपाने के लिए रिकार्ड में हेराफेरी का आरोप लगाया था। आरोप है कि यह 2006 के यौन संबंधों के संबंध में पोर्न स्टार स्टार्मी डेनियल को चुप रहने के लिए दिया गया था।

मैनहट्टन स्थित क्रमिनल कोर्ट से बाहर निकलते अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप। एपी

न्यूज गैलरी

भारतीय की मौत में सिंगापुर के तकनीशियन को जेल

सिंगापुर: सिंगापुर की रिफाइनिंग कंपनी के वरिष्ठ तकनीशियन लेक चिंग हवा को चार महीने के कारावास की सजा सुनाई गई है। तकनीशियन ने जिस समय प्लांट से विषैली गैस छोड़ी, उसी समय विदेशी कर्मचारियों को काम करने का निर्देश दिया गया था। 17 सितंबर, 2020 को हुई घटना में 30 वर्षीय भारतीय नागरिक पलानिवेल पांडिदुरै की पांच दिन बाद मौत हो गई थी। (प्रेट्र)

अफगानिस्तान में भारी बारिश के कारण 33 की मौत

इस्लामाबाद: अफगानिस्तान में बारिश के कारण आई बाढ़ से तीन दिनों में 33 लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए। तालिबान प्रवक्ता अब्दुल्ला जनान सैक ने कहा कि अचानक आई बाढ़ से राजधानी काबुल और कई प्रांत प्रभावित हुए हैं। 600 से अधिक घर या तो क्षतिग्रस्त हो गए या ध्वस्त हो गए। लगभग 200 पशुओं की भी मौत हुई है। बाढ़ से 800 हेक्टेयर खेती और 85 किलोमीटर सड़कें भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। (एपी)

समुद्री लुटेरों के कब्जे से मुक्त हुआ बांग्लादेशी जहाज

मोगादिशु: सोमालिया के तट पर समुद्री लुटेरों द्वारा कब्जा कर लिया गया कार्गो जहाज एक महीने से भी ज्यादा समय बाद मुक्त हो गया। बांग्लादेशी ध्वज वाले जहाज एमवी अब्दुल्ला के 23 क्रू सदस्यों को भी लुटेरों ने स्वतंत्र कर दिया है। यह जहाज 32 दिनों तक समुद्री लुटेरों के कब्जे में रहा। यह अभी स्पष्ट नहीं है कि किन परिस्थितियों में जहाज को मुक्त किया गया है। (एपी)

पाकिस्तान के साथ वार्ता करने पहुंचा सऊदी प्रतिनिधिमंडल

इस्लामाबाद: सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान बिन अब्दुल्ला की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल पाकिस्तान में आर्थिक सहयोग पर बातचीत करेगा। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और सऊदी अरब के युवराज मोहम्मद बिन सलमान के बीच हाल ही में मक्का में बैठक हुई थी। बैठक में बनी सहमति पर तेजी लाने के लिए प्रतिनिधिमंडल 15 और 16 अप्रैल को दो दिवसीय दौरा कर रहा है। (प्रेट्र)

भांगड़ा पर नाचे अमेरिकी

राष्ट्रपति जो बाइडन के गृह प्रांत डेलावेयर के न्यू कैसल में वैसाखी पर पंजाबी परिधानों में भांगड़ा करती अमेरिकी महिलाएं और अन्य। इस कार्यक्रम में डेलावर प्रांत की असेंबली के सात सदस्यों ने भी भांगड़ा किया। यह पहला अवसर पर जब भांगड़ा पर किसी राज्य के निर्वाचित प्रतिनिधियों ने नृत्य किया। विधायक टाउनसेंड ने कहा, सिख समुदाय बहुत अद्भुत है। वे हमारे समुदाय में बहुत कुछ जोड़ते हैं और बहुत अधिक स्वैच्छिक कार्य करते हैं। प्रेट्र

रुश्दी ने हमले को याद करते हुए कहा, मैं सोच रहा था कि मर रहा हूं

लंदन, प्रेट्र : मुंबई में जन्मे बुकर पुरस्कार विजेता सलमान रुश्दी ने 2022 में न्यूयार्क में एक मंच पर खुद पर हुए हमले के बारे में याद करते हुए कहा, उन्हें उस वक्त लग रहा था कि वह मर रहे हैं। आरोपित हैदी माटर ने उन पर चाकू से 12 बार हमला किया था। हमले का पूरा वृतांत इस सप्ताह नाइफः मेडिटेशंस आफ्टर एन अटेंपटेड मर्डर नामक संस्मरण में जारी किया जाएगा।

इससे पहले एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा, हमले में एक आंख गंवा देना मुझे हर दिन निराश करता है। रुश्दी ने कहा, मुझे यह महसूस नहीं हुआ कि उसके हाथ में चाकू था। मुझे लगा कि उसने मुझे बहुत ताकत से मुक्का मारा था। फिर मैंने खून देखा तो अहसास हुआ कि यह हथियार से हमला है। मेरी आंख चेहरे पर लटकी थी और उबले अंडे की तरह गाल पर टिकी थी। मुझे याद है कि उस वक्त मैं सोच रहा था कि मैं मर रहा हूं। करीब 27 सेकंड में हमलावर ने ताबड़तोड़ 12 वार किए थे।

माल के बाद अब सिडनी के चर्च में चाकूबाजी, बिशप सहित चार घायल

- आरोपित को पकड़ लिया गया है, पहचान नहीं बताई गई है
- पिछले हफ्ते माल में चाकूबाजी में छह लोग मारे गए थे

सिडनी, एपी : आस्ट्रेलिया के सिडनी में माल के बाद अब एक चर्च में चाकूबाजी का मामला सामने आया है। एक सिरफिरे ईसाई ने बिशप व तीन अन्य को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस का कहना है कि किसी को भी जानलेवा चोट नहीं है।

इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो में काले कपड़े पहने एक व्यक्ति को वेकली में क्राइस्ट द गुड शेफर्ड के बिशप के पास पहुंचकर उसके सिर और शरीर के ऊपरी हिस्से पर बार-बार चाकू मारते देखा जा सकता है। वहां मौजूद लोग बिशप की मदद के लिए दौड़ते नजर आ रहे हैं। बिशप की पहचान मार मारी इमैनुएल के रूप में हुई है।

एंबुलेंस सेवा की ओर से कहा गया कि उसने गंभीर रूप से घायल 50 साल के एक शख्स को अस्पताल पहुंचाया। वहीं तीन अन्य शख्स को कम घाव लगे थे। आसपास के इलाके में बड़ी संख्या में पुलिस की सरगर्मी बढ़ गई है। क्राइस्ट द गुड शेफर्ड इस माह के अंत में पाम संडे की तैयारी कर रहा था। अभी शनिवार को ही सिडनी के एक शापिंग माल में एक हमलावर ने छह लोगों की चाकू मारकर हत्या कर दी थी और दर्जनों को घायल कर दिया था।

आस्ट्रेलिया के सिडनी में चाकूबाजी की घटना के बाद चर्च के बाहर तैनात सुरक्षाकर्मी। एपी

इमरान की पार्टी के नेता ने कहा, 'कैदी नंबर 804' से डरता है शरीफ परिवार

- नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब बोले, वर्तमान प्रशासन भंग होते ही बनेगी पीटीआइ सरकार
- कहा, उनकी पार्टी कानून एवं संविधान की सर्वोच्चता चाहती है

क्वेटा, एएनआइ: पाकिस्तान की नेशनल असेंबली में नेता प्रतिपक्ष उमर अयूब ने कहा कि शरीफ परिवार को 'कैदी नंबर 804' से डर लगता है। उमर अयूब ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआइ) के संस्थापक और देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की ओर इशारा किया। अदियाला जेल में बंद इमरान कैदी नंबर 804 हैं।

क्वेटा में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में उमर ने जोर देकर कहा कि पीटीआइ ने जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया है। वर्तमान सरकार भंग होते ही उनकी पार्टी देश में अगली सरकार बनाएगी। पीटीआइ नेता ने कहा कि उनकी पार्टी कानून एवं संविधान की सर्वोच्चता चाहती है। उमर ने कहा, 'यह पहले वाला पाकिस्तान नहीं है। लोग जागरूक हो गए हैं। सभी प्रकार के अवरोधों के बावजूद हमारी रैली सफल रही है।'

जियो न्यूज के अनुसार, पीटीआइ नेता ने बताया कि पिशिन और चमन में आम सभा के दौरान उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं को प्रताड़ित किया गया और उन्हें अपनी पार्टी का झंडा लहराने से रोका गया। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में गठबंधन में शामिल पार्टियां देशव्यापी रैलियां करेंगी।

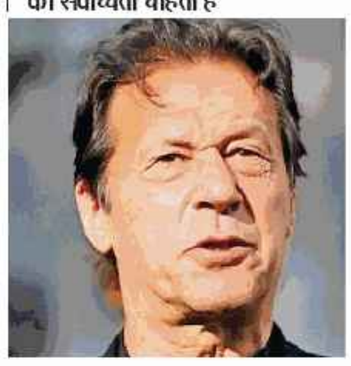
इमरान खान। फाइल

पाकिस्तान में बारिश के बाद आपातकाल लागू

पाकिस्तान के पेशावर में भारी बारिश के बाद जैसे हालात पैदा हो गए हैं। आकाशीय बिजली गिरने और बारिश के कारण काफी लोगों की मौत हो गई है, जिनमें ज्यादातर किसान हैं। रात भर हुई बारिश के बाद क्षति से बचने के लिए देश के दक्षिण-पश्चिम में आपातकाल की स्थिति लागू कर दी गई है। एपी

एफबीआइ ने बाल्टीमोर पुल हादसे में शुरू की आपराधिक जांच

- पता लगा रहे कि कहीं रवाना होने से पहले दिक्कत की जानकारी तो नहीं थी
- फ्रांसिस स्काट ब्रिज 26 मार्च को डाली जहाज से टकराने से ढह गया था

न्यूयार्क, प्रेट्र : एफबीआइ ने बाल्टीमोर पुल हादसे की आपराधिक जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं रवाना होने से पहले क्रू मेंबर को समस्या की जानकारी तो नहीं थी। पटाप्सको नदी पर बना 2.6 किलोमीटर लंबा चार लेन वाला फ्रांसिस स्काट ब्रिज 26 मार्च को डाली जहाज से टकराने से ढह गया था। डाली पर सवार चालक दल में 20 भारतीय और एक श्रीलंकाई शामिल था।

हादसे के वक्त पुल पर मरम्मत कर रहे छह श्रमिक नदी में जा गिरे थे, जिससे उनकी मौत हो गई थी। एफबीआइ एजेंट सोमवार सुबह तलाशी के लिए जहाज पर चढ़ते दिखे थे। इस संबंध में एफबीआइ की ओर से कोई टिप्पणी नहीं की गई है। सुरक्षा जांचकर्ताओं ने जहाज का ब्लैक बाक्स रिकार्डर बरामद कर लिया है, जो इसकी स्थिति, गति, दिशा, रडार, ब्रिज आडियो और रेडियो संचार के साथ ही अलार्म पर डेटा प्रदान करता है।

गौरतलब है कि यही जहाज 2016 में बेल्जियम के एंटवर्प बंदरगाह में एक घटना में शामिल था, जब यह उत्तरी सागर कंटेनर टर्मिनल से बाहर निकलने की कोशिश करते समय एक घाट से टकरा गया था। सिंगापुर के समुद्री और बंदरगाह प्राधिकरण के अनुसार, जहाज पिछले जून और सितंबर में विदेशी-बंदरगाह निरीक्षण में सफल रहा था।

अमेरिका के मैरीलैंड प्रांत के बाल्टीमोर में मालवाहक जहाज की टक्कर से ध्वस्त हुआ ब्रिज (फाइल)। एएफपी

****

टी-20 आइपीएल 17

पर्पल कैप

गेंदबाज	टीम	विकेट
चहल	राजस्थान	11
बुमराह	मुंबई	10
मुस्तफिजुर	चेन्नई	10

आरेंज कैप

बल्लेबाज	टीम	रन
विराट कोहली	आरसीबी	361
रियान पराग	राजस्थान	284
संजू सैमसन	राजस्थान	264

हमें मोहम्मद शमी की कमी खल रही : राशिद खान

आइपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए खेल रहे अफगानिस्तान के दिग्गज स्पिनर राशिद खान का कहना है कि मोहम्मद शमी ऐसे गेंदबाज हैं, जो शुरुआत में विकेट लेकर आपका काम आसान कर देते हैं। उनकी अनुपस्थिति में टीम को उनकी कमी खल रही है। राशिद का मानना है कि एक स्पिनर के रूप में विकेट से ज्यादा टी-20 में रन रोकना ज्यादा अहम है। **राशिद खान से अभिषेक त्रिपाठी** ने विशेष बातचीत की। पेश हैं प्रमुख अंश :-

साक्षात्कार

● गुजरात टाइटंस के लिए आइपीएल की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। इस बार टीम को किसकी कमी ज्यादा खल रही है पूर्व कप्तान हार्दिक पांड्या का हरफनमौला कौशल की या फिर नई गेंद संभालने वाले मोहम्मद शमी की?

-मैं कहूंगा नई गेंद से मोहम्मद शमी की टीम को कमी खल रही है। वह हमारे ऐसे गेंदबाज थे, जिन्होंने पिछले दो सत्रों में टीम के लिए काफी अच्छा प्रदर्शन किया था। एक गेंदबाज के तौर पर मेरा मानना है कि नई गेंद से विकेट लेने के साथ वह हमारे लिए काम काफी आसान कर देते हैं। विशेष रूप से मध्य के ओवरों में वह अपनी गेंदबाजी से काफी अंतर पैदा करते थे, इसलिए टीम को उनकी अनुपस्थिति काफी खल रही है।

● कप्तान के रूप में शुभमन गिल के कौशल को कैसे आंकते हैं?

-शुभमन ने अब तक शानदार कप्तानी की है। जिस तरह उन्होंने टीम का नेतृत्व किया है और उसके साथ ही जिस तरह से वह बल्लेबाजी भी कर रहे हैं, इसे ही आगे बढ़कर नेतृत्व करना कहते हैं। अब तक उन्होंने अपनी भूमिका को बेहद अच्छे से निभाया है। मैदान पर वह काफी शांत रहते हैं, जिससे सभी खिलाड़ियों को काफी मदद मिलती है। वह युवाओं को काफी स्वतंत्रता देते हैं, जिससे उन्हें अपना बेहतर प्रदर्शन करने में सहायता मिलती है। वह अंदर से शांत रहते हैं, जिससे जब भी हम दबाव में होते हैं तो हमें काफी मदद मिलती है। वह एक ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें देखकर आपको काफी ऊर्जा मिलती है। उनकी कप्तानी में खेलना अच्छा है और मैं अपने खेल का आनंद ले रहा हूं।

● टी-20 में एक स्पिनर के लिए क्या सबसे ज्यादा अहम होता है, विकेट लेना या मध्य के ओवर में रन गति पर अंकुश लगाना ?

-जहां तक मेरा मानना है तो रनों को रोकना ज्यादा अहम होता है क्योंकि अगर आप रन रोकने के बारे में सोचोगे तो विकेट अपने आप मिलता है इसलिए मेरे लिए रन रोकना ज्यादा जरूरी होता है क्योंकि इससे बल्लेबाजों पर दबाव बनता है और विकेट लेने का ज्यादा अवसर बनते हैं। अगर हम मध्य के ओवर में रन गति रोकते हैं तो चाहे नई गेंद हो या पुरानी आपको विकेट मिलते हैं।

● इस सत्र में गुजरात टाइटंस डेथ ओवर में आपको आक्रामक विकल्प के रूप में प्रयोग कर रही है। इस नई चुनौती को कैसे देख रहे हैं?

-मुझे जो भी भूमिका दी जाती है, मैं उससे प्रसन्न हूं। चाहे पावरप्ले हो या मध्य ओवर हो या फिर डेथ ओवर, मैं अपनी भूमिका से खुश हूं। एक स्पिनर के रूप में विभिन्न चुनौतियां होती है। अगर आपको पिच से मदद नहीं मिल रही है, फिर भी डेथ ओवर में गेंदबाजी करना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। यही क्रिकेट है, जितनी मुश्किल परिस्थितियों में आप खेलते हैं, आप उतने ही बेहतर क्रिकेटर बनकर निकलते हैं। इसलिए मैं टीम में अपनी इस भूमिका से खुश हूं और जब गेंद मुझे सौंपी जाती है तो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करता हूं।

● क्रिकेट आस्ट्रेलिया हाल ही में अफगानिस्तान के साथ वनडे और टी-20 सीरीज खेलने से इन्कार किया है। इस बारे में आप क्या कहेंगे?

-मैं और टीम का हर खिलाड़ी क्रिकेट खेलना चाहता है क्योंकि केवल क्रिकेट ही अफगानिस्तान में लोगों की खुशी का एकमात्र जरिया है। अगर आप इसे हटा दें तो ऐसा कुछ भी नहीं है जिसका लोग आनंद ले सकें। अगर आस्ट्रेलिया ने हमारे साथ क्रिकेट खेलने से इन्कार किया है तो मैं इसमें कुछ नहीं कर सकता हूं। ये हमारे हाथ में नहीं है। ये क्रिकेट का मामला नहीं है, ये दो सरकारों के बीच का मामला है और एक खिलाड़ी के रूप में आप कुछ नहीं कर सकते हैं। हम केवल इतना कर सकते हैं कि जब भी हमें क्रिकेट खेलने का अवसर मिले हम अपने देश का प्रतिनिधित्व करने जाएं।

● आप कई लीग में खेलते हैं, आप 400 से ज्यादा टी-20 मैच खेल चुके हैं। आप विश्व में अफगानिस्तान क्रिकेट का चेहरा माने जाते हैं। इस पर क्या कहेंगे?

-2017 से पहले हमने कई आइपीएल में खेलने के बारे में सोचा भी नहीं था। जब मुझे पहली बार अवसर मिला तो इस सिस्टम के अनुसार ढलना काफी मुश्किल था। मुझे अवसर मिला था तो मैं अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहता था ताकि अफगानिस्तान में भी क्रिकेट को प्रमोट करने का अवसर मिले। 2017 में मैं और मोहम्मद नबी ही आइपीएल खेलते थे, अब सात से आठ अफगान खिलाड़ी आइपीएल में खेल रहे हैं। ये देखना काफी सुखद है कि वह न सिर्फ आइपीएल टीमों का हिस्सा हैं, बल्कि अच्छा प्रदर्शन भी कर रहे हैं।

● हाल ही में आपने कमर की चोट से उबरकर वापसी की है। आपके लिए कितना चुनौतीपूर्ण था?

-मेरे लिए शुरुआती तीन चार महीने काफी मुश्किल भरे थे। मेरा केवल यही प्रयास था कि जब भी मैदान पर वापसी करूं मैं पूरी तरह तैयार रहूं क्योंकि जब आप खेल नहीं रहे होते हैं तो यह काफी कठिन होता है। एक खिलाड़ी के लिए जरूरी है कि आप उस प्रक्रिया को स्वीकार करें। मैंने सुनिश्चित किया कि अपने परिवार के साथ समय बिताऊं और अपने शरीर की देखभाल करूं।

एक नजर में

भारत के जेहान ने फार्मूला ई में पहले अंक बनाए

मिसानो: भारत के जेहान दारूवाला ने पूर्ण रूप से इलेक्ट्रिक रेसिंग सीरीज फार्मूला-ई में अपने पहले सत्र में खराब शुरुआत के बाद पहले अंक जुटाए। फार्मूला-टू में चार सत्र बिताने के बाद फार्मूला-ई से जुड़ने वाले जेहान ने मसेराती एमएसजी रेसिंग की ओर से प्रतिस्पर्धा करते हुए रविवार को यहां मिसानो ईप्रि की दूसरी रेस में नौवें स्थान पर रहते हुए दो अंक प्राप्त किए। (प्रेट्र)

माइकोलास ने चक्का फेंक में नया विश्व रिकार्ड बनाया

रामोना : लिथुआनिया के माइकोलास एलेकना ने ओकलाहोमा थ्रो सीरीज प्रतियोगिता में चक्का फेंक में 1986 में बना विश्व रिकार्ड तोड़ दिया। 21 वर्ष के माइकोलास ने रविवार को चक्के को 243 फीट 11 इंच (74.35 मीटर) की दूरी तक फेंका और छह जून 1986 को बनाए जर्मनी के जुर्गन शुल्ट के 243 फीट (74.08 मीटर) के पिछले रिकार्ड को तोड़ा। (एपी)

पूर्व आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर पुलिस हिरासत में

ब्रिसबेन: आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर माइकल स्लेटर को मारपीट और पीछा करने सहित अन्य आरोप लगने के बाद पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। 54 वर्षीय स्लेटर पर एक दर्जन से अधिक अपराधों का आरोप लगाया गया है जिसमें गैरकानूनी तरीके से पीछा करना या डराना, मारपीट, रात में किसी इरादे से घर में घुसना, शारीरिक नुकसान पहुंचाने वाला हमला और दम घोटना शामिल है। (प्रेट्र)

इंग्लैंड के पूर्व स्पिनर अंडरवुड का 78 वर्ष की आयु में निधन

नई दिल्ली: द्वितीय विश्व युद्ध के बाद इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ स्पिनर डेरेक अंडरवुड का सोमवार को 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। भारत के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर को गेंदबाजी से परेशान करने वाले अंडरवुड को 60 और 70 के दशक की पिचों पर खेलना खतरनाक था। गेंदों में सटीकता से समकालीन गेंदबाजों में लोकप्रिय डेरेक ने 86 टेस्ट में 297 विकेट झटके, जो इंग्लैंड के स्पिनर के रूप में सर्वाधिक हैं। (प्रेट्र)

11 सिर पर भारी पड़ा एक 'हेड'

ट्रेविस ने आइपीएल में जड़ डाला चौथा सबसे तेज शतक हैदराबाद ने आरसीबी को 25 रन से हराया

शतक लगाने के बाद ट्रेविस हेड ● प्रेट्र

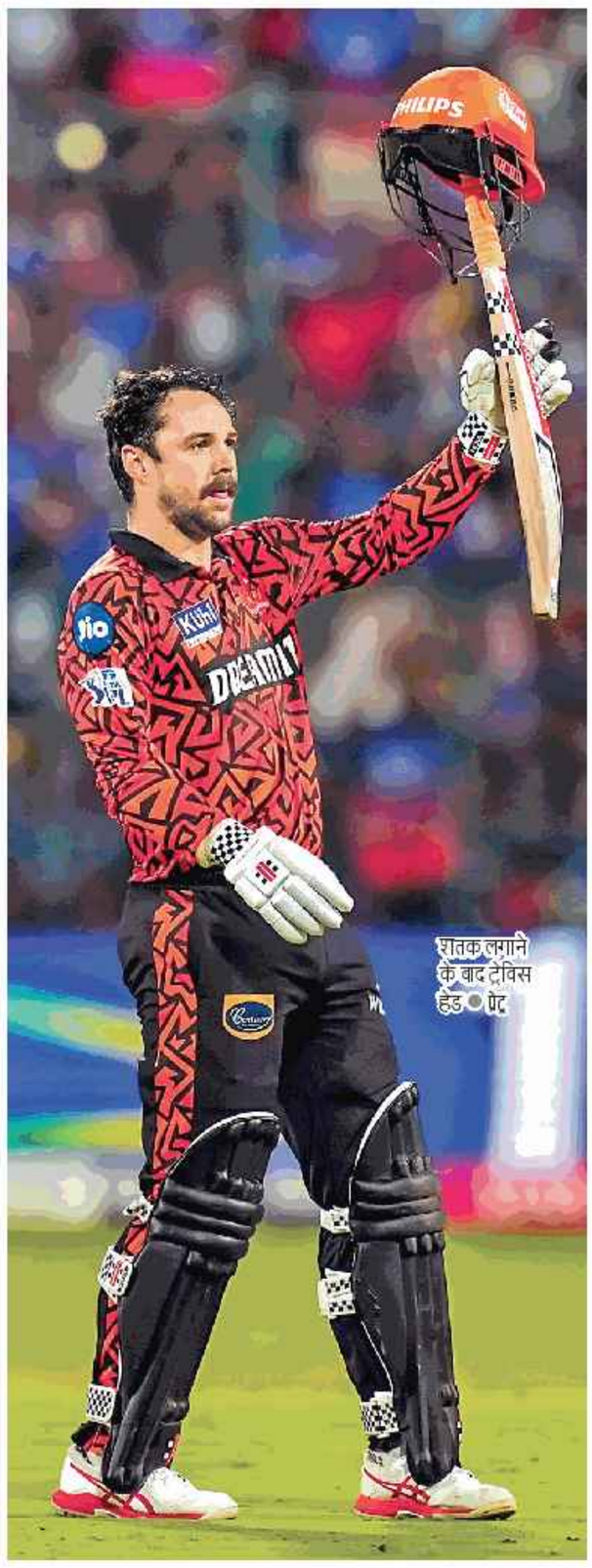

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली : वनडे विश्व कप फाइनल में अपनी बल्लेबाजी से आस्ट्रेलिया को विश्व विजेता बनाने वाले ट्रेविस हेड (102) सोमवार को जब बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम पर उतरे तो चौके-छक्कों की ऐसी झड़ी लगाई कि आरसीबी के 11 खिलाड़ी बस मूकदर्शक बनकर देखते रहे। हेड ने केवल 39 गेंदों में शतक पूरा किया, जो आइपीएल इतिहास का चौथा सबसे तेज सैकड़ा है। हेड ने अपनी 41 गेंदों की पारी में नौ चौके और आठ छक्के जड़े। हेड के अलावा हेनरिक क्लासेन (67) ने भी तूफानी अर्धशतक जड़ा, जिससे सनराइजर्स हैदराबाद की टीम ने तीन विकेट पर 287 रन का विशालकाय स्कोर खड़ा कर दिया। यह आइपीएल इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर है और टी-20 क्रिकेट का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में आरसीबी की टीम 262 रन ही बना पाई और हैदराबाद ने 25 रन से मैच अपने नाम किया।

हेड की अविश्वसनीय बल्लेबाजी: जब मुंबई इंडियंस के विरुद्ध हैदराबाद ने 277 रन बनाकर आरसीबी के सर्वाधिक रन का रिकार्ड तोड़ा था, तब हेड ने केवल 18 गेंदों में अर्धशतक जड़ टीम को तूफानी शुरुआत दी थी। सोमवार को हेड उसी रंग में दिखे और आरसीबी के किसी गेंदबाज को नहीं बख्शा। हेड ने 20 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया और फिर अगली 19 गेंदों पर आइपीएल में अपना पहला शतक जड़ा। हेड ने 248 के तूफानी स्ट्राइक रेट से रन बरसाए। उन्होंने अपनी पारी में आठ छक्के लगाए। उन्होंने पहले अभिषेक शर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 108 और फिर क्लासेन के साथ दूसरे विकेट के लिए 57 रन जोड़े। सनराइजर्स ने नीलामी में हेड को छह करोड़ रुपये में टीम के साथ जोड़ा था। आइपीएल 2024 सत्र में अब तक पांच मैचों में 235 रन बना चुके हेड ने बता दिया कि क्यों उन पर भरोसा जताया था।

क्लासेन की रन वर्षा : हेड के बाद बारी थी हेनरिक क्लासेन की, जिन्होंने अपनी पारी में सात छक्के और केवल दो चौके लगाए। क्लासेन ने 17वें ओवर में लाकी फर्ग्युसन की दूसरी गेंद पर गगनचुंबी छक्का जड़ा जो 106 मीटर दूर स्टेडियम की छत पर जाकर गिरा।

आरसीबी के चार गेंदबाजों ने लगाया 'अर्धशतक' : गेंदबाजी आरसीबी का कमजोर पहलू रही है और यह बात सोमवार को भी साबित हुई। सनराइजर्स के विरुद्ध उसके चार गेंदबाजों ने अपने चार ओवर में 50 से ज्यादा रन लुटाए। रीस टाप्ली ने 68 तो विजयकुमार वैशाक ने 64 रन कुटाए, जबकि लाकी फर्ग्युसन ने 52 व यश दयाल ने 51 रन खाए।

कार्तिक का पलटवार : आरसीबी ने भी सबसे बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए 262 रन जोड़ डाले, जो आइपीएल में उसका दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इसका श्रेय अनुभवी बल्लेबाज दिनेश कार्तिक की अद्भुत बल्लेबाजी को जाता है, जिन्होंने अंत तक हिम्मत नहीं हारी और 35 गेंदों में सात छक्के और पांच चौके जड़ते हुए 83 रनों की पारी खेली। कार्तिक ने आइपीएल में 108 मीटर का छक्का भी जड़ा, जो इस सत्र में सबसे लंबा छक्का है। कार्तिक के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 62 रन बनाए।

टी-20 में सर्वाधिक स्कोर

स्कोर	टीम	बनाम	स्थान	वर्ष
314/3	नेपाल	मंगोलिया	हांगझू	2023
287/3	सनराइजर्स	आरसीबी	बेंगलुरु	2024
278/3	अफगानिस्तान	आयरलैंड	देहरादून	2019
278/4	चेक गणराज्य	तुर्किये	इफलोव कंट्री	2019
277/3	सनराइजर्स	मुंबई	हैदराबाद	2024

आइपीएल में सबसे तेज शतक

गेंद	बल्लेबाज	बनाम	स्थान	वर्ष
30	क्रिस गेल	पुणे वारियर्स	बेंगलुरु	2013
37	युसुफ पठान	मुंबई	मुंबई	2010
38	डेविड मिलर	आरसीबी	मोहाली	2013
39	ट्रेविस हेड	आरसीबी	बेंगलुरु	2024
42	एडम गिलक्रिस्ट	मुंबई	मुंबई	2008

स्कोर बोर्ड

हैदराबाद : 287/3 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
अभिषेक का. फर्ग्यूसन बो. टाप्ली	34	22	2/2
हेड का. डुप्लेसिस बो. फर्ग्यूसन	102	41	9/8
क्लासेन का. वैशाख बो. फर्ग्यूसन	67	31	2/7
मार्करम अविजित	32	17	2/2
अब्दुल समद अविजित	37	10	4/3

अतिरिक्त : 15 (लेबा-2, वा-12, नोबा-1), कुल : 20 ओवर में तीन विकेट पर 287 रन, विकेट पतन : 1-108 (अभिषेक, 8.1), 2-165 (हेड, 12.3), 3-231 (क्लासेन, 16.6), **गेंदबाजी:** जैक्स 3-0-32-0, टाप्ली 4-0-68-1, दयाल 4-0-51-0, फर्ग्यूसन 4-0-52-2, वैशाख 4-0-64-0, लोमरोर 1-0-18-0

बेंगलुरु : 262/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
विराट कोहली बो. मार्कंडे	42	20	6/2
डुप्लेसिस का. क्लासेन बो. कमिंस	62	28	7/4
विल जैक्स रन आउट	07	04	1/0
पाटीदार का. नीतीश बो. मार्कंडे	09	05	0/1
सौरभ एलबीडब्ल्यू बो. कमिंस	00	01	0/0
कार्तिक का. क्लासेन बो. नटराजन	83	35	5/7
लोमरोर बो. कमिंस	19	11	0/2
अनुज रावत अविजित	25	14	5/0
वैशाख अविजित	01	02	0/0

अतिरिक्त : 14 (बा-1, वा-13), कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 262 रन, विकेट पतन : 1-80 (कोहली, 6.2), 2-100 (जैक्स, 8.1), 3-111 (पाटीदार, 8.6), 4-121 (डुप्लेसिस, 9.3), 5-122 (चौहान, 9.6), 6-181 (लोमरोर, 14.1), 7-244 (कार्तिक, 18.5), **गेंदबाजी:** अभिषेक 1-0-10-0, भुवनेश्वर 4-0-60-0, शाहबाज 1-0-18-0, नटराजन 4-0-47-1, कमिंस 4-0-43-3, मार्कंडे 4-0-46-2, उनादकट 2-0-37-0

केकेआर और रायल्स के बीच होगी शीर्ष स्थान की लड़ाई

रायल्स के अपने मैदान पर शीर्ष टीम का दर्जा छीनने को पूरा जोर लगाएगी कोलकाता नाइटराइडर्स

विशाल श्रेष्ठ ● जागरण

कोलकाता : एक तरफ राजस्थान रायल्स, जो सत्र के पहले छह मैचों में से पांच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर है तो दूसरी तरफ कोलकाता नाइटराइडर्स, जो पांच में से चार जीतकर दूसरे स्थान पर काबिज है। मंगलवार को ये दोनों टीमें जब ईडन गार्डेंस स्टेडियम में उतरेंगी तो कांटे की टक्कर के आसार हैं। राजस्थान जहां शीर्ष पर कायम रहना चाहेगी, वहीं कोलकाता उससे यह तमगा छीनने को पूरा जोर लगाएगी।

आत्मविश्वास से भरपूर हैं दोनों टीमें : सत्र में शानदार शुरुआत से दोनों टीमों का आत्मविश्वास चरम पर है। कोलकाता की बात करें तो आरंभिक बल्लेबाज फिल साल्ट और तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क के पिछले मैच में फार्म में लौटने से टीम प्रबंधन ने राहत की सांस ली है। कप्तान श्रेयस अय्यर अब तक भले बड़ी पारी न खेल पाए हों, लेकिन पिछले दो मैचों में रनों के बीच लौटे हैं। कोलकाता के पास मध्यक्रम में आंद्रे रसेल और रिंकू सिंह जैसे दो बेहद विस्फोटक बल्लेबाज हैं, जो किसी भी टीम की योजना को ध्वस्त कर सकते हैं। आरंभिक बल्लेबाज के तौर पर सुनील नारायण भी असरदार रहे हैं।

आंकड़ों में राजस्थान आगे : राजस्थान की बल्लेबाजी आंकड़ों के हिसाब से कोलकाता से अधिक मजबूत दिख रही है। रियान पराग जबर्दस्त फार्म में हैं। उन्होंने पिछली छह पारियों में 284 रन बनाए हैं, जिनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं। रन बनाने के मामले में वे बेंगलुरू के विराट कोहली के बाद दूसरे स्थान पर हैं। कप्तान संजू सैमसन का बल्ला भी बोल रहा है। वे पिछली छह पारियों में 264 रन बनाकर तीसरे स्थान पर हैं। आरंभिक बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल से टीम को बड़ी पारी की उम्मीद होगी। यशस्वी अब तक अपनी क्षमता के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। राजस्थान के लिए एक और परेशानी यह है कि जोस बटलर का मंगलवार के मैच में खेलना संदिग्ध है। ऐसे में मध्यक्रम की जिम्मेदारी हेटमायर व रोवमैन पावेल के कंधों पर होगी।

इतिहास रचने की दहलीज पर चहल : राजस्थान के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल ने मंगलवार के मैच में अगर कोलकाता के दो बल्लेबाजों को चलता कर दिया तो आइपीएल के इतिहास में 200 विकेट चटकाने वाले पहले गेंदबाज बन जाएंगे। चहल के अभी 151 मैचों में 198 विकेट हैं। चहल इस सत्र में भी शानदार फार्म में है। छह मैचों में 11 विकेट चटकाकर वे गेंदबाजों की सूची में पहले स्थान पर हैं। दूसरी तरफ कोलकाता की स्पिन गेंदबाजी की कमान सुनील नारायण व वरुण चक्रवर्ती पर होगी।

कोई किसी से कम नहीं : कागज व मैदान, दोनों में कोलकाता-राजस्थान का पलड़ा लगभग समान है। दोनों टीमों के बीच अब तक 28 मैच हुए हैं, जिनमें कोलकाता ने 14 और राजस्थान ने 13 जीते हैं। एक मैच बेनतीजा रहा है।

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	टाई	नेट रन रेट	अंक
1	राजस्थान	6	5	1	0	+0.767	10
2	केकेआर	5	4	1	0	+1.688	8
3	सीएसके	6	4	2	0	+0.726	8
4	हैदराबाद	6	4	2	0	+0.502	8
5	लखनऊ	6	3	3	0	+0.038	6
6	गुजरात	6	3	3	0	-0.637	6
7	पंजाब	6	2	4	0	-0.218	4
8	मुंबई	6	2	4	0	-0.234	4
9	दिल्ली	6	2	4	0	-0.975	4
10	आरसीबी	7	1	6	0	-1.185	2

एमबापे पर वापसी, ग्रीजमैन पर बढ़त बचाने का होगा दबाव

चैंपियंस लीग

पीएसजी vs बार्सिलोना
रात 12:30 बजे | स्थान : बार्सिलोना
एटलेटिको vs डार्टमंड
रात 12:30 बजे | स्थान : डार्टमंड
सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

नई दिल्ली, जेएनएन : बार्सिलोना को घर पर बढ़त देने के बाद अब पीएसजी और विशेषकर कायलियन एमबापे पर वापसी का दबाव होगा। वहीं, दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड के अनुभवी खिलाड़ी एंटोइन ग्रीजमैन पर डार्टमंड के विरुद्ध घर पर मिली बढ़त को बचाने का दबाव होगा। मंगलवार को चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल के दूसरे चरण में पीएसजी को बार्सिलोना से उनके घर पर, जबकि एटलेटिको मैड्रिड को डार्टमंड से उनके यहां भिड़ना है।

एमबापे को पहले चरण में रखा था शांत : बार्सिलोना के डिफेंडर जूल्स कुंडे ने पेरिस में पीएसजी के स्टार स्ट्राइकर कायलियन एमबापे को पूरी तरह से शांत रखा था। पीएसजी ने बार्सिलोना के विरुद्ध दो गोल दागे थे, परंतु इनमें एक में भी एमबापे को योगदान नहीं था। एक गोल वितिन्हा ने, जबकि एक गोल डेंबेले ने दागा था। यही कारण है अब बार्सिलोना को उनके घर पर हराने में एमबापे को दमदार प्रदर्शन करना होगा। बार्सिलोना में सबकी नजरें राफिन्हा पर होंगी, जिन्होंने पहले चरण में दो गोल दागे थे। मैच में कोच जावी को दो बढ़त है।

डार्टमंड को मैच से पहले झटका : डार्टमंड को चैंपियंस लीग मुकाबले से पहले तगड़ा झटका लगा है। पहले चरण में टीम के लिए गोल दागने वाले हालै चोटिल हो गए हैं और इस मैच में वह नहीं खेल सकेंगे। पहले चरण में घर पर सिमियोनी के एटलेटिको मैड्रिड ने भले ही बढ़त बना ली थी, परंतु टीम के अनुभवी खिलाड़ी एंटोइन ग्रीजमैन पर एक बार फिर नजरें होंगी जब टीम डार्टमंड के विरुद्ध उनके घर पर खेलेगी।

विदित गुजराती ने फिर हिकारू नाकामूरा को हराया

खेल डायरी

टोरंटो, प्रेट्र : भारतीय ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने पिछले मैच में शिकस्त के बाद जोरदार वापसी करते हुए रविवार को यहां कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के नौवें दौर में अमेरिका के दूसरे वरीय हिकारू नाकामूरा को हराया। डी गुकेश और आर प्रगनानंद के बीच आल इंडियन मुकाबला ड्रा रहा जबकि किसी अन्य बाजी का भी परिणाम नहीं निकला।

रूस के इयान नेपोमनियाश्चि ने फ्रांस के फिरोजा अलीरेजा के साथ अंक बांटे जबकि अजरबेजान के निजात अबासोव ने अमेरिका के फाबियानो करूआना को बराबरी पर रोका। वर्ष के इस सबसे बड़े टूर्नामेंट में अब पांच दौर का खेल शेष है। नेपोमनियाश्चि और गुकेश संभावित नौ में से 5.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। प्रगनानंद पांच अंक के साथ तीसरे स्थान पर हैं। नाकामूरा, गुजराती और करूआना 4.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर हैं।

पहले हाफ में नाकामूरा को हराने वाले विदित ने दूसरे हाफ में भी अपनी इस सफलता को दोहराया। गुकेश और प्रगनानंद के बीच आल इंडियन मुकाबला 41 चाल के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। अलीरेजा के विरुद्ध नेपोमनियाश्चि मुकाबला ड्रा कराने में सफल रहे। अबासोव ने भी सफेद मोहरों से खेलते हुए करूआना को कोई अवसर नहीं दिया और अंततः दोनों खिलाड़ी बाजी ड्रा कराने पर सहमत हो गए। महिला वर्ग में आर वैशाली की वापसी की आशाओं को झटका लगा जब उन्हें चीन की झोंगयी टैन के विरुद्ध शिकस्त का सामना करना पड़ा। रविवार को टैन और वैशाली की बाजी के अलावा अन्य किसी मुकाबले का परिणाम नहीं निकला। भारत की कोनेरू हंपी ने रूस की कैटरीना लेगनो के साथ अंक बांटे और बुल्गारिया की नुर्गयुल सेलिमोवा की बाजी भी ड्रा रही।

विदित गुजराती ● फाइल फोटो

शेफलर ने तीन वर्षों में दूसरी ट्राफी जीती

अगस्ता, प्रेट्र : विश्व नंबर एक स्काटी शेफलर ने तीन वर्षों में दूसरी बार चार शाट की बढ़त से 88वां अगस्ता मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट जीत लिया। अगस्ता नेशनल गोल्फ क्लब में ग्रीन जैकेट जीतने वाले शेफलर अपने छोटे से करियर में विगत 80 सप्ताहों से भी अधिक से विश्व नंबर एक खिलाड़ी हैं। फरवरी 2022 में पहला पीजीए टूर ट्राफी जीतने के बाद से यह शेफलर की आठवीं ट्राफी है। शेफलर ने अंतिम 18 होल में चार-अंडर 68 का कार्ड खेलकर टूर्नामेंट का अंत-11 अंडर पार किया और स्वीडन के लुडविग एबर्ग को चार स्ट्रोक से हराया। एबर्ग 1979 में फजी जोएलर के बाद पदार्पण में मास्टर्स जीतने वाले पहले गोल्फर बन सकते थे। एबर्ग ने तीन-अंडर 69 का स्कोर बनाया। मैक्स होमा, मोरिकावा और फ्लीटवुड संयुक्त तीसरे स्थान पर रहे।

ट्राफी के साथ स्काटी शेफलर ● एएफपी

स्टेडियम में हो सकता है ओलिंपिक उद्घाटन समारोह

पेरिस, प्रेट्र : फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों ने सोमवार को कहा कि योजना के अनुसार सीन नदी पर होने वाले पेरिस ओलिंपिक के उद्घाटन समारोह को सुरक्षा कारणों से राष्ट्रीय स्टेडियम 'स्टेड डि फ्रांस' में कराया जा सकता है। पेरिस ओलिंपिक और पैरालिंपिक से पहले फ्रांस में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए जा रहे हैं क्योंकि इस दौरान लाखों दर्शकों के देश पहुंचने की आशा है। मैक्रों ने कहा, 'अगर हमें लगता है कि संकट होगा जो हमारे सुरक्षा विश्लेषकों के आकलन पर निर्भर करेगा तो हमारे पास 'बी' और 'सी' योजना भी है।' सुरक्षा संकट को कम करने के लिए मैक्रों ने कहा कि आयोजक सीन नदी पर परेड के कार्यक्रम को छोटा करने का निर्णय कर सकते हैं और समारोह को स्टेडियम में कराया जा सकता है।

आशा, सजना पहली बार भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल

क्रिकेट डायरी

नई दिल्ली, प्रेट्र: स्पिनर आशा शोभना और बल्लेबाज सजना सजीवन को बांग्लादेश के विरुद्ध 28 अप्रैल से शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए भारतीय महिला क्रिकेट टीम में शामिल किया गया है।

लेग स्पिनर शोभना ने डब्ल्यूपीएल में आरसीबी की खिताबी जीत में अहम भूमिकर निभाते हुए 10 मैचों में 12 विकेट लिए थे। सजीवन ने मुंबई इंडियंस के लिए सेमीफाइनल में 74 रन बनाए थे। टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर होंगी। यह सीरीज इसलिए भी अहम है क्योंकि इस वर्ष के आखिर में टी20 विश्व कप भी बांग्लादेश में होना है। सभी पांच मैच सिलहट में खेले जाएंगे। आरसीबी की श्रेयांका पाटिल भी टीम में है जबकि डी हेमलता ने अक्टूबर 2022 के बाद वापसी की है। मैच 28, 30 अप्रैल, दो मई, छह मई और नौ मई को खेले जाएंगे।

भारतीय महिला टीम : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, डी हेमलता, साजना सजीवन, रिचा घोष, यास्तिका भाटिया, राधा यादव, दीप्ति शर्मा, पूजा वस्त्राकर, अमनजोत कौर, श्रेयांका पाटिल, साइका इशाक, आशा शोभना, रेणुका सिंह ठाकुर और टिटास साधु।

धर्मशाला में 'हाइब्रिड पिच' पर खेले जाएंगे आइपीएल के मैच

नई दिल्ली, जेएनएन: हिमाचल प्रदेश क्रिकेट संघ का खूबसूरत स्टेडियम बीसीसीआइ से मान्यता प्राप्त पहला स्टेडियम होगा, जिसमें अत्याधुनिक 'हाइब्रिड पिच' बिछाई गई है, जहां इस सत्र में आइपीएल के दो मैच होंगे। एचपीसीए के एक अधिकारी ने कहा, 'हाइब्रिड पिच बिछा दी गई है और आइपीएल के दो मैच इसी पर खेले जाएंगे।' यह पिच अधिक टिकाऊ, स्थिर और हाई परफार्मिंग होगी। एचपीसीए अध्यक्ष आर पी सिंह ने कहा, 'भारत में हाइब्रिड पिच तकनीक का आगमन क्रिकेट के लिए बहुत महत्वपूर्ण पल है।' हाइब्रिड पिच में मैदान के भीतर की कुदरती टर्फ के साथ कुछ प्रतिशत पोलीमर फाइबर होता है। इससे पिच टिकाऊ रहती है और इस पर समान उछाल भी मिलता है।

****

दैनिक जागरण

सप्तरंग

अंतस और अध्यात्म का

मंगलवार, 16 अप्रैल, 2024

जीवन दर्शन

सद्गुरु
ईशा फाउंडेशन के संस्थापक
आध्यात्मिक गुरु

ईश्वर पर करें विश्वास

जीवन में हर कोई अपने सपनों को पूरा करने की सोचता है। आपका सपना आपके अतीत का ही विस्तार है। आप किसी ऐसी चीज का सपना नहीं देख सकते, जिसे आप जानते नहीं हैं। आप जो जानते हैं, उसी के आधार पर भविष्य के कार्यों को तय करते हैं। एक तरह से आप यह सुनिश्चित कर लेते हैं कि आपके साथ कभी भी कुछ नया नहीं होगा। भविष्य के लिए ऐसे सपने संभावना नहीं, बल्कि निराशा हैं। आप भविष्य में अतीत की तलाश कर रहे हैं।

किसी लक्ष्य के बिना वर्तमान में रहना ही एक आध्यात्मिक प्रक्रिया है। आध्यात्मिक प्रक्रिया का अर्थ है कि जो कुछ भी हो रहा है, उसके साथ गहरी भागीदारी के साथ रहना, लेकिन लक्ष्य के बिना। यदि आप सोचते हैं कि कल जो कुछ भी होगा, मुझे मान्य है, लेकिन अभी मैं जो कुछ भी कर रहा हूं, उसे सबसे अच्छे ढंग से करूंगा, तो आप स्वाभाविक रूप से आध्यात्मिक होंगे।

सहज रूप से वर्तमान में आप ईश्वर में विश्वास करके रह सकते हैं। ईश्वर पर भरोसा करने का अर्थ यह नहीं है कि आप उनसे बात करते रहें। आप जहां भी बैठे हैं, आराम से हैं, इसी को विश्वास कहते हैं। क्योंकि ऐसी घटनाएं हुई हैं कि धरती फटी और उसने लोगों को निगल लिया। ऐसी घटनाएं हुई हैं कि आकाश से कुछ गिर गया और उन्हें कुचल कर मार डाला। ऐसी परिस्थितियां भी हुई हैं कि जिस हवा में लोगों ने सांस ली, उसी ने उनकी जान ले ली। धरती तीव्र गति से घूम रही है और सौरमंडल व आकाशगंगा की यात्रा कर रही है। मान लीजिए कि धरती मां अचानक विपरीत दिशा में घूमना शुरू कर दें, तो आप जहां बैठे हैं, वहां से उड़ जाएंगे। यहां आराम से बैठने, मुस्कुराने, सुनने या बात करने के लिए आपको विश्वास की आवश्यकता है। आध्यात्मिक प्रक्रिया में यह एक मौलिक कदम है। आप कल के लिए तत्पर हैं। कल कुछ भी हो सकता है। तब आपको इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। आप इसके लिए तत्पर हैं, यह जीवन के लिए एक स्वच्छंद उत्साह है।

अगले अंक में पढ़ें अम्मा अमृतानंदमयी का चिंतन

सप्ताह के व्रत त्योहार

16 अप्रैल, मंगलवार : दुर्गाष्टमी
17 अप्रैल, बुधवार : श्रीराम नवमी। राम जन्म महोत्सव
21 अप्रैल : श्री महावीर जयंती

श्रीराम के मनुष्य रूप में अवतार की महानता यह है कि उन्होंने मिट्टी में खेलकर, वनवास स्वीकार कर, राक्षसों से युद्ध कर भी अपने रामत्व और ईश्वरत्व को हिलने-डुलने नहीं दिया। उनका सत, चित और आनंद रूप विशुद्ध बोध विग्रह रूप शाश्वत रहा। श्रीराम नवमी (17 अप्रैल) पर विशेष...

भगवान श्रीराम ने सर्वजन सुखाय और सर्वजन हिताय के वैदिक सिद्धांत को स्थापित किया। चित्र : जागरण आर्काइव

मानस मर्म

स्वामी मैथिलीशरण
संस्थापक अध्यक्ष, श्रीरामकिंकर विचार मिशन

रामलला के चरणों में है शाश्वत सुख

श्रीराम के रोम-रोम में अनेक ब्रह्मांडों का वास है। भक्तों के हृदय में जब-जब भावना की संपूर्ण नवमी आती है, तब-तब वे माता कौशल्या के गर्भ में आकर त्रैलोक्य का उद्धार करने के लिए अवतरित होते हैं। उनके निर्गुण रूप को समझ पाना तो सरल है, पर उनकी सगुण लीला देख-सुनकर बड़े-बड़े मुनियों के मन में भी भ्रम की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। व्यक्ति के पुरुषार्थ के चारों फल अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष ही चारों भाइयों के रूप में जन्म लेते हैं। श्रीराम मोक्ष हैं, श्रीभरत धर्म हैं, श्रीलक्ष्मण काम हैं और श्रीशत्रुघ्न जी अर्थ हैं। रामजन्म के मध्य की जो लीला है, वही श्रीराम का लीला विस्तार है, जिसमें सारे संसार के लिए सुख संचित करने का मानवीय उपक्रम है।

जो सारे विश्व को आनंद देने वाले सुख की राशि हैं, वे राम बने। संसार का भरण-पोषण करने वाले भरत का जन्म हुआ। भगवान श्रीराम के शील सौजन्य की रक्षा करने और उनकी सुयश-पताका फहराने वाले श्रीलक्ष्मण जी का जन्म हुआ। मौन रहकर धर्मरूप भरत की सेवा करने वाले शत्रुघ्न का जन्म हुआ, जो अर्थ रूप में धर्मानुगामी हो गए। इन चारों भाइयों के जीवन में वेद का संहिता रूप भी है, वेद का ब्राह्मण रूप भी है और आरण्यक भी है। मस्तिष्क, हृदय और कर्म तीनों का सामंजस्य ही वेद है। शंकराचार्य, श्रीरामानंदाचार्य, श्रीवल्लभाचार्य, श्रीमध्वाचार्य जी आदि सभी आचार्यों ने उन्हें एक में अनेक और अनेक में एक के रूप में श्रीराम के वैदिक और पौराणिक रूप को शास्त्रीय विधि से और भक्तों की भावना की संपूर्ति के लिए अलग-अलग ढंग से प्रस्तुत किया है।

श्रीराम के मनुष्य रूप में अवतार की महानता यह है कि उन्होंने मिट्टी में खेलकर, वनवास स्वीकार कर, राक्षसों से युद्ध कर भी अपने रामत्व और ईश्वरत्व को हिलने-डुलने नहीं दिया। उनका सत, चित और आनंद रूप, विशुद्ध बोध विग्रह रूप शाश्वत रहा। अनेक लीलाओं में व्यावहारिक भेद में तात्विक अभेद की निरंतरता है। श्रीराम की इसी व्यापकता और सार्वकालिकता ने पत्थर से लेकर हृदय तक, आकाश से लेकर पाताल तक और जड़ से लेकर चेतन तक उन्हें ज्ञेय, ध्येय तथा अनुकरणीय बना दिया। श्रीराम का जन्म एक जागरण, जीवन और अस्तित्व है। राम आस्था और विश्वास हैं। मानव जाति के आदर्श हैं।

रामराज्य की स्थापना कर श्रीराम सर्वजन सुखाय और सर्वजन हिताय के वैदिक सिद्धांत को स्थापित करते हैं। उनका सुख-शांति वितरण का सिद्धांत अपने लिए न होकर सबके लिए है। श्रीराम का जन्म हुआ तो लोग न्योछावर करने लगे। दशरथ जी ने सबको दान दिया। इस दान की विशेषता यह थी कि जिसे जो भी मिला, उसने उसे अपने पास न रखकर दूसरों को दे दिया। वेद की ऋचाओं में कहा गया है:

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यंतु मा कश्चित् दुखभाग्भवेत।

किसी को किंचित मात्र भी दुख की स्मृति नहीं रही। गुरु वशिष्ठ ने जब भगवान को बालक रूप में देखा, गोस्वामी जी कहते हैं कि उनके अनुपम रूप के लिए कोई उपमा ही नहीं सूझ रही है। श्रीराम के जन्मकाल में योग, लग्न, ग्रह, वार, तिथि और सारे मुहूर्त अनुकूल हो गए। नवमी, जो रिक्ता तिथि थी, वह पूर्ण हो गई।

राम जन्म पर दशरथ जी को परमानंद और ब्रह्मानंद की प्राप्ति हुई। श्रीराम का जो रूप कौशल्या जी ने देखा वह विष्णु रूप था, जिसमें उनके चारों हाथों में शंख, चक्र, गदा व पद्म था।

माता कौशल्या ने कहा कि अब अपना यह रूप छोड़कर बालकों वाली लीला कीजिए। वस्तुतः माता कौशल्या अपने पुत्र राम को पालने में सुलाकर जब भगवान को भोग लगाने के लिए भोजनगृह में गईं, तो देखा वहां उन्हीं का लाल बैठा भोग स्वयं ही उठाकर खा रहा था। दौड़कर वो पालने के पास गईं तो वहां वही बालक सो रहा था। माता कौशल्या को लगा, दोनों जगह एक साथ मेरा पुत्र कैसे हो सकता है? तब भगवान ने अपना रूप माता कौशल्या को दिखाया था:

दिखरावा मातहि निज अद्भुत रूप अखंड।
रोम रोम प्रति लागे कोटि कोटि ब्रह्मंड।।

एक-एक रोम में अनेक शिव, ब्रह्मा, सूर्य, चंद्र, पृथ्वी दिखाई दे रहे हैं। कौशल्या जी ने वह सब देखा, जो न सुना था और न ही देखा था। श्रीराम की अद्भुत माया पर संसार विमोहित हो जाता है। जीव को चाहिए कि सारे कपट-जंजाल छोड़कर उन्हीं की भक्ति करे, जिनकी भक्ति स्वर्ग का सुख भोगने के बाद भी देवराज इंद्र करते हैं। जीवन में जब तक सीता के रूप में भक्ति, लक्ष्मण के रूप में वैराग्य और भगवान के रूप में ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती है, तब तक सारे संसार के मिथ्या भोग केवल कुछ समय के लिए सुख दे सकते हैं, पर शाश्वत सुख तो रामलला के चरणों में ही है।

लेख विस्तार से पढ़ने के लिए स्कैन करें।

maithili.sharan@yahoo.com

प्रेरक प्रसंग

पुरुषार्थ से बनता है भाग्य

एक बार जैन पंथ के अंतिम तीर्थंकर महावीर स्वामी एक गांव में भ्रमण करने निकले। एक व्यक्ति का मिट्टी के बर्तनों का बड़ा व्यापार था। वह अपने व्यापार के पीछे अपने अच्छे भाग्य को मानता था। उसका मानना था कि जब किसी व्यक्ति का भाग्य अच्छा होता है, तो उसके साथ हमेशा अच्छा होता है और भाग्य बुरा होने पर उसके जीवन में बुरी घटनाएं घटित होती हैं।

महावीर ने उससे कहा, 'हर कार्य पुरुषार्थ से होता है। जब व्यक्ति मेहनत करता है, तब उसका भाग्य चमकता है।' वह व्यक्ति महावीर की इस बात से सहमत नहीं हुआ। उसका मानना था कि भाग्य प्रबल होने पर ही व्यक्ति व्यापार, शिक्षा, आदि में उन्नति कर पाता है। उसकी बात सुनकर महावीर बोले, 'अच्छा बताओ, मिट्टी के ये बर्तन कौन बनाता है?' युवक बोला, 'मैं बनाता हूं।' महावीर बोले, 'तुम मिट्टी के बर्तन ही क्यों बनाते हो?'

21 अप्रैल को है महावीर जयंती

व्यक्ति बोला, 'क्योंकि यही मेरा व्यवसाय है।' महावीर ने कहा, 'यदि कोई तुम्हारे इन बर्तनों को फोड़ दे तो तुम क्या करोगे?' व्यक्ति बोला, 'तो मैं यह मान लूंगा कि इनके भाग्य में फूटना ही लिखा होगा।' इस पर महावीर मुस्कुराकर बोले, 'यदि कोई तुमसे अकारण मारपीट करने लगे तो क्या करोगे?' यह सुनकर वह व्यक्ति गुस्से में बोला, 'कोई मुझे अकारण क्यों मारेगा? यदि वह ऐसा करेगा तो मैं भी उसे मारूंगा।' उस व्यक्ति का जवाब सुनकर भगवान महावीर ने कहा, 'अब तुम भाग्य के बीच में क्यों आ रहे हो। हो सकता है कि तुम्हारे भाग्य में अकारण मार खाना लिखा हो।' यह सुनते ही उस व्यक्ति की आंखें खुल गईं और उसे महावीर की बात समझ में आ गई। अब वह समझ चुका था कि हम जैसा कर्म करते हैं, हमारा भाग्य भी उसी के अनुसार फल देता है। फिर उसने भगवान महावीर से क्षमा मांगी। भगवान महावीर बोले, 'भाग्य का बीज पुरुषार्थ में होता है।'

वर्ग पहेली-2602

बाएं से दाएं
2 चंद्रवंश के एक राजा, उभरता हुआ (4) I 5 वट वृक्ष (4) I 6 मृत्यु के देवता के दूत (4) I 7 वसंत ऋतु में काटी जाने वाली फसल (2) I 9 मृत्यु, पंचतत्व (3) I 10 कृतिका नक्षत्र, जबड़ा (3) I 12 शिव, महादेव (4) I 14 आकाश में उड़ने वाला, पक्षी, पंछी (4) I 15 तरंग (3) I 17 चौरस्ता, चौक (3) I 20 परत, झिल्ली (2) I 22 प्रभावशाली, जोशीला (4) I 23 मेघ, बादल (4) I 24 सबसे अच्छा (4) I

© Bird Features & Writing Agency

ऊपर से नीचे
1 एक-दूसरे के साथ, आपस में (4) I 2 जठर, पेट (3) I 3 आंख, चक्षु, नेत्र (3) I 4 बंदूक चलाने वाला (4) I 8 बिल्कुल मध्य या बीच में (4) I 9 अति दुर्बल या कृषकाय (4) I 10 बगल, कांख, लता (2) I 11 एक शुभ्र मिट्टी, जिससे खिलौने व बर्तन बनाए जाते हैं (2,2) I 13 प्रेमी से उत्पन्न पुत्र (4) I 14 पुरुष, विष्णु (2) I 16 उतावलापन (4) I 18 अपनी बात पर अड़ने वाला, जिद्दी (4) I 19 लोहे को सोना बनाने वाला एक कल्पित पत्थर (3) I 21 पाचन-क्रिया (3) I

कल का हल

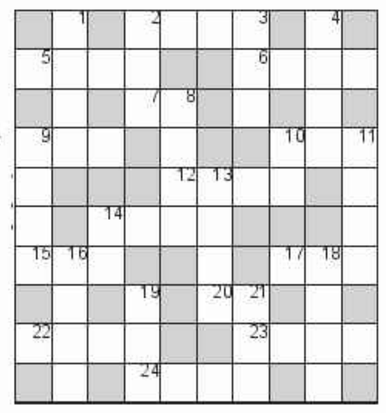

उ	प	जा	ना			दा	ग	दा	र
प			का	स्या	य	नी			हा
प्र			ब्र		म				स
ह	क		दी	न		आ	स	ल	हा
	रौ	छ				दा		बा	
	ब		दा				ह	ल	
आ	न	ब	न		हा	र		ब	द
सं				द्वा		ह			हा
ग			के	र	त	ब			ड
त	र	की	ब			र	ख	वा	ना

जागरण सुडोकू-2602

7			5				6	8
	6	2			4		3	
3				6		2		
	5				2	7		9
1		9	6					
				1		5		6
		1		4		6	7	
2	8		1		7			4
		7		3		8		1

कल का हल

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

आज का भविष्यफल- 16 अप्रैल, 2024 मंगलवार

के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : चैत्र मास शुक्ल पक्ष अष्टमी।
आज का राहुकाल : अपराह्न 03 बजे से 04 बजकर 30 मिनट तक।
आज का दिशाशूल : उत्तर। आज का पर्व एवं त्योहार : श्री दुर्गाष्टमी, महानिशा पूजा

कल 17 अप्रैल, 2024 का पंचांग
कल का दिशाशूल : उत्तर
कल का पर्व एवं त्योहार : श्री रामनवमी, तारा जंयती
विक्रम संवत 2081 शके 1946 उत्तरायण, उत्तरगोल, वसंत ऋतु, चैत्र मास शुक्ल पक्ष की नवमी तत्पश्चात दशमी, अश्लेषा नक्षत्र 29 घंटे 36 मिनट तक, शूल योग 23 घंटे 51 मिनट तक, तत्पश्चात गंड योग, कर्क में चंद्रमा।

मेष : बहुप्रतीक्षित कार्य संपन्न होने से आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।
वृष : नेत्र या उदर विकार के प्रति सचेत रहें। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा।
मिथुन : व्यावसायिक मामलों में सफलता। शासन सत्ता का सहयोग।
कर्क : जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।
सिंह : आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। शासनसत्ता का सहयोग रहेगा।
कन्या : शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहा प्रयास सार्थक होगा।
तुला : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
वृश्चिक : स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। आर्थिक मामलों में प्रगति होगी।
धनु : किसी रिश्तेदार या अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिल सकता है।
मकर : दांपत्य जीवन सुखमय होगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।
कुंभ : विरोधी सक्रिय रहेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है।
मीन : जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी।

राष्ट्रीय फलक

शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे पर रोक जारी

- हाई कोर्ट में चल रही मूल मुकदमे की सुनवाई पर कोई रोक नहीं
- सुप्रीम कोर्ट मामले में पांच अगस्त को करेगा सुनवाई

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के सर्वे पर फिलहाल रोक जारी है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सर्वे पर रोक का अपना अंतरिम आदेश आगे बढ़ा दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने मामले को पांच अगस्त को सुनवाई पर लगाने का आदेश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ किया है कि इलाहाबाद हाई कोर्ट में इस विवाद से संबंधित मूल मुकदमे में चल रही सुनवाई पर कोई रोक नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं लंबित हैं, जिनमें शाही ईदगाह मस्जिद में कोर्ट की निगरानी में सर्वे के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने गत 16 जनवरी को हाई कोर्ट के 14 दिसंबर 2023 के उस आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी थी, जिसमें शाही ईदगाह मस्जिद में कोर्ट की निगरानी में सर्वे का आदेश दिया गया था। इसके अलावा कृष्ण जन्मस्थान शाही ईदगाह मस्जिद विवाद मामले में मथुरा की जिला अदालत में लंबित सभी मुकदमे इलाहाबाद हाई कोर्ट स्थानांतरित करने के हाई कोर्ट के 26 मई, 2023 के आदेश को चुनौती दी गई है।

सोमवार को ये सभी मामले न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ के समक्ष सुनवाई पर लगे थे। पीठ ने मामले की सुनवाई अगस्त तक टालते हुए सभी पक्षों को तब तक प्लीडिंग यानी उत्तर प्रति उत्तर दाखिल करने का काम पूरा करने को कहा है। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि इस बीच सभी अंतरिम आदेश जारी रहेंगे। जब मंदिर पक्ष की ओर से पेश वकील ने कहा कि हाई कोर्ट में 16 अप्रैल को सुनवाई होनी है। और वहां मंदिर पक्ष के शाही ईदगाह मस्जिद पर दावे के मूल मुकदमे की सुनवाई योग्यता का मामला लंबित है तो सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया कि हाई कोर्ट में लंबित वाद की सुनवाई पर कोई रोक नहीं है। सोमवार को मंदिर पक्ष की ओर से एक पक्षकार श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के अध्यक्ष आशुतोष पांडेय भगवान कृष्ण की प्रतिमा के साथ सुप्रीम कोर्ट परिसर पहुंचे। ट्रस्ट ने भी श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही मस्जिद ईदगाह आदि की तरफ से अलग से एक मुकदमा निचली अदालत में दाखिल कर रखा है जिसमें मांग है कि ईदगाह मस्जिद को हटाकर सारा परिसर कृष्ण जन्मस्थान को सौंपा जाए। यह मुकदमा फिलहाल इलाहाबाद हाई कोर्ट में लंबित है। इसकी सुनवाई योग्यता पर 16 अप्रैल को हाई कोर्ट में सुनवाई होनी है।

कृष्ण मूर्ति लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे याचिकाकर्ता

मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि बनाम शाही ईदगाह केस की नई दिल्ली स्थित सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान सोमवार को याचिकाकर्ता आशुतोष पांडे(दाएं) अपने वकील सार्थक चतुर्वेदी के साथ भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा लेकर पहुंचे। पांडे श्रीकृष्ण जन्मभूमि मुक्ति निर्माण ट्रस्ट के कर्ताधर्ता हैं। असल में, मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर और शाही ईदगाह के 13 .37 एकड़ जमीन को लेकर विवाद है। लगभग 11 एकड़ पर मंदिर है और 2.37 एकड़ जमीन पर मस्जिद है। इस मस्जिद का निर्माण औरंगजेब ने 1669-70 में कराया था। एएनआइ

दैनिक जागरण के सहयोगी मीडिया प्लेटफार्म विश्वास.न्यूज की पड़ताल में सामने आया सच

अरुण गोविल का अधूरा वीडियो प्रसारित

विश्वास.News
क्योंकि सच जानना आपका अधिकार है
www.vishvasnews.com

जेएनएन, नई दिल्ली: मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल का एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। इसमें वह कार्यकर्ताओं के साथ भोजन के लिए बैठे हुए दिख रहे हैं। वीडियो को शेयर कर कुछ यूजर्स दावा कर रहे हैं कि अरुण गोविल ने दलित समाज से आने वाले कार्यकर्ता के घर पर भोजन नहीं किया।

पड़ताल: प्रसारित वीडियो की जांच के लिए हमने इसका कीफ्रेम निकालकर उसे गूगल लेंस की मदद से सर्च किया। अरुण गोविल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर इससे संबंधित पूरे वीडियो को पोस्ट किया गया है। वीडियो में लिखा है कि उन्होंने मेरठ के भगवतपुरा में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बूथ अध्यक्ष नीतू जाटव के घर पर भोजन किया। साथ ही वे पार्षद अरुण मचल वाल्मीकि के आवास पर चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। वीडियो में दिख रहा है कि अरुण गोविल ने भाजपा कार्यकर्ता के घर पर भोजन किया है। फेसबुक पर वीडियो को शेयर करने वाले यूजर की प्रोफाइल को हमने स्कैन किया। गाजियाबाद का रहने वाला यूजर एक राजनीतिक दल से जुड़ा हुआ है।

निष्कर्ष: मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार अरुण गोविल ने दलित समाज से आने वाले भाजपा कार्यकर्ता के घर पर भोजन किया था। उस कार्यक्रम के अधूरे वीडियो को शेयर कर गलत दावा किया जा रहा है।

क्या हो रहा है प्रसारित : फेसबुक यूजर रहीस अहमद सैफी ने 13 अप्रैल को वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा, 'मेरठ जनपद से बीजेपी के लोकसभा प्रत्याशी अरुण गोविल जी वाल्मीकि कार्यकर्ता के घर भोजन दर्शन करने पहुंचे। भगवान श्री राम ने त्रेता युग में शबरी के झूठे बेर खाए थे और यह 2024 में दलित के घर का भोजन नहीं खा पा रहे।' एक्स यूजर महावीर जैन ने भी इस वीडियो को समान दावे के साथ शेयर किया है।

झूठी खबर और अफवाहों का सच जानने के लिए विश्वास न्यूज के वाट्सएप चैनल को फालो करने के लिए कोड स्कैन करें।

निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी रामचंद्र गिरी ब्रह्मलीन

जागरण संवाददाता, वाराणसी

निरंजनी अखाड़े के वरिष्ठ महामंडलेश्वर व वाराणसी स्थित कैलाश मठ के पीठाधीश्वर स्वामी रामचंद्र गिरी महाराज रविवार को ब्रह्मलीन हो गए। वह 104 वर्ष के थे। उन्होंने तीन साल से अन्न त्याग कर दिया था। शरीर कमजोर होने से बेड पर थे और सिर्फ तरल ले रहे थे। सोमवार दोपहर केदारघाट पर उन्हें जल समाधि दी गई। जल समाधि विधान उत्तराधिकारी महामंडलेश्वर आशुतोषानंद गिरी महाराज ने पूरे किए। आशुतोषानंद गिरी ने बताया कि उनकी षोडशी पर 29 अप्रैल को भंडारा, श्रद्धांजलि समारोह व संत समागम आयोजित होगा।

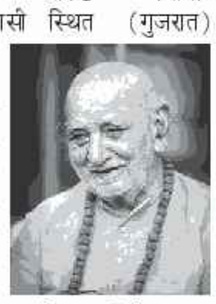

स्वामी रामचंद्र गिरी। स्रोत- कैलाश मठ

स्वामी रामचंद्र का जन्म गांधीनगर (गुजरात) के बिलोदरा गांव में हुआ था। उन्होंने गुजरात पुलिस में भी सेवा प्रदान की थी। मन में भक्ति भाव प्रबल होने पर उन्होंने संन्यास ले लिया। मगध (बिहार) पहुंचे और वहां गंगा तट पर वट वृक्ष के नीचे 12 वर्षों तक तपस्या की। अपना जीवन भिक्षाटन करके जिया और लोगों को गीता का उपदेश देते रहे। वर्ष 1949 में काशी आ गए। उनकी संत सेवा भावना से प्रभावित होकर कैलाश मठ के तत्कालीन महामंडलेश्वर ने 1980 में आश्रम की जिम्मेदारी उन्हें सौंप दी।

पोलैंड के पावेल क्वास्निविस्की बने पावेल कालीदास

- भारतीय संस्कृति से प्रभावित हो बने सनातनी

ऋषिकेश में गंगा तट पर सनातनी परंपरा के अनुसार नामकरण संस्कार कराते पोलैंड निवासी पावेल क्वास्निविस्की। जागरण

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश : भारतीय सनातनी संस्कृति के प्रति पश्चिमी देशों के लोगों का भी रुझान बढ़ रहा है। पोलैंड निवासी पावेल क्वास्निविस्की पर भी भारतीय संस्कृति का इतना गहरा असर हुआ कि उन्होंने सनातन धर्म अपनाकर अपना नामकरण भी करा दिया। अब पावले क्वास्निविस्की को पावेल कालीदास के नाम से जाना जाएगा।

सोमवार को पूर्णानंद घाट पर सनातन धर्म की वैदिक पद्धति से पावेल का नामकरण संस्कार यज्ञ कराया गया।

पीतांबर धारण किए पोलैंड निवासी पावेल धोती और जनेऊ पहने नजर आए। विधि-विधान व दीक्षा की प्रक्रिया पूरी होने के बाद पावेल ने बताया कि उन्होंने माता के काली स्वरूप की शरण में जाने और उच्च साधना के लिए मंत्र की दीक्षा ली है। इस अवसर पर ज्योतिषाचार्य सोनिया राज ने उन्हें गुरु दीक्षा दी।

****

2019 में शुरू हुई वंदे भारत ट्रेनों से दो करोड़ से ज्यादा लोगों ने यात्रा की

नई दिल्ली, प्रेट्र : देश की पहली सेमी-हाई स्पीड रेल सेवा (वंदे भारत ट्रेनों) ने इस वर्ष 31 मार्च तक दो करोड़ से अधिक यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाया है। 15 फरवरी, 2019 को दिल्ली-वाराणसी के बीच दो ट्रेनों के पहले सेट को हरी झंडी दिखाई गई थी।

रेलवे ने सोमवार को स्थापना के 171 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाया। इस दिन 1853 में मुंबई-ठाणे के बीच पहली ट्रेन चली थी। अधिकारियों ने कहा, गत कुछ वर्षों में रेलवे की यात्रा शानदार रही है। इसने देश के हर कोने तक अपने नेटवर्क का विस्तार किया है। वंदे भारत नेटवर्क आधुनिकीकरण की एक नई पहचान बन गई है। पांच वर्ष पहले एक रूट पर दो ट्रेनों से शुरू होकर आज 102 वंदे भारत ट्रेनें 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 284 जिलों को छूती हुई 100 मार्गों पर अपनी सेवाएं दे रही हैं। 2023-24 में वंदे भारत ट्रेनों द्वारा तय की गई दूरी पृथ्वी के 310 चक्कर लगाने के बराबर है।

नींद का अधिकार बुनियादी मानवीय आवश्यकता : बांबे हाई कोर्ट

- वरिष्ठ नागरिक से रातभर पूछताछ करने पर ईडी की आलोचना की

मुंबई, प्रेट्र : बांबे हाई कोर्ट ने मनी लांड्रिंग के एक मामले में एक वरिष्ठ नागरिक से रातभर पूछताछ करने पर ईडी की आलोचना करते हुए सोमवार को कहा कि सोने का अधिकार एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है, जिसका उल्लंघन नहीं किया जा सकता।

जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस मंजूषा देशपांडे की खंडपीठ ने कहा कि बयान रात में दर्ज नहीं किए जाने चाहिए, उस वक्त किसी व्यक्ति का संज्ञानात्मक कौशल क्षीण हो सकता है। अदालत ने यह आदेश 64 वर्षीय राम इसरानी की याचिका पर दिया जिन्होंने मनी लांड्रिंग मामले में अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी थी। ईडी ने अगस्त 2023 में इसरानी को गिरफ्तार किया था। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि वह जारी किए गए समन पर सात अगस्त, 2023 को एजेंसी के सामने पेश हुए और उनसे पूरी रात पूछताछ की गई तथा अगले दिन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। हालांकि पीठ ने याचिका खारिज कर दी लेकिन साथ ही कहा कि वह याचिकाकर्ता से रातभर पूछताछ करने की प्रथा को अस्वीकार करती है। ईडी के वकील हितेन वेनेगांवकर ने कोर्ट को बताया कि इसरानी ने रात में अपना बयान दर्ज कराने के लिए सहमति दी थी। याचिका के अनुसार, ईडी अधिकारियों ने इसरानी से तड़के तक पूछताछ की। अदालत ने कहा - 'स्वैच्छिक हो या अन्यथा लेकिन हम उस तरीके की निंदा करते हैं जिस तरह से इतनी देर रात में याचिकाकर्ता का बयान दर्ज किया गया। यह प्रक्रिया तड़के साढ़े तीन बजे तक चली। सोने का अधिकार एक बुनियादी मानवीय आवश्यकता है और इससे वंचित करना व्यक्ति के मानवाधिकार का उल्लंघन है।' कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए नौ सितंबर की तारीख मुकर्रर की।

अमेरिका में प्रदर्शित किया गया कैमरे के लिए पहला जूम लेंस

1947 में आज ही टेलीविजन कैमरे के लिए पहला जूम लेंस नेशनल ब्राडकास्टिंग कंपनी द्वारा न्यूयार्क में प्रदर्शित किया गया था। इससे पहले क्लोजअप शाट के लिए पूरे कैमरे को अभिनेता या वस्तु की ओर ले जाना पड़ता था। इसका आविष्कार डा. फ्रैंक जेराई ने किया था।

मुंबई से ठाणे के बीच चलाई गई भारत की पहली यात्री ट्रेन

1853 में आज ही देश में पहली बार बोरी बंदर (मुंबई) और ठाणे के बीच यात्री ट्रेन चलाई गई थी। 34 किमी की यात्रा साहिब, सुल्तान और सिंध नाम के तीन इंजनों द्वारा पूरी की गई थी। ट्रेन में 400 यात्री सवार थे। इस यात्रा में एक घंटा 15 मिनट का समय लगा था।

धर्मग्रंथों के हवाले से कंदुकुरी ने उठाई महिला हक की आवाज

समाज सुधारक एवं लेखक कंदुकुरी वीरेसलिंगम का जन्म 1848 में आज ही आंध्र प्रदेश के राजमुंदरी में हुआ था। छात्र जीवन में ही निरर्थक रीति-रिवाजों का विरोध करना शुरू कर दिया। प्राचीन धर्मग्रंथों का हवाला देते हुए महिलाओं के हक के लिए आवाज उठाई। समाज के भारी तिरस्कार के बावजूद 11 दिसंबर, 1881 को आंध्र प्रदेश में पहला विधवा पुनर्विवाह कराया। लड़कियों के लिए कई स्कूलों की स्थापना कराई। छुआछूत के खिलाफ भी व्यापक अभियान चलाया। 27 मई, 1919 को उनका निधन हो गया।

लिवर कैंसर के इलाज का मिला एक सुरक्षित विकल्प

शोध निष्कर्ष ▶ डीएनए आधारित वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी ड्रग के साथ म्यूटेशन का प्रमाण कम करने में रहा कारगर

स्वस्थ ऊतकों पर भी नहीं दिखा कोई खास दुष्प्रभाव

सैन डिएगो (अमेरिका), रायटर : कैंसर आज भी जानलेवा बड़ा रोग बना हुआ है। इसलिए उससे मुकाबले को दुनियाभर में शोध और ट्रायल अनवरत हो रहे हैं। इस क्रम में एक नई आशा जगी है। जीनोस थेराप्यूटिक्स द्वारा विकसित वैयक्तिक टीका (वैक्सीन) प्रारंभिक ट्रायल में काफी सफल पाया गया है। इसमें देखा गया है कि एडवांस स्टेज वाले लिवर कैंसर के जिन मरीजों को यह वैक्सीन इम्यूनोथेरेपी ड्रग की कम मात्रा के साथ दी गई, उनमें से लगभग एक तिहाई मरीजों के लिवर ट्यूमर में सामान्य प्रचलित इलाज की तुलना में दोगुना ज्यादा सिकुड़ाव देखा गया।

अमेरिका के सैन डिएगो स्थित अमेरिकन एसोसिएशन फार कैंसर रिसर्च में प्रस्तुत प्रारंभिक अध्ययन का यह निष्कर्ष नेचर मेडिसिन नामक जर्नल में प्रकाशित किया गया है। इसमें बताया गया है कि केवल रोगी के ट्यूमर में मौजूद म्यूटेशन पर आधारित यह वैक्सीन मुश्किल से इलाज योग्य कैंसर को पहचानने और उससे मुकाबला करने वाले इम्यून सिस्टम की क्षमता को बढ़ा सकते हैं। हालांकि शोधकर्ताओं ने इस बाबत फिलहाल सावधान किया है कि इस वैक्सीन के औद्योगिक उत्पादन और कैंसर की रोकथाम में इसके व्यापक इस्तेमाल की ओर बढ़ने से अभी विस्तृत ट्रायल के द्वारा इसके प्रभाव का सटीक आकलन किया जाना चाहिए।

अध्ययन के लिए शोधकर्ताओं ने रोगियों के ट्यूमर के सैंपल का इस्तेमाल करते हुए नियोएंटीजन (व्यक्तिगत तौर पर रोगी विशेष के ट्यूमर में हुए म्यूटेशन) आधारित वैक्सीन तैयार की। इसका उद्देश्य इम्यून सिस्टम को इस प्रकार से तैयार करना था कि वह कैंसर के लिए जिम्मेदार सिर्फ विशिष्ट प्रोटीन पर हमला करे और उससे स्वस्थ्य ऊतक पर कोई असर न हो या वे पूरी तरह सुरक्षित रहें।

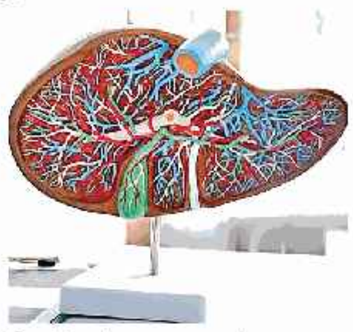

लिवर कैंसर के नए इलाज का प्रयोग सफल। प्रतीकात्मक

उल्लेखनीय है कि स्कीन कैंसर में जिस प्रकार से कई म्यूटेशन होता है और उसके कारण शरीर पर उसकी पहचान करना आसान होता है, उसके उलट लिवर कैंसर को 'कोल्ड कैंसर' कहा जाता है, क्योंकि इसमें म्यूटेशन का प्रमाण कम होता है और इम्यूनोथेरेपी कम प्रभावी होती है।

अध्ययन के नेतृत्वकर्ता विज्ञानी डा. मार्क याचीन के मुताबिक, यह नई वैक्सीन इम्यून सिस्टम को अनदेखी किए जाने वाले एंटीजन की पहचान के लिए तैयार करता है। यह अध्ययन लिवर कैंसर की आम बीमारी हेपैटोसेल्युलर कार्सिनोमा के 36 रोगियों पर किया गया। इनमें से करीब एक तिहाई (30.1%) रोगियों का इलाज कांबिनेशन थेरेपी (वैक्सीन के साथ ही इम्यूनोथेरेपी ड्रग) किया गया और 21.5 महीने के फालोअप अध्ययन में पाया गया कि लिवर ट्यूमर में सिकुड़ाव हुआ। इनमें से तीन पर पूर्ण असर देखा गया, मतलब यह कि उनमें ट्यूमर बचा ही नहीं। जबकि सिर्फ इम्यूनोथेरेपी लेने वाले मरीजों में 12 से 18 प्रतिशत ही फायदा देखने में आया। इससे यह स्पष्ट है कि वैक्सीन क्लीनिकल ट्रायल में प्रभावी रही।

खास बात यह भी कि इस वैक्सीन का कोई खास दुष्प्रभाव भी नहीं रहा। इसे इंजेक्शन लगने वाली जगह पर हल्का-फुल्का रिएक्शन हुआ और उसका भी कोई विशेष असर नहीं रहा।

समान्यतौर पर बनने वाली वैक्सीन मैसेंजर आरएनए (एम आरएनए) तकनीक पर आधारित होती है, जबकि जीनोस की यह वैक्सीन डीएनए वैक्सीन है, जिसमें म्यूटेशन प्रोटीन के आनुवंशिक कोड को एक छोटे विद्युत आवेग का उपयोग करके कोशिकाओं में इंजेक्ट किया जाता है। प्रत्येक वैक्सीन 40 म्यूटेटेड (उत्परिवर्तित) जीनों को लक्षित कर सकता है।

जापान में सूमो पहलवानों ने की मंदिर में पूजा

जापान में वार्षिक सूमो टूर्नामेंट शुरू होने से पहले पारंपरिक रिंग प्रवेश समारोह का आयोजन होता है। सूमो पहलवान राजधानी टोक्यो में स्थित यासुकुनी मंदिर में पारंपरिक ड्रेस में पहुंचे। सूमो कुश्ती देश का सबसे लोकप्रिय और पारंपरिक खेल उत्सव है। सूमो शब्द का अर्थ पारस्परिक रूप से दौड़ना है। इसमें दो प्रतिद्वंद्वी एक-दूसरे को रिंग से बाहर या मैट से दूर धकेलने का काम करते हैं। इसमें शक्ति और कौशल का इस्तेमाल किया जाता है। रायटर

इधर-उधर की

...तो इसलिए पानी में तैर रहा था दो मंजिला घर

सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में तैरता दो मंजिला घर। इंटरनेट मीडिया

वाशिंगटन, एजेंसी : सैन फ्रांसिस्को खाड़ी में कई दिनों तक तैरते दिखे दो मंजिला घर का रहस्य आखिरकार सुलझ गया है। यूएस कोस्ट गार्ड ने पुष्टि की कि उनकी निगरानी में इस हाउसबोट का निजी स्थानांतरण किया जा रहा था। लकड़ी का यह घर रेडवुड सिटी मरीना से निकला था। कुछ वर्ष पहले मरीना के 100 से अधिक निवासी हाउसबोट पर रहते थे लेकिन एक मुकदमे के बाद शहर ने 2015 में हाउसबोटों को हटाना शुरू कर दिया। यह रेडवुड सिटी से प्रस्थान करने वाली दूसरी अंतिम हाउसबोट थी जो कमो डेर मरीना पहुंच गई है।

अस्पतालों के सिंक भी ड्रग प्रतिरोधी बैक्टीरिया का बड़ा स्रोत

न्यूयार्क, आइएएनएस : लोग अस्पताल जाते हैं इलाज के लिए, लेकिन जब अस्पताल ही गंभीर संक्रमण का स्रोत बन जाए तो स्थिति चिंताजनक होना स्वाभाविक है। यह बात तो यदा-कदा सामने आती रही है कि अस्पतालों में इलाज के लिए इस्तेमाल होने वाले उपकरणों से संक्रमण के खतरा बना रहता है। कई बार उसके गंभीर परिणाम भी देखने को मिले हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि अस्पतालों के सिंक (वाश बेसिन) भी मल्टीड्रग-प्रतिरोधी बैक्टीरिया के संक्रमण का एक बड़ा स्रोत है। यह निष्कर्ष सुपरबग कार्बापेनेमेज-उत्पादक एंटरोबैक्टेरेल (सीपीई) के विविध प्रजाति के प्रकोप पर आधारित है, जो 2017 में टोक्यो में टोहो यूनिवर्सिटी ओमोरी मेडिकल सेंटर में बाल चिकित्सा वार्ड के अध्ययन में पाया गया।

अमेरिकन जर्नल आफ इंफेक्शन कंट्रोल (एजेआइसी) में प्रकाशित इस अध्ययन में शोधकर्ताओं ने विस्तार से बताया है कि सीपीई का पहला मामला जून 2016 में हृदय रोग से पीड़ित एक

- सिंक बदलने और हाइड्रोजन पेराक्साइड से कीटाणु रहित किए जाने के बावजूद बने रहे बैक्टीरिया
- अमेरिकन जर्नल आफ इंफेक्शन कंट्रोल में प्रकाशित हुआ अध्ययन

इस्तेमाल में सावधान। प्रतीकात्मक

वर्षीय लड़के में पाया गया था। नौ महीने बाद मार्च 2017 में एक अन्य 15 वर्षीय लड़के के घातक सुपरबग से संक्रमित होने का दूसरा मामला सामने आया। उसके बाद इस संक्रमण का प्रकोप 19 बाल रोगियों में फैल गया।

विस्तृत जांच करने पर 9 सिंक सीपीई से दूषित पाए गए। इनमें से 6 सीपीई-पाजिटिव रोगियों वाले अस्पताल के कमरों से थे और 3 एक नर्स केंद्र में। इसके अतिरिक्त एक अपशिष्ट कक्ष और एक बर्फ मशीन भी इसमें शामिल था। इन संक्रामक बैक्टीरिया के जीनोमिक विश्लेषण में 'क्लेबसिएला वेरिकोला, क्लेबसिएला क्वासिपन्यूमोनिया और एस्चेरिचिया कोली' जैसे जीवाणुओं के उपभेदों की पहचान की गई।

उल्लेखनीय यह पाया गया कि सीपीई संदूषण (कंटैमिनेशन) तब भी जारी रहा, जब टीम ने बाल चिकित्सा वार्ड में सभी सिंक को नए से बदल दिए और उन्हें हाइड्रोजन पेरोक्साइड के साथ पूरी तरह से कीटाणु रहित किया गया था। इसके अलावा, डीएनए सीक्वेंस से पता चला कि अस्पताल में प्रतिरोध तंत्र (रेसिस्टेंट मैकेनिज्म) के भीतर बैक्टीरिया की एक प्रजाति दूसरी में मिल जाती है। शोध टीम ने बताया कि आसपास के कमरों में सिंक में समान बैक्टीरियल प्रजातियों की खोज से संकेत मिलता है कि नालियों और उससे जुड़े पाइपलाइन के माध्यम से रोगाणुओं का संचरण एक सिंक से दूसरे सिंक में संभव हो सकता है।

टोहो विश्वविद्यालय में माइक्रोबायोलाजी और संक्रामक रोग विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर सदाको योशिजावा के मुताबिक, महीनों के गहन संक्रमण नियंत्रण प्रोटोकाल के बाद इस प्रकोप खत्म किया जाना संभव हो सका है। उन्होंने बताया कि उनका अनुभव अस्पताल के वार्डों में सिंक और पानी से संबंधित अन्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने के महत्व पर प्रकाश डालता है, क्योंकि ये सीपीई ट्रांसमिशन के लिए महत्वपूर्ण हैं और इसलिए एंटीबायोटिक प्रतिरोध के खिलाफ लड़ाई में यह एक महत्वपूर्ण टूल साबित हो सकता है।

क्या हो सकते हैं निवारक उपाय : ऐसे खतरों से बचने के उपायों में अध्ययन टीम ने सलाह दी है कि सिंक का उपयोग करने के बाद हाथ को सैनिटाइज अवश्य किया जाना चाहिए। सिंक के पानी से मुंह धोने से बचने चाहिए। सिंक के पानी के संपर्क में आने वाली किसी भी वस्तु के लिए कीटाणुशोधन और सुखाने जैसी प्रक्रिया पर अमल किया जाना चाहिए।

आपकी नसों तक समा चुका है प्लास्टिक

अनुसंधान

प्लास्टिक की खतरनाक पहुंच। प्रतीकात्मक

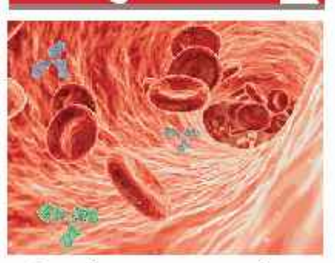

चाय पीनी हो, सब्जी लाना हो या कूड़ा फेंकना हो हर जगह लोग प्लास्टिक का प्रयोग कर रहे हैं। हर चीज की पैकिंग में प्लास्टिक का इस्तेमाल हो रहा है। यह कितना खतरनाक हो सकता है यह इस शोध से आप समझ सकते हैं। चीन में किए गए शोध में पता चला है कि आपके नसों में प्लास्टिक समा चुका है। दिल का दौरा, स्ट्रोक और डीप वेन थ्रांबोसिस के पीछे खून के थक्कों में 80 प्रतिशत तक माइक्रोप्लास्टिक्स पाया गया। माइक्रोप्लास्टिक पांच मिलीमीटर से कम लंबे प्लास्टिक के टुकड़े होते हैं। जर्नल ई बायो मेडिसिन में प्रकाशित इस अध्ययन से पता चला है कि रक्त के थक्के के नमूने मस्तिष्क धमनियों, कोरोनरी धमनियों आदि में पाए गए। दिल का दौरा, स्ट्रोक और डीप वेन थ्रांबोसिस के बाद रक्त वाहिकाओं से निकाले गए 80 प्रतिशत थक्कों में माइक्रोप्लास्टिक पाया गया। अमेरिका के जान्स हापकिन्स विश्वविद्यालय में आन्कोलाजी के एसोसिएट प्रोफेसर तातियाना प्रोवेल ने एक्स पर कहा कि आधुनिक जीवन में हर जगह प्लास्टिक है। यह बेहद चिंता का विषय है। अध्ययन में मानव स्वास्थ्य पर माइक्रोप्लास्टिक के प्रभाव की सटीक जांच की आवश्यकता पर बल दिया गया है। इससे पता चलता है कि माइक्रोप्लास्टिक की मौजूदगी से दिल का दौरा, स्ट्रोक आदि की गंभीरता बढ़ सकती है। (आइएएनएस)

स्क्रीन शाट

न रही डान 3 और न ही मिल पाया एक्शन में मौका

फिलहाल रणवीर कोई फिल्म नहीं शूट कर रहे हैं। जागरण आर्काइव

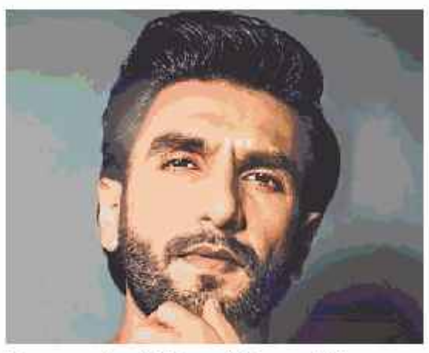

जब वक्त सही होता है, तभी सारे काम ठीक से हो पाते हैं। फिलहाल अभिनेता रणवीर सिंह के मामले में तो यही लग रहा है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बनने वाली उनकी फिल्म डान 3 : द चेज एंड्स की शूटिंग टल गई है, क्योंकि फरहान अपनी अभिनीत एक्शन फिल्म में व्यस्त हो गए हैं। अब खबरें हैं कि जो फिल्म रणवीर फिल्मकार आदित्य धर के साथ करने वाले थे, वह भी फिलहाल तीन-चार महीनों के लिए रुक गई है। रणवीर के लिए आदित्य की फिल्म बेहद खास थी, क्योंकि वह उसमें एक्शन करने वाले थे। अब तक रणवीर को विशुद्ध एक्शन अवतार में देखा नहीं गया है। आदित्य ने फिल्म को लेकर रेकी भी शुरू कर दी थी, ताकि वह फिल्म की शूटिंग जल्द से जल्द शुरू कर पाएं। फिलहाल सारी योजनाओं पर पानी फेर दिया है, फिल्म के बजट ने। राजनीति और गैंगवार की पृष्ठभूमि पर इस फिल्म को दोनों सबसे बड़ी थ्रिलर फिल्म बनाना चाहते थे। फिल्म से जुड़े स्टूडियो पार्टनर फिल्म पर बड़ा बजट लगाने के लिए तैयार नहीं हैं। अब आदित्य के पास कोई और विकल्प नहीं है। वह कहानी पर दोबारा से काम कर रहे हैं, ताकि एक्शन सीक्वेंस के बजट को कम करके उसे तय बजट में फिट किया जा सके।

हर साल एक फिल्म बनाने की तमन्ना है : अनिरुद्ध राय चौधरी

बालीवुड में कई फिल्ममेकर अपने पसंदीदा कलाकारों को अपनी फिल्मों में दोहराना पसंद करते हैं। हालांकि पिंक फिल्म निर्देशक अनिरुद्ध राय चौधरी के साथ ऐसा नहीं है। वह अपनी फिल्मों में हर बार भिन्न कलाकारों के साथ काम करते हैं। बीते दिनों पंकज त्रिपाठी के साथ फिल्म कड़क सिंह का निर्देशन करने वाले अनिरुद्ध दैनिक जागरण साथ बातचीत में कहते हैं कि हर कहानी एक-दूसरे से अलग होती है। किरदार की मांग के अनुसार ही कलाकार को कास्ट करना होता है। एक बार साथ काम करने लेने से हम एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने भी लगते हैं। तो यह रिश्ता आगे बढ़ना चाहिए। मैं अपने कलाकारों को निश्चित तौर पर अपनी कहानी में दोबारा लेना चाहूंगा। मैंने राहुल बोस को अपनी पहली बांग्ला फिल्म अनुरानन में कास्ट किया था। उसके बाद बांग्ला फिल्म अंतहीन में भी उनको कास्ट किया था। दोनों ही फिल्मों को राष्ट्रीय पुरस्कार मिला था। उसके बाद वैसा नहीं हुआ। मैं भी कई बार सोचता हूं कि अपने पुराने कलाकारों साथ काम क्यों नहीं कर पा रहा हूं। पंकज कपूर बेहतरीन अभिनेता हैं। यामी गौतम भी शानदार अभिनेत्री हैं। मैं इन सबके साथ फिर से काम करना चाहूंगा।

जिनके साथ काम कर चुके हैं, उनके साथ फिल्म बनाना चाहते हैं अनिरुद्ध। @ aniruddhatony (इंस्टाग्राम)

जब गायक शान से हरिहरन ने कहा था- चिल्लाओ मत, गाओ

फिल्म और संगीत में होने वाली प्रतिस्पर्धा को लेकर बातें खूब होती हैं। हालांकि गायक शान का कहना है कि उन्हें कभी प्रतिस्पर्धा महसूस नहीं हुई। एक साक्षात्कार में शान ने कहा कि लोग कहते हैं कि गायक एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं, लेकिन सच कहूं तो गाने को लेकर सबसे ज्यादा जानकारियां कई गायकों से ही मिली है। एक बार मैं हरिहरन (गायक) के साथ गाना गा रहा था। मैं माइक पर तेज आवाज में गा रहा था। उन्होंने मुझे देखकर कहा कि चिल्ला क्यों रहे हो, क्या माइक नहीं चल रहा है। मैंने कहा कि आवाज में थोड़ा दम ला रहा हूं, इस पर उन्होंने कहा कि ऐसे तो सारा दम आवाज से चला जाएगा। उन्होंने सिखाया कि चिल्लाने से वह बात गाने में नहीं आएगी, जो लाना चाहते हो। गाने को समझकर उसकी उत्सुकता और खनक गाने में लाओ, नहीं तो लगेगा गाना नहीं गा रहे हो, बस चिल्ला रहे हो। किशोर दा (किशोर कुमार) और रफी साहब (मोहम्मद रफी) कभी चिल्लाते नहीं थे, वह गाना गाते थे। वह मैंने लिख कर रख लिया था। एक बार उदित जी (गायक उदित नारायण) ने मुझसे कहा था कि जब भी माइक पर नर्वस हो तो शब्दों पर ध्यान दो। किस शब्द पर जोर देना है, कहां पर सांस लेना है, उस पर ध्यान दोगे तो सब सही हो जाएगा।

कई गायकों से गायकी के गुर सीखे हैं शान ने। @singer_shaan (इंस्टाग्राम)

हर कहानी के लिए अलग दर्शक वर्ग देखते हैं राजेश कुमार

कामेडी से अलग भूमिका चाहते हैं राजेश। @ rajeshkumar.official (इंस्टाग्राम)

डिजिटल प्लेटफार्म पर लगातार प्रदर्शित हो रही क्राइम थ्रिलर कहानियों के बीच पारिवारिक कहानियों की अपनी अलग लोकप्रियता रही है। इस कड़ी में पंचायत, गुल्लक और ये मेरी फैमिली जैसी पारिवारिक पृष्ठभूमि पर आधारित वेब सीरीज काफी लोकप्रिय हुई। हालांकि, अभिनेता राजेश कुमार डिजिटल प्लेटफार्म पर पारिवारिक कहानियों की लोकप्रियता को कुछ नया नहीं मानते हैं। वह इसे सिर्फ माध्यम में बदलाव के तौर पर देखते हैं। हालिया प्रदर्शित वेब सीरीज ये मेरी फैमिली सीजन 3 में दोबारा संजय अवस्थी की भूमिका में नजर आए राजेश कुमार दैनिक जागरण से बातचीत में कहते हैं, 'हमारी आबादी 144 करोड़ की है। हर किसी का अपना सोच और धारणा है, ऐसे में हमारे यहां हर किस्म की कहानी के लिए दर्शक हैं। हमारे यहां पारिवारिक कहानियों और शो की जगह हमेशा ही बनी रही है। ऐसा नहीं है कि पहले ये विलुप्त हो गई थी फिर इनका दौर आया है। आप देख लीजिए टीवी में अब भी कई ऐसे शो हैं, जो पारिवारिक हैं और पिछले कई वर्षों से चलते आ रहे हैं। पहले और अब में फर्क सिर्फ इतना आया है कि हम ज्यादा दर्शकों तक अपनी कहानियां पहुंचा पा रहे हैं। इसलिए मैं इसे कोई नया दौर नहीं मानता हूं, दौर वही है बस माध्यम बदला है।'

पठान और जवान फिल्मों के बाद बढ़ाया गया युधा का क्लाइमेक्स

हिंदी सिनेमा में लगातार बढ़ता एक्शन का स्तर फिल्मकारों के लिए बड़ी चुनौती बन रहा है। उन पर अपनी फिल्म में नया दिखाने को लेकर दबाव बढ़ रहा है। रवि उद्यावर के निर्देशन में बनी फिल्म युधा में अभिनेता सिद्धांत चतुर्वेदी पहली बार एक्शन करते हुए नजर आएंगे। फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है और निर्माताओं की योजना जून तक प्रदर्शित करने की है। पठान और जवान फिल्मों की सफलता के बाद युधा के निर्देशक रवि के सामने भी कुछ अलग और नया एक्शन प्रस्तुत करने की चुनौती थी। लिहाजा उसके बाद उन्होंने कुछ सीन दोबारा शूट किया। इस बारे में दैनिक जागरण से बातचीत में सिद्धांत बताते हैं, 'मैं इस फिल्म के निर्माताओं का आभारी हूं कि उन्होंने मेरे जैसे नए लड़के पर भरोसा जताया। इस फिल्म में काफी मेहनत लगी है। तकनीकी तौर पर भी फिल्म को बड़े अच्छे से बनाया गया है। पोस्ट प्रोडक्शन और वीएफएक्स पर भी काफी अच्छा काम किया गया है। जब पठान और जवान फिल्में रिलीज हुईं तो हमें लगा कि इस फिल्म के एक्शन का स्तर और ज्यादा बढ़ाना चाहिए। उसके बाद हमने बैकग्राउंड म्यूजिक से लेकर वीएफएक्स तक कई चीजों पर दोबारा काम किया और उनका स्तर बढ़ाया। जब हमने देखा लोगों में एक्शन की मांग और भूख और ज्यादा बढ़ गई है, तो हमने फिल्म के कुछ सीन दोबारा शूट किए तथा फिल्म का क्लाइमेक्स और बड़ा किया गया।'

सिद्धांत ने युधा में स्वयं किए हैं सारे एक्शन और स्टंट ● @raviudyawar (इंस्टाग्राम)

श्रीलंका, पुर्तगाल और भारत में हुई फिल्म की शूटिंग

इस फिल्म की घोषणा साल 2021 में हुई थी और तब निर्माताओं की योजना इसे साल 2022 में प्रदर्शित करने की थी। फिल्म में विलंब को लेकर सिद्धांत कहते हैं, 'ये एक्शन फिल्म है, इसकी शूटिंग के लिए हमारी पूरी टीम को पुर्तगाल जाना था। हमने इस फिल्म को तीन देशों श्रीलंका, पुर्तगाल और भारत में शूट किया है। हालांकि उस समय कोरोना महामारी चल रही थी और उसकी पाबंदियां हटने में काफी समय लग गया। ऐसे में हम भारत में जितना शूट कर पाए उतना किया, बाकी विदेश में होने वाले शेड्यूल के लिए इंतजार किया। जैसे ही पाबंदियां हटी तो हमने विदेश जाकर इसकी शूटिंग पूरी की। फिल्म गली ब्याय के बाद मैंने कई प्रोजेक्ट साइन किए थे। कोरोना महामारी के बाद उनके शेड्यूल भी ऊपर-नीचे हो गए थे। उदाहरण के लिए फिल्म की टीम शूटिंग के लिए मेरा इंतजार कर रही थी और मैं गहराइयां के प्रमोशन में व्यस्त था। फिर बीच में फोन भूत और खो गए हम कहां फिल्में भी आईं। इस तरह बीच-बीच में शूटिंग में भी विलंब होता रहा।'

स्वयं किए सारे एक्शन

फिल्म में एक्शन के लेकर सिद्धांत कहते हैं, 'एक्शन करते हुए आप कुछ गलत नहीं कर सकते हैं। इसमें सारे एक्शन से लेकर स्टंट तक मैंने खुद ही किया है, किसी बाडी डबल का प्रयोग नहीं किया है। आज के समय में कलाकार के लिए यह जरूरी भी होता है क्योंकि आप एक्शन फिल्म कर रहे हैं, कोई मजाक नहीं। इसके लिए बहुत मेहनत चाहिए।'

अपनों के लिए फिल्म

सिद्धांत इस फिल्म को अपने गृह राज्य के दर्शकों की फिल्म मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैं उत्तर प्रदेश और बिहार की पृष्ठभूमि से आता हूं। मुझे याद है बचपन में हमारे यहां एक मुन्ना भैया थे, वो फिल्मों के बड़े शौकीन थे। हम उनके साथ ही फिल्में देखने जाते थे। हम जब भी उनसे पूछते कि भैया कौन सी फिल्म देखनी है तो वो बोलते थे कि अरे फाइट वाली पिक्चर देखल जाव (अरे फाइट वाली फिल्म देखेंगे)। अभी तक मेरी ज्यादातर फिल्मों में मेरी भूमिकाएं शहरी पृष्ठभूमि पर आधारित रही हैं। मैंने यह फिल्म उत्तर प्रदेश और बिहार के अपने उन दर्शकों के लिए की है, जिनको फिल्म में फाइट देखना पसंद है।'

पुष्पा 2 से टकराव से बचने की तैयारी में सिंघम

अजय के साथ सिंघम अगेन की रिलीज आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं रोहित ● मिडडे

टिकट खिड़की पर दो बड़ी फिल्मों के टकराव की स्थिति में किसी न किसी एक फिल्म को नुकसान उठाना ही पड़ता है। पिछले सप्ताह प्रदर्शित हुई अक्षय कुमार और टाइगर अभिनीत बड़े मियां छोटे मियां तथा अजय देवगन अभिनीत फिल्म मैदान फिल्मों के टकराव पर ऐसी स्थिति देखी गई। समीक्षकों से अच्छी प्रतिक्रिया पाने के बाद भी मैदान उम्मीदों के अनुसार कमाई करने में असफल दिख रही है। अब खबरें हैं कि मैदान से मिला सबक अजय अपनी आगामी और बहुप्रतीक्षित फिल्म सिंघम अगेन में अपनाने जा रहे हैं। रोहित शेट्टी के निर्देशन में बन रही इस फिल्म को पहले स्वतंत्रता दिवस के मौके पर प्रदर्शित करने की योजना थी। उसी दिन अल्लू अर्जुन अभिनीत फिल्म पुष्पा : द रूल भी रिलीज होनी है। यह साल 2021 में प्रदर्शित फिल्म पुष्पा : द राइज की सीक्वल है। मैदान का हाल देखने के बाद रोहित और अजय अब पुष्पा 2 से टकराव नहीं चाहते हैं। सिनेमाई गलियारों की रिपोर्ट्स के अनुसार, अब सिंघम अगेन की प्रदर्शन तिथि को आगे बढ़ाकर दीवाली के मौके पर प्रदर्शित किया जा सकता है। हालांकि, दीवाली पर भी अजय को एकल रिलीज नहीं मिलने वाली है। फिल्मकार अनीस बज्मी पहले ही घोषणा कर चुके हैं कि दीवाली पर वह भूल भुलैया 3 प्रदर्शित करेंगे। हालांकि, अभी तक अजय और रोहित ने फिल्म की प्रदर्शन तिथि आगे बढ़ाने को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

मई तक पूरी हो जाएगी छावा की शूटिंग

निर्माता दिनेश विजन छत्रपति संभाजी महाराज पर बन रही फिल्म छावा के साथ भी किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहते। इसलिए 17वीं शताब्दी के दौर में सेट इस कहानी के ज्यादातर हिस्सों की शूटिंग उन जगहों के नजदीक की गई है, जिससे छत्रपति संभाजी महाराज का नाता रहा है। उनके जीवन से जुड़ी अहम घटनाएं हुई हैं। फिल्म को भव्य स्तर पर शूट किया जा रहा है। फिल्म में अभिनेता विक्की कौशल शीर्षक भूमिका में हैं। कुछ समय पहले विक्की ने पुणे से 90 किलोमीटर दूर वाई का शेड्यूल पूरा होने की जानकारी इंस्टाग्राम पर दी थी। अब फिल्म की शूटिंग मुंबई के मड आईलैंड में चल रही है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार अब छावा की शूटिंग आखिरी चरण में है। अब सेट पर फिल्म की बाकी की शूटिंग हो रही है। इसका कारण यह है कि हर लोकेशन पर जाकर शूटिंग नहीं की जा सकती है। उस जमाने की इमारतें, महल अब नहीं हैं। जो हैं, उनके साथ कोई छेड़छाड़ नहीं कर सकते हैं, क्योंकि वह धरोहर हैं। मई के मध्य तक इस फिल्म की शूटिंग पूरी हो जाएगी।

विक्की कौशल हैं शीर्षक भूमिका में ● मिडडे आर्काइव